



INDIAN INSTITUTE
OF TECHNOLOGY
DHARWAD

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25

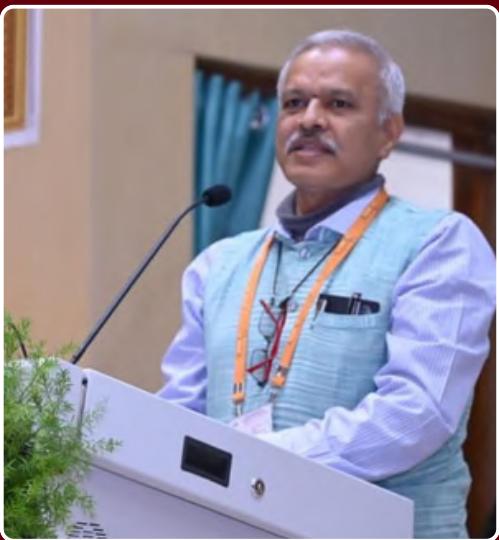


विषयसूची

| क्र.सं. | ब्यौरे | पेज नं. |
|---------|---|---------|
| 1 | निदेशक के डेस्क से | 01 |
| 2 | आई आई टी धारवाड़ के बारे में | 03 |
| | 2.1 ध्येय (विज्ञन) | 05 |
| | 2.2 मिशन | 05 |
| | 2.3 उद्देश्य | 05 |
| | 2.4 सर्वकालिक लक्ष्य | 05 |
| 3 | संगठन | 06 |
| | 3.1 शासी बोर्ड | 06 |
| | 3.2 सीनेट के सदस्य | 08 |
| | 3.3 वित्तीय समिति | 14 |
| | 3.4 भवन और कार्य समिति | 15 |
| 4 | शैक्षणिक अनुभाग | 16 |
| 5 | शैक्षणिक विभाग | 20 |
| | 5.1 जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग | 20 |
| | 5.2 रसायन अभियांत्रिकी विभाग | 22 |
| | 5.3 रसायन विज्ञान विभाग | 25 |
| | 5.4 सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विभाग | 31 |
| | 5.5 कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग | 38 |
| | 5.6 इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग | 46 |
| | 5.7 मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग | 54 |
| | 5.8 गणित विभाग | 59 |
| | 5.9 मैकेनिकल, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग | 64 |
| | 5.10 भौतिकी विभाग | 72 |
| 6 | अनुसंधान और विकास | 77 |
| | 6.1 प्रायोजित परियोजनाएं | 77 |
| | 6.2 परामर्श परियोजनाएं | 79 |
| | 6.3 सीएसआर दान गतिविधियाँ | 83 |
| | 6.4 बीज अनुदान नेटवर्किंग फंड (एसजीएनएफ) | 83 |

| | | |
|----|--|-----|
| | 6.5 भारतीय शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन | 84 |
| | 6.6 अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन | 84 |
| | 6.7 पेटेंट सूचना | 84 |
| | 6.8 अनुसंधान प्रकाशन | 85 |
| | 6.9 संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ | 95 |
| 7 | संकाय कल्याण | 99 |
| 8 | उत्कृष्टता केंद्र | 100 |
| | 8.1 धारा 8 [लाभ के लिए नहीं] कंपनी | 100 |
| | 8.2 किफायती और स्वच्छ ऊर्जा में उत्कृष्टता केंद्र | 107 |
| | 8.3 भारतीय ज्ञान प्रणाली में उत्कृष्टता केंद्र | 107 |
| | 8.4 माणिकशॉ रक्षा अनुसंधान केंद्र | 108 |
| | 8.5 परिष्कृत केंद्रीय उपकरण सुविधा | 110 |
| | 8.6 अंतरिक्ष डेटा विज्ञान प्रयोगशाला | 115 |
| 9 | कैरियर विकास प्रकोष्ठ | 116 |
| 10 | पूर्व छात्र संघ | 117 |
| 11 | ज्ञान संसाधन केंद्र | 118 |
| 12 | जिमखाना इकाई | 120 |
| 13 | संस्थान के कार्यक्रम | 123 |
| 14 | स्टाफ प्रोफाइल | 131 |
| 15 | अवसंरचना विकास | 136 |
| 16 | खातों का सारांश | 153 |

निदेशक के डेस्क से



प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई निदेशक, आइआइटी धारवाड

आइआइटी धारवाड ने 2016 में अपनी स्थापना के बाद से अपने अस्तित्व में एक और वर्ष जोड़ा है और यह अब अपने 10 वें वर्ष में है। हमारी ताकत सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं और समकालीन, उद्योग-विशेष पाठ्यक्रम को मिश्रित करने की हमारी क्षमता में निहित है, जो हमारे मजबूत उद्योग इंटरफेस और हमारे शैक्षणिक पाठ्यक्रम द्वारा दृढ़ता से समर्थित हैं, जो मुख्य रूप से एनईपी 2020 के साथ संरेखित है। हम अपने शीर्ष गुणवत्ता वाले संकाय सदस्यों पर गर्व करते हैं, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, प्रशिक्षण, परामर्श और प्रभावशाली अनुसंधान में अपने लिए प्रतिष्ठा बनाई है। यह हमारे बुनियादी ढांचे, एक संतोषजनक परिसर जीवन, विभागों और उत्कृष्टता केंद्रों में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं, साथ ही नए पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों द्वारा समर्थित है।

आइआइटी धारवाड की यह वार्षिक रिपोर्ट आइआइटी धारवाड में विभिन्न शैक्षिक, सह-पाठ्यचर्चा गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला का वर्णन करती है। संपादकीय टीम ने परिसर में मौजूद अनुकूल शैक्षिक, अनुसंधान और मैत्रीपूर्ण वातावरण को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है, जिसमें अनुसंधान परियोजनाओं, प्रकाशनों, पेटेंट, अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी के साथ-साथ पुरस्कार, मान्यता और सम्मान सहित विशेष उपलब्धियां शामिल हैं। संकाय सदस्यों और छात्रों के

प्रमुख योगदान और उपलब्धियां निम्नलिखित पृष्ठों में प्रस्तुत की जाती हैं। यह वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 अपने पाठकों को आइआइटी धारवाड की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है।

शिक्षा, अनुसंधान और अनुभव साझा करने के स्वस्थ प्रभाव को बढ़ाने के लिए, कई समझौता ज्ञापनों पर प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों जैसे भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बैंगलुरु, केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल और राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र (एनसीबीएस), बैंगलुरु आदि जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ कई अन्य समझौता ज्ञापनों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। हम अपने रक्षा से संबंधित संगठनों जैसे मानेकशॉ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज एंड रिसर्च (एमसीओईएनएसआर), एयरोनॉटिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट बोर्ड (एआर एंड एएमपी; डीबी) और नौसेना रिसर्च बोर्ड (एनआरबी) के साथ सहयोग कर रहे हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)। पहले से ही, कुछ प्रायोजित परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

अन्य प्रमुख प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं में, प्रो. राजशेखर वी. भट को दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीटीडीएफ) और दूरसंचार उत्कृष्टता केंद्र (टीसीओई) द्वारा 'एआई-नेटिव रेडियो फॉर 6जी सिमेटिक कम्युनिकेशंस: फ्रॉम थोरी टू चिप्स' नामक एक प्रतिष्ठित ₹2.5 करोड़ की परियोजना से सम्मानित किया गया था। प्रो. कोटेश्वराव कोडेपू ने दूरसंचार विभाग से "स्मार्ट-आरआईसी6जी: 6जी नेटवर्क में रन इंटेलिजेंट कंट्रोलर्स के लिए स्मार्ट ड्रिफ्ट-हैंडलिंग एनेबलर" नामक टीटीडीएफ-डॉट परियोजना अनुदान का 138 करोड़ लाख रुपये प्राप्त किए हैं। प्रो. कीर्ति एमसी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से "ऑसिलेटिंग ट्रांसोनिक शॉक-वेव बाउंड्री लेयर इंटरेक्शन (सीआरजी/2023/007990-सी) का अनुभव अध्ययन" शीर्षक से 59.12 लाख एसईआरबी-सीआरजी परियोजना अनुदान प्राप्त किया है। प्रो. सोमशेखर एमए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से "धातु व्यसनी विनिर्माण का उपयोग करके व्यक्तिगत, फोकल और डीप ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक उत्तेजना (टीएमसी) कॉइल का विकास" शीर्षक से 52.80 लाख रुपये का एसपीएआरसी-एमओई परियोजना अनुदान प्राप्त किया है।

इस शैक्षणिक वर्ष को लगभग 260 प्रकाशनों के साथ मजबूत अनुसंधान गतिविधियों द्वारा भी चिह्नित किया गया था। सम्मानित वक्ताओं की बातचीत, 17 प्रायोजित परियोजनाओं, 33 परामर्श परियोजनाओं, 2 सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) परियोजनाओं और तीन कार्यशाला परियोजनाओं सहित कई कार्यक्रमों ने हमारे विकास को और प्रदर्शित किया। हमारे संकाय सदस्यों में से नौ को इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री का प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान (ईसीआरजी) प्राप्त हुआ है। वे प्राध्यापक हैं। अमर कुशवाहा [ईईएसई], बालकृष्ण चौबे [बीएसबीई], कोंजेंगबाम आनंद [सीएसई], कुंदन कुमार सिंह सागर [सीएचवाई], सातविशा कयाल [सीएचवाई], श्रद्धा श्रीवास्तव [मैथ्स], सुभाष मेहतो [बीएसबीई], वीकेश कुमार [मैथ्स] और शशांक मदूर [ईईएसई]। इसके अतिरिक्त, प्रो. अमरनाथ हेगड़े [सीआईई] को कर्नाटक राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद [केएससीएसटी] द्वारा प्रो. सतीश धवन यंग इंजीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हमारे प्लेसमेंट की ओर बढ़ते हुए, हमारे छात्रों को विभिन्न डोमेन से कई प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध कंपनियों में रखा गया है, जिसमें कोर अभियांत्रिकी, आर एंड एएमपी; डी, आईटी एंड बीटी (सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी), ऑटोमोबाइल, सरकार, पर्यटन और स्टार्टअप शामिल हैं, प्रतिस्पर्धी पैकेजों के साथ। हम अपने छात्रों की समग्र प्रगति में लगातार निवेश करते रहते हैं, जिससे उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर मिलते हैं। औसत पैकेज यूजी के लिए लगभग ₹13.25 एलपीए (लाख प्रति वर्ष), पीजी छात्रों के लिए ₹8 एलपीए है, और उच्चतम पैकेज यूजी के लिए ₹38.50 एलपीए और पीजी के लिए 24.15 एलपीए है, जिसमें कुल प्लेसमेंट प्रतिशत लगभग 96% है [उच्च शिक्षा/प्रतिस्पर्धी परीक्षा/उद्घाटन स्टार्टअप का विकल्प चुनने वाले छात्रों सहित। छात्रों के प्लेसमेंट कौशल में सुधार के लिए कार्यशालाएं, वेबिनार, मानव संसाधन सम्मेलन, कोडिंग परीक्षण और अनुभव-साझाकरण सत्र जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हमारे पूर्व छात्र संघ का बैंगलुरु अध्याय 31 अगस्त 2024 को शुरू किया गया था। सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए, हमने 14 से 20 अक्टूबर, 2024 तक 7 दिवसीय क्षेत्रीय मसाला (युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी) सम्मेलन की मेजबानी की। आइआइटी धारवाड के वार्षिक तकनीकी महोत्सव (पारसी 5.0) के 5वें संस्करण ने इस वर्ष 2 लाख ऑनलाइन छापों और 2000+ पंजीकरण के साथ वापसी की।

इस वर्ष, हमने तीसरे और चौथे सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों (सीसीए) कार्यक्षेत्र, विशेष रूप से एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) और राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रशंसा (एनसीए) की शुरुआत की। यह हमारे छात्रों को कैडेटों के रूप में उनके जीवन में अनुशासन स्थापित करने या भारतीय शास्त्रीय कला से संबंधित उनके शैक्षक का पता लगाने के लिए अतिरिक्त रास्ते प्रदान करता है।

हमारे सभी परामर्शदाताओं, सहयोगियों और सुविधाकर्ताओं के प्रति हमारा हार्दिक आभार। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी), वित्त समिति (एफसी), सीनेट और भवन और कार्य समिति (बीडब्ल्यूसी) के सदस्यों को भी हार्दिक धन्यवाद दिया जाता है। शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और इसके कर्मचारियों, कर्नाटक सरकार, धारवाड के उपायुक्त और जिला प्रशासन और उनकी टीम के लिए विशेष धन्यवाद। हम भविष्य में उनके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के बारे में आश्वस्त हैं।

मैं संस्थान के सुचारू संचालन और पिछले वर्ष संस्थान के विकास का हिस्सा बनने के लिए संस्थान के सभी छात्र समुदाय, संकाय सदस्यों, सहायक संकाय, स्टाफ सदस्यों, प्रशासन, सहायता और सुरक्षा सेवाओं सहित संकाय सदस्यों को भी धन्यवाद देता हूं। अपने सभी सामूहिक प्रयासों से, आइए हम अपने आइआइटी को जल्द ही 'आयरन' से 'मैग्नेट' में सकारात्मक रूप से बदलने का प्रयास करें।

मुझे यह भी विश्वास है कि सभी हितधारकों के कठिन, स्मार्ट, ईमानदार, अनुशासित और केंद्रित कार्य आइआइटी धारवाड को शैक्षिक रूप से समृद्ध और देश भर के छात्रों, शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाएंगे।

 **जय हिंद!**
प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई
निदेशक, आइआइटी धारवाड

आइआइटी धारवाड के बारे में



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड (आइआइटीडीएच) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा स्थापित तीसरी पीढ़ी (3-जी) आइआइटी में से एक है। इसे अगस्त 2016 में आइआइटी बॉम्बे के मार्गदर्शन में शुरू किया गया था। हमारी शैक्षणिक यात्रा चार वर्षीय प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक) की स्थापना के साथ शैक्षणिक वर्ष (एवाई) 2016-17 में शुरू हुई मैकेनिकल अभियांत्रिकी (एमई), इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी (ईई), और कंप्यूटर साइंस एंड अभियांत्रिकी (सीएसई) में कार्यक्रम।

वर्तमान में, हमारा संस्थान चार अन्य बी प्रदान करता है। टेक प्रोग्राम - अभियांत्रिकी फिजिक्स (ईपी), गणित और कंप्यूटिंग (एमएंडएएमपी; सी), सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर अभियांत्रिकी (सीएंडएएमपी; आईई), केमिकल और बायोकेमिकल अभियांत्रिकी (सीएंडएएमपी; बीई), साथ ही विज्ञान के पांच साल के स्नातक - विज्ञान के मास्टर (बीएस-एमएस) कार्यक्रम, प्रौद्योगिकी के दो साल के मास्टर (एम। टेक.) एक मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) कार्यक्रम और यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस अभियांत्रिकी (एमएमएई), इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (ईईसीई) और सीएसई के तीन सबसे पुराने विभागों द्वारा पेश किया गया एक कार्यक्रम। हमारा पीएचडी कार्यक्रम सभी दस विभागों द्वारा पेश किया जाता है, जिसमें जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी (बीएसबीई), रसायन अभियांत्रिकी (सीएचई), रसायन विज्ञान, सी एंड एमपी; आईई, मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी (हृदय), गणित और भौतिकी के अन्य सात विभाग भी शामिल हैं।

वर्तमान में, आइआइटी धारवाड में लगभग 1,562 छात्र हैं, जिनमें से 25-30% महिलाएं हैं। यह विविध छात्र समुदाय देश भर के 25 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करता है। हमारे लगभग 25% छात्र मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में नामांकित हैं। हमारे शैक्षणिक समुदाय में 93 नियमित संकाय और 12 सहायक / अतिथि संकाय / दस विभागों में अभ्यास के प्राध्यापक शामिल हैं। संस्थान ने लगातार प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और विकास अनुदान प्राप्त किए हैं, प्रायोजित और परामर्श परियोजनाएं वितरित की हैं, और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलन की कार्यवाही में उच्च गुणवत्ता वाली वैज्ञानिक पांडुलिपियां प्रकाशित की हैं।

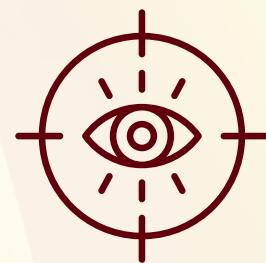
संस्थान एक ग्रहणशील शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देकर, नए ज्ञान का सृजन करके और वैज्ञानिक सफलताओं और तकनीकी नवाचार को सक्षम करके शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक मान्यता प्राप्त करने की आकांक्षा रखता है। अंतःविषय अनुसंधान को पोषित करके और पारिस्थितिक रूप से सामंजस्यपूर्ण परिसर को बनाए रखते हुए, आइआइटी धारवाड छात्रों और संकाय दोनों के लिए उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है।

संस्थान ने 470 एकड़ के विशाल परिसर में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे की सावधानीपूर्वक योजना बनाई है और विकसित किया है, जिसमें से 67 एकड़ को प्राकृतिक वन के रूप में संरक्षित किया गया है। इस परिसर का निर्माण जल, ऊर्जा और अपशिष्ट के संबंध में नेट-जीरो प्रभाव प्राप्त करने के लिए किया जा रहा है। इस दृष्टि के अनुरूप, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने हाल ही में 2030 तक इस नेट-जीरो स्थिति को साकार करने के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य को मंजूरी दी है।

पिछले आठ वर्षों में, आइआइटी धारवाड ने उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और अंतःविषय शैक्षणिक कार्यक्रमों पर जोर देने के साथ, वैश्विक जोखिम के साथ रणनीतिक रूप से संकाय की भर्ती की है। संस्थान प्रमुख क्षेत्रों में एक समग्र अनुसंधान दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें नेट-जीरो (स्थिर) भौतिक बुनियादी ढांचा, साइबर-फिजिकल सिस्टम (सीपीएस), हरित गतिशीलता, सटीक कृषि-तकनीक और एडिटिव विनिर्माण के लिए 3डी और 4डी प्रिंटिंग शामिल हैं। प्रमुख पहलों में अंतरिक्ष डेटा विज्ञान प्रयोगशाला (एसडीएसएल) के साथ-साथ किफायती और स्वच्छ ऊर्जा (एसई) और भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) में उत्कृष्टता के दो विकास केंद्र शामिल हैं। आइआइटी धारवाड की नवाचार, स्थिरता और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी मिशनों के प्रति प्रतिबद्धता को उद्योग साझेदारियों, प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और धरती (धारवाड अनुसंधान प्रौद्योगिकी और इनक्यूबेशन) और इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) जैसी संस्थागत सहायता संरचनाओं के माध्यम से और मजबूत किया गया है। संस्थान को नवीकरण, किफायती और स्वच्छ ऊर्जा डोमेन में अनुसंधान को और तेज करने के लिए प्रतिष्ठित कर्नाटक नवीकरणीय ऊर्जा विकास लिमिटेड (केआरईडीएल) चेयर प्राध्यापक शिप से भी सम्मानित किया गया है जो राष्ट्रीय विकास की रीढ़ है।

दिसंबर 2022 में, आइआइटी धारवाड को इसके बड़े विकास (एलडी) मास्टर प्लान के लिए एकीकृत आवास मूल्यांकन (जीआरआईएचए) के लिए ग्रीन रेटिंग के तहत 5-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त, आइआइटी धारवाड को अल्ट्राटेक सीमेंट्स ग्रुप द्वारा सर्वश्रेष्ठ कंक्रीट संरचना से सम्मानित किया गया है।

आइआइटी धारवाड सड़क, रेल और हवा से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। स्थायी परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (पुणे-बैंगलुरु राजमार्ग) से लगभग 3 किमी दूर है। इंटर-डिस्ट्रिक्ट और इंटर-स्टेट बस टर्मिनल लगभग 8 किमी दूर स्थित है, जिसमें बैंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों के लिए नियमित सेवाएं हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन धारवाड रेलवे स्टेशन है, जो स्थायी परिसर से लगभग 14 किमी दूर स्थित है। दक्षिण पश्चिमी रेलवे जोन का मुख्यालय हुबली रेलवे जंक्शन लगभग 30 किमी दूर है। हुबली हवाई अड्डा निकटतम हवाई अड्डा है, जो बैंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली, पुणे और चेन्नई सहित प्रमुख शहरों के लिए नियमित उड़ान कनेक्टिविटी प्रदान करता है। बेलगावी में एक अन्य हवाई अड्डा लगभग 70 किमी दूर है, जो प्रमुख शहरों को भी जोड़ता है।



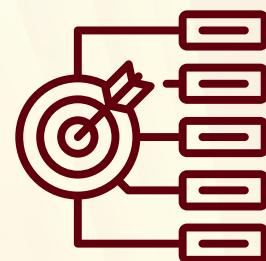
ध्येय

एक ग्रहणशील शिक्षण वातावरण का पोषण करके शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक मान्यता प्राप्त करना जो सभी के लिए ज्ञान पैदा करता है और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैज्ञानिक सफलताओं और नवीन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देता है।



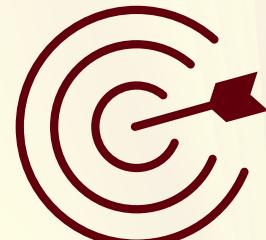
मिशन

- युवा दिमागों को समृद्ध करने वाली शिक्षा को बढ़ावा देना, ज्ञान को बढ़ावा देना, जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा देना और नेतृत्व की खेती करना।
- समाज और उद्योग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रदर्शन-आधारित प्रौद्योगिकियों और समाधानों के माध्यम से नवाचार और योगदान करना।
- वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और परिवर्तनकारी क्षमताओं को विकसित करने के लिए अंतःविषय अनुसंधान और पद्धतियों का पोषण करना।
- उद्योग, शिक्षाविदों और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता के अन्य वैज्ञानिक केंद्रों के साथ सहयोग के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में उभरना।
- पारिस्थितिक रूप से सामंजस्यपूर्ण परिसर प्रदान करना जो सीखने और अपने निवासियों की समग्र भलाई को बढ़ावा देता है।



उद्देश्य

- अभियांत्रिकी, विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी शिक्षा प्रणाली बनाना और अत्याधुनिक अनुसंधान और शिक्षाशास्त्र के माध्यम से उत्कृष्टता का समर्थन करना।
- अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की स्थापना करके तकनीकी नवाचार और नए अनुसंधान को सुविधाजनक बनाना, जिससे सामाजिक जरूरतों का समर्थन किया जा सके।
- प्रेरित शिक्षण, स्वस्थ छात्र-संकाय अनुपात, अनुसंधान और नवाचार के अवसर और उद्योग से संबंधित कौशल प्रदान करके छात्रों के लिए एक समृद्ध शिक्षण वातावरण का निर्माण करना।
- सरकार और उद्योग के सहयोग से नए/उपजाऊ बाजारों के प्रति अनुसंधान को उन्मुख करना और सभी संबंधित भागीदारों के साथ संबंध और समर्थन को मजबूत करना।
- प्रकाशन, संगोष्ठी, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कॉर्पोरेइट और पेटेंट के माध्यम से नए अनुसंधान मार्गों को उत्पन्न करने और प्रसारित करने के रास्ते प्रदान करना।
- विश्व स्तरीय संकाय को आकर्षित करने और पोषित करने के लिए एक अनुकूल अनुसंधान माहौल प्रदान करना जो सभी विषयों में ज्ञान निर्माण का नेतृत्व करेगा।



सर्वकालिक लक्ष्य

हम 2030 तक नेट-जीरो जल-ऊर्जा-अपशिष्ट सुविधा 'परशुराम बसवेश्वर अक्षय क्षेत्र (पीबीएके)' को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शासी बोर्ड

अध्यक्ष



प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई

आइआईटी धारवाड के कार्यवाहक अध्यक्ष
(28 फरवरी 2025 तक)

सदस्यों



प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई

निदेशक आइआईटी धारवाड



श्री एस.आर. उमाशंकर

अतिरिक्त मुख्य सचिव
उच्च शिक्षा विभाग कर्नाटक सरकार
कमरा संख्या: 645, 6 वीं मंजिल, एमएस बिल्डिंग
बैंगलोर - 560001
(मार्च से जून 2024 तक)



डॉ. शमसुंदर एस.

प्रबंध निदेशक
प्रोसिम आर एंड डी प्राइवेट लिमिटेड
#4, प्रथम बी मैन, प्रथम एन ब्लॉक, राजाजी नगर
बैंगलोर - 560 010



प्रो. भविन कोठारी

वरिष्ठ संकाय - रणनीतिक डिजाइन प्रबंधन,
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,
स्नातकोत्तर परिसर, जीएच-0,
एक्सटेंशन रोड, गांधीनगर - 382007



प्रो. रामजी रेपाका

प्राध्यापक और संकायाध्यक्ष (छात्र कल्याण)
यांत्रिक विभाग, सामग्री एवं एयरोस्पेस
अभियांत्रिकी,
आइआईटी धारवाड



सुश्री सौम्या गुप्ता

संयुक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा),
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 118-सी,
शासी भवन, नई दिल्ली



श्री एमएस श्रीकर

सचिव
उच्च शिक्षा विभाग, कर्नाटक सरकार
कमरा संख्या: 645, 6 वीं मंजिल, एमएस बिल्डिंग
बैंगलोर - 560001
(जून 2024 से आज तक)



प्रो. एस. एस. मूर्ति

पूर्व प्राध्यापक,
इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग,
आइआईटी दिल्ली।

संगठन



प्रो. एन.एस. पुनेकर

विजिटिंग प्रोफेसर,
बीएसबीई और डीन शैक्षणिक कार्यक्रम,
आइआइटी धारवाड

सचिव



डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्जी

रजिस्ट्रार
(5 फरवरी 2025 से आज तक)

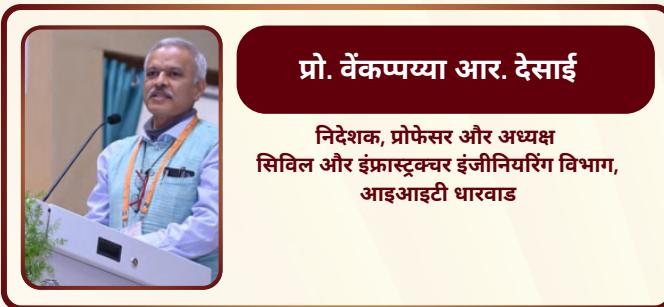


श्री संदीप पारीक

उप रजिस्ट्रार और
कार्यालय रजिस्ट्रार आइआइटी धारवाड
(अप्रैल 2024 से 4 फरवरी 2025)

सीनेट के सदस्य

अध्यक्ष



प्रो. वेंकटप्प्या आर. देसाई

निदेशक, प्रोफेसर और अध्यक्ष
सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड

पदेन सदस्य



प्रो. एनएस पुणेकर

विजिटिंग प्रोफेसर और
शैक्षिक कार्यक्रमों के संकायाध्यक्ष
जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड



प्रो. दिलीप ए डी

प्रशासन के प्रोफेसर और डीन
कंप्यूटर विज्ञान विभाग
और इंजीनियरिंग, आइआइटी धारवाड



प्रो. प्रत्याशा भुई

एसोसिएट प्रोफेसर और
आर एंड डी के डीन
विद्युत विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और
संचार इंजीनियरिंग, आइआइटी धारवाड



प्रो. एस एम शिवप्रसाद

आउटरीच के विजिटिंग प्रोफेसर और डीन
भौतिकी विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. रामजी रेपाका

छात्र कल्याण के प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष
यांत्रिक विभाग,
सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, आइआइटी
धारवाड



प्रो. धीरज वी. पाटिल

एसोसिएट प्रोफेसर और
संकाय कल्याण संकायाध्यक्ष
यांत्रिक विभाग,
सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, आइआइटी
धारवाड



प्रो. अमरनाथ हेगडे

एसोसिएट प्रोफेसर और
आईपीएस के डीन
सिविल और विभाग
इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग, आइआइटी धारवाड



प्रो. स्वानंद मराठे

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
जैव विज्ञान विभाग और
बायोइंजीनियरिंग, आइआइटी धारवाड

संगठन



प्रो. सुवामा जन

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
रसायन अभियांत्रिकी विभाग, आइआईटी धारवाड



प्रो. गिरिधर राजेश बंदे

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
सिविल और अवसंरचना विभाग, आइआईटी धारवाड



प्रो. मोहना राव बालागा

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
हृदय विभाग, आइआईटी धारवाड



प्रो. सोमशेखर एम. ए.

एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख
यांत्रिक विभाग,
सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, आइआईटी
धारवाड



प्रो. कविता देवी

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
भौतिकी विभाग, आइआईटी धारवाड



प्रो. नीलकमल महंत

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
रसायन विज्ञान विभाग, आइआईटी धारवाड



प्रो. नवीन के.

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
विद्युत विभाग,
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग,
आइआईटी धारवाड



प्रो. सग्निक सेन

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
गणित विभाग, आइआईटी धारवाड



प्रो. रामचंद्र फवाडे

सहायक प्रोफेसर एवं प्रमुख
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
विभाग, आइआईटी धारवाड



डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्य

सचिव

संगठन

सदस्यों



प्रो. नवीन एम बी

शैक्षणिक कार्यक्रम -1 के एसोसिएट प्रोफेसर और
एसोसिएट डीन
इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. अमलन के. बरुआ

शैक्षणिक कार्यक्रम -2 के एसोसिएट प्रोफेसर और
एसोसिएट डीन Department of Mathematics,
आइआइटी धारवाड



प्रो. धृति एस घोष

एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट डीन (एपी) -
दस्तावेजीकरण
भौतिकी विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. सुब्रामण्यम चौ.

प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग,
आइआइटी हैदराबाद



प्रो. पुष्पा त्रिवेदी

वरिष्ठ प्रोफेसर
अर्थशास्त्र समूह, शिव नादर विश्वविद्यालय, (चेन्नई)



प्रो. के.वी वेंकटेश

प्रोफेसर, रसायन इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी बॉम्बे



प्रो. सूर्या प्रताप सिंह

सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट डीन, छात्र कल्याण
(छात्रावास और मैस)

जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड



प्रो. रवि सी. दत्ता

सहायक प्राध्यापक
रसायन अभियांत्रिकी विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. सॉंटी सोमाशेखर गौड

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी उच्च प्रदर्शन
कंप्यूटिंग (एचपीसी) - सीपीयू और जीपीयू
रसायन अभियांत्रिकी विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. सुधीर के. साहू

सहायक प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग,
आइआइटी धारवाड

संगठन



प्रो. बी.एल. टेम्बे

भारतीय ज्ञान प्रणाली (जीसीओईआईकेएस) में
विजिटिंग प्रोफेसर और प्रमुख - जीसीओई
रसायन विज्ञान विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. अनिकेत कटावरे

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी कैरियर विकास
प्रकोष्ठ (सीडीसी) - इंटर्नशिप
सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड



प्रो. गौडप्पा. आर. डोडांगोडार

प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी मद्रास



प्रो. अरुण डी. महिंद्राकर

प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी मद्रास



प्रो. निखिल हेगडे

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी सीसीएस
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड



प्रो. राहुल पंड्या

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी छात्र कल्याण
(मैंटरशिप)
इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. राजेश्वर दी भट

सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट डीन रिसर्च एंड
डेवलपमेंट - बाहरी संबंध
इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. रमेश नायक

सहायक प्रोफेसर और संकाय प्रभारी
आईपीएस (सिविल)
सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग
विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. कोटेश्वर राव कॉंडेपु

एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट डीन आईपीएस
(नेटवर्किंग और संचार)
कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड



प्रो. सुधीर सिद्धापुरदेदी

एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट डीन
कोऑर्डिनेशन (अकादमिक, फैकल्टी, आर
एंड डी, छात्र)
मैकेनिकल, सामग्री और एयरोस्पेस
इंजीनियरिंग विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. तेजस पी. गोतखिंडी

एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट डीन-
एफडब्ल्यू. भर्ती
मैकेनिकल, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग
विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. आर. प्रभु

एसोसिएट प्रोफेसर
भौतिकी विभाग, आइआइटी धारवाड

संगठन



प्रो. रिधिमा तिवारी

एसोसिएट प्रोफेसर, एसोसिएट डीन, छात्र कल्याण (कल्याण और महिला छात्र), अध्यक्ष - आंतरिक शिक्षायत समिति (आईसीसी) हृदय विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. वीकेश कुमार

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी - एफडब्ल्यू (भर्ती) -2
गणित विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. श्रीदेवी मस्तुती

सहायक प्राध्यापक
गणित विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. अमिर मुल्ला

[एसोसिएट प्रोफेसर, एसोसिएट डीन - आईपीएस [इलेक्ट्रिकल]
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड]



प्रो. डी. नरसिंहा

विजिटिंग प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, आइआइटी धारवाड



प्रो. Tamal Das

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी-एपी-यूजी-1 कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग,
आइआइटी धारवाड



प्रो. समता बेनेडिक्ट

सहायक प्रोफेसर और एफआईसी-एपी-यूजी-2
इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, आइआइटी धारवाड

छात्र सदस्य



श्री वेदांत वाई

बी.टेक छात्र



श्री प्रियांशु

बीएस-एमएस छात्र



Ms वेदपाठक मुक्ति महेश

बी.टेक छात्र



श्री उत्कर्ष जायसवाल

बी.टेक छात्र

संगठन



श्री सिद्धांत नगर

एमएस छात्र



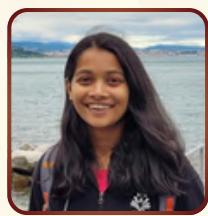
श्री दुष्यंत कुमार

एम.टेक छात्र



श्री सुमित साह

पीएच.डी. छात्र



सुश्री मेघना भट्ट

पीएच.डी. छात्रा

वित्त समिति

अध्यक्ष



प्रो. वेंकटप्प्या आर. देसाई

स्थानापन्न अध्यक्ष, आईआईटी धारवाड

सदस्यों



प्रो. वेंकटप्प्या आर. देसाई

निदेशक, आईआईटी धारवाड

श्री संजोग कपूर

संयुक्त सचिव और
वित्तीय सलाहकार,
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
120-सी शास्त्री भवन, नई दिल्ली



प्रो. अमरनाथ हेंगड़े

डीन इंफ्रास्ट्रक्चर, प्लानिंग एंड सोर्ट (आईपीएस)

सुश्री सौम्या गुप्ता

संयुक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा)
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन मंत्रालय
विकास 118-एस,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली



डॉ. डी लक्ष्मणन

सलाहकार एफएंडएमपीए, आईआईटी बॉम्बे

सचिव



डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्जी

रजिस्ट्रार, आईआईटी धारवाड

श्री. संदीप पारीक

उप रजिस्ट्रार और
कार्यालय रजिस्ट्रार आईआईटी धारवाड
(अप्रैल 2024 से 4 फरवरी 2025)

भवन और कार्य समिति

अध्यक्ष



प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई

निदेशक, आईआइटी धारवाड

सदस्यों



प्रो. अमरनाथ हेगडे

डीन [इंफ्रास्ट्रक्चर, प्लानिंग एंड सोर्ट (आईपीएस)]
आईआइटी धारवाड



श्री पी वेदागिरी

डीन (आईपीएस), आईआइटी बॉम्बे



श्री अशोक सी नायक

विशेष ड्यूटी अधिकारी, आईआइटी बॉम्बे



डॉ. कल्लुरु वी एल सुब्रमण्यम

डीन (आईपीडी), आईआइटी हैदराबाद



श्री के जे महेश चंद्रा

कार्यकारी अभियंता, आईआइआइटी धारवाड

सचिव



डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्जी

रजिस्ट्रार, आईआइटी धारवाड



श्री संदीप पारीक

उप रजिस्ट्रार और
कार्यालय रजिस्ट्रार आईआइटी धारवाड
(अप्रैल 2024 से 4 फरवरी 2025)

शैक्षणिक अनुभाग

शैक्षणिक अनुभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड (आइआइटी धारवाड) ने जुलाई 2016 में तीन स्नातक कार्यक्रमों के साथ अपनी शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कीं: बी।कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में तकनीक। पहले बैच में कुल 113 पंजीकृत छात्र थे। संस्थान ने 2019 में सात पंजीकृत छात्रों के साथ अनुसंधान कार्यक्रम द्वारा चार पंजीकृत छात्रों और इसके एमएस के साथ जनवरी 2018 (वसंत 2017-18) में अपना पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया। नई बी.टेक.आने वाले वर्षों में कार्यक्रम पेश किए गए, जिसमें 2021-22 में इंजीनियरिंग भौतिकी, रसायन और जैव रासायनिक इंजीनियरिंग, नागरिक और बुनियादी ढांचा इंजीनियरिंग, और गणित और कंप्यूटिंग शामिल हैं। अंतःविषय विज्ञान में एक नया दोहरी डिग्री कार्यक्रम, बीएस-एमएस भी 2022-23 शैक्षणिक वर्ष में शुरू हुआ। एम.टेक।यांत्रिक इंजीनियरिंग में कार्यक्रम 2022 में 14 छात्रों के साथ शुरू हुआ। एम.टेक। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में कार्यक्रम 2023 में 26 छात्रों के साथ शुरू हुआ। आइआइटी धारवाड लगातार उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने और छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों को अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। पिछले कुछ वर्षों में छात्र नामांकन में काफी वृद्धि हुई है। 2024-25 के दौरान छात्र संख्या 892 बी.टेक, 87 बीएस-एमएस, 95 एम.टेक, अनुसंधान द्वारा 38 एमएस, 5 कार्यकारी एम.टेक और 211 पीएचडी थी।

2016 से छात्रों का नामांकन

| कार्यक्रम | 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 | 2020-21 | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 | 2024-25 |
|-----------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| बी.टेक | 113 | 114 | 117 | 126 | 161 | 162 | 221 | 227 | 286 |
| बीएस-एमएस | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 30 | 22 | 35 |
| एमएस | 0 | 0 | 0 | 8 | 11 | 19 | 5 | 11 | 9 |
| पीएच.डी. | 0 | 8 | 21 | 22 | 28 | 27 | 30 | 61 | 80 |
| एम.टेक | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 14 | 34 | 65 |

श्रेणीवार छात्र नामांकन 2024-25

| कार्यक्रम | GEN | EWS | OBC | SC | ST | PWD* | Total |
|-----------|-----|-----|-----|----|----|------|-------|
| बी.टेक | 106 | 34 | 72 | 50 | 24 | 2 | 286 |
| बीएस-एमएस | 10 | 3 | 8 | 10 | 4 | 0 | 35 |
| एमएस | 4 | 0 | 4 | 1 | 0 | 0 | 9 |
| पीएच.डी. | 35 | 8 | 21 | 14 | 2 | 0 | 80 |
| एम.टेक | 22 | 7 | 22 | 11 | 3 | 0 | 65 |

* PwD students are included in their respective social category as well.

लिंग वार छात्र नामांकन 2024-25

| कार्यक्रम | पुरुष | महिला | कुल |
|-----------|-------|-------|-----|
| बी.टेक | 235 | 51 | 286 |
| बीएस-एमएस | 31 | 4 | 35 |
| एमएस | 8 | 1 | 9 |
| पीएच.डी. | 56 | 24 | 80 |
| एम.टेक | 52 | 13 | 65 |

शैक्षणिक अनुभाग

कार्यक्रमों का विवरण

आइआईटी धारवाड फिलहाल नौ बीटेक की पेशकश कर रहा है। कार्यक्रम और अंतःविषय विज्ञान में पांच साल का एकीकृत बीएस-एमएस कार्यक्रम।

बी.टेक.कार्यक्रम का विवरण.नीचे सूचीबद्ध हैं:

- बी. टेक. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में
- बी. टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में
- बी. टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग में
- बी. टेक इंजीनियरिंग भौतिकी में
- बी. टेक सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग में
- बी. टेक. गणित और कंप्यूटिंग में
- बी. टेक. रासायनिक और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में
- बी. टेक.इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में
- बी. टेक. इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में

बीटेक के अलावा बीएस-एमएस कार्यक्रम, निम्नलिखित स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की पेशकश की जाती है।

अनुसंधान द्वारा एमएस (अब एम टेक के रूप में नाम दिया गया)। अनुसंधान द्वारा

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में
- यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग

एम.टेक

- एम.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- एम.टेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में
- एम.टेक कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में

पीएच.डी.

- जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग
- रसायन अभियांत्रिकी विभाग
- रसायन विभाग
- सिविल इंजीनियरिंग विभाग
- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग
- इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
- मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकियां
- गणित विभाग
- यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग
- भौतिकी विभाग

दीक्षांत समारोह

5वां दीक्षांत समारोह 22 जुलाई 2024 को आयोजित किया गया था। प्रो. श्रीनिवास रामचंद्र कुलकर्णी (कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी [कैलटेक], पासाडेना, कैलिफोर्निया, यूएसए) में खगोल विज्ञान और ग्रहीय विज्ञान के विभाग के प्रोफेसर जॉर्ज एलेरी हेल इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

अवार्ड डिग्री की संख्या

| क्रम.सं. | प्रोग्राम | छात्रों की संख्या |
|----------|--|-------------------|
| 1 | बी. टेक. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में | 60 |
| 2 | बी. टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में | 51 |
| 3 | बी. टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग में | 43 |
| 4 | अनुसंधान द्वारा एमएस | 11 |
| 5 | पीएच.डी. | 15 |
| 6 | एम.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग | 10 |
| | Total | 190 |

शैक्षणिक अनुभाग

हर वर्ष दीक्षांत समारोह में निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

वर्ष 2024-25 के लिए पदक और नकद पुरस्कार

भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक: उन सभी शाखाओं में सबसे उत्कृष्ट छात्र के लिए जिन्होंने प्रौद्योगिकी स्नातक (उच्चतम सीपीआई) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं को पूरा किया है।

निदेशक स्वर्ण पदक: सामान्य प्रवीणता, शैक्षणिक प्रदर्शन, सह-पाठ्यक्रम, पाठ्येतर गतिविधियों, अनुसंधान/कागजात/पेटेंट, तकनीकी कार्यक्रम, पुरस्कार/मान्यता, उद्यमिता और सामाजिक सेवाओं जैसे पहलुओं पर विचार करते हुए सभी शाखाओं के बीच सबसे उत्कृष्ट छात्र के लिए।

संस्थान रजत पदक (सीएसई): कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (सीएसई) शाखा (उच्चतम सीपीआई) में प्रौद्योगिकी स्नातक की डिग्री के लिए आवश्यकताओं को पूरा करने वाले सबसे उत्कृष्ट छात्र के लिए।

संस्थान रजत पदक (ईई): सबसे उत्कृष्ट छात्र के लिए जिन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (ईई) शाखा (उच्चतम सीपीआई) में प्रौद्योगिकी स्नातक की डिग्री के लिए आवश्यकताओं को पूरा किया है।

संस्थान रजत पदक (एमई): सबसे उत्कृष्ट छात्र के लिए जिन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमई) शाखा (उच्चतम सीपीआई) में प्रौद्योगिकी स्नातक की डिग्री के लिए आवश्यकताओं को पूरा किया है।

नकद पुरस्कार: ओम प्रकाश गोयल और सेवाती देवी गोयल पुरस्कार: - यह पुरस्कार संस्थान के दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक रूप से सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रदान किया जाता है और इसमें 25,000/- का प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार शामिल होता है। यदि अकादमिक रूप से सर्वश्रेष्ठ लड़की पूरे बैच की समग्र टॉपर है और राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक की प्राप्तकर्ता है, तो प्रोत्साहन के प्रतीक के रूप में अगले सर्वश्रेष्ठ (सीपीआई पर आधारित) छात्रा को पुरस्कार दिया जाता है।

वर्ष 2024-2025 के लिए पदक विजेता

| क्रम सं. | नाम | शाखा | पुरस्कार |
|----------|-------------------------------|-------|---|
| 1 | शशांक पी | सीएसई | भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक |
| 2 | आदित्य कल्याणी | ईई | निदेशक का स्वर्ण पदक |
| 3 | अरविंद कुमार एम | सीएसई | संस्थान रजत पदक (सीएसई) |
| 4 | पी नितिन श्रीनिवास | ईई | संस्थान रजत पदक (ईई) |
| 5 | लोकेश बी जोगी | एमई | संस्थान रजत पदक (एमई) |
| 6 | सुश्री कवली श्री वैष्णवी देवी | सीएसई | ओम प्रकाश गोयल और सेवाती देवी गोयल पुरस्कार |

संस्थान स्थापना दिवस

संस्थान स्थापना दिवस 24 अगस्त 2024 को मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीतारम थे।

संस्थान के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर महिला छात्रों को उनके सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए तीन पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

विवरण नीचे प्रस्तुत किए गए हैं:

डॉ. विश्वेश्वर दयाल और प्रकाशवती दयाल पुरस्कार: यह पुरस्कार यूजी कार्यक्रमों से संबंधित चौथे सेमेस्टर के अंत में सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के साथ एक महिला छात्र को दिया जाता है। पुरस्कार में रुपये शामिल हैं। 35,000/- और एक प्रमाण पत्र।

शैक्षणिक अनुभाग

श्रीमती पी. सुशीला और प्रो. पी. वेणुगोपाल राव पुरस्कार: यह पुरस्कार दूसरे सेमेस्टर के अंत में सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के साथ एक महिला छात्र को और छठे सेमेस्टर के अंत में सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के साथ एक महिला छात्र को दिया जाता है। यह पुरस्कार स्नातक कार्यक्रमों में नामांकित महिला छात्रों के लिए है। पुरस्कार में रूपये शामिल हैं। 35,000/- और एक प्रमाण पत्र।

वर्ष 2024 के लिए स्थापना दिवस पुरस्कार

| क्रम सं. | नाम | रोल नं | शाखा | सेमेस्टर | पुरस्कार का नाम |
|----------|----------------------|-----------|-------|----------|--|
| 1 | सुश्री ऋचा राजशेखर | CS23BT020 | सीएसई | 2nd | श्रीमती पी. सुशीला और प्रो. पी. वेणुगोपाल राव पुरस्कार |
| 2 | सुश्री वेदपाठक | CS22BT036 | सीएसई | 4th | डॉ. बिश्वेश्वर दयाल और प्रकाशवती दयाल पुरस्कार |
| | मुक्ता महेश | | | | |
| 3 | सुश्री एलुरी हराशिता | ME21BT011 | एम.इ. | 6th | श्रीमती पी. सुशीला और प्रो. पी. वेणुगोपाल राव पुरस्कार |

शैक्षणिक विभाग

जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी

विभाग के बारे में

जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग विभाग (बीएसबीई) की स्थापना 2016 में हुई थी और यह लगातार अनुसंधान और शैक्षणिक प्रशिक्षण के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। आधुनिक जीव विज्ञान के विविध क्षेत्रों में फैले छह संकाय सदस्यों के साथ, विभाग वैज्ञानिक जिज्ञासा, महत्वपूर्ण सोच और अनुसंधान उत्कृष्टता को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किए गए आणविक चिकित्सा और पीएचडी कार्यक्रमों में बीएस-एमएस, एमएस प्रदान करता है।

आणविक चिकित्सा के तेजी से बढ़ते क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए, बीएसबीई अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य नवाचार और खोज के वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में उभरना है।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

आणविक कैंसर अनुसंधान।

सुधांशु शुक्ला
एसोसिएट प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

सूजन, ऑटोफेजी, और होस्ट-रोगजनक इंटरैक्शन।

सुभाष मेहता
सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

बायोफिजिक्स, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, लेबल-फ्री इमेजिंग।

सूर्या प्रताप सिंह
सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

न्यूरोसाइंस, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार, मनोरोग विकार।

स्वाननंद मराठे
यक प्रोसहाफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

संवहनी जीव विज्ञान और चयापचय, कार्डियोमेटाबोलिक विकार, संवहनी इम्यूलोलॉजी, ट्यूमर चयापचय और मेटास्टेसिस, रक्त मस्तिष्क अवरोध रीमॉडलिंग।

बाल कृष्ण चौधे
सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

माइक्रोवियल बायोकेमिस्ट्री और मॉलिक्यूलर एंजाइमोलॉजी (प्रमुख क्षेत्र), माइक्रोवियल चयापचय विनियमन, बायोकेमिकल और रीकॉम्बिनेट डीएनए तकनीक, फंगल आणविक अनुवंशिकी और चयापचय इंजीनियरिंग के लिए इसके अनुप्रयोगों के माध्यम से चयापचय को समझना।

नारायण एस. पुणेकर
विजिटिंग प्रोफेसर

शैक्षणिक विभाग

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति

- कॉनफोकल सुविधा
- बीएसएल2 सुविधा
- प्रोटीमिक्स और छोटे अणु विश्लेषण सुविधा
- फेक्स सुविधा
- माइक्रोबायोलॉजी लैब
- रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी
- आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला
- सेल बायोलॉजी लैब
- प्रीक्लिनिकल रिसर्च सुविधा

Professional Outreach Activities

- प्रो. बाल कृष्ण चौबे ने एनसीबीएस, बैंगलोर में 15–17 अप्रैल 2024 को आयोजित पहले संवहनी जीव विज्ञान सम्मेलन में आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे जुलाई 2024 के बाद से अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (AHA), यूएसए के प्रारंभिक कैरियर सदस्य हैं। इसके साथ ही, वे जुलाई 2024 के बाद से ही यूरोपीय संवहनी जीव विज्ञान संगठन (EVBO), नीदरलैंड के भी प्रारंभिक कैरियर सदस्य के रूप में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।
- प्रो. सुधांशु शुक्ला ने दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बैंगलुरु द्वारा आयोजित "बायोमेडिकल अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए अभिनव रणनीतियाँ" शीर्षक कार्यक्रम में एक आमंत्रित वार्ता दी, जिसमें उन्होंने अपने क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण शोध दृष्टिकोणों और नवीन वैज्ञानिक रणनीतियों पर प्रकाश डाला।
- प्रो. सूर्य प्रताप सिंह विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य करते हैं और वेलकम ट्रस्ट, यूनाइटेड किंगडम के डिस्कवरी ग्रांट सेवशन के लिए भी समीक्षक हैं। वे सोसाइटी फॉर एप्लाइड स्पेक्ट्रोस्कोपी (SAS), यूएसए के सदस्य हैं। इसके अलावा, वे केएलई विश्वविद्यालय, हुबली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य और एसडीएम रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर बायोमेडिकल साइंसेज में बायोमेडिकल साइंसेज के लिए अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने 19–23 अगस्त 2024 के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु में आयोजित सर्कुलर इकोनॉमी एंड सर्टेनेबिलिटी विषय पर इंडो-फिनिश कोर्स के आयोजक के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- प्रो. स्वानंद मराठे को जापानी सोसाइटी ऑफ न्यूरोसाइंस द्वारा प्रदान किया गया यात्रा पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो न्यूरोसाइंस अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सक्रिय वैज्ञानिक भागीदारी का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

पुरस्कार और उपलब्धियां

- सुभाष मेहतो और प्रोफेसर बाल कृष्ण चौबे को एएनआरएफ से प्रधान मंत्री का प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ।
- एमएस शिवानी मावलंकर को एनसीबीएस, सी-कैप और इन्स्ट्रेम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 15वें बैंगलोर माइक्रोस्कोपी कोर्स 2025 के लिए चुना गया।
- एमएस शिवानी मावलंकर और एमएस पंचमी पी भट को सीसीएमबी, हैदराबाद द्वारा आयोजित तपेदिक (जीडब्लू 25-02) में मेजबान और रोगजनक विषमता पर प्रतिष्ठित ईएमबीओ कार्यशाला के लिए चुना गया था।
- आईआईएसईआर पुणे द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित माइक्रोस्कोपी एंड इमेज एनालिसिस ट्रेनिंग कोर्स 2025 के लिए एमएस तीथी भौमिक का चयन किया गया था।
- सुश्री एनेशा चटर्जी को सैन फ्रांसिस्को, सीए, यूएसए में 2-4 दिसंबर, 2024 से आयोजित ड्रिंगिंग में सेल संगोष्ठी में एक मौखिक प्रस्तुति देने के लिए एक सर्ब फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।
- सुश्री निकिता भंडारी को सेल संगोष्ठी में एक पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए एक सर्ब फैलोशिप प्राप्त हुई: सैन फ्रांसिस्को, सीए, यूएसए में 2-4 दिसंबर, 2024 से आयोजित ड्रिंगिंग में रासायनिक जीवविज्ञान।
- सुश्री दिशा आचार्य और सुश्री निकिता भंडारी ने आईआईएसईआर पुणे द्वारा आयोजित वार्षिक भारतीय कैंसर अनुसंधान सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुत किए।

शैक्षणिक विभाग

रासायनिक अभियांत्रिकी

विभाग के बारे में

रसायन इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना 2022 में की गई थी और यह एक गतिशील और अंतःविषय शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। स्नातक स्तर पर, यह चार साल की बी.टेक प्रदान करता है। रासायनिक और जैव रासायनिक इंजीनियरिंग में कार्यक्रम, जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान की मूलभूत अवधारणाओं के साथ रासायनिक इंजीनियरिंग के मुख्य सिद्धांतों को एकीकृत करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है।

स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए, विभाग विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। यह अंतःविषय पाठ्यक्रम छात्रों को एक मजबूत सैद्धांतिक आधार और व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस करता है, उन्हें उन्नत अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने या रासायनिक इंजीनियरिंग और संबद्ध डोमेन के भीतर उभरते क्षेत्रों में पेशेवर करियर को आगे बढ़ाने के लिए तैयार करता है।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

विद्युत उत्प्रेरण और ऊर्जा भंडारण।
इलेक्ट्रोकेमिकल CO2 रूपांतरण। (फोटो-)
इलेक्ट्रोकेमिकल वॉटर स्लिंटिंग और एच2
प्रोडक्शन। विद्युत रासायनिक अमोनिया
संश्लेषण।

अशोक कुमार उम्मीरुद्दी
सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

मैनोकण, कोलॉयड्स, इंटरफ़ेस विज्ञान तंत्र,
मॉडलिंग और सिमुलेशन। उत्प्रेरण, ड्रग
डिलीवरी, जल उपचार।

सी रविकुमार
एसोसिएट प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

गैस पृथक्करण और भंडारण। सीओ2 कैप्चर
प्रौद्योगिकियों का विकास। नवीन ऊर्जा
भंडारण उपकरणों का विकास। मैनोकणों का
उपयोग करके दवा वितरण। आणविक
डायनामिक और मोटे कार्लों सिमुलेशन।

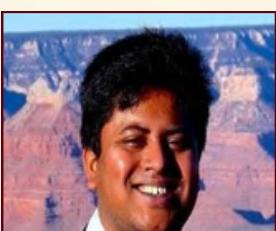
रवि चंद्र दत्ता
सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

मल्टीफेज प्रवाह,
सीएफडी। माइक्रोफ्लुइडिक्स। द्रवीकरण/
गैसीकरण। स्लरी ट्रांसपोर्ट।

सोनी सोमशेखर गौड़
सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

Bxiocatalysis, दवा और सामग्री की खोज।
औषधि निर्माण, ड्रग डिलीवरी, कम्प्यूटेशनल
रसायन विज्ञान।

सुवामा जन
सहायक प्रोफेसर

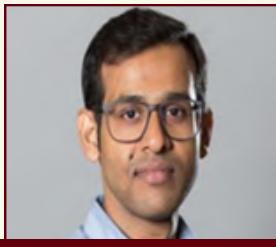


अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

थर्मोकेमिकल और हाइड्रोमेटलजिकल
विधियों के माध्यम से अपरिष्ट
वैलोराइजेशन। उत्प्रेरण और अभिक्रिया
गतिकी धारुओं और संसाधनों की
चयनात्मक वसूली। सतत और कुशल
सामग्री रूपांतरण के लिए प्रक्रिया गहनता।

वराह जयराम कृष्ण
जोन्नालगेदा
सहायक प्रोफेसर

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

रसायनिक प्रक्रियाओं का वैचारिक डिजाइन।
प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन। प्रक्रिया
गहनता। प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया प्रणालियों का
स्थिरता मूल्यांकन।

शशवता घोष
सहायक प्रोफेसर

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति



रुमोमीटर



गैस पारगम्यता परीक्षक



Isothermal titration
calorimeter



औषधि विघटन
उपकरण



उच्च प्रदर्शन तरल
क्रोमैटोग्राफी



ऑटोक्लेव



प्रशीतित अपकेंद्रित्र

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रो. सी. रविकुमार, रसायन इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, ने 13–17 मई 2025 को वीएनआईटी नागपुर के रसायन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 'अनुसंधान अवधारणा, तकनीक और प्रकाशन (हैंड्स-ऑन)' विषयक एक सप्ताह की स्व-प्रायोजित छठी राष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उनके सत्र में अंतर्विषयक पत्रिकाओं के अनुरूप उपयुक्त अनुसंधान शीर्षकों के चयन, साथ ही समाज पर गहरा प्रभाव डालने वाले उभरते अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 28 मार्च 2025 को आईआईटी मद्रास के रसायन इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित भारत-नॉर्वे द्विपक्षीय अनुसंधान बैठक 2025 के तहत "स्वास्थ्य क्षेत्र में उन्नत नैनोमैटेरियल्स के उपयोग में सुरक्षा को बढ़ावा देने" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी में आमंत्रित भाषण दिया। उनका वक्तव्य "बायोमेडिकल अनुप्रयोगों में नैनोमैटेरियल्स का सुरक्षित उपयोग" उन्नत नैनोमैटेरियल्स की सुरक्षा, नियामक पहलुओं और उनके जिम्मेदार उपयोग पर केंद्रित था।



शैक्षणिक विभाग

- मनोहर जम्मुला और डॉ. सोमशेखर गौड़ सोंटी ने एसीएस इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री रिसर्च [क्यू1 जर्नल, आईएफ: 3.8] में "एक सह-प्रवाह माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस में शियर पतले तरल पदार्थ से घिरे नियंत्रित ड्रॉपलेट गठन का संख्यात्मक विश्लेषण" शीर्षक से अपना पहला शोध लेख प्रकाशित किया।
- मनोहर जम्मुला और डॉ. सोमशेखर गौड़ सोंटी के काम को एसीएस इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री रिसर्च (आईएंडएमपी; ईसीआर) जर्नल ऑफ वॉल्यूम 64 की कवर कला के रूप में चित्रित किया गया है, अंक 5, 2025.
- प्रो. सुवामे जन कंप्यूटर सहायता प्राप्त दवा डिजाइन पर केएलई कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एक आमंत्रित बातचीत दी।
- रसायन इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी धारवाड, कर्नाटक, भारत ने 9-10 अक्टूबर, 2025 से ऑफलाइन मोड में अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा प्रायोजित "स्मार्ट इंटरफेस: मेडिसिन, ऊर्जा और सामग्री में कोलॉइड्स" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की मेजबानी की।



पुरस्कार एवं उपलब्धियां

सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार

- मनोहर जम्मुला को 6 से 8 जून, 2024 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कालीकट (एनआईटी कालीकट) में आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय फ्लूड, थर्मल और एनर्जी सिस्टम (आईसीएफटीईएस'24) पर "फ्लो-फोकसिंग माइक्रोचैनल का उपयोग करके शियर पतले तरल पदार्थ में ड्रॉपलेट जेनरेशन और डायनामिक्स का सीएफडी सिमुलेशन" विषय पर सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।



विभाग के बारे में

आईआईटी धारवाड़ में रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना 2016 में संस्थान की साथ की गई थी। विभाग में वर्तमान में छह नियमित संकाय सदस्य और एक अतिथि संकाय है। इसके अलावा, अन्य आईआईटी के कई अतिथि प्रोफेसरों ने समय-समय पर शिक्षण और अनुसंधान, प्रयोगशालाओं की स्थापना आदि में विभाग की सेवा की है। विभाग के पास विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता के लिए कई तकनीकी कर्मचारी भी हैं। विभाग वर्तमान में कई उपयुक्त रूप से डिज़ाइन किए गए स्नातक स्तर के कोर और वैकल्पिक पाठ्यक्रम जैसे इंजीनियरों के लिए रसायन विज्ञान: मौलिक अवधारणाएं और अनुप्रयोग (सीएच102), विज्ञान प्रयोगशाला (सीएच111), सतत ऊर्जा और ऊर्जा सामग्री (सीएच302), हमारा स्वास्थ्य और चिकित्सा (सीएच405), जैव ऊर्जा और जैव ईंधन (सीएच303), क्वांटम फील्ड थोरी (सीएच 403), और परिष्कृत विशेषता तकनीकों का परिचय। 2022 से विज्ञान मास्टर ऑफ साइंस (बीएस-एमएस) कार्यक्रम का एक नया एकीकृत और अंतःविषय स्नातक कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके अलावा, विभाग अंतःविषय बी में भी शामिल है। बीएसबीई और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के साथ केमिकल और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम में तकनीक। पीजी स्तर पर, विभाग विभिन्न अंतःविषय पाठ्यक्रम (रसायन विज्ञान, कार्बनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी, पॉलिमर, सामग्री विज्ञान और हरित रसायन विज्ञान आदि में विषय) प्रदान करता है।), कार्बनिक और जैविक रसायन विज्ञान (कार्बनिक प्रतिक्रिया तंत्र, जैव कार्बनिक रसायन विज्ञान और रासायनिक जीवविज्ञान), अकार्बनिक रसायन विज्ञान (अकार्बनिक और कार्बनिक फोटोकैमिस्ट्री, समन्वय और कार्बनिक रसायन विज्ञान), और भौतिक रसायन विज्ञान (सांख्यिकीय थर्मोडायनामिक्स, गतिकी, उन्नत कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी और इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री)। विभाग एमएससी की पेशकश करने की भी योजना बना रहा है। निकट भविष्य में एकीकृत एमएससी-पीएचडी और पोस्टडॉक्टोरल कार्यक्रमों के साथ अगले वर्ष से कार्यक्रम।

अनुसंधान के संदर्भ में, विभाग के पास बहुलक और सामग्री रसायन विज्ञान, जैव कार्बनिक और औषधीय रसायन विज्ञान, रासायनिक जीव विज्ञान, सतह कार्बनिक रसायन विज्ञान, असमित संश्लेषण, चरण- स्थानांतरण उत्प्रेरण, जैव कार्बनिक रसायन विज्ञान, नैनोक्लस्टर और उत्प्रेरण, कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान, बैटरी के लिए कार्बनिक इलेक्ट्रोड की डिजाइनिंग, गैर-एडियाबेटिक रसायन विज्ञान और पोलरिटेनिक रसायन विज्ञान जैसे अंतःविषय अनुसंधान क्षेत्रों के साथ एक सक्रिय पीएचडी कार्यक्रम है। वर्तमान में पीएचडी छात्र या तो शिक्षण सहायक (संस्थान वित्त पोषित), फैलोशिप (सीएसआईआर/यूजीसी) और/या परियोजना (बाहरी वित्तपोषण एजेंसियां जैसे डीएसटी/सीएसआईआर/डीबीटी) श्रेणियों में कार्यक्रम में प्रवेश करते हैं। वर्तमान में 20 पीएचडी छात्र, 2 जेआरएफ और कई परियोजना सहायक/इंटर्न हैं जो यूजी/पीजी पाठ्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रमों/बुनियादी ढांचे के संबंध में हाल ही में उल्लिखित अनुसंधान में अनुसंधान कर रहे हैं। समिति ने प्रयोगशालाओं के पाठ्यक्रम, शिक्षण बुनियादी ढांचे की सराहना की। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सरकारी (डीएसटी, सीएसआईआर, एमओई, आईसीएमआर, एसईआरबी, एनएएसएफ आदि) से लगभग 20 बाहरी रूप से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं, 2 आंतरिक परियोजनाओं और लगभग 7 करोड़ मूल्य की 2 परामर्श परियोजनाओं को भी सुरक्षित किया है। और मौलिक और परिवर्तनकारी अनुसंधान करने के लिए निजी एजेंसियां। वर्तमान में, विभिन्न एजेंसियों में वित्त पोषण के लिए 3 परियोजनाओं की समीक्षा की जा रही है। 2024-25 में विभाग से लगभग 20 सहकर्मी समीक्षा जर्नल प्रकाशन और कई पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए गए हैं, जबकि कई पेपर समीक्षाधीन हैं, जो संस्थान की विद्वतापूर्ण गतिविधि में एक स्वस्थ योगदान प्रदान करते हैं। संकाय और पीएचडी छात्र विभिन्न अनुसंधान सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेते हैं। एक पीएचडी छात्र (श्री धनंजय जी) ने डॉ. नीलकमल महंत के साथ पीएचडी करने के लिए प्रतिष्ठित पीएमआरएफ फैलोशिप प्राप्त की। दो छात्रों (विनुथा केवी और यशवन्त) को सीएसआईआर/यूजीसी-जेआरएफ फैलोशिप प्राप्त हुई है। अनुसंधान सुविधाओं के संदर्भ में, विभाग के पास सीमाओं के पार अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए कई आधुनिक उपकरण (जैसे एनएमआर, आईआर, यूवी-वीआईएस और फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रासायनिक धूएं के हुड, दस्ताने के बक्से और अन्य आवश्यक उपकरण) हैं। इसके अलावा, कई उपकरणों को एससीआईएफ (जैसे एएफएम, फेसेम, यूरीईएम आदि) में रखा गया है। जिसका उपयोग विभिन्न ट्रांसडिसिप्लिनरी रिसर्च के लिए किया जा सकता है। हाल ही में उन्नत अनुसंधान (एफटीआईआर, एचपीएलसी, एलसीएम, मालदी-टीओएफ-एमएस, पीएक्सआरडी, जीसी, टीसीएसपीसी, आदि) के लिए कई नए और उन्नत उपकरणों की खरीद की गई है। विभाग की बढ़ती अनुदेशात्मक प्रयोगशालाओं और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

एक नए और जीवंत संस्थान में होने के कारण, विभाग ने विभिन्न इंजीनियरिंग और विज्ञान के साथ सक्रिय सहयोग किया है। संकाय सदस्य अन्य आस-पास के संस्थानों (जैसे एसडीएम, केआईएम, बीईसी, केएलई आदि) के अध्ययन बोर्ड में सदस्य के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। हुबली-धारवाड़ क्षेत्र में और उसके आसपास शिक्षण और अनुसंधान समुदाय की सेवा करना। विभाग रसायन विज्ञान और उससे परे के वर्तमान क्षेत्रों पर नियमित छात्र संगोष्ठियां, जर्नल क्लब और अन्य अतिथि संगोष्ठियां आयोजित करता है और संस्थान की कई आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

शैक्षणिक विभाग

विभाग ने हुबली-धारवाड़ क्षेत्र के आसपास विभिन्न विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के छात्रों के अलावा, मार्च में "रसायन संगृषी" -2025 नामक एक दिवसीय अनुसंधान संग्रही का आयोजन किया है, जिसमें विभिन्न संस्थानों के वक्ताओं को शामिल किया गया है। विभाग ने अनुसंधान विद्वानों और छात्रों की बेहतरी के लिए शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न वार्ताओं का भी आयोजन किया। विभिन्न संस्थानों (आईआईटी, आईआईएससी और टीआईएफआर) के चार वरिष्ठ प्रोफेसरों की एक शैक्षणिक सलाहकार समिति ने फीडबैक और सुझाव विभाग का पालन करने और संकाय और प्रकाशनों की गुणवत्ता प्रदान करने के लिए आईआईटी धारवाड़ का दौरा किया।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

रसायन विज्ञान, योग, भारतीय ज्ञान प्रणाली।

भालचन्द्र लक्ष्मणराव टेंड्हे
विजिटिंग प्रोफेसर



राजेश्वर राव एम
एसोसिएट प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

पी-संयुक्त कार्बनिक यौगिक, छिप्रपूर्ण कार्बनिक पॉलीमर, एनआईआर-अवशोषित प्रणाली, ओपन-शेल बीराडिकाइड्स।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कम्प्यूटेशनल पद्धतियों, कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान, बैटरी और नाइट्रोजन न्यूनीकरण उत्प्रेरकों के लिए कार्बनिक इलेक्ट्रोड की डिजाइनिंग का विकास

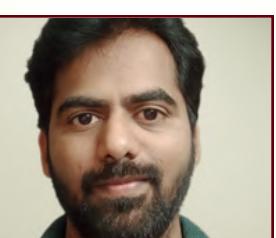
सुधीर कुमार साहू
सहायक प्रोफेसर



कुंदन कुमार सिंह सागर
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

बायोइनओर्गेनिक, नैनोकलस्टर, उत्प्रेरण, छोटे अणु सक्रियण।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, अणुओं में ध्रुवीय घटना, फोटोकैमिस्ट्री, मल्टी-रेफरेंस मेथड्स, क्वांटम डायनामिक्स, क्यूएम/एमएम।

महेश गुडेम
सहायक प्रोफेसर



नीलकमल महंत
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

जैव जैविक और भौतिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, रासायनिक जीव विज्ञान, प्रोटीन जैव रसायन विज्ञान, एंजाइम तंत्र, प्राकृतिक उत्पाद जैव संश्लेषण, रोगाणुरोधी प्रतिरोध, जैव ईंधन।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

असमित संश्लेषण, हाइब्रिड उत्प्रेरण, चिरल ब्रॉस्टेड एसिड उत्प्रेरण, फेज-ट्रांसफर उत्प्रेरण

सत्यविष कश्याप
सहायक प्राध्यापक

शैक्षणिक विभाग

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति



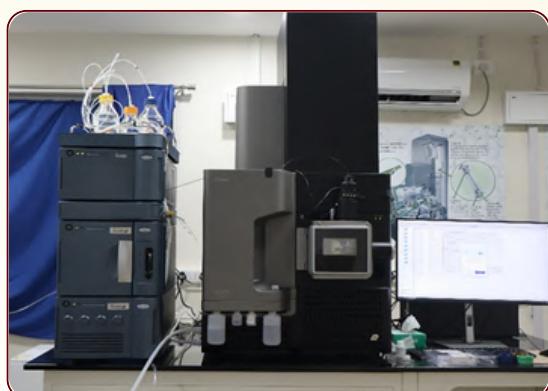
उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (HPLC)



गैस क्रोमैटोग्राफी उपकरण (GC)



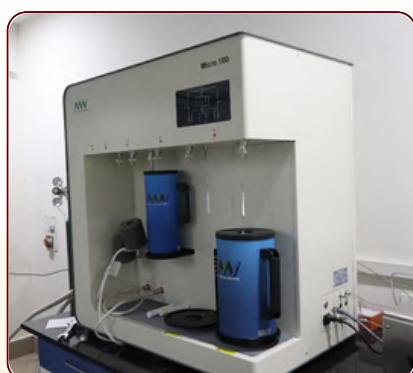
मालदी-टीओएफ मास स्पेक्ट्रोमीटर



लिक्विड क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री इंस्ट्रुमेंट (एलसी-एमएस)



सेंट्रीफ्यूज



बेट सतह क्षेत्र विश्लेषक



उच्च रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर (HRMS)



पाउडर एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर



सर्कुलर डिक्रोइज्म स्पेक्ट्रोफोटोमीटर



ट्यूबलर भट्टी



फ्लोरिमीटर

शैक्षणिक विभाग

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रो. कुंदन के. सिंह ने अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में आयोजित रसायन विज्ञान-2025 सम्मेलन में "स्टिबाइन-संरक्षित Au-नैनोक्लस्टर द्वारा अल्काइन का उत्प्रेरक हाइड्रोएमिनेशन" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी। उन्होंने फरवरी 2025 में दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में एक पीएचडी छात्र के एसआरएफ उन्नयन हेतु जेआरएफ के बाहरी परीक्षक के रूप में भी अपनी भूमिका निभाई। प्रो. सिंह 22 मार्च 2025 को आयोजित एक दिवसीय शोध-आधारित कार्यक्रम "रसायन संगोष्ठी" के आयोजन सदस्य रहे, साथ ही रसायन विभाग, आईआईटी धारवाड़ द्वारा आयोजित नेक्स्ट-जेन फंक्शनल मैटेरियल्स-2025 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सदस्य भी रहे। इसके अतिरिक्त, वे विभाग की ओर से कैरियर विकास प्रकोष्ठ (CDC), आईआईटी धारवाड़ के बैंगलुरु चैप्टर-2024 में प्रतिनिधि के रूप में जुड़े रहे। प्रो. सिंह ने राजभाषा विभाग, आईआईटी धारवाड़ द्वारा आयोजित "संस्कृता संभाषणम्" कार्यशाला में भी प्रतिभाषी के रूप में सहभागिता की।
- प्रो. महेश गुडेम ने 10 सितंबर 2024 को सफीना टावर्स, बैंगलुरु में आयोजित भारत में ओपन साइंस को आगे बढ़ाने के रोडमैप पर गोलमेज चर्चा हेतु रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री की चयन समिति में विभाग का प्रतिनिधित्व किया। वे 22 मार्च 2025 को आयोजित एक दिवसीय शोध संगोष्ठी "रसायन संगोष्ठी" के आयोजन सदस्य रहे। प्रो. गुडेम ने 28 फरवरी 2025 को श्री महायोगी लक्ष्ममा गवर्नर्मेंट डिग्री कॉलेज, यमिगनूर, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भी आमंत्रित भाषण दिया। वे जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी तथा रेझोनेस – जर्नल ऑफ साइंस एजुकेशन के समीक्षक के रूप में सक्रिय रूप से जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त, वे रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी धारवाड़ द्वारा आयोजित नेक्स्ट-जेन फंक्शनल मैटेरियल्स-2025 विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सदस्य भी रहे।
- प्रो. नीलकमल महंता रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, जैवरसायन तथा पुस्तक अध्यायों सहित अनेक शोध जर्नल्स के सक्रिय समीक्षक हैं, जिनमें नेचर कम्प्युनिकेशंस, बायोकेमिस्ट्री, RSC और Wiley जर्नल्स शामिल हैं। वे एसडीएम रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर बायोमेडिकल साइंसेज (SDMRIBS), एसडीएम विश्वविद्यालय, धारवाड़ के अध्ययन बोर्ड के बाहरी सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त, वे कर्नाटक के केएलई तकनीकी विश्वविद्यालय, हुबली के रसायन विज्ञान विभाग तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग में पीएचडी के बाहरी परीक्षक के रूप में भी अपनी विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। प्रो. महंता अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (ACS), वाशिंगटन डी.सी., USA के सदस्य हैं और कर्नाटक चिकित्सा विज्ञान संस्थान (KIMS), हुबली की बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (MRU) की अनुसंधान सलाहकार समिति (RAC) में बाहरी सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। वे इंडियन सोसाइटी ऑफ एनालिटिकल साइंटिस्ट्स (ISAS), भारत के लाइफ मेंबर भी हैं। आईआईटी धारवाड़ और एसडीएम विश्वविद्यालय के बीच अनुसंधान सहयोग को आगे बढ़ाने हेतु हुए समझौता ज्ञापन (MoU) के वे संस्थान समन्वयक हैं। साथ ही, वे केएलई तकनीकी विश्वविद्यालय, हुबली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा बसवेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज, बागलकोट के रसायन विज्ञान विभाग (2022–25) के अध्ययन बोर्ड सदस्य हैं। वे आर.वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलुरु (2022–24) के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के भी अध्ययन बोर्ड सदस्य रहे हैं। प्रो. महंता फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी के एसोसिएट एडिटर (2022 के बाद) के रूप में संपादकीय दायित्व निभा रहे हैं। इसके साथ ही वे स्कूल रिसर्च कमेटी (SRC), रसायन विज्ञान विभाग और उन्नत विज्ञान स्कूल, केएलई तकनीकी विश्वविद्यालय के सदस्य हैं। वे कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ के विश्वविद्यालय विज्ञान उपकरण केंद्र (USIC) की उपकरण समिति में भी सदस्य के रूप में योगदान दे रहे हैं।
- प्रो. राजेश्वर राव एम ने वीआईटी चेन्नई (2024) में सुश्री शक्ति प्रिया और एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु (2024) में सुश्री एस लोगेश्वरी के लिए डॉक्टरेट समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2024 में रसायन विज्ञान विभाग, एसडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, धारवाड़ के लिए एक बाहरी शैक्षणिक लेखा परीक्षक के रूप में भी योगदान दिया। इसके अलावा, प्रोफेसर राव. नियमित रूप से प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए एक समीक्षक के रूप में वैज्ञानिक समुदाय का समर्थन करते हैं, जिसमें एसीएस अनुप्रयुक्त सामग्री और इंटरफेस, एसीएस अनुप्रयुक्त पॉलिमर सामग्री, रासायनिक संचार और अन्य शामिल हैं।
- रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी धारवाड़ ने 22 मार्च 2025 को एक दिवसीय रसायन विज्ञान अनुसंधान संगोष्ठी, "रसायन संगूष्ठी" का भी आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में आईआईएससी बैंगलुरु, आईआईटी बॉम्बे, टीआईएफआर हैदराबाद और आईआईटी धारवाड़ के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा रानी चन्द्रमा विश्वविद्यालय, बेलगावी, केएलई टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हुबली और कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ के विशेषज्ञों के साथ अंतर्राष्ट्रीय और ज्ञानवर्धक अनुसंधान वार्ता शामिल थी। इस संगोष्ठी में कर्नाटक और महाराष्ट्र के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के 150 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। एक मनमोहक पोस्टर सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों के अनुसंधान कार्यों का प्रदर्शन किया गया।

शैक्षणिक विभाग

Awards and Achievements

- प्रो। नीलकमल महान्ता को अगस्त 2021 में इंडियन केमिकल सोसाइटी, कोलकाता द्वारा प्रदान किए गए आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, उन्हें 26–28 अक्टूबर 2021 को एनआईटी जमशेदपुर, भारत में आयोजित 27वें इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज सम्मेलन — उत्प्रेरक विज्ञान और इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति — में उत्कृष्ट मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

शैक्षणिक विभाग

नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग

विभाग के बारे में

2022 में स्थापित नागरिक एवं आधारभूत संरचना इंजीनियरिंग विभाग, चार साल का स्नातक कार्यक्रम (बी.टेक) प्रदान करता है सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग में। स्नातकोत्तर स्तर पर, विभाग एक पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। हमारे छात्रों को एक व्यापक पाठ्यक्रम से गुजरना पड़ता है जो सैद्धांतिक ज्ञान को संरचनात्मक, भू-तकनीकी, परिवहन और जल संसाधन इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के साथ जोड़ता है। हमारे कार्यक्रम नागरिक बुनियादी ढांचे में स्थिरता, लचीलापन और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर जोर देते हैं। विभाग के वर्तमान अनुसंधान फोकस के व्यापक क्षेत्रों में सतत निर्माण सामग्री, आधुनिक निर्माण तकनीक, संरचनात्मक अग्नि इंजीनियरिंग, भू-संश्लेषण और जमीनी सुधार, रेलवे भूतकनीक, भू-पर्यावरण इंजीनियरिंग, टिकाऊ और लचीला फुटपाथ और जल स्थिरता शामिल हैं।

ध्येय (विज्ञन): नागरिक और बुनियादी ढांचे इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान में एक वैश्विक नेता बनना, समाज के सतत विकास में योगदान देना।

मिशन

- नागरिक बुनियादी ढांचे की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के आधार पर एक पाठ्यक्रम विकसित करना।
- एक स्मार्ट, टिकाऊ और लचीला नागरिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रभावशाली अनुसंधान करना।
- निर्मित पर्यावरण की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सिविल इंजीनियरिंग उद्योगों के साथ मजबूत सहयोग स्थापित करना।
- निर्माण उद्योग के भविष्य के उद्यमियों के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए छात्रों की क्षमता।

Faculty Profile and Research Areas



अमरनाथ हेंगडे
एसोसिएट प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, भू-संश्लेषण और भूमि सुधार, मृदा गतिशीलता और कंपन अलगाव, पृथक्षीय प्रतिधारण संरचनाओं की स्थिरता, कम्प्यूटेशनल भू-तकनीक।



अनीकेत वसंतराव
काटवारे
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

फुटपाथ सामग्री, फुटपाथ मूल्यांकन। फुटपाथ प्रबंधन प्रणाली, टिकाऊ और लचीला फुटपाथ, फुटपाथ डिजाइन और विश्लेषण।



गिरिधर राजेश बंदे
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

भू-तकनीकी भू-कंप इंजीनियरिंग, सतत विकास के लिए औद्योगिक उप-उत्पाद, भूमि सुधार तकनीक, तटीय भू-तकनीकी संरचनाओं का डिजाइन।



हेमंत कुमार चिंथापल्ली
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

संरचनात्मक इंजीनियरिंग, संरचनात्मक गतिशीलता, संरचनात्मक अग्नि इंजीनियरिंग।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

जलविज्ञान, जल संसाधन, जलवायु परिवर्तन
अनुकूलन और पर्यावरण प्रबंधन।

के वी जयकुमार
प्रोफेसर



रमेश नायक सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

इस्पात संरचनाएं, पुल इंजीनियरिंग, उच्च
वृद्धि संरचनाएं, निर्माण प्रबंधन।

सनातकुमार पी राजमण
प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस



वेंकटप्प्या आर. देसाई प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

टिकाऊ ऊर्जा कुशल बुनियादी ढांचा,
सौर और भू-तापीय ऊर्जा,
ग्रीनहाउस नियंत्रित, पर्यावरण कृषि,
धर्मल मॉडलिंग का निर्माण।

सोमिल यादव
विजिटिंग प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

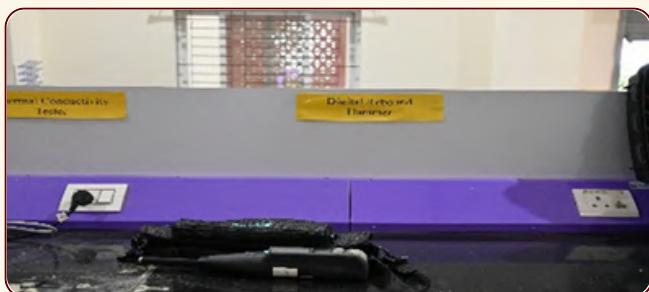
संरचनात्मक इंजीनियरिंग और सामग्री, 3D
कंक्रीट प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी, स्थायी इन्फ्राटेक
नवाचार।

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, बाढ़/सूखा
प्रबंधन, जल संचयन, जल विज्ञान/
हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग, पारंपरिक सर्वोत्तम
प्रबंधन प्रथाएं, जल/ऊर्जा में स्थायी
सुविधाएं।

शैक्षणिक विभाग

State of the Art Facilities



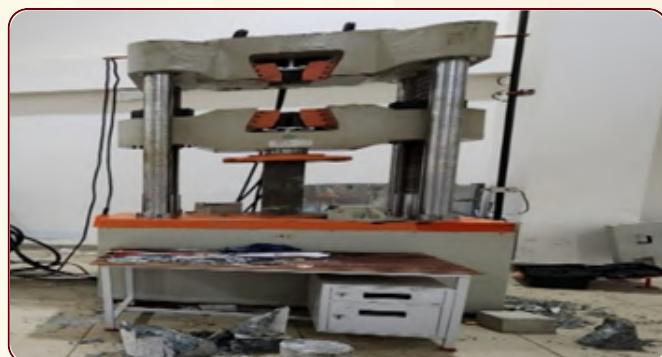
गैर-विनाशकारी परीक्षण (यूपीवी, रिबाउंड हथौड़ा)



तापीय चालकता विश्लेषक



बड़े पैमाने पर रोबोटिक आर्म 3डी कंक्रीट प्रिंटर



यूटीएम-2000 केएन क्षमता



स्वचालित संपीड़न परीक्षण मशीन, टच पैनल के साथ
3000 केएन क्षमता (विस्थापन नियंत्रित)



असंतृप्त त्रिअक्षीय परीक्षण मशीन



डायनामिक शियर रिओमीटर



व्हील ट्रैकिंग परीक्षण उपकरण

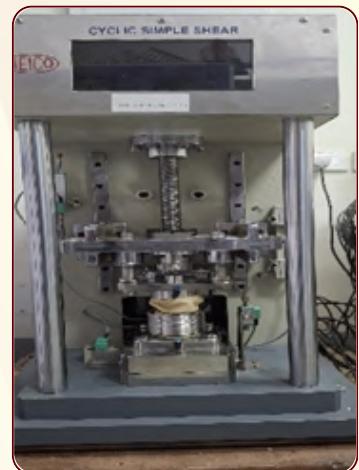
शैक्षणिक विभाग



लचीला मॉड्यूलस परीक्षण
(एसपीएस-15)



ब्रुकफ़िल्ड विस्कोमीटर



चक्रीय सरल अपरूपण



संपर्क कोण माप



कंप्यूटर नियंत्रित बड़ा प्रत्यक्ष अपरूपण
परीक्षण उपकरण

शैक्षणिक विभाग

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

हमारे संकाय ने निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षकों के रूप में कार्य किया:

- जियोटेक्निकल और जियोएनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग का जर्नल, ASC
- जियोमैकेनिक्स की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, ASS
- इंजीनियरिंग मैकेनिक्स का जर्नल, एएससीई
- जियोटेक्स्टाइल और जियोमेम्ब्रेन (अन्य)
- कंप्यूटर और जियोटेक्निक (अन्य)
- परिवहन जियोटेक्निक (अन्य)
- जियोसिंथेटिक्स एंड ग्राउंड इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर) की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
- भारतीय भू-तकनीकी पत्रिका (स्प्रिंगर)
- जमीनी सुधार (आईसीई)
- प्राकृतिक खतरे (वसंत ऋतु)
- भूकंप इंजीनियरिंग का जर्नल (टेलर और फ्रांसिस)
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी का ईरानी जर्नल, सिविल इंजीनियरिंग का लेनदेन (स्प्रिंगर)
- अनुप्रयुक्त महासागर अनुसंधान (अन्य)
- प्राकृतिक खतरों की समीक्षा (एसीईएस)
- जियोसिंथेटिक्स एंड ग्राउंड इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर) की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
- परीक्षण सामग्री का जर्नल (एएसटीएम)
- फुटपाथ इंजीनियरिंग की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (टेलर और फ्रांसिस)
- सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन (टेलर और फ्रांसिस)
- निर्माण और भवन सामग्री (अन्य)
- ऐन शम्स इंजीनियरिंग जर्नल (Elsvier)
- परिवहन अनुसंधान रिकॉर्ड (सेज)
- डिस्क सिविल इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर)
- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में परिवहन (स्प्रिंगर)
- सिविल इंजीनियरिंग में सामग्री का जर्नल (एसेस)
- संरचनाएं (अन्य)
- थर्मल इंजीनियरिंग में केस अध्ययन (अन्य)

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

- प्रो. अमरनाथ हेगडे को वर्ष 2023-2024 के लिए बिल्ट एनवायरनमेंट जर्नल (2024) में फ्रंटियर्स के भू-तकनीकी अनुभाग द्वारा "राइजिंग स्टार इन जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग अवार्ड" प्राप्त हुआ।
- प्रोफेसर अमरनाथ हेगडे को "वर्ष 2023 के असाधारण समीक्षक" प्राप्त हुआ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोसिंथेटिक्स एंड ग्राउंड इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर (2024)
- रमेश नायक और उनकी अनुसंधान टीम "ग्लोबल सस्टेनेथॉन चैलेंज-2023 के विजेता" हैं जो संयुक्त रूप से आयोजित मसूद उद्यमिता केंद्र, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके और देशपांडे स्टार्ट अप, हुबली हैं।
- "रमेश नायक के प्रोफेसर ने 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, प्रीफैब्रिकेटेड सिस्टम, हाइब्रिड सिस्टम और सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट एंड ऑडिट, अप्रैल 2025 पर ध्यान केंद्रित करते हुए "एएनएस- सीती प्राइवेट लिमिटेड" के रूप में एक स्टार्टअप को शामिल किया और शामिल किया।"
- रमेश नायक के प्रोफेसर को आईजीएसटीसी से सम्मानित किया गया - एप्लाइड रिसर्च के लिए प्रारंभिक कैरियर फैलोशिप (पीईसीएफएआर) ने टू ड्रेसडेन, जर्मनी, मई 2025 के साथ सहयोग किया।
- रमेश नायक के प्रोफेसर ने 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, प्रीफैब्रिकेटेड सिस्टम, हाइब्रिड सिस्टम और सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट एंड ऑडिट, अप्रैल 2025 पर ध्यान केंद्रित करते हुए "एएनएस- सीती प्राइवेट लिमिटेड" के रूप में एक स्टार्टअप को शामिल किया और शामिल किया।"
- रमेश नायक के प्रोफेसर को आईजीएसटीसी से सम्मानित किया गया - एप्लाइड रिसर्च के लिए प्रारंभिक कैरियर फैलोशिप (पीईसीएफएआर) ने टू ड्रेसडेन, जर्मनी, मई 2025 के साथ सहयोग किया।
- रमेश नायक के प्रोफेसर ने 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, प्रीफैब्रिकेटेड सिस्टम, हाइब्रिड सिस्टम और सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट एंड ऑडिट, अप्रैल 2025 पर ध्यान केंद्रित करते हुए "एएनएस- सीती प्राइवेट लिमिटेड" के रूप में एक स्टार्टअप को शामिल किया और शामिल किया।"
- केवी जयकुमार के पीआर को आदित्य विश्वविद्यालय, सुरेमपालम, आंध्र प्रदेश (अक्टूबर 2024 के बाद) के प्रबंधन बोर्ड के लिए नामित किया गया है
- केवी जयकुमार मुथूट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, एर्नाकुलम (सितंबर 2024 से आगे) के गवर्नर बोर्ड के सदस्य हैं
- केवी जयकुमार के प्रोफेसर को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल सेवा परीक्षा के लिए सिविल इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम की समीक्षा के समन्वय के लिए आमंत्रित किया गया था।
- केवी जयकुमार आर्ट्सभूमि अंतर्राष्ट्रीय दक्षिण एशिया के शासी निकाय के सदस्य हैं,

शैक्षणिक विभाग

हमारे संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता

- प्रो. वेंकटप्प्या आर. देसाई और प्रो. के. वी. जयकुमार ने वर्ष 2024-25 के दौरान कई प्रतिष्ठित मंचों पर आमंत्रित वार्ताएँ प्रस्तुत कीं। प्रो. जयकुमार ने एनआईटी गोवा द्वारा 12 दिसंबर 2024 को आयोजित अटल एफडीपी में MSW के लिए सतत अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाएं, तथा 17 दिसंबर 2024 को सनाका शैक्षणिक ट्रस्ट, दुर्गापुर में सतत शहरी जल और अपशिष्ट प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। वे 10 दिसंबर 2024 को केरल सरकार के उद्योग-शिक्षाविद-सरकारी सम्मेलन उद्यम 1.0 में पैनलिस्ट रहे, और 30 नवंबर 2024 को सुराणा कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलुरु में शिक्षकों के लिए एआई उपकरण और प्लेटफॉर्म पर वार्ता दी। उन्होंने 28 नवंबर 2024 को इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद में भारत में पर्यावरणीय प्रवाह और जल प्रबंधन, तथा 27 नवंबर 2024 को मुख्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, एर्नाकुलम में अनुसंधान प्रस्ताव और डिजाइन थिंकिंग पर सत्र आयोजित किया। आगे, उन्होंने 16 नवंबर 2024 को ओआईएससीए ग्लोबल समिट, आईआईएम कोइंजीकोड में सतत शहरी जल प्रबंधन, 10 नवंबर 2024 को एनआईटी त्रिची में समग्र शिक्षा और मानविकी की भूमिका: NEP 2020 से अंतर्दृष्टि, और 26 अक्टूबर 2024 को शेष्टी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुलबर्गा में अनुसंधान शिक्षाशास्त्र और सर्वोत्तम प्रथाओं की गतिशीलता पर भाषण दिया। सितंबर 2024 में उन्होंने NIT वारंगल में शिक्षकों के लिए तनाव और समय प्रबंधन, तथा 27 सितंबर 2024 को तिरुवनंतपुरम में ICID 2024 में सतत शहरी जल और अपशिष्ट प्रबंधन पर पूर्ण वार्ता दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने 10 सितंबर 2024 को SRM विश्वविद्यालय, चेन्नई में फंडिंग प्रस्ताव तैयार करने, 15 जुलाई 2024 को Institution of Engineers (I), तेलंगाना केंद्र में सिंचाई परियोजना बैचमार्किंग पर स्मारक व्याख्यान, तथा जून 2024 में इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – मुख्य विशेषताएं पर व्याख्यान प्रस्तुत किया; साथ ही 25 अप्रैल 2024 को जामिया हमदर्द, दिल्ली में उभरते प्रबंधकों के लिए कार्यकारी कौशल पर बात की। शोध प्रस्तुतियों में, पाटिल, आर., जयकुमार, के. वी., देसाई, वी. आर. (2025) ने 13–14 फरवरी 2025 को वीटीयू बेलागवी में पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियों पर शोधपत्र (pp.44) प्रस्तुत किया तथा पाटिल, आर., बलवंशी, ए., जयकुमार, के. वी., देसाई, वी. आर. (2025) ने 23–26 अप्रैल 2025 को NIT पुडुचेरी में ICWEE 2025 में भारत में पर्यावरणीय प्रवाह पर अध्ययन: वर्तमान अत्याधुनिक विषय पर शोध प्रस्तुति (pp.35) दी।
- प्रोफेसर गिरिधर राजेश बंदे ने वर्ष 2024-25 में कई आमंत्रित वार्ताएँ प्रस्तुत कीं। 8 जनवरी 2025 को उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी वारंगल, तेलंगाना द्वारा आयोजित “भू-तकनीकी संरचनाओं के व्यापक मूल्यांकन के लिए मल्टी-मॉड्यूल जियोस्ट्रॉडियो सॉफ्टवेयर का अनुप्रयोग” विषयक लघु अवधि पाठ्यक्रम के दौरान Slope/W और SEEP/W पर हैंड्स-ऑन सत्र का संचालन किया। इसी कार्यक्रम में उन्होंने “पूर्व-निर्मित ऊर्ध्वाधर नालियों के साथ स्थिर नरम भूमि पर निर्मित तटबंध का संख्यात्मक मॉडलिंग” विषय पर भी विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इससे पूर्व, 3 दिसंबर 2024 को, उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग विभाग, फैबटेक टेक्निकल कैपस, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च संगोला, सोलापुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित “Empowering Innovation: Research Methodology and IPR (EIRM & IPR-2024)” संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान “रिसर्च पेपर कैसे लिखें?” विषय पर invited talk प्रस्तुत किया।
- प्रो. अमरनाथ हेगडे ने वर्ष 2024 में विभिन्न संस्थानों में महत्वपूर्ण आमंत्रित वार्ताएँ प्रस्तुत कीं। 19 जून 2024 को उन्होंने बल्लारी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा माइक्रोसॉफ्ट Teams के माध्यम से आयोजित 5-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम — “भू-तकनीकी इंजीनियरिंग प्रथाएं और सतत विकास” — के दौरान “बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भूसंश्लेषण के कार्य और अनुप्रयोग” पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इससे पहले, 21 मई 2024 को उन्होंने मैकगान के ऊटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा आयोजित सत्र में “मिट्टी व्यवहार और स्थिरीकरण तकनीक” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान (Google Meet के माध्यम से) प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, 30 अप्रैल 2024 को उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, सूरतकल द्वारा आयोजित दो-दिवसीय सम्मेलन “Sustainable Infrastructure: Innovations, Opportunities and Challenges (SIIOC-2024)” के दौरान “भू-तकनीकी इंजीनियरिंग और स्थिरता” पर invited talk दिया।
- प्रो. अनिकेत वी. काटवेयर ने 2024-25 के दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कई आमंत्रित वार्ताएँ प्रस्तुत कीं। 21 फरवरी 2025 को उन्होंने कैएलई टेक बेलागवी, कर्नाटक में “फुटपाथ सामग्री और प्रौद्योगिकियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल” विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इससे पूर्व, 4 जनवरी 2025 को उन्होंने सहकार महर्षि शंकरराव मोहिते पाटिल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, शंकरनगर-अकलुज, महाराष्ट्र में “जर्नल का सर्वेक्षण और पेपर प्रकाशित करना” विषय पर invited talk प्रस्तुत किया। इसी विषय पर उन्होंने 5 दिसंबर 2024 को फैबटेक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, संगोला, महाराष्ट्र में भी एक महत्वपूर्ण सत्र संचालित किया।

शैक्षणिक विभाग

- प्रोफेसर रमेश नायक ने वर्ष 2024 में कई महत्वपूर्ण आमंत्रित वार्ताएँ दीं और विभिन्न शैक्षणिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने मई 2024 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट, केरल के सिविल इंजीनियरिंग तथा वास्तुकला एवं योजना विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में “अपशिष्ट या धन – रणनीतिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाएं” विषय पर व्याख्यान दिया। 12–13 सितंबर 2024 को वे बिट्स-पिलानी हैदराबाद परिसर द्वारा आयोजित एसपीएआरसी कार्यक्रम “स्थायी निर्माण सामग्री में उभरते नवाचार” में सम्मानित अतिथि एवं सत्राध्यक्ष रहे। उन्होंने 12–13 जुलाई 2024 को रीवा विश्वविद्यालय, बैंगलुरु की स्कूल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग में आयोजित “उन्नत अनुसंधान के लिए स्थायी सामग्री और प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” में भी invited talk प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, 14–24 मार्च 2024 तक “स्थायी बुनियादी ढांचे के लिए स्थायी निर्माण सामग्री” पर एक सप्ताह का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने 1 अक्टूबर 2024 को “जीवन चक्र मूल्यांकन के लिए एक ढांचा – स्थायी बुनियादी ढांचे की ओर” विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। साथ ही, वे आईईईई सम्मेलन “इंजीनियरिंग सूचना विज्ञान (ICEI 2024)” की कार्यक्रम समिति के सदस्य रहे, जिसका दूसरा संस्करण 26–28 नवंबर 2024 को आयोजित हुआ—यह सम्मेलन क्रमशः आईआईटी धारवाड़, केएलई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और आईआईआईटी धारवाड़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, और 20–21 नवंबर 2024 को स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित इसके पूर्ववर्ती सम्मेलन की निरंतरता था।
- प्रोफेसर सोमिल यादव ने आईआईटी धारवाड़ में GCOE-ACE के तत्वावधान में “नेट-जीरो एनर्जी बिल्डिंग्स” पर एक अपस्किलिंग और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

थीसिस के समीक्षक

- प्रो. अमरनाथ हेगडे ने मार्च 2024 में पंजाब के सिविल इंजीनियरिंग विभाग, थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पटियाला के “वेस्ट फाउंड्री सैंड बैकफिल्ड रिटेनिंग वॉल की प्रतिक्रिया” नामक पीएचडी थीसिस की समीक्षा की।
- प्रोफेसर के. वी. जयकुमार ने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों की कई पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया। उन्होंने जुलाई 2024 में सुश्री जोस रूबी (आईआईटी मद्रास) द्वारा प्रस्तुत “नदी-जलाशय प्रणाली में पर्यावरणीय प्रवाह विनियमन के लिए अनुकूली बहु-उद्देश्य मॉडलिंग” विषयक थीसिस का मूल्यांकन किया। इसके बाद, मई 2025 में उन्होंने सुश्री शैंकी गर्ग (गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली) की “विविध संसाधन अनुकूलन” शीर्षक वाली पीएचडी थीसिस का आकलन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रतिभा कुमारी (केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात) द्वारा प्रस्तुत “सुवर्णरिखा नदी बेसिन में जलवायु परिवर्तन प्रभावों और प्रबंधन विकल्पों के तहत जल संसाधन प्रणाली की एकीकृत हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग” विषयक शोधकार्य का भी मूल्यांकन किया।
- प्रोफेसर रमेश नायक ने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों की पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करते हुए महत्वपूर्ण अकादमिक योगदान दिया। उन्होंने वीटीयू कर्नाटक, उस्मानिया विश्वविद्यालय (हैदराबाद), आंध्र विश्वविद्यालय, माहे विश्वविद्यालय (मणिपाल) तथा एमएस रमैया विश्वविद्यालय, बैंगलुरु में प्रस्तुत कई डॉक्टोरल शोध-प्रबंधों की समीक्षा की और परीक्षक के रूप में अपनी विशेषज्ञता प्रदान की।
- प्रो. अनिकेत वी. काटवारे इंडियन रोड्स कांग्रेस (IRC), भारतीय कंक्रीट संस्थान (ICI), और इंजीनियरों के संस्थान (भारत) — इन तीनों प्रतिष्ठित संगठनों के आजीवन सदस्य हैं।
- प्रो. अनिकेत वी. कटवेयर ने 2024–25 में कई तकनीकी कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया, जिनमें 2025 में आयोजित “एस्फाल्ट बाइंडर आख्यान में प्रगति: लचीला सड़क बुनियादी ढांचे की ओर उद्योग, शिक्षाविदों और अनुसंधान पेशेवरों के लिए”, 2024 में “सिविल इंजीनियरिंग एप्लिकेशन के लिए ANSYS सॉल्यूशन” तथा “सिविल 3D सॉफ्टवेयर: सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग छात्रों के लिए औद्योगिक प्रथाएं” जैसी महत्वपूर्ण कार्यशालाएँ शामिल हैं।
- प्रो. अनिकेत वी. काटवारे ने विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हुए कई समितियों में सदस्य के रूप में कार्य किया है। वे 2025 में वालचंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सांगली के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्ययन बोर्ड (Bos) तथा 2023–24 में राजराजेश्वरी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्ययन बोर्ड (BoS) के सदस्य रहे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने CSIR-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान में तकनीकी सहायक की भर्ती हेतु चयन समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया तथा 2024 में अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई की सर्वेक्षण और परिवहन इंजीनियरिंग संबंधी प्रतिस्पर्धी परीक्षा के लिए भी समिति सदस्य के रूप में सेवा प्रदान की।
- प्रो. अनिकेत वी. काटवारे ने सिविल इंजीनियरिंग डोमेन में पाठ्यक्रम विकास, भर्ती और प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन में योगदान देते हुए कई शैक्षणिक और पेशेवर समितियों में कार्य किया है। वह वालचंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सांगली (2025) में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्ययन बोर्ड (बीओएस) और राजराजेश्वरी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर (2023-24) में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्ययन बोर्ड (बीओएस) के सदस्य थे। उन्होंने सीएसआईआर - राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान में एक तकनीकी सहायक की भर्ती के लिए चयन समिति में भी कार्य किया, और अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई (2024) में प्रतिस्पर्धी परीक्षा (सर्वेक्षण और परिवहन इंजीनियरिंग) के लिए एक समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया।

शैक्षणिक विभाग

- प्रो. अमरनाथ हेगडे सिविल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग (सीआईई) को अन्य प्रकाशकों के सहयोग से स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एकल वर्ष श्रेणी (2023) के लिए दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में रखा गया है। यह चार वर्षों (2021-2024) के लिए उनकी लगातार मान्यता का प्रतीक है। यह मान्यता एच-इंडेक्स और एक समग्र सी-स्कोर सहित उद्धरण मैट्रिक्स पर आधारित है, जो प्रकाशन की मात्रा पर उद्धरण प्रभाव पर जोर देता है। इसके अतिरिक्त, सितंबर 2024 में, उन्हें कर्नाटक राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (केएससीएसटी), बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा इंजीनियरिंग विज्ञान में प्रोफेसर सर्वीश ध्वन यंग इंजीनियर्स स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- सीआईई विभाग के प्रोफेसर रमेश नायका को 14 नवंबर, 2024 को हुबली में आईसीआई-अल्ट्राटेक पुरस्कार समारोह में जूरी सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया है। प्रो. नायक ने उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में कुछ सबसे उत्कृष्ट और अभिनव ठोस संरचनाओं का मूल्यांकन और अभिनंदन किया था।
- प्रो. अनिकेत कटवारे, विभाग। सीआईई ने निर्माण और निर्माण सामग्री, सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन और आसंजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल सहित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में फुटपाथ सामग्री और टिकाऊ बुनियादी ढांचे पर कई शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उन्होंने फुटपाथ प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान पद्धति और एआई पर अतिथि व्याख्यान दिए और आईसीएमआरटीईटी 2025, लक्ष्मेश्वर में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में कार्य किया। अपने परामर्श के तहत, छात्रों श्री शुभम राज, श्री विवेक कुमार और श्री तनिष्क सिंह ने "स्मार्ट शहरों के लिए स्थायी गतिशीलता: विद्युत फुटपाथ को सशक्त बनाना" परियोजना के लिए हुंडई होप स्कॉलरशिप प्राप्त की।
- प्रो. अमरनाथ हेगडे, नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग विभाग, ने 4 फरवरी 2025 को सिविल इंजीनियरिंग विभाग, गीतम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी बैंगलुरु में "बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उप-मिट्टी की खोज" विषय पर आमंत्रित बातचीत की। यात्रा के दौरान, प्रो. हेगडे ने विभाग के संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की और विभिन्न प्रयोगशाला सुविधाओं का दौरा किया।
- प्रो. अमरनाथ हेगडे, विभाग। सीआईई ने 4 फरवरी 2025 को सिविल इंजीनियरिंग विभाग, गीतम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी बैंगलुरु में "बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उप-मिट्टी की खोज" विषय पर आमंत्रित बातचीत की। यात्रा के दौरान, प्रो. हेगडे ने विभाग के संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की और विभिन्न प्रयोगशाला सुविधाओं का दौरा किया।

शैक्षणिक विभाग

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

About the Department

2016 में स्थापित आईआईटी धारवाड़ में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, संस्थान में पेश किए गए पहले विभागों में से एक था। यह चार साल के बी.टेक, दो साल के एम.टेक और दो अनुसंधान-गहन डिग्री-एम.टेक सहित शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक व्यापक शृंखला प्रदान करता है। (अनुसंधान द्वारा) और पीएचडी - सभी "कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग" में विशेषज्ञता रखते हैं। इसके अतिरिक्त, यह एक अंतःविषय B.Tech प्रदान करता है। "गणित और कंप्यूटिंग" में गणित विभाग के सहयोग से, साथ ही दो लघु कार्यक्रम: एक डेटा विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के साथ संयुक्त रूप से) और दूसरा कंप्यूटर विज्ञान में।"

हमारा संकाय अनुसंधान तीन मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित है: (ए) सैद्धांतिक नींव (तर्क, ग्राफ सिद्धांत और एल्गोरिदम सहित), (बी) सिस्टम (जैसे कंप्यूटर आर्किटेक्चर, नेटवर्क और समानांतर प्रोग्रामिंग), और (सी) बुद्धिमान प्रणाली (मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)। इनके अलावा, विभाग साइबर भौतिक प्रणालियों, स्मार्ट प्रिंट और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर अत्याधुनिक अंतःविषय अनुसंधान, डेटा विज्ञान, वितरित कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और अन्य संबंधित क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने में लगा हुआ है।

बी.टेक./एम.टेक.पाठ्यक्रम विशेष रूप से कंप्यूटर विज्ञान में मौलिक पाठ्यक्रमों को हमारे संकाय की अनुसंधान विशेषज्ञता के साथ संरेखित उन्नत विषयों के साथ जोड़ता है। नियमित पाठ्यक्रम संशोधन यह सुनिश्चित करते हैं कि कार्यक्रम शैक्षणिक विकास और उद्योग की जरूरतों दोनों में सबसे आगे रहे।

विभाग प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी संगठनों और उद्योग के नेताओं के साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। अत्याधुनिक कंप्यूटिंग सुविधाओं और प्रयोगशालाओं से लैस हमारे छात्रों और शोधकर्ताओं को नवीन विचारों को प्रभावशाली प्रोटोटाइप में बदलने का अधिकार है। विभाग के वैश्विक सहयोग प्रमुख सम्मेलनों और शीर्ष-स्तरीय पत्रिकाओं में इसके निरंतर योगदान में परिलक्षित होते हैं।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र

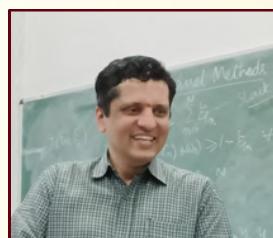


अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

छवि, ऑडियो, समय श्रृंखला और वीडियो के लिए डीप लर्निंग आर्किटेक्चर डिजाइन करना। डीप मॉडल कंप्रेशन, प्रतिकूल डीप लर्निंग, मशीन अनलर्निंग, मल्टीमॉडल लर्निंग और निमंत्रण लर्निंग।

अच्युत मणि त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

पैटर्न मान्यता, पैटर्न विश्लेषण के लिए कर्नेल तरीके, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग, स्पीच टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर विज्ञान।

दिलीप ए डी

प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

एम्बेडेड सिस्टम, कंप्यूटर आर्किटेक्चर, एड्जेंट एडज उपकरणों पर एआई/एमएल अनुप्रयोगों के कुशल परिनियोजन और निष्पादन के लिए हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर सह-डिजाइन दृष्टिकोण।

गायत्री अनंतनारायण

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

स्मार्ट प्रिंट में साइबर सुरक्षा, एप्लाइड मशीन लर्निंग।

केदार विठ्ठल खाण्डेपर्कर

सहायक प्रोफेसर

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क, नेटवर्क के लिए एआई/एमएल, क्वांटम नेटवर्क नेटवर्क प्रोटोकॉल डिजाइन, एक्सेस और परिवहन नेटवर्क का अभिसरण।

कोटेश्वरराव कोडेपु
एसोसिएट प्रोफेसर



कोन्दगंगबाम आनंद
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

प्राकृतिक भाषा समझ, भावना विश्लेषण, मशीन अनुवाद, सूचना प्रबंधन, डेटा खनन।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

समानांतर और वितरित कंप्यूटिंग, और प्रोयासिंग भाषाएं।

निखिल डी हेगडे
सहायक प्रोफेसर



राजशेखर के
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कंप्यूटर आर्किटेक्चर, माइक्रोआर्किटेक्चरल सिस्युलेशन, प्रदर्शन मॉडलिंग, रनटाइम सत्यापन।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कंप्यूटर विज्ञान में सहमति, ऑटोमेटा सिद्धांत और तक्क।

रामचंद्र फडाडे
सहायक प्रोफेसर



संदीप आर बी
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

एल्गोरिदम, ग्राफ सिद्धांत।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

5जी और उससे आगे, डेटा संचालित नेटवर्किंग, एआई नेटिव नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन।

सिबा नारायण स्वाइन
सहायक प्रोफेसर



तमल दास
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्किंग, डेटा सेंटर नेटवर्क आर्किटेक्चर, नेटवर्क फँक्शन आभासीकरण।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कंप्यूटर के लिए मशीन लर्निंग / डीप लर्निंग वृष्टि, डेटा विज्ञान, जनरेटिव एआई, बहुउद्देश्यीय विकासवादी गणना, क्वांटम-प्रेरित अनुकूलन, संघीय शिक्षा।

वंदना भारती

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

4जी और 5जी जैसे वायरलेस संचार नेटवर्क, नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स नेटवर्क, वाहन नेटवर्क, एप्लाइड मशीन लर्निंग आई एन संचार नेटवर्क।

विजेथ जे कोटगी

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

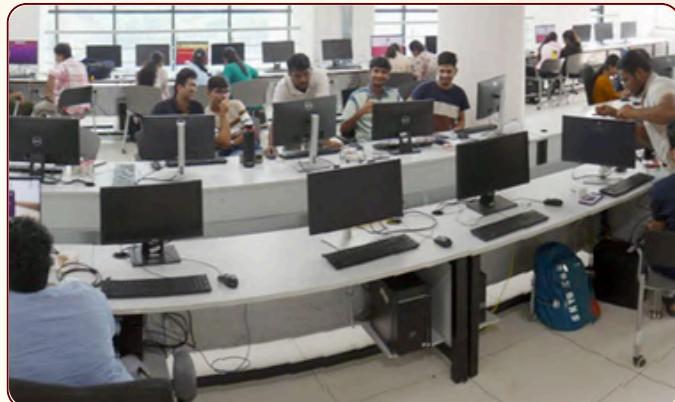
डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, संस्कृत कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान

जिवनेश बालासाहेब संकरण

विजिटिंग असिस्टेंट प्रोफेसर

[27-11-2024 तक]

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति

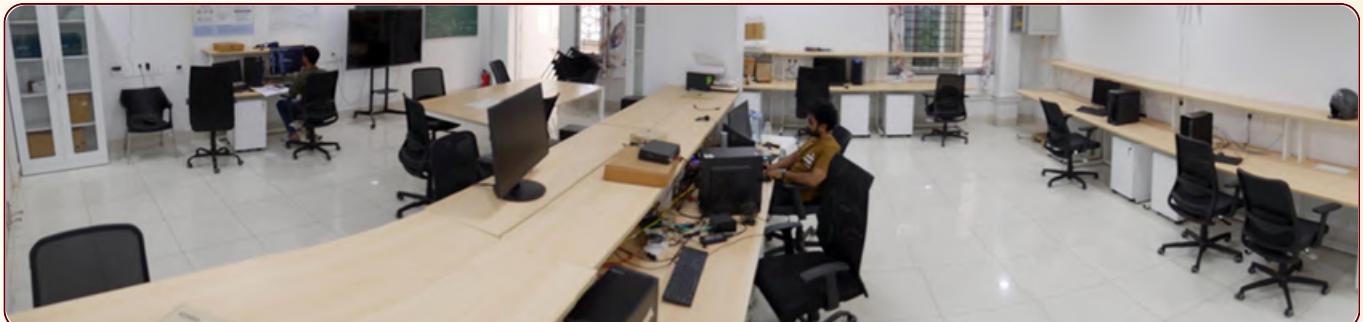


अनुदेशात्मक प्रयोगशालाएँ

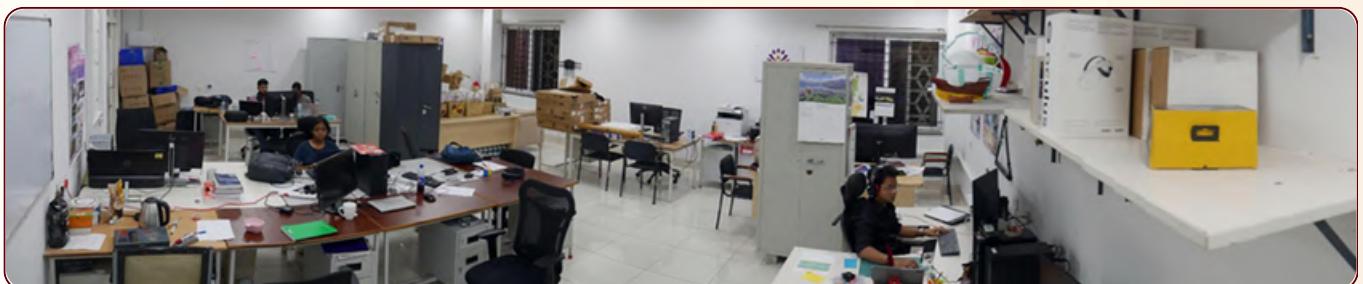
शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला



कार्यसंचालन लैब



नवोदित मल्टीमीडिया और एआई (ईएमए) प्रयोगशाला



आइडियाज़ लैब



अगली पीढ़ी की कंप्यूटिंग प्रयोगशाला



नेटवर्क लैब

शैक्षणिक विभाग



सिद्धांत प्रयोगशाला



शेकेस प्रयोगशाला



स्पेक लैब



मा.इंड लैब



एप्लाइड एआईएमएल लैब

शैक्षणिक विभाग



सम्मेलन कक्ष



सेमिनार कक्ष

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रो. गायत्री अनंतनारायणन ने विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी पलककड़ की एमएस हर्षिता (एमएस-अनुसंधान) की थीसिस के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने IEEE Transactions on Computer-Aided Design of Integrated Circuits and Systems तथा ACM India Pingala Interactions in Computing 2025 के लिए समीक्षक के रूप में अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। साथ ही, उन्होंने IEEE Services Conference (EDGE) 2025 की तकनीकी कार्यक्रम समिति में भी सक्रिय रूप से सेवा दी।

शैक्षणिक विभाग

- प्रो. कोटेश्वरराव कोंडेपू ने 2024–25 में अनेक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में तकनीकी कार्यक्रम समिति (TPC) सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे IEEE Globecom 2024, IEEE ICC 2024, IEEE INFOCOM 2024, EUSSET European Wireless 2024, IEEE FNWF 2024, IEEE NFV-SDN 2024, IEEE ANTS 2024, IEEE WCNC 2024 तथा IEEE World Forum on IoT (WF-IoT) 2024 की तकनीकी कार्यक्रम समितियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। इसके अलावा, उन्होंने Technical Early Research Forum (ERF) के तकनीकी कार्यक्रम अध्यक्ष तथा IEEE ANTS 2023, IIT गुवाहाटी (15–18 दिसंबर 2024) के सह-अध्यक्ष के रूप में दायित्व निभाया। साथ ही, उन्होंने IEEE 17th International Conference on Communication Systems and Networks (COMSNETS), इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस वर्कशॉप (IIGW), बैंगलोर (6–10 जनवरी 2025) में वर्कशॉप सह-अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएँ प्रदान कीं।
- प्रो. निखिल डी. हेगड़े ने अगस्त–नवंबर 2024 के दौरान IIT धारवाड़ में समानांतर कंप्यूटिंग पर एक पाठ्यक्रम सह-शिक्षक के रूप में पढ़ाया और इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को अत्याधुनिक परमरुद्ध HPC क्लस्टर से परिचित कराने के लिए C-DAC पुणे के साथ सहयोग किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शोध गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दिया और Principles and Practice of Parallel Programming (PPoPP'25) के पेपर ट्रैक, Supercomputing (SC'25) के ट्यूटोरियल ट्रैक तथा HiPC'24 के शोध पत्र ट्रैक में तकनीकी कार्यक्रम समिति (TPC) सदस्य के रूप में सेवा प्रदान की।
- प्रो. रामचंद्र फवाड़े ने 2024 में शोध और अकादमिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान देते हुए ACM Transactions on Embedded Computing Systems के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया तथा CSE विभाग, IIT बॉम्बे की एक पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने Formal Methods Update Meeting 2024 में भी सक्रिय रूप से सहभागिता की।
- प्रो. संदीप आर. बी. ने 2024–25 में अकादमिक और शोध गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने Theoretical Computer Science (मार्च 2025) तथा Discrete Mathematics and Theoretical Computer Science (फरवरी 2025) जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए शोधपत्रों की समीक्षा की। इसके साथ ही, उन्होंने 42nd International Symposium on Theoretical Aspects of Computer Science (STACS 2025) के लिए एक शोधपत्र की समीक्षा की, जिसकी प्रक्रिया नवंबर 2024 में पूर्ण हुई। अगस्त 2024 में उन्होंने 49th International Symposium on Mathematical Foundations of Computer Science (MFCS 2024), ब्रेटिस्लावा, स्लोवाकिया में भाषण दिया, और 1 फरवरी 2025 को Frontier Symposium on Data Science (FS-DSC 2025), IISER तिरुवनंतपुरम में एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नवंबर 2024 में तीन सप्ताह की अवधि के लिए डॉ. सुचिस्मिता मिश्रा की मेजबानी भी की।
- प्रो. तमल दास ने 2024–25 के दौरान शिक्षण, शोध, अकादमिक मूल्यांकन और पेशेवर सेवा क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने जुलाई–सितंबर 2024 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) रोहतक में “वेब-आधारित विकास” पर एक पाठ्यक्रम पढ़ाया तथा नवंबर–दिसंबर 2024 में वहाँ “प्रोग्रामिंग का परिचय” पाठ्यक्रम के अंतर्गत कई व्याख्यान दिए। वे फरवरी 2025 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित “प्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम” में आईआईटी बॉम्बे में प्रतिभागी रहे। अक्टूबर 2024 में उन्होंने श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, धारवाड़ में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग तथा सूचना विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभागों के अकादमिक ऑडिट हेतु बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। साथ ही, उन्होंने IEEE ANTS 2024 तथा COMSNETS 2025 के लिए तकनीकी कार्यक्रम समिति (TPC) सदस्य के रूप में सेवा दी। इसके अतिरिक्त, वे Springer Wireless Networks: The Journal of Mobile Communication, Computation and Information के सहयोगी संपादक के रूप में कार्यरत रहे। जनवरी 2025 में उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में एक पीएचडी छात्र के JRF-SRF रूपांतरण के लिए बाहरी परीक्षक की भूमिका निभाई।
- प्रो. वंदना भारती ने 2024–25 में अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, तकनीकी समितियों, कार्यशालाओं और फैकल्टी विकास कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई। वह ARIIS 2024 (20–21 दिसंबर 2024), जो मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, MIT मणिपाल, यूनिवर्सिटी ऑफ माल्टा और यूनिवर्सिटी ऑफ वाराविक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, की राष्ट्रीय सलाहकार समिति सदस्य रहीं। उन्होंने ISPDA 2024 (13–15 दिसंबर 2024), जो NIT पटना और SVNIT सूरत द्वारा आयोजित किया गया, में तकनीकी कार्यक्रम समिति अध्यक्ष तथा सत्र अध्यक्ष दोनों के रूप में सेवा दी। साथ ही, वे ICEI 2024 (26–28 नवंबर 2024), जिसे स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (ऑस्ट्रेलिया), IIT धारवाड़ और IIIT धारवाड़ ने संयुक्त रूप से आयोजित किया, में AI/ML ट्रैक चेयर और एसोसिएट एडिटर रहीं। उन्होंने 21 मार्च 2025, 20 मार्च 2025 और 27 फरवरी 2025 को E&ICT अकादमी, IIT गुवाहाटी और NIT पटना द्वारा आयोजित FDPs में क्रमशः “ऑप्टिमाइजेशन,” “हेल्थकेयर के लिए जनरेटिव एआई,” और “हेल्थकेयर ऑप्टिमाइजेशन के लिए डीप लर्निंग” पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए; इसके अलावा 25 फरवरी 2025 को NIT पटना के FDP में “एडवांस डीप लर्निंग मॉडल” पर भी सत्र लिया। उन्होंने 12 मार्च 2025 को Intermedia Research Group व LNMIIT जयपुर द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में “Self-Supervised Learning” पर व्याख्यान दिया तथा 20–21 जून 2024 को IIT पटना में आयोजित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में “Neural Networks and CNNs” पर आमंत्रित सत्र लिया। प्रो. भारती ने 8 मार्च 2025 को KLE Technological University, Hubballi में REU कार्यक्रम के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी सेवा दी। शोध समुदाय में योगदान देते हुए, उन्होंने IEEE Transactions on Evolutionary Computation, IEEE Transactions on Computational Social Systems और IEEE Transactions on Multimedia के लिए शोधपत्रों की समीक्षा की।

शैक्षणिक विभाग

- प्रो. विजय जे. कोटारी ने 2024–25 में शिक्षण, शोध और पेशेवर सेवाओं में सक्रिय योगदान दिया। उन्होंने 12 फरवरी 2025 को संयुक्त अरब अमीरात, धारवाड़ में “कृषि में मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग” विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। वे 26–28 नवंबर 2024 को IIT धारवाड़ में आयोजित Second IEEE Conference on Engineering Informatics (ICEI 2024) में पब्लिकेशन को-चेयर के रूप में कार्यरत रहे और Springer Computer Networks जर्नल के लिए समीक्षक के रूप में भी सेवा प्रदान की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 18–20 फरवरी 2025 को IIT रुड़की द्वारा आयोजित Sensors, Embedded Systems and Data Analytics for IoT Applications पर संयुक्त फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) में विशेषज्ञ वक्ता की भूमिका निभाई।
- Prof. Anand Konjengbam, Dept. of CSE, delivered a session on AI Applications in Health Research and Yoga at a workshop organized by MDNIY, Ministry of Ayush, on 28th February 2025.

पुरस्कार एवं उपलब्धियां

- प्रो. वंदना भारती IEE की सीनियर में्बर हैं और उन्हें वर्ष 2024 में NIT गोवा के 6 Minds कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सीएसई विभाग के प्रोफेसर कोनर्जेंगबाम आनंद ने मणिपुर में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किए गए ई-कॉर्मस प्लेटफॉर्म 'ईओंगकार्ट' के शुभारंभ की घोषणा की। मणिपुर प्रेस क्लब के कोबरू हॉल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 60,000 से अधिक आईडीपी वर्तमान में राहत शिविरों में हैं, जो हथकरघा, हस्तशिल्प और अन्य उत्पादों के माध्यम से अपनी आजीविका बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। आईआईटी धारवाड़, एनआईटी मणिपुर और मणिपुर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा सहयोगात्मक रूप से विकसित, ईओंगकार्ट का उद्देश्य अपने सामान बेचने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रदान करके आईडीपी के सामने आने वाली विपणन चुनौतियों का समाधान करना है। प्रो. आनंद ने जनता से इस पहल का समर्थन करने की अपील की, जिसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और स्थायी आर्थिक अवसरों के माध्यम से विस्थापित समुदायों को सशक्त बनाना भी है।

शैक्षणिक विभाग

इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

विभाग के बारे में

2016 में स्थापित, आईआईटी धारवाड़ में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग तेजी से संस्थान के भीतर सबसे बड़े और सबसे गतिशील विभागों में से एक बन गया है। 20 से अधिक सदस्यों की प्रभावशाली संकाय संख्या के साथ, हम एक विविध छात्र निकाय को पूरा करते हैं जिसमें 100 से अधिक स्नातकोत्तर छात्र और 250 से अधिक स्नातक छात्र शामिल हैं। हमारा विभाग दो अत्यधिक मांग वाले बीटेक कार्यक्रम प्रदान करता है: इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (30 सीटें / वर्ष) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (45 सीटें / वर्ष), छात्रों को इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के सिद्धांतों में एक ठोस आधार प्रदान करना। विभाग कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में एक मामूली कार्यक्रम भी प्रदान करता है। विभाग बी.टेक के संचालन में भी योगदान देता है। इंजीनियरिंग भौतिकी कार्यक्रम में।

हमारा विभाग अंतःविषय सहयोग पर मजबूत ध्यान देने के साथ अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई में विशेषज्ञता के साथ तीन एमटेक कार्यक्रम प्रदान करते हैं; संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग; और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर सिस्टम। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान और पीएचडी कार्यक्रमों द्वारा हमारी एमटेक छात्रों को दुनिया भर के प्रसिद्ध संस्थानों से पीएचडी डिग्री रखने वाले प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में रुचि के क्षेत्रों में गहराई से उत्तरने में सक्षम बनाती है। हमारे अनुसंधान फोकस क्षेत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियां जैसे 5जी और 6जी संचार प्रणाली, आईओटी, मशीन लर्निंग, मिश्रित सिग्नल वीएलएसआई, बायोमार्कर्स के लिए सेंसर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि शामिल हैं।

आईआईटी धारवाड़ में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग अत्याधुनिक प्रयोगशाला बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है जो हमारे छात्रों और शोधकर्ताओं को ज्ञान और नवाचार की खोज में समर्थन देता है। हमने विभिन्न परियोजनाओं पर अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग स्थापित किया है, जो हमारे अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को और समृद्ध करता है। हमारे संकाय सदस्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा विभाग इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग अनुसंधान और शिक्षा में सबसे आगे रहे। नवाचार और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य शीर्ष स्तर के इंजीनियरों का उत्पादन करना है जो अपने चुने हुए क्षेत्रों में सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र

Faculty Profile and Research Areas



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर इनवर्टर, ईवी चार्जर और बिजली आपूर्ति।

अभिजीत क्षीरसागर

सहायक प्रोफेसर



अमर कुमार अयोध्यासिंह कुशवाहा

सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक उपकरणों का डिजाइन और अनुकूलन, इलेक्ट्रिक मशीनों का इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विश्लेषण, स्थायी मैग्नेट मशीनों का मॉडलिंग और नियंत्रण, एडी-कंट कपलर और ब्रेक, पावर-इलेक्ट्रॉनिक कनवर्टरों का थर्मल विश्लेषण।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

मल्टी-एजेंट सिस्टम, विकेंट्रीकृत नियंत्रण, सिस्टम पहचान, स्प्रिंग और अंतर खेल, एल्गोरियम विकास, अनुकूलन और इष्टतम नियंत्रण, यातायात मॉडलिंग।

अमीर के मुल्ला

एसोसिएट प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

नवीनीकरण, ग्रिड-टार्ड इनवर्टर नियंत्रण, पावर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, ग्रिड फॉर्मिंग टेक्नोलॉजी, माइक्रोग्रिड।

शैक्षणिक विभाग



बी एन भरत
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

वायरलेस संचार, वायरलेस नेटवर्क, एमएम वेब संचार, अगली पीढ़ी के वायरलेस के लिए लर्निंग एल्गोरिदम, विकेंट्रीकृत एल्गोरिदम और स्टोकेसिटिक अनुकूलन के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग।



गोपाल कृष्ण कामथ एम
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

साइबर-भौतिक प्रणालियों, बुद्धिमान परिवहन नेटवर्क, विलंबित गतिशील प्रणालियों, संचार-नियंत्रण सह-डिजाइन का नियंत्रण और सुरक्षा।



नवीन एम बी
एसोसिएट प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

4जी/5जी/5जी से परे 5जी मोबाइल संचार, गैर-ओर्थोगोनल मल्टीप्ल एक्सेस (एनओएमए), बड़े पैमाने पर मल्टी-इनपुट मल्टी-आउटपुट (एमआईएमओ) सिस्टम, इंटरनेट ऑफ थिङ्स (आईओटी)।



प्रत्याशा भुई
एसोसिएट प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

पावर सिस्टम, स्मार्ट पिड, नवीकरणीय ऊर्जा।



राहुल जशवंतभाई पंड्या
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

वायरलेस संचार, ऑप्टिकल संचार, ऑप्टिकल नेटवर्क, कंप्यूटर नेटवर्क, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।



राजशेखर दूत भट
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

वायरलेस संचार, कम विलंबता संचार, संचार के लिए मशीन लर्निंग, उपग्रह संचार।



रुमा घोष
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

प्रतिरोधक गैस सेंसर, बायोसेंसर, नैनोमैटेरियल, पर्यावरण निगरानी, स्वास्थ्य देखभाल और सटीक कृषि के लिए सेंसर।



एस. आर. महादेव प्रसन्ना
Professor
[01-05-204 से ग्रहणाधिकार पर]
निदेशक के रूप में, आईआईटी धारवाड

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

स्पीच सिग्नल प्रोसेसिंग, स्पीच एन्हांसमेंट, स्पीकर रिकॉर्डिंग, स्पीच रिकॉर्डिंग रिकॉर्डिंग, स्पीच सिथेसिस, हैंड्राइटिंग रिकॉर्डिंग।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

इलेक्ट्रॉनिक मोटरों और ट्रांसफार्मरों का इलेक्ट्रोमैनेटिक डिजाइन, इलेक्ट्रिक वाहनों के इलेक्ट्रोमैनेटिक डिजाइन पहलू, कम्प्यूटरशनल इलेक्ट्रोमैनेटिक्स, मैनेटिक सामग्रियों का मॉडलिंग और लॉस कैरेक्टराइजेशन।

सायराम बोगवापु

सहायक प्रोफेसर



प्रो. [एमएस] समता बेनेर्डिकर

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

एमएल/एआई अनुग्रहों के लिए एज कंप्यूटिंग एक्सेलरेटर, उच्च प्रदर्शन गहन शिक्षण एक्सेलरेटर, अनुमान मॉडल अनुकूलन, भाषण प्रसंस्करण/संवर्धन, और डिजिटल सिग्नल प्रसंस्करण।

प्रो. सांबा राजू चिलुवेरू

सहायक प्रोफेसर



प्रो सरोज मंडल

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरी चार्जिंग, हाइब्रिड मीडियम वोल्टेज थीसी सर्किट ब्रेकर, पिड कनेक्टेड मल्टीलेवल इनवर्टर, हाई वोल्टेज पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए कनवर्टर।

प्रो. सतीश नाईक

सहायक प्रोफेसर



प्रो. शशांक अश्वथा मदूर

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

गैन-आधारित हाई-इलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर, सिलिकॉन कार्बाइड पावर डिवाइस, अर्धचालक विकिरण डिटेक्टर, डीप-लेवल ट्रांजिटेंट स्पेक्ट्रोस्कोपी (डीएलटीएस)।

प्रो. विनेश्वर राजा पी

सहायक प्रोफेसर



नवीन कदाइन्ती

सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

लचील इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोमेडिकल सेंसर।

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक सर्किट पावर मैनेजमेंट इंटीग्रेटेड सर्किट, रेडियो फ्रीक्वेंसी इंटीग्रेटेड सर्किट, आईओटी को पावर देने के लिए एनर्जी हार्डिंग सर्किट।

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन, पैर्टन पहचान, रिमोट सेंसिंग, एप्लाइड मशीन लर्निंग।

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

मिश्रित सिग्नल सर्किट का डिजाइन, हाई स्पीड इंटरकनेक्ट इवलाइजर और क्लॉक री-टाइमिंग सर्किट, मिश्रित सिग्नल सर्किट की परीक्षणशीलता, इंस्ट्रमेंटेशन सर्किट, एमईएमएस आधारित सेंसर के लिए इंटरफ़ेस सर्किट।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

आरएफआईडी में आरएफ ऊर्जा हार्डवर प्रणाली, पीजो/थर्मल/सोलर एनर्जी हार्डवरिंग सिस्टम, बायोइम्प्लांट में वायरलेस पावर हार्डवरिंग, आरएफ एकीकृत परिपथ।

नागवेनी एस
सहायक प्रोफेसर

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति

शिक्षण प्रयोगशालाएं/कार्यशालाएं

1. सीआईएफ 201 - इलेक्ट्रॉनिक्स लैब: इलेक्ट्रॉनिक लैब इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम के अध्ययन, परीक्षण और विकास के लिए डिज़ाइन किया गया एक विशेष स्थान है। यह विभिन्न उपकरणों और उपकरणों से सुसज्जित है, जैसे कि ऑसिलोस्कोप, मल्टीमीटर, सिग्नल जनरेटर और सोल्डरिंग स्टेशन, इलेक्ट्रिकल सर्किट, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड सिस्टम के हैंड-ऑन प्रयोग और परेशानी को सुविधाजनक बनाने के लिए। प्रयोगशाला मेजर ईडीए ट्रूल्स (कैडेंस, सिनोप्सिस, Xilinx आदि) से सुसज्जित है। सर्किट और डिवाइस सिमुलेशन के लिए।

2. सीआईएफ-102 - डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी): डीएसपी प्रयोगशाला डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीकों के अध्ययन और प्रयोग पर केंद्रित एक विशेष वातावरण है। यह डीएसपी किट, एसडीआर, सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म (जैसे मैटलैब या लैबव्यू) और सिग्नल विश्लेषण उपकरणों जैसे उपकरणों से लैस है। डीएसपी प्रयोगशाला में, छात्र, इंजीनियर और शोधकर्ता डिजिटल रूप में संकेतों के साथ काम करते हैं, फ़िल्टरिंग, कम्प्रेशन, मॉड्यूलेशन और परिवर्तन जैसे कार्य करते हैं। प्रयोगशाला का उपयोग आमतौर पर ऑडियो प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग, संचार, रडार और अन्य क्षेत्रों में अनुप्रयोगों का पता लगाने के लिए किया जाता है जहां संकेतों का विश्लेषण किया जाता है।

3. सीआईएफ-106 - नियंत्रण प्रयोगशाला: एक नियंत्रण प्रयोगशाला नियंत्रण प्रणालियों के साथ अध्ययन और प्रयोग करने के लिए एक विशेष वातावरण है, जिसका उपयोग गतिशील प्रणालियों के व्यवहार को प्रबंधित और विनियमित करने के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला विभिन्न उपकरणों और उपकरणों से सुसज्जित है, जैसे नियंत्रक, सेंसर, एक्ट्यूएटर और सिमुलेशन सॉफ्टवेयर (MATLAB), आर्डिनोस, स्टेपर और सर्वो मोटर्स आदि जैसे माइक्रोकंट्रोलर बोर्डों के साथ। नियंत्रण रणनीतियों के व्यावहारिक सीखने और परीक्षण की सुविधा के लिए।

4. CIL-012 - EMPE लैब: एक इलेक्ट्रिक मशीन और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला विद्युत मशीनों, ड्राइव और पावर इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के साथ अध्ययन और प्रयोग करने के लिए एक विशेष सुविधा है। प्रयोगशाला मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और इनवर्टर, कन्वर्टर और कंट्रोलर जैसे संबद्ध पावर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसी मशीनों से सुसज्जित है। यह एसी, डीसी और इंडक्शन मोटर्स सहित विभिन्न विद्युत मशीनों के संचालन, नियंत्रण और प्रदर्शन विश्लेषण की व्यावहारिक खोज की अनुमति देता है।

विभाग के पास उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं जैसे -

- स्वायत्त रोबोटिक सिस्टम प्रयोगशाला का नियंत्रण
- इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम और परीक्षण प्रयोगशालाएं
- मोबाइल प्रोटोकॉल, वायरलेस संचार आदि
- सीखने और अनुमान लगाने वाली प्रयोगशालाएँ
- स्पीच प्रोसेसिंग लैब
- बिजली और ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशालाएं आदि।

शैक्षणिक विभाग

| प्रयोगशाला का नाम | उपकरण उपलब्ध |
|---|---|
| स्वायत्तं और रोबोटिक प्रणालियों का नियंत्रण (CARS) | मोशन कैचर सिस्टम, नैनो ड्रोन, हैटिक डिवाइस, रोबोटिक आर्म्स |
| इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम लैब | 1 एनएस सर्वर, 10 वर्कस्टेशन |
| आईसी क्लिनिक | 6 गीगाहर्ट्ज़ सिग्नल स्रोत 3 गीगाहर्ट्ज़ सिग्नल स्रोत 7.5 गीगाहर्ट्ज़ स्पेक्ट्रम विश्लेषक 612 अंकों का मल्टीमीटर 4 गीगाहर्ट्ज़ 4 अध्याय। ऑसिलोस्कोप 44 गीगाहर्ट्ज़ स्पेक्ट्रम विश्लेषक 70 गीगाहर्ट्ज़ वीएनए स्रोत माप इकाई |
| मोबाइल प्रोटोकॉल और संचार प्रौद्योगिकी (MPACT) प्रयोगशाला | लेखा वायरलेस एडवांस एसडीआर की 3 इकाइयां (4जी बेस स्टेशन) 6 कार्यस्थल |
| लर्निंग इन्फरेंस एंड नेटवर्क (एलआईएएन) लैब | 7 कार्यस्थल 77 गीगाहर्ट्ज़ रडार मूल्यांकन बोर्ड, जेटसन नानो बोर्ड कंप्यूटिंग बोर्ड |
| विक्स लैब | 5 कार्यस्थल |
| एआई नेक्सस लैब | 1 जीपीयू और 8 वर्कस्टेशन |
| भाषण प्रसंस्करण और एआई त्वरक प्रयोगशाला | 9 कार्यस्थल |
| शबदावेदी लैब | 22 कार्यस्थल, 1 एनएस भंडारण सर्वर, 2 जीपीयू सर्वर |
| पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक मशीन रिसर्च लैब | 16 कार्यस्थल, ओपल आरटी सिमुलेटर, ग्रिड सिमुलेटर, 2 पावर विश्लेषक, 400V डीसी आपूर्ति, आइसोलेशन ट्रांसफार्मर ऑटो ट्रांसफार्मर RTAC, PMU, GPS Clock |
| उपकरण प्रयोगशाला | 12 कार्यस्थल |
| सर्किट और सिस्टम लैब | 16 कार्यस्थल |
| बिजली, ऊर्जा और नवीकरणीय प्रयोगशाला (पियरल) | 12 कार्यस्थल, 200 मेगाहर्ट्ज़ एमएसओ और डीएसओ, 400 वी और 600 वी बिजली की आपूर्ति, डीसी आपूर्ति सहित ग्रिड सिम्युलेटर, 3 चरण इनवर्टर, वाइंडिंग मशीन, कैमरे के साथ माइक्रोस्कोप, एलसीआर मीटर |

शैक्षणिक विभाग

| | |
|----------------------------------|---|
| सेंसर प्रयोगशाला | 11 कार्यस्थल, 2 गैस सेंसिंग सेटअप, डीसी स्पुटरिंग सिस्टम, थर्मल वाष्पीकरण, क्रायोजेनिक स्नान, केन्द्रापक, गर्म हवा का ओवन, अल्ट्रासोनिक सेल व्यवधान, डीएक्यू, वेटिंग मशीन, हॉट प्लेट, मफल फर्नेस, दो जोन सीवीडी फर्नेस, बीओडी इनक्यूबेटर, 2 सॉनिकेट्स, डि वाटर मशीन |
| एनीचोइक चैम्बर | ध्वनि डेटा अधिग्रहण इकाई (8 चैनल) हेड सिमुलेटर - ईयर मॉडल के साथ ध्वनि स्तर मीटर स्टूडियो हेडफोन स्टूडियो माइक्रोफोन |
| अंतरिक्ष डेटा विज्ञान प्रयोगशाला | 1 जीपीयू, 1 यूपी, 2 बड़े 80 इंच डिस्प्ले और 8 वर्कस्टेशन |

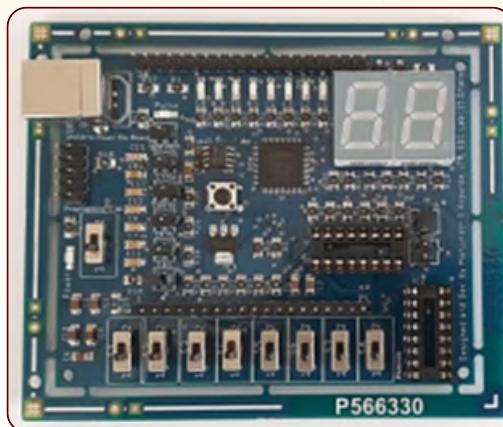
शैक्षणिक विभाग

अनुसंधान और विकास कार्य

- हमने यूजी प्रयोगशालाओं में उपयोग के लिए एक बैचटॉप प्रोग्रामेबल रेगुलेटेड पावर सप्लाई डिजाइन की है। इकाई को 'यूरोपा' नाम दिया गया है और वर्तमान सीमा के साथ मोटे और अच्छे उत्पादन नियंत्रण की सुविधा है। प्रयोगशाला में ही 50 से अधिक इकाइयां बनाई गई हैं और प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के लिए पिछले 2 सेमेस्टर के बाद से इसका उपयोग किया गया है।



- डिजिटल सिस्टम लैब पाठ्यक्रमों में उपयोग के लिए घर में सीपीएलडी बोर्ड डिजाइन किया गया।



- बैंडविड्थ 2 मेगाहर्ट्ज आधारित डीएसओ और आर्बिट्रेरी फंक्शन जनरेटर प्रगति पर हैं।
- एचवी शिक्षा के उपयोग के लिए कम लागत की जांच।
- तिहान वित्त पोषित परियोजना के एक हिस्से के रूप में डिज़ाइन किया गया फायर रेस्क्यू असिस्टेंट ड्रोन। हमारे अनुमान के अनुसार, इस ड्रोन का वर्तमान टीआरएल 5/6 है। हम प्रोटीन और आरएनए आधारित कैंसर बायोमार्कर्स के लिए 2-पोर्ट प्रतिरोधक सेंसर विकसित कर सकते हैं जिनमें उत्कृष्ट अनुवाद क्षमता है। विकसित उपकरण के आईपी की रक्षा के लिए चार भारतीय पेटेंट दायर किए गए हैं।
- Mesh Network-आधारित कृषि डेटा संग्रह और सटीक कृषि वित्तपोषण एजेंसी के लिए जनरेटिव AI-आधारित डेटा विश्लेषण प्रणाली: Bio Cytih, अपने Biocps tih टाइमलाइन के तहत पिलानी: अंतिम उत्पाद के लिए लगभग छह महीने।
- VB-S2/X मॉडेम फंडिंग एजेंसी: इसरो - रिस्पॉड टाइमलाइन: चल रहा है, प्रोटोटाइप तैयार होने में एक वर्ष लगने की उम्मीद है।
- नाइट यूनिफाइड एलटीई और एनबायोट बेस स्टेशन वर्तमान में लखा वायरलेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वाणिज्यिकृत है। एसईआरबी इम्प्रिंट प्रायोजित परियोजना के हिस्से के रूप में लिमिटेड।

शैक्षणिक विभाग

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- PARTH K ठक्कर (मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक रिसर्च लेबोरेटरी, यूएसए)।
- एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, भारत के माध्यम से एक परामर्श परियोजना के रूप में स्वीडन।
- मेहुल मोतानी (नस सिंगापुर) के प्रा.
- निकोलाओस पप्पा के प्राचार्य (लिंक सोपिंग यूनिवर्सिटी, स्वीडन)।
- शुएन-यूह ली (नेशनल चेंग-कुंग विश्वविद्यालय, ताइवान, हालांकि "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सहयोग का भारत-ताइवान कार्यक्रम")।
- गिरीश चौधरी (शहरी चंपेन, अमेरिका में इलिनोइस विश्वविद्यालय) के प्रोफेसर।
- एंड्रयू मार्जेनोट के प्राचार्य (शहरी चंपेन, अमेरिका में इलिनोइस विश्वविद्यालय)।
- अन्ना एल आहडे (पूर्वी फिनलैंड विश्वविद्यालय, फिनलैंड)।
- अन्ना इग्नासक (यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू ब्रांसविक, कनाडा) के प्रा।
- विंसेंट गरीब के प्रोफेसर (प्रिंसटन विश्वविद्यालय)।
- डेनिज़ जी अंड (इंपीरियल कॉलेज लंदन) के प्रा।
- थार्म रत्नारजा (एडिनबर्ग)।
- लुट्ज लैंप (यूबीसी वैकूवर) के प्रा.
- रोडोल्फो ओलिवेरा (नोवा डी लिस्बोआ विश्वविद्यालय, पुर्तगाल) के प्रा.
- प्रशांत खंडुरी (वेन स्टेट यूनिवर्सिटी) के प्रोफेसर।
- IGSTC पैकफर.

राष्ट्रीय सहयोग

- सीना वी (आईआईएसटी तिरुवनंतपुरम) के प्रा.
- नित्या तिवारी (आईआईटी भुवनेश्वर) के प्राचार्य।
- श्रीलक्ष्मी मंजूनाथ (आईआईटी मंडी) के प्रा.
- देबयानी घोष (टीईईटी पटियाला) के प्रा।
- प्रशांत के वली के प्राचार्य (बिट्स-पिलानी हैदराबाद परिसर)।
- चेतन कुमार (बिट्स-पिलानी हैदराबाद परिसर) के प्रोफेसर।
- सुश्री सिंथिया सी (बीआईटीएस-पिलानी हैदराबाद परिसर)।
- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल)
- राहुल वाजे (टीआईएफआर मुंबई) के प्रा.
- C2S के माध्यम से ABCR प्रयोगशालाओं के साथ सहयोग।
- परामर्श परियोजना के माध्यम से सिग्नलचिप सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग।
- विश्वविद्यालय कार्यक्रम के माध्यम से एचसीएल के साथ सहयोग।
- INTEL, ALTERA के माध्यम से सहयोग।
- एल उमानंद (आईआईएससी बैंगलोर) के प्रा.
- रवि प्रकाश रेड्डी (आईआईटी बॉम्बे)।
- प्रो. रंजीता आर प्रसाद (IIT दिल्ली)
- प्रो. हर्षन जगदीश (आईआईटी दिल्ली)
- आईआईटी गुवाहाटी (पीआई: प्रो. श्रीनिवासन कृष्णास्वामी) (एमओई-स्टार) के साथ संयुक्त प्रायोजित परियोजना।
- डॉ. कमला जयंती पी.डी. (आईआईएचआर बैंगलोर)।
- पोतदार के प्राचार्य (यूएएस धारवाड़)।
- डॉ. पुरुषोत्तम रेड्डी (पैथोलॉजी विभाग, किम्स हुबली)।
- डॉ. शशिधर कल्लप्पा (ऑन्को-सर्जरी विभाग, किम्स हुबली)।
- डॉ. राजेंद्र बी. नेरली (यूरोलॉजी विभाग, केएलई के डॉ. प्रभाकर कोर अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, बेलागवी)।
- डॉ. श्रीधर घागाने (यूरोलॉजी विभाग, कहेर बेलागवी)।

शैक्षणिक विभाग

Awards and Achievements

- अभिजीत क्षीरसागर, कर्नाटक रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट लिमिटेड (केआरईडीएल) में सहायक अध्यक्ष प्रोफेसर के रूप में कार्य कर रहे हैं।
- नवीन कदाइंती के प्रोफेसर को 'एमईआईटीवाई विश्वेश्वरैया यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप (वाईएफआरएफ) पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।
- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स पर आईईई पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी के आईईई लेनदेन के लिए एक सहयोगी संपादक के रूप में नियुक्त सहायक प्रोफेसर सतीश नाइक।
- एमएस वैदेही चित्रकार ने फ्रांस के एक विश्वविद्यालय में 6 महीने बिताने के लिए रमन चरपक फेलोशिप प्राप्त की।
- ईसीई विभाग में सहायक प्रोफेसर प्रो. साई राम बोगावरापू को "इंडक्शन हीटिंग एप्लिकेशन के लिए मल्टीपल सिक मॉसफेट्स के गेट ड्राइविंग के लिए लो लीकेज पल्स ट्रांसफॉर्मर का डिजाइन" शीर्षक वाले अपने काम के लिए आईईई पेड़स 2024 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ। , "इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस वर्ल्डवाइड प्राइवेट लिमिटेड के श्री अरुण के पॉल के साथ सह-लेखक। लिमिटेड उन्होंने 19 अक्टूबर 2024 को वीजेटीआई, मुंबई के समन्वय से आईईई बॉम्बे सेक्शन द्वारा आयोजित ऊर्जा और शक्ति पर एक शोध कोलोक्वियम में "पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और फाइनाइट एलिमेंट मैथड" के लिए चुंबकीय डिजाइन" पर भी बात की। अपने उद्योग जुड़ाव को और मजबूत करते हुए, प्रो. बोगावरापू ने ट्रांसफॉर्मर अनुप्रयोगों के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक डिजाइन कार्यक्रमों के विकास पर भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के लिए तीन दिवसीय इन-हाउस अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया (27-29 जनवरी 2025) और ₹2.36 लाख के परियोजना बजट के साथ डीबी संभावित एलएलपी के साथ एक नया परामर्श सहयोग शुरू किया।
- प्रो. अनिमेश कुमार साहू, विभाग, ईसीई ने आईआईएससी, बेंगलुरु (6-9 जनवरी 2025) में आयोजित नवीकरणीय प्रभुत्व वाले पावर ग्रिड की स्थिरता और संरक्षण पर कार्यशाला में "इनवर्टर-आधारित संसाधनों के लिए ग्रिड कोड की आवश्यकता" पर बात की। उन्होंने बागलकोट के बसवेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज (30 जनवरी - 3 फरवरी 2025) में एआई-एमएल आधारित स्मार्टग्रिड पर एफडीपी में भी बात की।

शैक्षणिक विभाग

मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकियां

विभाग के बारे में

मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में की गई थी। प्रकृति द्वारा अंतःविषय, विभाग में साहित्य, लिंग अध्ययन, डिजिटल मानविकी, दर्शन, राजनीतिक अर्थशास्त्र, संघर्ष के अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले संकाय हैं। विभाग बी को विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। टेक, एमएस और पीएचडी छात्र, महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देने, कला और सौंदर्यशास्त्र की सराहना करने और अवधारणाओं, बहस और संदर्भों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं।

शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण और आउटरीच गतिविधियों में लगे विभाग इच्छुक शोधकर्ताओं को पूर्णकालिक डॉक्टरेट कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

विभाग शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और संगठनों को इसके साथ सहयोग करने के लिए आमंत्रित करता है, क्योंकि यह अंतःविषय योगदान के माध्यम से अपने आउटरीच और प्रभाव का विस्तार करता है।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

ऊर्जा अर्थशास्त्र, शहरी अर्थशास्त्र।

देवलीना चक्रवर्ती

सहायक प्रोफेसर



गोपाल शरण पराशरी

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

तत्त्वभीमांसा, दार्शनिक तर्क, नैतिकता।

जॉली थॉमस

सहायक प्रोफेसर



मोहना राव बालागा

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

साहित्य, लिंग अध्ययन, आधुनिकतावाद, नारीवादी दर्शन।

रिधिमा तिवारी

एसोसिएट प्रोफेसर



महितोष मंडल

सहायक प्रोफेसर सितंबर 2024 तक

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

अनुप्रयुक्त सूक्ष्म आर्थिक सिद्धांत, अनुप्रयुक्त खेल सिद्धांत, संघर्ष का अर्थशास्त्र, कृषि।

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

मुद्रा संकट, अंतर्राष्ट्रीय मूल्य प्रणाली, विनियम दर पास-थ्रू और अंतर्राष्ट्रीय वित्त।

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

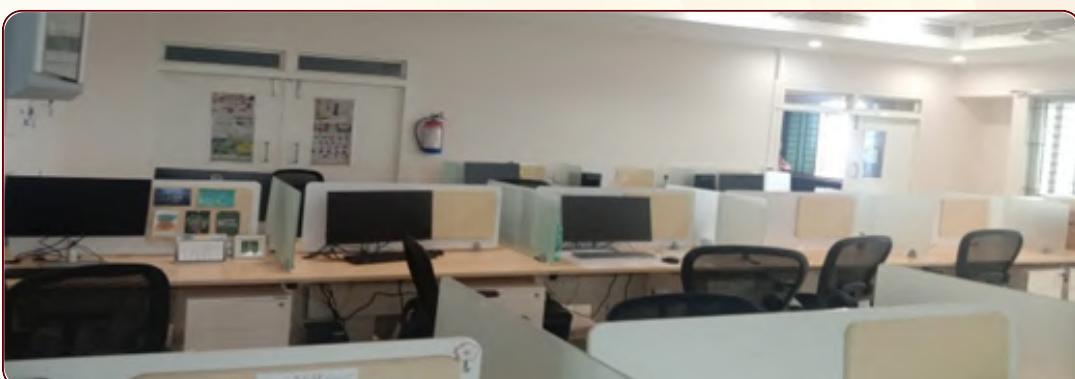
साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन।

शैक्षणिक विभाग

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति



रिसर्च स्कॉलर लैब 1
Facility for Department of HEART



रिसर्च स्कॉलर लैब 2
Facility for Department of HEART

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

- देबलीना चक्रवर्ती, ह्यूमैनिटास, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर, ने फरवरी 2025 में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज (VISH) और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (SCOPE) द्वारा आयोजित सांख्यिकीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण पर संकाय विकास कार्यक्रम में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- जॉली थॉमस प्रोफेसर जॉली थॉमस सहायक प्रोफेसर, मानविका, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, ने जीआईएएन (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) शिक्षा मंत्रालय का एक कार्यक्रम है, जिसका नाम "एथिक्स, ट्रस्ट एंड यूजेबिलिटी इन स्पीच टेक्नोलॉजी" है, जो 3 से 7 मार्च 2025 तक है।
- प्रो. मोहना राव बालागा, सहायक प्रोफेसर, मानविका, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, एसआरएम विश्वविद्यालय एपी में 7-8 मार्च, 2025 को आयोजित "अनुप्रयुक्त अर्थमिति: सॉफ्टवेयर और डेटाबेस के साथ उत्तोलन" पर दो दिवसीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- प्रोफेसर रिधिमा तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविका, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, वर्ष 2024–2025 के दौरान अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्वत आयोजनों में सक्रिय रूप से सहभागी रहीं। अगस्त 2024 में उन्होंने ईएफएल विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित 'हम सवादत्ति हिल से जोगाथी हैं...' विषयक येलम्मा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सार्वजनिक स्थानों और लिंग अध्ययन पर एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। इसी माह उन्होंने भारतीय विज्ञान कथा में मरणोपरांतवाद और ट्रांसह्यूमनिज्म विषय पर एक शोधपत्र सह-प्रस्तुत किया। दिसंबर 2024 में उनके सह-प्रस्तुत शोधपत्र चंदनी गगाना के ट्रांस नैरेटिव्स में भेद्यता की कविता को मनार थिरुमलाई नायकर कॉलेज और ट्रांसजेंडर रिसोर्स सेंटर, मदुरई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सराहना मिली। जनवरी 2025 में उन्होंने माउंट कार्मल कॉलेज, बैंगलुरु में आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुन्दरबन का नव-पौराणिक ज्ञान पर शोधपत्र प्रस्तुत किया तथा ओएचएआई के 10वें वार्षिक सम्मेलन में वीपीन मछुआरा समुदाय के गीतों पर आधारित एक अध्ययन सह-प्रस्तुत किया। फरवरी 2025 में उन्होंने ईएफएलयू, हैदराबाद के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मानव-मशीन हाइब्रिड और ट्रांसह्यूमनिस्ट दृष्टि पर एक शोधपत्र सह-प्रस्तुत किया। मार्च 2025 में उन्होंने सेंट फिलोमेना कॉलेज, मैसूर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जोगटी लोककथाओं के डिजिटल रूपांतरण पर शोधकार्य प्रस्तुत किया।

शैक्षणिक विभाग

- प्रो. तिवारी को विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रतिष्ठित व्याख्यानों के लिए आमंत्रित किया गया, जिनमें प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, बैंगलुरु (जून 2024) में पाँच-दिवसीय एफडीपी में नारीवादी कार्यप्रणाली और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पर व्याख्यान, तथा भाषा विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंग्रेजी अध्ययन में अनुसंधान पद्धतियाँ पर राष्ट्रीय एफडीपी में उनके व्याख्यान शामिल हैं। उन्होंने केएलई टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, कर्नाटक में भारतीय परिप्रेक्ष्य से मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पर मुख्य भाषण (जुलाई 2024) तथा शैक्षणिक लेखन एवं संचार पर invited talk (अगस्त 2024) प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने केएलई लिंगराज कॉलेज, बेलगावी में छात्रों के लिए शैक्षणिक लेखन कौशल पर विशेष सत्र संचालित किया। अक्टूबर 2024 में उन्होंने ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी में नारीवाद की चौथी लहर विषय पर invited lecture दिया तथा जनवरी 2025 में कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ में प्रो. सरोजिनी शिंतरी बंदेबस्ती व्याख्यान प्रस्तुत किया। साथ ही, उन्हें ईएफएल विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित ग्राफिक नैरेटिव्स एंड कॉमिक्स स्टडीज़ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इतिहास और स्मृति विषयक सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया।
- यदि आप चाहें, मैं इसे और संक्षेप में, अकादमिक शैली में, बायो/प्रोफाइल फॉर्मेट में, या CV-ready points के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

पुरस्कार एवं उपलब्धियां

- सुश्री अर्पिता बनर्जी 14 और 15 फरवरी 2025 को ऑनलाइन मोड में आयोजित छठे राजगिरी प्रबंधन सम्मेलन में डॉक्टरेट कोलोक्वियम में "भारत में स्वच्छ ऊर्जा संसाधनों की ओर घरेलू ऊर्जा परिवर्तन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- सुश्री अर्पण यादव प्रबंधन और विकास पर 5 वीं डॉक्टरेट कोलोक्वियम (6 से 9 नवंबर 2024) में "भारत की व्यापार कीमतों और व्यापार मात्रा में ईआरपीटी का विश्लेषण" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। आईआईटी भुवनेश्वर (6 से 8 दिसंबर 2024) द्वारा स्थायी वित्त पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत की व्यापार कीमतों और व्यापार मात्रा में ईआरपीटी का विश्लेषण" " नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।" आईआईएफटी कोलकाता (12 से 13 दिसंबर 2024) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 9 वें सम्मेलन में "भारत की व्यापार कीमतों और व्यापार मात्रा में ईआरपीटी का विश्लेषण" नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। ऐसे के बैश्नोबी पतरो
- कुमारी के. वैष्णोबी पैट्रो (HS23DP002), जो प्रोफेसर मोहना राव बालागा के मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र में पीएचडी कर रही हैं, ने अपने शोध कार्य के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा आयोजित स्थायी वित्त पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (6–8 दिसंबर 2024) में अपने शोधपत्र "संकट से परे: मुद्रा और बैंकिंग संकट के वास्तविक प्रभावों को उजागर करना" के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता। यह अध्ययन मुद्रा एवं बैंकिंग संकटों के पश्चात् उत्पन्न प्रभावों तथा उनके परिणामों को निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण मैक्रोइकॉनॉमिक कारकों की विस्तृत व्याख्या करता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने "डॉलर का प्रभुत्व: एक विशेषाधिकार या एक आपदा?" शीर्षक से शोधपत्र प्रबंधन और विकास पर 5वें डॉक्टोरल कोलोक्वियम (6–9 नवंबर 2024) तथा डीएसई विंटर स्कूल सम्मेलन (12–14 दिसंबर 2024) में प्रस्तुत किया। वैष्णोबी ने अपना शोध स्थायी वित्त पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (IIFT भुवनेश्वर, 6–8 दिसंबर 2024) और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों पर 9वें सम्मेलन (IIFT कोलकाता, 12–13 दिसंबर 2024) में भी प्रस्तुत किया।
- मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकियां विभाग के श्री देबाशीष बिस्वास ने जनवरी–अप्रैल 2025 सत्र के दौरान एनपीटीईएल पाठ्यक्रम "दर्शन और महत्वपूर्ण सोच" को 92% के उत्कृष्ट स्कोर के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें Elite + Gold प्रमाणन प्राप्त हुआ। एनपीटीईएल द्वारा पाठ्यक्रम कोड NPTEL25HS64S1044300140 के अंतर्गत प्रस्तुत यह 12-सप्ताह का कार्यक्रम 3–4 शैक्षणिक क्रेडिट के लिए अनुशंसित था। साथ ही, प्रोफेसर जॉली थॉमस के मार्गदर्शन में पीएचडी शोधार्थी के रूप में, श्री बिस्वास ने संकाय क्षमता-निर्माण की राष्ट्रीय पहल (NICBF) के अंतर्गत मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, IIT मद्रास द्वारा आयोजित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के "शिक्षण पेशे में नैतिकता" विषयक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम को भी सफलतापूर्वक पूरा किया।
- एमएस देवयानी कमल सुश्री देवयानी कमल ने 16 से 20 अक्टूबर 2024 तक हैदराबाद विश्वविद्यालय में महत्वपूर्ण सोच पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- सुश्री कार्तिक मोहन ने 10 अगस्त 2024 को मिदनापुर कॉलेज (स्वायत्त) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कॉलोनी में विघटनकारी फ्रेम: वैश्विक महानगरवाद से परे दक्षिण एशियाई सिनेमा का पता लगाना" में "कथा से तमाशा तक: समकालीन मलयालम सिनेमा में ग्राफिक हिंसा का बदलता चेहरा" शीर्षक से अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 28–30 अगस्त 2024 को अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (EFLU), हैदराबाद के अंग्रेजी साहित्य विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कहाँ है एकीकृत मानविकी?—पथ और चुनौतियाँ" में भी सक्रिय भागीदारी की।

शैक्षणिक विभाग

- श्री लेमन सैम ने वर्ष 2024 में अपने विद्वतापूर्ण कार्यों के माध्यम से साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका अध्याय "लोकलुभावनवाद और वैट्रिलोकिविज्ञ" प्रतिष्ठित प्रकाशन Encyclopedia of Neo-Populism and Reactions in the 21st Century (Springer, 2024), जिसका संपादन CHNNATTUSEDRY, J. चाको और जे. देशपांडे द्वारा किया गया है, में प्रकाशित हुआ। इसके अतिरिक्त, उनका शोध "गूढ़ धार्मिकता से नैतिक समावेशिता तक: 'उज्ज्वल दरवाजों के संत' में धार्मिक आघात के हानिकारक प्रभावों की पड़ताल" Critical South Asian Studies (Vol. 2, No. 1, 2024) में प्रकाशित हुआ। साथ ही, उन्होंने American, British and Canadian Studies (Vol. 41, No. 1, 2024) में "एक सामंजस्यपूर्ण समुदाय और अफ़्रीम दुरुपयोग की इच्छा के अंतर्संबंध की जाँच: 'राक्षस तांबे का सिर' का एक न्यूरोसाइकोलॉजिकल अध्ययन" शीर्षक से एक प्रभावशाली शोध लेख भी प्रकाशित किया।
- सुश्री संजना सुककी ने 2024–2025 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर अपनी सक्रिय शोध भागीदारी दर्ज कराई। दिसंबर 2024 में उन्होंने मनार थिरुमलाई नायकर कॉलेज, मदुरई तथा ट्रांसजेंडर रिसोर्स सेंटर, मदुरई द्वारा आयोजित "ट्रांस लाइव्स: सेलिब्रेटिंग आइडेंटिटी एंड एम्पावरमेंट" राष्ट्रीय सम्मेलन में "चंदनी गगाना के ट्रांस नैरेटिव्स में भेद्यता की कविता: जाति, लिंग और प्रतिरोध" शीर्षक से एक शोधपत्र सह-प्रस्तुत किया। अगस्त 2024 में, उन्होंने ईएफएल विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित येलमा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "हम सवादत्ती हिल से जोगाथी हैं..." में सार्वजनिक स्थानों, लिंग और एकीकृत मानविकी से संबंधित विमर्श पर आधारित शोधपत्र सह-प्रस्तुत किया। आगे, मार्च 2025 में सेंट फिलोमेना कॉलेज, मैसूर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने "डिजिटल स्टोरीटेलिंग के रूप में जोगटी लोक कथाएँ: 21वीं सदी में संचार की पुनर्कल्पना" विषयक शोधपत्र सह-प्रस्तुत किया।
- श्री टोनमे दास [एच.एस.24डीपी.005], पीएचडी मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकियां विभाग में प्रोफेसर रिधिमा तिवारी की देखरेख में अनुसंधान विद्वान ने 90% के उल्लेखनीय स्कोर के साथ फोरेंसिक भाषा विज्ञान पर एनपीटीईएल पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करके और शीर्ष पर रखकर उत्कृष्ट शैक्षणिक योग्यता हासिल की। प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक प्रमाण पत्र अर्जित करना। उन्होंने "कहाँ एकीकृत मानविकी" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सहित शैक्षणिक मंचों में सक्रिय रूप से भाग लिया? अंग्रेजी साहित्य विभाग द्वारा अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 28-30 अगस्त 2024 तक आयोजित पथ और चुनौतियाँ। उन्होंने 9-10 जनवरी 2025 को सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कलकत्ता (सीएसएससी) में आयोजित "लोगों, संस्कृति, स्थान" (आईसीएसएसआर-प्रायोजित) पर डॉक्टरेट विद्वानों के सम्मेलन में "प्रदर्शन अनुष्ठान, प्रदर्शन लचीलापन: सुंदरबन में आध्यात्मिकता और व्यावसायिक कमज़ोरियों की राजनीति" शीर्षक से एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 16-18 जनवरी 2025 को माउंट कार्मेल कॉलेज, ऑटोनॉमस, बैंगलुरु में आयोजित "नेविगेटिंग क्रॉस-फंक्शनल कोलैबोरेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी पैटर्न" (आईसीएसएसआर-प्रायोजित) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सुंदरबन की नव-पौराणिक कथानक: समस्याग्रस्त इकोट्रिज्म और लोकप्रिय मीडिया में सुंदरबन के समकालीन प्रतिनिधित्व" शीर्षक से डॉ. रिधिमा तिवारी के साथ एक शोध पत्र सह-प्रस्तुत किया, जो उनके मजबूत शोध जुड़ाव और अंतःविषय मानविकी छात्रवृत्ति में योगदान को दर्शाता है।
- प्रो. रिधिमा तिवारी, विभाग। "मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकियां, ग्राफिक नैरेटिव्स, ईएफएलयू, हैदराबाद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानव-मशीन हाइब्रिड'" पर एक पेपर सह-प्रस्तुत किया और 'ग्राफिक नैरेटिव्स में इतिहास और स्मृति' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।" उनका निबंध "कहाँ डायस्पोरास?" दक्षिण एशियाई डायस्पोरा (Q1, टेलर और फ्रांसिस) में प्रकाशित हुआ था, और उन्होंने कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ में प्रोफेसर सरोजिनी शिंतरी बंदोबस्ती व्याख्यान दिया।
- प्रो. देबलीना चक्रवर्ती, विभाग, मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकियां से, विट-एपी विश्वविद्यालय, अमरावती में सामाजिक विज्ञान और मानविकी स्कूल (वीआईएसएच) और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग स्कूल (स्कोप) द्वारा आयोजित सांख्यिकीय मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण पर संकाय विकास कार्यक्रम में एक प्रभावशाली आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- श्री तजुदीन नादाफ ने 2024 में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपना शोध प्रस्तुत करके प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंचों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने 6 अप्रैल 2024 को आईआईटी मद्रास में आयोजित 13वें वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन में "साहित्यिक रचनात्मकता पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव की खोज: मानव-लिखित और एआई-जनित सामग्री का तुलनात्मक विश्लेषण" नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। बाद में उन्होंने अंग्रेजी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 मई 2024 को हाइब्रिड मोड में आयोजित और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "अंतःविषय संदर्भों में उपयुक्त शिक्षण पद्धति: मानविकी समाजभाषाई विविधता" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अंग्रेजी भाषा शिक्षण में तकनीकी विकास: समकालीन प्रथाओं और शैक्षणिक निहितार्थों की एक व्यापक जाँच" प्रस्तुत की। हाल ही में, उन्होंने 13 सितंबर 2024 को नॉर्थम्प्लिया विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के न्यूकैसल सिटी परिसर में आयोजित एक दिवसीय बहुविषयक संगोष्ठी "द हुलु एडाप्टेशन ऑफ द हैंडमेड्स टेल (2017-2025)" में "पॉस्टमैनिज्म इन हूलू की द हैंडमेड्स टेल: इंटरसेक्शन ऑफ आइडेंटिटी, एथिक्स एंड सट्रैटिक पैदूर्चर्स" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो डिजिटल मानविकी, अंग्रेजी भाषा शिक्षाशास्त्र और साहित्यिक अध्ययन में उनके शोध जुड़ाव को दर्शाता है।

शैक्षणिक विभाग

- श्री विनायक बी. पाटिल (एचएस24डीपी006), कनिष्ठ अधीक्षक और पीएच.डी. इंस्टीट्यूट स्टाफ श्रेणी के तहत विद्यार्थी, ने "नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाता है?" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 13-15 दिसंबर 2024 तक आईआईटी मंडी में आयोजित सतत ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियों पर IX अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कर्नाटक के लिए एक समीक्षा"। पेपर ने पिछले एक दशक में ऊर्जा सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए इसके निहितार्थ का आकलन करते हुए कर्नाटक के नवीकरणीय ऊर्जा प्रोफाइल की जांच की।
- सुश्री विनीता जॉन ने 24-26 जनवरी 2025 तक केरल संग्रहालय के सहयोग से आयोजित भारतीय मौखिक इतिहास संघ (ओएचएआई) के 10वें वार्षिक सम्मेलन में "थ्रिविंग ट्रेडिशनल फिशिंग कल्चर: ए स्टडी ऑफ फिशिंग सॉन्स" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- प्रो. रिधिमा तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी, अर्थशास्त्र, कला और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, ने अंग्रेजी विभाग और मीडिया और जन संचार विभाग, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड के लिए एक आमंत्रित व्याख्यान दिया "नारीवाद की चौथी लहर: समकालीन नारीवादी विचार की जटिलताओं को नेविगेट करना"।

शैक्षणिक विभाग

अंकशास्त्र

विभाग के बारे में

संस्थान की स्थापना के बाद से 2016 में विभाग की स्थापना की गई थी। इस युवा विभाग में एक मजबूत शिक्षण और अनुसंधान संकाय प्रोफ़ाइल है। संकाय विभिन्न स्तरों पर मौलिक अनुसंधान और शिक्षण में शामिल हैं। हमारा एक मुख्य उद्देश्य छात्रों को गणित में विविध और ठोस आधार के साथ प्रशिक्षित करना और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करना है।

हम अपने विभाग में एक नियमित पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करते हैं। हम जैव विज्ञान और जैव इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान और भौतिकी विभाग के साथ बीएस-एमएस (इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज) कार्यक्रम भी प्रदान करते हैं। हमारा विभाग इस कार्यक्रम में गणित की प्रमुख शाखा के संचालन के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा, हम कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से बी.टेक (गणित और कंप्यूटिंग) कार्यक्रम प्रदान करते हैं।

हमारे पास गणित की विविध शाखाओं में अनुसंधान करने वाले संकाय हैं, जिनमें रूपात्मक बीजगणित, कार्यात्मक विश्लेषण, ग्राफ सिद्धांत, संख्या सिद्धांत, संख्यात्मक विश्लेषण और प्रतिनिधित्व सिद्धांत शामिल हैं।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान, पीडीई के लिए कम्प्यूटेशनल तरीके।

अमलन के बरुआ

एसोसिएट प्रोफेसर



धृति रंजन डोलाई

सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

यादृच्छिक श्रोडिंगर ऑपरेटर, कार्यात्मक विश्लेषण।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कार्यात्मक विश्लेषण, ऑपरेटर सिद्धांत, स्पेक्ट्रम, छवि-स्पेक्ट्रम, स्थिति स्पेक्ट्रम

एस एच कुलकर्णी

एडजन्ट प्रोफेसर



समिनिक सेन

सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

संरचनात्मक ग्राफ सिद्धांत, ग्राफ समरूपीकरण।



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

प्रतिनिधित्व सिद्धांत, ऑटोमोर्फिक रूप, समूहों को कवर करना।

शिवप्रकाश पटेल

सहायक प्रोफेसर



श्रद्धा श्रीवास्तव

सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

प्रतिनिधित्व सिद्धांत: आरेख बीजगणित, परिमित समूह, छूठ बीजगणित।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

संराशी वीजगणित.

श्रीदेवी मल्सुती
सहायक प्रोफेसर



वीकेश कुमार
सहायक प्रोफेसर

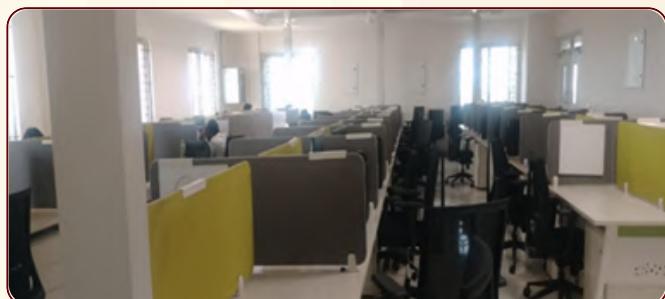
अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

ट्रान्सडैटल नंबर थोरी, डायोफेन्टाइन
एप्रोक्सीमेशन, श्मेट सबस्पेस थोरम के
अनुप्रयोग, विषम ज्येष्ठा मूल्यों की तर्कहीनता
और संबंधित प्रश्न।

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति



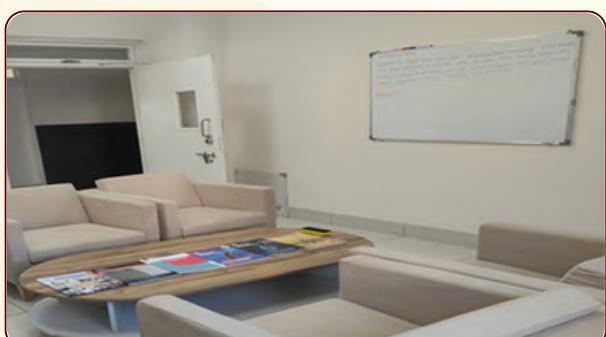
गणित कैफ़: चर्चा, सेमिनार और विचार-मंथन सत्रों के
लिए एक बहुउद्देशीय प्रयोगशाला।



गणित विभाग के लिए सुविधा
शोधार्थी की प्रयोगशाला



सेमिनार कक्ष



विचारमंच



शैक्षणिक विभाग

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रो. धृति रंजन डोलाई ने 25 जनवरी 2025 को आयोजित एनबीएचएम प्रवेश परीक्षा की मेजबानी की। अशोक विश्वविद्यालय के प्रो. कृष्ण महाली ने अनुसंधान सहयोग के तहत 22 से 26 जुलाई 2024 तक गणित विभाग में प्रो. डोलाई के साथ शैक्षणिक चर्चाओं हेतु विभाग का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, प्रो. डोलाई मैथ्सिसेट के लिए प्रकाशित होने वाली पत्रिका "गणितीय भौतिकी की समीक्षा" के समीक्षक के रूप में भी कार्यरत
- प्रो. सग्निक सेन, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, ने शिक्षा मंत्रालय के जीआईएएन (द ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स) कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कोर्स "Sparse Graphs: Treewidth, Planarity, Bounded Expansion" (24 फरवरी 2025 से 7 मार्च 2025) में प्रमुख भूमिका निभाई।
- प्रो. श्रद्धा श्रीवास्तव, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, ने 27–29 दिसंबर 2024 को क्राइस्ट विश्वविद्यालय में रामानुजन गणितीय समाज द्वारा आयोजित संगोष्ठी "समूह एवं उनके अभ्यावेदन" में आमंत्रित भाषण दिया। वे 1–3 मई 2024 को एसएल मैथ, बर्कले (यूएसए) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला "Advances in Lie Theory, Representation Theory and Combinatorics: Inspired by the Work of Prof. Georgia M. Benkart" में भी सम्मिलित रहीं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 2–21 दिसंबर 2024 के दौरान एआईएस में "Representation Theory of Semisimple Lie Algebras: Soergel Calculus and the BGG Category \mathcal{O} " विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। अनुसंधान सहयोग के तहत, इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज, चेन्नई के श्री तीर्थराज बसु ने 1–7 अक्टूबर 2024 तथा 21 फरवरी–7 मार्च 2025 के बीच दो चरणों में हमारे विभाग का दौरा कर प्रो. श्रद्धा श्रीवास्तव के साथ शैक्षणिक चर्चाएँ कीं।
- प्रो. श्रीदेवी मसुती, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, ने 2 अप्रैल 2024 को एसपीएआरसी द्वारा वित्तपोषित एक दिवसीय संगोष्ठी "बीजगणित और ज्यामिति" का आयोजन किया। अनुसंधान सहयोग के तहत, पोलिटेक्निको डि टोरिनो, इटली के प्रो. एनरिको कार्लिनी ने 24 मार्च–7 अप्रैल 2024 तथा 2–18 जनवरी 2025 के दौरान विभाग का दौरा कर प्रो. मसुती के साथ शैक्षणिक चर्चाओं में भाग लिया। प्रो. मसुती ने स्वयं भी 24–29 अप्रैल 2024 को प्रो. कार्लिनी के संस्थान का दौरा किया। वे 17–22 जून 2024 को आईआईटी बॉम्बे में आयोजित "Recent Trends in Commutative Algebra (2024)" एनसीएमडब्ल्यू कार्यशाला के आयोजकों में से एक रहीं। उन्होंने 24 अप्रैल–24 मई 2024 तक नियमित सहयोगी कार्यक्रम के अंतर्गत आईसीटीपी, ट्रिएस्टे (इटली) का भी दौरा किया तथा 5–11 मई 2024 को क्राको, पोलैंड में आयोजित "Algebra, Geometry, Topology and Combinatorics: Lefschetz Properties" प्रारंभिक स्कूल में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, प्रो. मसुती ने 27–29 दिसंबर 2024 को क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलुरु में आयोजित आरएमएस वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित भाषण भी दिया।
- प्रो. वीकेश कुमार ने प्रोफेसर जोहान्स स्ट्रैंग के साथ अकादमिक यात्रा के दौरान रैखिक पुनरावृत्ति अनुक्रमों के निरंतर भिन्न विस्तार की अवधि पर एक शोध परियोजना शुरू की, जिसे अब पूरा कर प्रकाशन हेतु प्रस्तुत किया जा चुका है। इसी यात्रा के दौरान, 12–19 मई 2024 को ड्यूसबर्ग–एसेन विश्वविद्यालय (जर्मनी) में विषम जेटा मूल्यों की अंकगणितीय प्रकृति पर एक अन्य शोध परियोजना पर भी कार्य किया गया। अनुसंधान सहयोग के अंतर्गत, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेलूर, हावड़ा की डॉ. श्रुति हेगड़े ने 26 जून से 8 सितंबर 2024 तक विभाग का दौरा कर प्रो. कुमार के साथ शोध कार्य किया। इसके अलावा, हरीश-चंद्र अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज के पीएचडी छात्र श्री ओएआईएस अहमद भट ने 13 अगस्त से 13 सितंबर 2024 तक, तथा वहीं के पोस्टडॉक शोधकर्ता डॉ. गोरेख प्रसाद सेना ने 6–31 जनवरी 2025 के बीच विभाग का दौरा कर प्रो. कुमार के साथ अनुसंधान सहयोग में भाग लिया।

शैक्षणिक विभाग

वार्ता की सूची

| Date | Title | Speaker |
|--------------|--|--|
| Apr 4, 2024 | गणितीय वस्तुओं पर अलग-अलग परिप्रेक्ष्य। | एन्निको कार्लिनी, पोलिटेक्निको दी टोरिनो, इटली |
| Jun 20, 2024 | अशक्तता प्रमेय, इसका सामान्यीकरण और अनुप्रयोग। | एस.एच. कुलकर्णी, आईआईटी धारवाड़, भारत |
| Jun 27, 2024 | 1-प्लेनर ग्राफ की कशेरुकी कनेक्टिविटी की गणना करने पर। | कार्तिक मुरली, कार्ल्टन यूनिवर्सिटी, कनाडा |
| Jul 18, 2024 | GL_4 (0_2) के लिए विकृत व्हिटेकर स्थान | अंकिता पराशर, आईआईटी दिल्ली, भारत |
| Jul 25, 2024 | यादृच्छिक ऑपरेटरों और उनके स्वमूल्य | कृष्ण मडली, अशोका यूनिवर्सिटी, भारत |
| Aug 8, 2024 | भारित शून्य-राशि स्थिरांक और व्युत्कम समस्याएं | श्रुति हेगड़े, आरकेएमवीईआरआई, भारत |
| Aug 22, 2024 | घनत्व कार्य और अभिन्न निर्भरता | सुदेशना रॉय, आईआईटी धारवाड़, भारत |
| Sep 12, 2024 | अनंत (अतिशयोक्ति) समूहों पर यादृच्छिक चलता है | देबंजन नांदी, आईआईएससी बैंगलोर, भारत |
| Oct 1, 2024 | संतृप्ति घनत्व कार्य और कुछ अनुप्रयोग | सुप्रजो दास, आईआईटी मद्रास, भारत |
| Oct 3, 2024 | शुर अल्जेब्राओं और क्यू-शुर अल्जेब्राओं के लिए कोसुल द्वैतता | तिर्थराज बसु, आईएमएससी चेन्नई, भारत |
| Oct 20, 2024 | वर्टेक्स रंग और पूर्ण ग्राफ के बीच संबंध | सुषिस्मिता मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ अंड्रेस बेलो, चिली |
| Jan 16, 2025 | चिकनी गाऊसी खेतों की ज्यामिति | अक्षय हेगड़े, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूके |
| Jan 23, 2025 | लेमर की समस्या और पाकुर अवेलेबॉस | गोरेख प्रसाद सेना, हरीश-चंद्र रिसर्च इंस्टिट्यूट (एचआरआई), प्रयागराज, भारत |
| Feb 13, 2025 | GL_N (Q_P) और उनके लिए विभिन्न मॉडलों का प्रतिनिधित्व | महेंद्र कुमार वर्मा, आईआईटी रुड़की, भारत |

पुरस्कार एवं उपलब्धियां

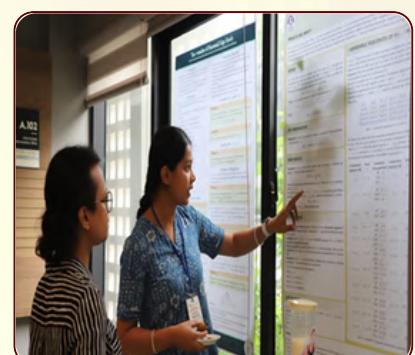
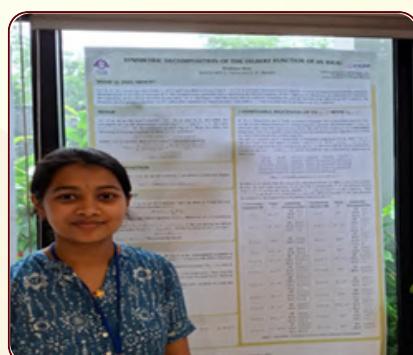
- प्रो. सग्निक सेन ने 2022–2025 (चालू) अवधि के लिए सर्ब-मैट्रिक्स द्वारा वित्त पोषित "Oriented Chromatic and Clique Number of Planar Graph" परियोजना में प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2022–2025 (चालू) अवधि के लिए एनबीएचएम द्वारा वित्त पोषित "Graph Theoretic Model of Channel Assignment Problem (CAP) in Wireless Networks" परियोजना में सह-अन्वेषक (Co-PI) की भूमिका भी निभाई। इसके अलावा, उन्होंने 2024 तथा 2025 में AAP-DRIF द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के अंतर्गत LIMOS, University Clermont Auvergne, फ्रांस में डॉ. फ्लोरेंट फौकॉड के दौरे हेतु सह-अन्वेषक (Co-PI) के रूप में परियोजनाएँ प्राप्त कीं और पूर्ण कीं। साथ ही, उन्हें GIAN द्वारा वित्त पोषित "Sparse Graphs: Treewidth, Planarity, Bounded Expansion" परियोजना में भी सह-अन्वेषक (Co-PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ।
- प्रो. श्रद्धा श्रीवास्तव को 2025–2028 (चालू) की अवधि के लिए ANRF-PMECRG द्वारा वित्त पोषित "आरेख बीजगणित दृष्टिकोण से प्रतिनिधित्व सिद्धांत में प्रतिबंध और क्रोनेकर समस्याएं" परियोजना के लिए प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2022–2027 (चालू) की अवधि के लिए DST-INSPIRE फैकल्टी फेलोशिप द्वारा वित्त पोषित "कंबिनेटोरियल रिप्रेजेंटेशन थ्योरी में समस्याएं" परियोजना के लिए भी प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ।
- प्रो. श्रीदेवी मसुती को 2023–2025 की अवधि के लिए MoE-SPARC द्वारा वित्त पोषित "Ubiquity of Hilbert Functions" परियोजना के लिए प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ (चालू)। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2023–2026 की अवधि के लिए SERB-CRG द्वारा वित्त पोषित "The Algebra and Geometry of Hilbert Functions" तथा SERB-MTR द्वारा वित्त पोषित "Hilbert Functions of K-Algebras and its Applications" परियोजनाओं के लिए भी प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुए (दोनों चालू)।

शैक्षणिक विभाग

- प्रो. वीकेश कुमार को 2025–2028 (चालू) की अवधि के लिए ANRF–PMECRG द्वारा वित्त पोषित “बीजगणितीय संख्याओं का डायोफैन्टाइन सन्निकटन और पारगमन तथा निरंतर अंश विस्तार के लिए इसके अनुप्रयोग” परियोजना के लिए प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2023–2026 की अवधि के लिए NBHM द्वारा वित्त पोषित “वास्तविक बीजगणितीय संख्याओं और संबंधित समस्याओं के आंशिक भाग शक्तियां” परियोजना के लिए भी प्रमुख अन्वेषक (PI) के रूप में परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ (चालू)।
- सुश्री मेघना भट ने अप्रैल से जून 2024 के दौरान पोलिटेक्निको दी टोरिनो, इटली में प्रोफेसर एनरिको कार्लिनी के आमंत्रण पर अनुसंधान दौरा किया। उन्होंने अप्रैल 2024 में पोलिटेक्निको दी टोरिनो में “डीआई टॉक – बीजगणित, बीजगणितीय ज्यामिति और उनके अनुप्रयोग” सेमिनार में “संबंधित श्रेणीबद्ध छल्लों के गोरेंस्टीन पर फिल्ट्रेशन” विषय पर आमंत्रित वार्ता दी। उन्होंने IIT धारवाड़ में आयोजित “बीजगणित और ज्यामिति” पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भी भाग लिया। जून 2024 में IIT बॉम्बे में आयोजित “स्थानीय छल्लों और विलक्षणताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” में “फिल्ट्रेशन के संबंधित श्रेणीबद्ध छल्लों की गोरेंस्टीनेस” पर अपना पोस्टर प्रस्तुत किया, तथा 17–22 जून के दौरान IIT बॉम्बे में आयोजित “हालिया ट्रैंडेस इन कम्यूटेटिव बीजगणित” पर NCM कार्यशाला और 13–15 जून को आयोजित “स्थानीय छल्लों और विलक्षणताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन” में भी सहभागिता की।
- श्री नवीन कुमार ने 1 मार्च 2025 को IIT बॉम्बे में आयोजित बीजगणित और अनुसंधान विषयों पर सम्मेलन में भाग लिया।
- श्री विवेक सिंह ने 16 दिसंबर 2024 से 28 दिसंबर 2024 तक चेन्नई मैथेमेटिकल इंस्टीट्यूट (CMI), केलम्बककम द्वारा आयोजित “AIS – The Subspace Theorem and its Application (2024)” कार्यशाला में भाग लिया।
- एमएस जिन मार मिट ने GIAN-2025 में भाग लिया और स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया, जिसका विषय “Sparse Graph: Treewidth, Planarity, Bounded Expansion” था, आयोजित स्थल – गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़। वे CalDAM 2026 सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य भी हैं। इसके अतिरिक्त, वे Discrete Applied Mathematics (DAM) पत्रिका के लिए शोध पत्रों की समीक्षा भी करते हैं।
- प्रोफेसर सग्निक सेन, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, ने एक जीआईएएन (द ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) शिक्षा मंत्रालय का एक कार्यक्रम है, जिसका नाम “स्पार्स ग्राफ़: ट्रीविथ, प्लैनेरिटी, बाउंडेड एक्सपेंशन” है, 24 फरवरी 2025 - 7 मार्च 2025.



- * आईआईटी धारवाड़ की गणित विभाग की एसआरएफ सुश्री मेघना भट्ट ने आईआईटी बॉम्बे (2024 जून) में आयोजित स्थानीय छल्लों और विलक्षणताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “फिल्ट्रेशन के संबद्ध श्रेणीबद्ध छल्लों की गोरेंस्टीनेस पर” पोस्टर प्रस्तुत किया।



शैक्षणिक विभाग

यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

विभाग के बारे में

आईआईटी धारवाड़ की स्थापना के साथ-साथ 2016 में यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग (एमएमएई) की स्थापना की गई थी। शुरू में इसे यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के रूप में जाना जाता था, इसका नाम 2019 में इसके व्यापक शैक्षणिक और अनुसंधान दायरे को प्रतिबिंबित करने के लिए रखा गया था।

विभाग वर्तमान में बी. टेक प्रदान करता है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में तकनीक, और एम.टेक के साथ-साथ मैकेनिकल, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी कार्यक्रम। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से, दोनों बी.टेक के लिए पाठ्यक्रम। बी.टेक और एम.टेक कार्यक्रमों को संशोधित किया गया है। इसके अतिरिक्त, तीन नए एम.टेक विशेषज्ञता शुरू की गई हैं, जो पहले की पेशकश की गई एकल विशेषज्ञता को प्रतिस्थापित करती है।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

टिकाऊ ऊर्जा कुशल बुनियादी ढांचा, सौर और भू-तापीय ऊर्जा, ग्रीनहाउस नियन्त्रित पर्यावरण कृषि, थर्मल मॉडलिंग का निर्माण।

अमर केशव गांवकर

एसोसिएट प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

गतिशीलता, विनिर्माण संज्ञानात्मक जुड़वां, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी, मॉडल ऑर्डर में कमी, पतली फिल्म गतिशीलता लक्षण वर्णन, भौतिक धातुकर्म, यांत्रिक धातुकर्म

अंबुजकरकारसी राजेंद्रन

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

एसोसिएट प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

समग्र और एकाशमक सामग्रियों का ब्लास्ट विश्लेषण, ब्लास्ट शमन और गतिशील लोडिंग के तहत सामग्रियों का टुकड़ा अनुमान।

गुप्त कैप्टन प्रह्लाद जोशी

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

मल्टीफेज फ्लो, ड्रॉप्स, बबल्स, रिपोलॉजी, लिं-आयन बैटरी में थर्मल सेफ्टी एनालिटिक्स, सीलिंग पंखे की एरोडायनामिक्स।

हिरण्या डेका

सहायक प्रोफेसर

शैक्षणिक विभाग



कीर्ति एम. सी
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

टर्बोमैचिनरी एयरोडायनामिक्स, फ्लो कंट्रोल, प्रायोगिक द्रव यांत्रिकी।



मीनाक्षीदेवी मुरुगोसन
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

दहन, थर्मोकॉस्टिक अस्थिरता, गैर-रैखिक गतिशीलता, हाइड्रोजन, अमोनिया, ऑप्टिकल प्रवाह और दहन निदान, कम क्रम मॉडलिंग।



ओमकर बसवराज बेम्बले
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

धातुओं और कंपोजिट्स का तरल राज्य प्रसंस्करण, मानचित्रों को संसाधित करने और मानचित्रों को पहनने, इलेक्ट्रिक सहायता प्राप्त विरूपण, गंभीर प्लास्टिक विरूपण और धातु फोम कास्टिंग का मॉडलिंग और संवैधानिक विश्लेषण।



प्रदीप गुरुराज यमियावर
विजिटिंग प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

औद्योगिक उत्पाद डिजाइन और नवाचार, यूएस-यूआई उपयोगकर्ता अनुभव डिजाइन, मानव कंप्यूटर इंटरैक्शन डिजाइन, निर्मित पर्यावरण और बुनियादी ढांचा डिजाइन।



पुन्नाग चटर्जी
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

स्मार्ट संरचनाएं, कंपन और गतिशीलता, एयरोलोचकता, ऊर्जा संचयन।



राकेश लिंगम
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

धातु निर्माण और प्लास्टिसिटी, वृद्धिशील शीट निर्माण, प्रक्रियाओं के निर्माण का संख्यात्मक विश्लेषण, कंप्यूटर एडेंड डिजाइन और विनिर्माण (सीएडी/सीएएम), विनिर्माण में डिजिटल जुड़वां।



रामजी रेपाका
प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

हीट ट्रांसफर, एलाइट थर्मल इंजीनियरिंग, बायोहीट ट्रांसफर, कैंसर डायग्नोसिस और थेरेपी (आरएफए और एमडब्ल्यूए), बायोफ्लूइड मैकेनिक्स, रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों का थर्मल मैनेजमेंट।



समर्थ एस राउत
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कार्डियोवैस्कुलर बायोमैकेनिक्स, 3D ज्यामितीय मॉडलिंग, रोगी-विशेष मॉडलिंग, सॉफ्ट-रोबोटिक्स, कंप्यूटर-विजन अनुप्रयोग।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

यांत्रिक प्रणालियों की गतिशीलता और गतिशीलता, स्थिर संतुलन, अनुपालन तंत्र।

संगमेश दीपक आर

सहायक प्रोफेसर



सत्यप्रिया गुप्ता

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कंपन, प्रयोगात्मक यांत्रिकी, ट्राइबोलॉजी, गैर-शैखिक गतिशीलता, कम वेग प्रभाव यांत्रिकी, अराजकता का उपयोग करके सिग्नल मॉड्यूलेशन।

श्रीकांत वी

सहायक प्रोफेसर



सोमशेखर एम ए

एसोसिएट प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

टिकाऊ ऊर्जा कुशल बुनियादी ढांचा सौर और भू-तापीय ऊर्जा ग्रीनहाउस नियंत्रित पर्यावरण थर्मल मॉडलिंग का निर्माण।

सोमिल यादव

सहायक प्रोफेसर



श्रीपति एल.के

विजिटिंग प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

फायर डायनामिक्स, हीट ट्रांसफर, जेट इम्पेंगमेंट कूलिंग, बैटरी थर्मल मैनेजमेंट, थर्मल स्नेक, मेडिकल डायग्नोसिस में थर्मल इमेज पर एआई एप्लिकेशन।

सुधीर सिंहपुरेड्ही

एसोसिएट प्रोफेसर



सूर्य प्रकाश रमेश

सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

फ्रिस्टल प्लास्टिसिटी मॉडलिंग, लाइटवेट और उच्च तापमान सामग्री, विस्थापन गतिशीलता, धातुओं में विस्थापन तंत्र, कम्प्यूटेशनल सामग्री डिजाइन।

शैक्षणिक विभाग



सूर्य प्रकाश रमेश
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

कम्प्यूटेशनल सामग्री विज्ञान, स्व-स्वच्छ कोटिंग, बहु-कार्यात्मक कोटिंग, ग्राफीन सीएनटी इंटरकैलेशन।



तेजस प्रकाश गोतखिंडी
एसोसिएट प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

लोच, समग्र सामग्री के यांत्रिकी, फैक्टरी यांत्रिकी, सेलुलर ठोस, कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी।



व्योम शर्मा
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

उन्नत मशीनिंग प्रक्रियाएं, हाइब्रिड विनिर्माण, इलेक्ट्रोकेमिकल आधारित विनिर्माण प्रक्रियाएं, स्मार्ट विनिर्माण, ध्वनिक मेटामेटरियल्स, उद्योग 4.0।

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति

CNC Lathe Trainer

हैंड्स-ऑन लर्निंग: एक सीएनसी खराद प्रशिक्षक ऑपरेटिंग और प्रोग्रामिंग सीएनसी खराद के साथ व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है, जिससे शिक्षार्थियों को मशीनरी के साथ सीधे बातचीत के माध्यम से जटिल अवधारणाओं को समझने में सक्षम बनाया जाता है।

कौशल विकास: यह सटीक मशीनिंग, उपकरण चयन और सामग्री हैंडलिंग में आवश्यक कौशल विकसित करने, विनिर्माण और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के लिए प्रशिक्षितों को तैयार करने में मदद करता है।

सुरक्षा और सर्वोत्तम प्रथाएँ: प्रशिक्षण सुरक्षा प्रोटोकॉल और सर्वोत्तम प्रथाओं पर जोर देता है, यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षार्थी जिम्मेदारी से और प्रभावी ढंग से उपकरण कैसे संचालित करें, दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करें और समग्र कार्यस्थल सुरक्षा में सुधार करें।

विनिर्देश

- स्पिंडल मोटर: एचपी डीसी मोटर (200 - 3000 आरपीएम) या अधिक
- 2.005 मिमी या बेहतर
- पुनरावृत्ति: ± 0.01 मिमी



तार कट ईडीएम मशीन

सटीक मशीनिंग: वायर कट ईडीएम (इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज मशीनिंग) मशीनें अत्यधिक सटीक और जटिल आकार का उत्पादन करने की उनकी क्षमता के लिए जानी जाती हैं। वे परिशुद्धता के साथ प्रवाहकीय सामग्री को काटने के लिए एक पतले, विद्युत चार्ज किए गए तार का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें जटिल डिजाइन और तंग सहिष्णुता के लिए आदर्श बनाया जाता है।

सामग्री बहुमुखीता: ये मशीनें कठोर इस्पात, पीतल और टाइटेनियम सहित विभिन्न सामग्रियों के साथ काम कर सकती हैं। यह बहुमुखी प्रतिभा विभिन्न उद्योगों जैसे एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव और मोल्ड मेकिंग में अनुप्रयोगों की अनुमति देती है।

न्यूनतम सामग्री अपशिष्ट: वायर कट ईडीएम अत्यधिक कुशल है, क्योंकि यह पारंपरिक मशीनिंग विधियों की तुलना में न्यूनतम सामग्री अपशिष्ट उत्पन्न करता है। यह प्रक्रिया केवल जहां आवश्यक हो, सामग्री को हटा देती है, जिससे यह परिशुद्धता निर्माण के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बन जाता है।



शैक्षणिक विभाग

रोबोट वेल्डिंग मशीन

स्वचालन: रोबोट वेल्डिंग मशीनें वेल्डिंग प्रक्रिया को स्वचालित करती हैं, गति में सुधार करती हैं और मैनुअल श्रम को कम करती हैं।

सटीकता: वे उच्च सटीकता और स्थिरता प्रदान करते हैं, एक समान वेल्ड्स सुनिश्चित करते हैं और दोषों को कम करते हैं।

दक्षता: उत्पादन दरों को बढ़ाता है और चक्र के समय को कम करता है, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

विशेषता:

1. 6 अक्ष मशीन
2. पेलोड - 25 किलोग्राम
3. 1831 मिमी की पहुंच
4. पुनरावृत्ति = ± 0.02 मिमी



माइक्रो हार्डनेस टेस्टिंग मशीन

1. डेटा अधिग्रहण: 24-बिट 32 केबीपीएस

2. इंडेंटर: कैलिब्रेटेड बर्कोविच, विकर्स, नॉप, गोलाकार

3. माइक्रो इंडेंटेशन:

- लोड अनुप्रयोग: एफ = 500 मिली एन से 20 एन
- लोड रिझॉल्यूशन: $2 \mu\text{n}$
- डिस्लेसमेंट रेंज: 0.2 मीटर से 250 μm
- विस्थापन संकल्प: 250 बजे
- कठोरता रेंज: 3 से 3000 एचवी
- कठोरता सटीकता: एचवी का 0.1%



एसआई इंजन

विशेषता:

उत्पाद: अनुसंधान इंजन परीक्षण सेटअप 1 सिलेंडर, 4 स्ट्रोक, पेट्रोल मोड (कम्प्यूटरीकृत) के लिए खुले ईसीयू के साथ।

डायनेमोमीटर प्रकार: एडी करंट, वाटर कूल्ड, लोडिंग यूनिट के साथ।

प्रोपेलर शाप्ट: इंजन के साथ गियरबॉक्स के साथ युग्मित सार्वभौमिक जोड़ों के साथ (गियर 6 तक शिफ्ट)।

एयर बॉक्स: एम एस ओरिफिस मीटर और मैनोमीटर के साथ गढ़ा गया।

ईंधन टैंक: क्षमता 15 लीटर, प्रकार: ग्लास के ईंधन मीटरिंग पाइप के साथ दोहरा डिब्बा।

कैलोरीमीटर प्रकार: पाइप में पाइप।

ईसीयू: पीई यूएसए, मॉडल पीई3, पूर्ण निर्मित, पॉटेंट बाड़े बनाएं।

पीजो सेंसर दहन: रेंज 5000 पीएसआई, कम शोर केबल के साथ।

क्रैंक एंगल सेंसर: टीडीसी पल्स के साथ रिजोल्यूशन 1 डीईजी, स्पीड 12000 आरपीएम।

डेटा अधिग्रहण उपकरण: NI USB-6210, 16-BIT, 250Ks/s।

पीजो पॉवरिंग यूनिट: मेक-एपेक्स, मॉडल एएक्स-409।

इंजन कंट्रोल यूनिट: PE3 SP सीरीज ECU, फुल बिल्ड पॉटेड एन्क्लोजर।



शैक्षणिक विभाग

क्रिप्टेस्टिंग मशीन

विशेषता:

मुख्य परीक्षण लोड फ्रेम:

क्षमता: 50 केएन या अधिक न्यूनतम लोड: 0.5 केएन या उससे कम।

क्रॉसशीड यात्रा: 200 मिमी या अधिक स्पैन लंबाई: 650-700 मिमी।

लोड सटीकता: $\pm 0.5\%$ या कैलिब्रेटेड रेंज से बेहतर।

लोडिंग गति: 0.01 से 50 मिमी/मिनट।

ड्राइव सिस्टम: एसी सर्वो-मोटर और सर्वो कंट्रोल ड्राइव सिस्टम।

इलेक्ट्रिक पावर सप्लाई: 220 वैक, 50 हर्ट्ज, सिंगल फेज।

लेवल स्कू के साथ वाइब्रेशन आइसोलेटर माउंट, फर्नेस माउंटिंग स्लाइडिंग फिक्स्चर: ऊपरी और निचली पुल रॉड, नमूना एडेप्टर, 1100 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की संचालन क्षमता के साथ उच्च तापमान सामग्री से बने होते हैं, निरंतर तापमान और रेंगने के दौरान दिनों की संख्या के लिए लोड के साथ निरंतर संचालन।

फर्नेस: 3 जोन स्प्लिट सिलिंडरिकल फर्नेस माउंटिंग और फर्नेस कंट्रोल पैनल के साथ।

तापमान रेंज: 100-1100 डिग्री सेल्सियस

ऑपरेटिंग तापमान स्थिरता और एकरूपता: 1000°C, यह 7 मिमी से 150 मिमी की नमूना गेज लंबाई से अधिक होना चाहिए।

विरूपण माप प्रणाली: विस्तारक: 4 आरओडी प्रकार, 100% विस्तार क्षमता के साथ 7 मिमी से 150 मिमी की सीमा पर समायोज्य गेज की लंबाई और उच्च तापमान संचालन के लिए उच्च तापमान सामग्री से बने फ्रेम।

सटीकता और स्थिरता: $\pm 1 \mu\text{m}$ या बिना लोड के 24 घंटे से अधिक बेहतर।

परीक्षण प्रकार, ग्रिप्स और विशेषताएँ: रेंगने का परीक्षण, तनाव टूटने का परीक्षण, तनाव विश्राम परीक्षण, यूनिएक्सियल टेंसाइल परीक्षण, संपीड़न परीक्षण, स्थिर भार / तनाव पर फ्लेक्सुरल परीक्षण (कमरे के तापमान पर), सभी तापमान स्थितियों पर क्रॉसशीड से तनाव / विस्थापन दर / विस्थापन दर अन्य परीक्षणों के लिए नियंत्रित क्रॉसशीड और रेंगने के लिए नियंत्रित एक्सटेंसोमीटर

सिंगल पॉइंट लेजर वाइब्रोमीटर

गैर-संपर्क, एकल बिंदु कंपन माप सेंसर।

विशेषता:

- 1.0 - 25 किलोहर्ट्ज की आवृत्ति बैंडविड्थ।
2. 1000 मिमी/सेकेंड तक की गति माप सीमा।
3. 0.36 - 20 मीटर से काम करने की दूरी।
4. कक्षा 2 हेन लेजर।
5. आईपी 64 संरक्षण।



3डी सतह बिंदु और बनावट स्कैनर

गैर-संपर्क, हस्तधारित, पोर्टेबल 3डी सतह स्कैनर।

मेक और मॉडल - आर्टेक इवा।

विशेषता:

- 1.16 एफपीएस कैचरिंग स्पीड।
- 2.0.2 मिमी 3डी संकल्प।
- 3.1.3 एमपी बनावट संकल्प।
- 4.3डी सटीकता 0.1 मिमी तक.

शैक्षणिक विभाग

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधियाँ

- प्रो. संगमेश दीपक आर ने तंत्र और रोबोटिक्स पर एएसएमई लेनदेन के लिए लेखों की समीक्षा की।
- प्रो. धीरज वी. पाटिल आईआईटी मद्रास (अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) से पीएचडी थीसिस के समीक्षक रहे।
- प्रो. हिरण्या डेका तरल पदार्थों, लैंगमुद्र तथा औद्योगिक और इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान अनुसंधान के भौतिकी के समीक्षक रहे। साथ ही, उन्होंने 29–31 जनवरी 2024 को आईआईएससी बैंगलुरु में आयोजित “कई स्थानिक-अस्थायी पैमानों पर इंटरफेशियल इंजीनियरिंग पर कार्यशाला” में आमंत्रित वार्ता दी।
- प्रो. संगमेश दीपक आर ने तंत्र और रोबोटिक्स पर एएसएमई लेनदेन के लिए लेखों की समीक्षा की।
- प्रो. धीरज वी. पाटिल आईआईटी मद्रास (अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) की पीएचडी थीसिस के समीक्षक रहे।
- प्रो. हिरण्या डेका तरल पदार्थों, लैंगमुद्र तथा औद्योगिक और इंजीनियरिंग रसायन विज्ञान अनुसंधान के भौतिकी के समीक्षक रहे। साथ ही, उन्होंने 29–31 जनवरी 2024 को आईआईएससी बैंगलुरु में आयोजित “कई स्थानिक-अस्थायी पैमानों पर इंटरफेशियल इंजीनियरिंग पर कार्यशाला” में आमंत्रित वार्ता दी।
- प्रो. मीनाक्षीदेवी मुरुगेसन आईआईटी मद्रास (एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग) की पीएचडी थीसिस के लिए समीक्षक रहीं। वे जर्नल ऑफ फ्लूड मैकेनिक्स, अराजकता तथा तरल पदार्थों की भौतिकी जैसी पत्रिकाओं के लिए भी समीक्षक हैं। इसके अलावा, उन्होंने जर्मनी के टीयू म्यूनिख में थर्मो-फ्लूड डायनामिक्स की चेयर पर आमंत्रित वार्ता दी।
- प्रो. राकेश लिंगम ने 28 मार्च 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल द्वारा आयोजित “धातु निर्माण में हालिया प्रगति: भविष्य के ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए माइक्रोस्ट्रक्चर, मॉडलिंग और सामग्री” कार्यशाला में “हाइब्रिड मेटल फॉर्मिंग प्रोसेस” पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। वे जर्नल ऑफ मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसेज और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के समीक्षक भी हैं।
- प्रो. रामजी रेपाका ने आंध्र विश्वविद्यालय की पीएचडी थीसिस की समीक्षा की।
- प्रो. समर्थ एस. राउत ने आईआईटी दिल्ली (अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग) की पीएचडी थीसिस की समीक्षा की। उन्होंने एसोसिएट एडिटर के रूप में जिम्मेदारी संभाली और आईआईई-आईसीईआई 2024 के आयोजन दल का हिस्सा रहे। जुलाई 2024 में, उन्होंने डीएसएलडी, देविहोसुर, हावेरी परिसर, यूएचएस बागलकोट में आयोजित “कृषि और खाद्य उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मैकेट्रोनिक्स” पर एक दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित वार्ता दी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में एनपीटीईएल पाठ्यक्रम की समीक्षा भी की।
- प्रोफेसर सोमशेखर एम. ए. आईआईटी मद्रास (यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग) से पीएचडी थीसिस के बाहरी परीक्षक और समीक्षक रहे। वे बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के सदस्य के रूप में रेवा विश्वविद्यालय, बैंगलुरु के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग तथा एसडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, धारवाड़ के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से भी जुड़े हैं।

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

- बायोमेड लैब (पीआई: प्रो. समर्थ एस. राउत और प्रो. पुनाग चटर्जी) से सीएसआर परियोजना विस्तार प्रस्ताव को एजीआई-मिल्टेक द्वारा कृषि कटाई में कंप्यूटर विजन अनुप्रयोगों पर अनुसंधान करने के लिए चुना गया था, कुल अनुदान राशि रु11.19 करोड़ सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा (जीसीओई-एसीई) आईआईटी धारवाड़ और लोवे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर में, प्रो. प्रदीप यमियावर ने सड़कों और लंबी इमारतों के लिए पवन ऊर्जा टरबाइन जैसे उत्पादों में नवाचार पहलुओं पर प्रतिभागियों के साथ काम किया; सौर ऊर्जा जनरेटर, सौर कुकर। यह कार्यक्रम 22 और 23 मार्च 2024 को आयोजित किया गया था।
- प्रो. हिरण्या डेका को “कई स्थानिक-अस्थायी पैमानों पर इंटरफेशियल इंजीनियरिंग पर कार्यशाला” में “युवा वैज्ञानिक पुरस्कार” प्राप्त हुआ।
- प्रोफेसर (एमएस) मीनाक्षीदेवी मुरुगेसन को जर्मनी के म्यूनिख स्थित तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा TUM Global विजिटिंग प्रोफेसरशिप 2024 से सम्मानित किया गया।
- प्रो. प्रदीप गुरुराज यमियावर को क्रिएटिव इंटरफेस लैब, आईआईआईटी दिल्ली में आयोजित RISE – Research Innovation and Incubation Showcase कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने “भारतीय डिजाइन – एआई में डिजाइनरों के लिए अवसर” विषय पर व्याख्यान दिया। वे 10–11 फरवरी 2024 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित “Futuring Design Education (FDE 2024)” सम्मेलन में अध्यक्ष, चेयर और पैनलिस्ट के रूप में भी आमंत्रित रहे। इसके अतिरिक्त, वे कंप्यूटर विज्ञान और डिजाइन के लिए पाठ्यक्रम समीक्षा समिति, आईआईटीडी—इंट्रप्रेस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के 10 मई 2023 के आमंत्रित सदस्य रहे तथा 2023–2024 में शिव नादर विश्वविद्यालय की संकाय चयन समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

शैक्षणिक विभाग

- बायोमेड लैब (पीआई: प्रो. समर्थ एस. राउत और प्रो. पुनाग चटर्जी) से सीएसआर परियोजना विस्तार प्रस्ताव को एजीआई-मिल्टेक द्वारा कृषि कटाई में कंप्यूटर विजन अनुप्रयोगों पर अनुसंधान करने के लिए चुना गया था, कुल अनुदान राशि रु।1.19 करोड़ सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा (जीसीओई-एसीई) आईआईटी धारवाड़ और लोवे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर में, प्रो. प्रदीप यमियावर ने सड़कों और लंबी इमारतों के लिए पवन ऊर्जा टरबाइन जैसे उत्पादों में नवाचार पहलुओं पर प्रतिभागियों के साथ काम किया; सौर ऊर्जा जनरेटर, सौर कुकर। यह कार्यक्रम 22 और 23 मार्च 2024 को आयोजित किया गया था।
- प्रो. हिरण्या डेका को "कई स्थानिक-अस्थायी पैमानों पर इंटरफेशियल इंजीनियरिंग पर कार्यशाला" में "युवा वैज्ञानिक पुरस्कार" प्राप्त हुआ।
- प्रोफेसर (एमएस) मीनाचिदेवी मुरुगेसन को जर्मनी के म्यूनिख स्थित तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा TUM Global विजिटिंग प्रोफेसरशिप 2024 से सम्मानित किया गया।
- प्रो. प्रदीप गुरुराज यमियावर को क्रिएटिव इंटरफेस लैब, आईआईआईटी दिल्ली में आयोजित RISE – Research Innovation and Incubation Showcase कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने "भारतीय डिजाइन – एआई में डिजाइनरों के लिए अवसर" विषय पर व्याख्यान दिया। वे 10–11 फरवरी 2024 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित "Futuring Design Education (FDE 2024)" सम्मेलन में अध्यक्ष, चेयर और पैनलिस्ट के रूप में भी आमंत्रित रहे। इसके अतिरिक्त, वे कंप्यूटर विज्ञान और डिजाइन के लिए पाठ्यक्रम समीक्षा समिति, आईआईटीडी—इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के 10 मई 2023 के आमंत्रित सदस्य रहे तथा 2023–2024 में शिव नादर विश्वविद्यालय की संकाय चयन समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।
- प्रोफेसर सोमशेखर एम. ए. ने 13 जुलाई 2023 को सीएसआईआर के "वन वीक वन लैब" कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित उद्योग-शैक्षणिक आर एंड डी कनेक्ट इवेंट मीटिंग में "एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग और 4डी प्रिंटिंग लैब रिसर्च एक्टिविटी" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त, 29–31 जनवरी 2024 को आईआईएससी बैंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में भी उन्होंने आमंत्रित वार्ता दी।
- प्रो. सुशांत कुमार सेठी को एल्सेवियर के सहयोग से स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार एकल-वर्षीय श्रेणी (2023) के लिए विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल किए जाने की मान्यता प्राप्त हुई।

शैक्षणिक विभाग

भौतिकी

विभाग के बारे में

आईआईटी धारवाड़ में भौतिकी विभाग ने आधुनिक भौतिकी, इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म और बुनियादी भौतिकी प्रयोगशाला जैसे पाठ्यक्रमों के माध्यम से भौतिकी में बुनियादी विषयों पर युवा इंजीनियरिंग स्नातक छात्रों को प्रशिक्षित करने और समर्थन करने के उद्देश्य से जुलाई 2016 से काम करना शुरू कर दिया। विभाग ने उच्च सेमेस्टर में वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से भौतिकी में कई अंतःविषय और उन्नत विषयों जैसे इंजीनियरों के लिए खगोल भौतिकी, क्वांटम सूचना और गणना का परिचय, शास्त्रीय यांत्रिकी, क्वांटम यांत्रिकी, आदि को सीखने का अवसर भी प्रदान किया है। 2018 में, विभाग ने अपना समर्पित पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया और वर्तमान में कई पीएचडी छात्र विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। संस्थान ने बी.टेक की शुरुआत की है। से इंजीनियरिंग भौतिकी कार्यक्रम में

2021-22 शैक्षणिक वर्ष। यह एक अभिनव सहयोगात्मक कार्यक्रम है जिसमें भौतिकी, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईईसीई), मैकेनिकल मैटेरियल्स और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग (एमएमएई) विभाग के पाठ्यक्रम शामिल हैं, साथ ही वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पसंद भी शामिल हैं जो छात्र को भौतिकी या इंजीनियरिंग में करियर और अनुसंधान विकल्प देते हैं। हमने शरद ऋतु 2022-23 सेमेस्टर से एकीकृत और अंतःविषय बीएस-एमएस दोहरी डिग्री कार्यक्रम भी शुरू किया है। ये दो कार्यक्रम विभाग को भौतिकी में कई उन्नत पाठ्यक्रम प्रदान करने की अनुमति देंगे। विभाग में बाहरी वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित चल रही अनुसंधान परियोजनाएं हैं। विभाग में संकाय नियमित रूप से विज्ञान उद्धरण सूचकांक (एससीआई) पत्रिकाओं में अनुसंधान लेख प्रकाशित कर रहे हैं।

विभाग में अनुसंधान गतिविधियों के व्यापक क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- खगोल भौतिकी।
- गैर-रैखिक प्रकाशिकी, ऑप्टिकल पैरामीट्रिक ऑसिलेटर, आवृत्ति कंघी, उच्च-शक्ति सुसंगत स्रोत; ट्रेस-गैस सेंसिंग, लेजर फिजिक्स और सिस्टम, लेज़र-मैटर इंटरैक्शन।
- परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी।
- रिमोट सेंसिंग।
- क्वांटम सूचना सिद्धांत और क्वांटम ऑप्टिक्स के साथ इसका इंटरफेस; कई-शरीर भौतिकी; सापेक्षतावादी क्वांटम जानकारी; क्वांटम संचार; क्वांटम गणना।
- प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ भौतिकी: सुपरकंडक्टिविटी, चुंबकत्व और एकल क्रिस्टल विकास।
- सामग्री विज्ञान: पतली फिल्में और फोटोवोल्टेक्स।

संकाय प्रोफाइल और अनुसंधान क्षेत्र



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

सुपरनोवा आईए मानक मोमबत्ती के रूप में, जलवायु में एआई/एमएल।

डी नरसिंहा
विजिटिंग प्रोफेसर



धृति सुन्दर घोष
एसोसिएट प्रोफेसर

अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

फोटोनिक्स और नॉनलीनियर ऑप्टिक्स, ऑप्टिकल पैरामीट्रिक ऑसिलेटर, नॉनलीनियर प्रिलिंसिंग कन्वर्शन।

शैक्षणिक विभाग



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

परमाणुओं, अणुओं और समूहों की फोटो-भौतिकी, आणविक पृथक्करण गतिशीलता, इलेक्ट्रॉन और आयन स्पेक्ट्रोस्कोपी, ट्रैप्स में आयन गतिशीलता, रिमोट सेंसिंग।

कविता देवी

सहायक प्रोफेसर



कौशिक साहा

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी-सुपरकंडक्टिविटी: वोर्टेक्स डायनेमिक्स, वोर्टेक्स फेज ट्रांजीशन और फेज डायग्राम स्टडीज, स्थायी मैनेट-दुर्लभ-पृथी संक्रमण धातु आधारित स्थायी मैनेट, एकल-क्रिस्टल विकास।

आर प्रभु

एसोसिएट प्रोफेसर



संतोष कुमार

सहायक प्रोफेसर



अनुसंधान क्षेत्र (क्षेत्र)

धातुओं और अर्धचालकों की सतहें, इंटरफेस, पतली फिल्में और नैनोस्ट्रक्चर।

शिवप्रसाद सोनाडा मठे

विजिटिंग प्रोफेसर



श्रीनिवास आर कुलकर्णी

प्रतिष्ठित मानद प्रोफेसर

अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थिति

सुपरकंडक्टिविटी रिसर्च लेबोरेटरी

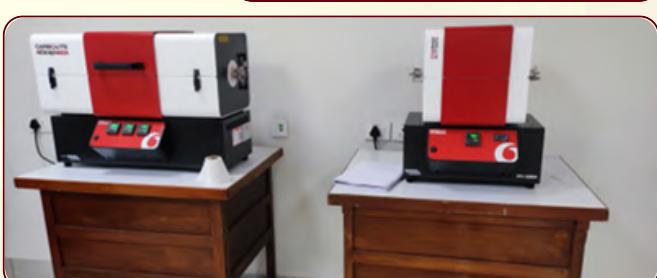
आर्क मेलिंग भट्टी

- इस प्रणाली का उपयोग आर्गन वायुमंडल में पॉलीक्रिस्टलीय नमूनों की तैयारी के लिए किया जाता है।
- इस प्रणाली का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के अंतर-धातु पॉलीक्रिस्टलीय नमूने तैयार किए जा सकते हैं।



उच्च तापमान भट्टीयां

- चैंबर फर्नेस का उपयोग ठोस अवस्था प्रतिक्रिया का उपयोग करके ऑक्साइड सामग्री के संश्लेषण के लिए किया जाता है।
- इसका उपयोग फ्लक्स विधि का उपयोग करके एकल क्रिस्टल विकास के लिए भी किया जाता है।
- भट्टी का उपयोग उच्च तापमान (1200 डिग्री सेल्सियस) पर नमूनों को एनील करने के लिए किया जाता है।



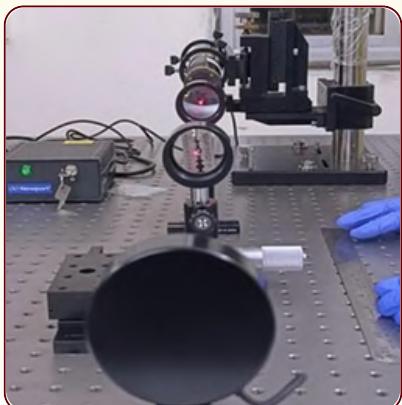
शैक्षणिक विभाग

तीन-जोन और एकल-जोन ट्यूबलर भट्टियां

- इन भट्टियों का उपयोग रासायनिक वाष्प परिवहन (सीवीटी) का उपयोग करके एकल क्रिस्टल के संश्लेषण के लिए किया जाता है।
- अधिकतम तापमान: 1200 डिग्री सेल्सियस।
- परिचालन तापमान: 1100 डिग्री सेल्सियस।



गैर-रैखिक प्रकाशिकी और फोटोनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला



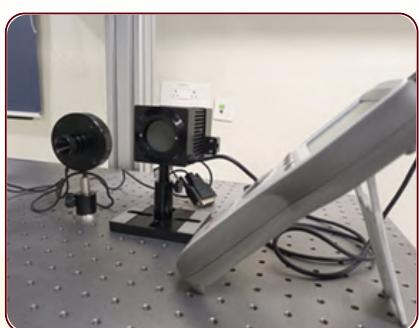
नाइफ एज सेटअप
• उपाय बीम गुणवत्ता



जेड स्कैन सेटअप-सामग्री की गैर-रेखीय ऑप्टिकल प्रतिक्रिया का वर्णन
• अरेखीय अपवर्तन.
• अरेखीय अवशोषण



स्वतः सहसंबंधक



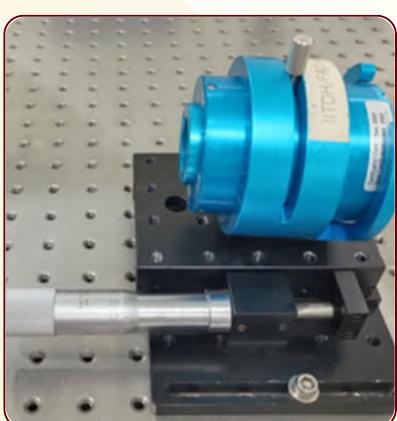
पावर मीटर और पावर सेंसर



लेजर स्पेक्ट्रम विश्लेषक



एकल फोटोन गिनती मॉड्यूल



पावर मीटर और पावर सेंसर



फास्ट ऑसिलोस्कोप



अल्ट्राफास्ट फोटोडिटेक्टर

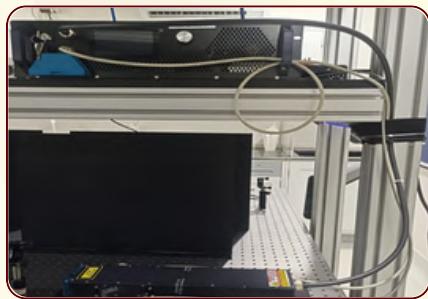
शैक्षणिक विभाग



स्पेक्ट्रोमीटर



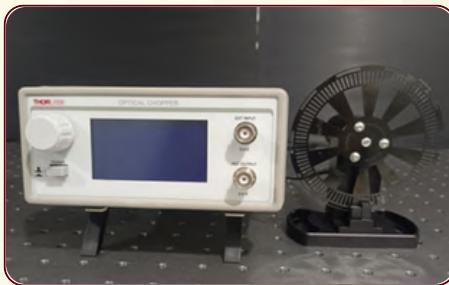
फारस एफएस लेजर



निरंतर तरंग लेजर



आरएफ स्पेक्ट्रम विश्लेषक



चॉपर

पतली फिल्म और फोटोवोल्टेक्स अनुसंधान प्रयोगशाला



गीली बैंच सुविधा



यूवी-ओजोन क्लीनर, ओस्सिला, यूके



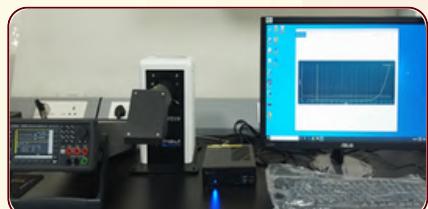
स्पिन कोटर, पुजस्पिन-ए1, एपेक्स इंस्ट्रमेंट्स, भारत



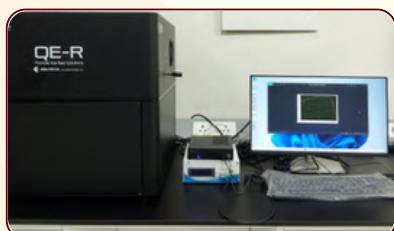
चार सूत्रीय जांच, ओस्सिला, यूके



स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की तुलना में यूवी 2600I, शिमड़ज़ू, जापान



सौर सिम्युलेटर
एए क्लास, 40 x 40 सोर्समीटर,
एकरूपता क्षेत्र, एचपीसीएस -100,
एनलिटेच, ताइवान (कीसाइट
बी2901बीएल सोर्समीटर के साथ)



क्वांटम दक्षता माप प्रणाली, क्यूई-आर, एनलिटेच, ताइवान



इनर्ट गैस वर्कस्टेशन, लैबप्रो 1500, इंटीग्रेटेड थर्मल + ई-बीम एवापोरेटर, रैनवैक टेक्नोलॉजीज, बैंगलुरु, भारत

शैक्षणिक विभाग

व्यावसायिक आउटरीच गतिविधिया

- प्रो. धृति सुंदर घोष ने एनर्जी, ऑप्टिकल मैटेरियल्स तथा जर्नल ऑफ साइंस: एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड डिवाइसेज़ जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए लेखों की समीक्षा की। वे भौतिकी विभाग, केएलई तकनीकी विश्वविद्यालय, हुबली की स्कूल रिसर्च कमेटी के बाहरी सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।
- प्रो. कविता देवी को आईआईटी खड़गपुर में आयोजित 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "फाइबर ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स – 2024" में "सतत-तरंग ऑप्टिकल पैरामीट्रिक ऑसिलेटर: शॉर्ट पल्स पीढ़ी के लिए खोजपूर्ण डिजाइन और वास्तुकला" विषय पर आमंत्रित वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके अलावा, उन्होंने पीआरएल, अहमदाबाद में आयोजित SCOOP 2024 में "निरंतर तरंग ऑप्टिकल पैरामीट्रिक ऑसिलेटर्स की खोजपूर्ण डिजाइन और वास्तुकला" विषय पर भी आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- प्रो. कौशिक साहा "अंतरिक्ष में ऑर्गेनिक्स" पहल के राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्य हैं। उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रगति पत्रिका के लिए लेखों की समीक्षा भी की है।
- प्रो. आर. प्रभु ने हरीश-चंद्र अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज और वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर की पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया। वे बसवेश्वर इंजीनियरिंग कॉलेज, बागलकोट के बोर्ड ऑफ स्टडीज़ के सदस्य हैं। इसके अलावा, वे केएसटीए, बैंगलुरु की अध्यक्षता में तैयार किए जा रहे "कर्नाटक के लिए क्वांटम टेक्नोलॉजीज" पर मसौदा समिति रणनीति पत्र के सदस्य भी हैं। साथ ही, उन्हें केएसटीए, बैंगलुरु द्वारा आयोजित "क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर पहली अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला" में आमंत्रित वार्ता देने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

पुरस्कार एवं उपलब्धियां

- 12-14 मार्च 2025 के दौरान सेंट थॉमस कॉलेज पलाई, केरल में आयोजित सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीएमएसटी 2025) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए पीएचडी छात्र सुश्री देबाजानी राउत को सम्मानित किया गया था।

अनुसंधान और विकास

अनुसंधान और विकास

| प्रायोजित परियोजनाएं | | | | | | | |
|----------------------|----------------------|--|---|--------------------------------|----------------|---------------------------------|-------------------|
| क्र. सं. | अन्वेषक | विभाग | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | मंजूरी की तिथि | परियोजना मूल्य [₹ लाख (ओं) में] | अवधि [वर्षों में] |
| 1 | श्रद्धा श्रीवास्तव | गणित | डीएसटी-इंस्पायर संकाय अध्येता | डीएसटी-इंस्पायर संकाय पुरस्कार | 27.12.2022 | 35 | 5 |
| 2 | मीनाचिदेवी मुरुगेसन | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | ऑप्टिकल डायग्नोस्टिक्स का उपयोग करके 3डी प्रिंटेड एलपीजी/एच2 प्यूल्ड ट्रिपल-स्विरल टर्बुलेट बर्नर की थर्मोकॉस्टिक विशेषताएँ | एसईआरबी सीआरजी | 28.05.2024 | 17.19 | 3 |
| 3 | गायत्री अनंतनारायण | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग | Axtrade: एज एआई हार्डवेयर के लिए डीप न्यूरल का सन्निकटन प्रशिक्षण | इनरी-फ्रांस | May 2024 | -- | 3 |
| 4 | कीर्ति एम.सी. | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | ऑसिलेटिंग ट्रांसोनिक शॉक-वेव बाउड्री लेयर इंटरेक्शन का अनुभव अध्ययन | एसईआरबी सीआरजी | 10.06.2024 | 59.12 | 3 |
| 5 | सोमशेखर एम. ए. | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | धातु व्यसनी विनिर्माण का उपयोग करके वैयक्तिक, फोकल और डीप ट्रांसक्रेनियल मैनेटिक उत्तेजना (टीएमएस) कॉइल का विकास | एसपीएआर सी-एमओई | 1.04.2024 | 52.8 | 2 |
| 6 | मीनाचिदेवी मुरुगेसन | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | ईंधन घटकों और बाधाओं के पैरामीट्रिक भिन्नता के साथ हाइड्रोजन समृद्ध ईंधन के विस्फोट की गतिशीलता पर जांच | एसईआरबी-सीआरजी2 | 31.05.2024 | 15.18 | 2 |
| 7 | सुधांशु कुमार शुक्ला | जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी | कैंसर विकास और इसकी नैदानिक प्रासंगिकता में ऑकोफेटल LNCRNA LINC01456 की भूमिका को डिकोड करना | डीबीटी-2 | 16.07.2024 | 42.35 | 3 |
| 8 | रवि चंद्र दत्ता | रासायनिक अभियांत्रिकी | अल्ट्राथिन नैनो सामग्री में परिवहन बाधाओं की समझ | केएसटीईपी एस वीजीएसटी | 10.06.2024 | 10 | 2 |
| 9 | सुधांशु कुमार शुक्ला | जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी | कैंसर-वृष्ण जीन की खोज: LINC01206 की जैविक और नैदानिक भूमिका को समझना, फेफड़ों की स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा-विशिष्ट LNCRNA | सर्ब-सीआरजी-2 | 16.10.2024 | 45.2955 | 3 |

अनुसंधान और विकास

| | | | | | | | |
|----|---------------------------|---|--|--|----------------|--------|-----|
| 10 | रूमा घोष | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | कार्बन नैनोमैटेरियल्स का डिजाइन और विकास एसएफ6 और एच2एस के लिए संशोधित रसायन संवेदक | डीएई- बीआरएन | 11.10.202 4 | 39.827 | 3 |
| 11 | अनीकेत वसंतराव काटवारे | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | टिकाऊ सड़क निर्माण के लिए बिटुमेन और विभिन्न प्रकार के स्लैग के बीच इंटरफेशियल आसंजन प्रदर्शन की जांच | सीएसआई आर एचआरडी जी | 16.12.202 4 | 12.21 | 3 |
| 12 | कोटेश्वरराव कोंडेपु | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग | स्मार्ट-आरआईसी6जी: 6जी नेटवर्क में आरएएन इंटेलिजेंट कंट्रोलर के लिए स्मार्ट ड्रिफ्ट-हैंडलिंग एनबलर | टीटीडीएफ- डॉट | 15.12.202 4 | 138.03 | 3 |
| 13 | राजशेखर वी. भट्ट | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | 6जी सिमेटिक संचार के लिए एआई- नेटिव रेडियो: सिद्धांत से चिप्स तक | टीटीडीएफ- डॉट | 16.12.202 4 | 247.5 | 3 |
| 14 | व्योम शर्मा | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | छोटे हथियारों की आग से सुरक्षा के लिए हल्के वजन का बंकर | 6 इंजीनियर रेजिमेंट, पश्चिम बंगाल | 28.03.202 5 | 29.53 | 1.5 |
| 15 | अमरनाथ हेगडे | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | बड़े पैमाने पर भू-तकनीकी फिल अनुप्रयोगों के लिए कोयला टेलिंग अर्क (सीटीई) का पुनः प्रयोज्यता मूल्यांकन | सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड, झारखण्ड | 27.03.202 5 | 27.74 | 2 |
| 16 | राहुल जशवंतभाई पंड्या | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | छ: जी शब्दार्थ संचार के लिए सीजीएएन सक्षम संसाधन आवंटन रणनीतियाँ | टीटीडीएफ- डॉट | 16.12.202 4 | 45.37 | 3 |
| 17 | नवीन कदाइन्ती | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | कम लागत वाले रोगी के अनुकूल द्वितीय श्रवण सहायता विकास: कस्टम एएसआईसी और कस्टम उत्पाद | YFRF, DCI, MEITY | 27.01.202 5 | 25 | 5 |
| 18 | पुन्नाग चटर्जी | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | हल्का वजन पैदल सेना फुट ब्रिज | 235 इंजीनियर रेजिमेंट, पश्चिम बंगाल | 27.03.202 5 | 15.25 | 1.5 |

अनुसंधान और विकास

परामर्शी परियोजनाएं

| क्र सं | अन्वेषक | विभाग | परियोजना का शीर्षक | प्रायोजक एजेंसी | मंजूरी की तिथि | परियोजना मूल्य [₹ लाख (ओं) में] | अवधि |
|--------|---------------------------|--|--|---|----------------|---------------------------------|---------------------|
| 1 | साई राम बोग्गावारापु | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | कर्षण मोटरों की विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए असर धाराओं और अशिक निर्वहन का मॉडलिंग और विश्लेषण | एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड. | 25.07.2024 | 4.5 | 6 महीने |
| 2 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | शांतिनगर क्षेत्र, डाबोलिम, गोवा में 1x26.20 मीटर पीएससी गर्डर के 1x30.0 मीटर कंपोजिट गर्डर के रूप में 1x26.20 मीटर की अवधि के मौजूदा आरओबी नंबर 290ए के प्रस्तावित पुनर्निर्माण के लिए संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ जांच | रेल विकास निगम लिमिटेड, हुबली | 28.05.2024 | 0.91 | 1 महीने |
| 3 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | शांतिनगर क्षेत्र, डाबोलिम, गोवा में 1x26.20 मीटर पीएससी गर्डर के 1x30.0 मीटर कंपोजिट गर्डर के रूप में 1x26.20 मीटर की अवधि के मौजूदा आरओबी नंबर 290बी-1ए के प्रस्तावित पुनर्निर्माण के लिए संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ जांच | रेल विकास निगम लिमिटेड, हुबली | 27.05.2024 | 0.47 | 3 सप्ताह |
| 4 | वैक्प्या आर देसाई | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | हसन, कर्नाटक के पास मौजूदा स्टील गर्डर का समर्थन करने के लिए संरचनात्मक डिजाइनों और नई नींव के चित्रों की जांच | रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा (राइट्स) लिमिटेड | 12.04.2024 | 2 | 1 सप्ताह |
| 5 | हेमंत कुमार चिन्तपल्ली | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | हुबली में अपशिष्ट से ऊर्जा सुविधा के ईपीसी पैकेज के लिए कंक्रीट मिश्रण डिजाइन (एम20, एम25 और एम30) | मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड | 18.04.2024 | 1.73 | 2 महीने 1 सप्ताह |
| 6 | अमरनाथ हेगडे | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | गुजरात में पनम बांध का स्थिरता विश्लेषण | पणम परियोजना प्रभाग, गुजरात | 12.09.2024 | 29.5 | 6 महीने |
| 7 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | हीलालाइज रेलवे स्टेशन पर फुट औवर ब्रिज के ड्राइंग और डिजाइन की प्रूफ जांच | एसआरआई सीओ प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड | 04.05.2024 | 2.24 | 2 सप्ताह |

अनुसंधान और विकास

| | | | | | | | |
|----|-------------------------|--|--|--|------------|-------|----------|
| 8 | वेंकप्प्या आर देसाई | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | दक्षिण-पश्चिम रेलवे, कर्नाटक के होलेनरासिपुरा-माविनकेरे स्टेशनों के बीच पुल संख्या 111 @ किमी: 88/800-900 पर विभिन्न ऊंचाई की 4-रिटेनिंग दीवारों के प्रस्तावित निर्माण के संरचनात्मक डिजाइनों और चित्रों की जांच | धात्री इंफ्रा, बैंगलुरु | 30.04.2024 | 2.36 | 1 महीने |
| 9 | अमरनाथ हेगडे | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, यूएएस, धारवाड की स्थिरता जांच कार्य | कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड | 18.06.2024 | 6.49 | 3 महीने |
| 10 | Omkar Baswaraj Bembalge | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | ऊर्जा दक्षता के लिए छत पंखे ब्लेड का एरोडायनामिक आकार अनुकूलन | क्रॉम्पटन ग्रीब्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, अनुभव और नवाचार केंद्र | 05.08.2024 | 8.23 | 6 महीने |
| 11 | वेंकप्प्या आर देसाई | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | प्रस्तावित जिला कार्यालय परिसर, बेलगावी के लिए संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ जांच | जलवाहिनी मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड, धारवाड | 01.07.2024 | 17.09 | 1 महीने |
| 12 | Amar Keshav Gaonkar | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | एफईएम कंपन मूल्यांकन के लिए विधि विकास | मैन एनर्जी सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | 01.07.2024 | 26.13 | 12 महीने |
| 13 | Ramjee Repaka | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | कॉमन हॉस्पिटल चंडीमंदिर, चंडीगढ़ में साइट के लिए एसी प्लांट के कार्य के डिजाइन और ड्राइंग की जांच | ए.एस. कंस्ट्रक्शन कंपनी | 01.07.2024 | 2.95 | 2 सप्ताह |
| 14 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | शैक्षणिक भवनों, पशु चिकित्सा कॉलेज, गडग के विस्तारित प्रस्तावित निर्माण की प्रूफ चेकिंग की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए संरचना की स्थिरता की जांच करने के लिए साइट की प्रारंभिक यात्रा | पी रवीन्द्रनाथ कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड | 09.07.2024 | 0.64 | 1 सप्ताह |
| 15 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | पशु चिकित्सा महाविद्यालय, गडग में शैक्षणिक भवनों के विस्तारित प्रस्तावित निर्माण की प्रूफ जांच | पी रवीन्द्रनाथ कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड | 26.07.2024 | 6 | 3 सप्ताह |
| 16 | Ramjee Repaka | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | एएफ स्टेशन लेह में भंडारण एकेएन के एचवीएसी डिजाइन की जांच | शिव शरण गुप्ता एंड संस | 14.08.2024 | 1.8 | 2 सप्ताह |

अनुसंधान और विकास

| | | | | | | | |
|----|---------------------------|--|--|--|------------|-------|----------|
| 17 | निखिल डी हेगडे | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग | रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) सॉफ्टवेयर के लिए डोमेन-विशिष्ट भाषा (डीएसएल) का विकास | तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड | 16.09.2024 | 11.53 | 4 महीने |
| 18 | वेंकप्प्या आर देसाई | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | दक्षिण-पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) के आठ रेलवे स्टेशनों के एफओबी के लिए संरचनात्मक लेखापरीक्षा | स्वर्णा टेक्नो कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड | 28.10.2024 | 3.77 | 1 महीने |
| 19 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | रेलवे दोहरीकरण लाइन में सीएच 107 किमी पर रिटेनिंग वॉल की प्रूफ चेकिंग। | सूर्या कंस्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद | 22.11.2024 | 2.06 | 2 सप्ताह |
| 20 | राकेश लिंगम | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | प्रीसेशन स्टैम्पिंग प्रक्रिया में दोष और लक्षण वर्णन का विश्लेषण | एक्वस प्राइवेट लिमिटेड | 01.08.2024 | 11.8 | 12 महीने |
| 21 | हेमंत कुमार चिन्तपल्ली | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | हुबली, कर्नाटक में अपशिष्ट ऊर्जा सुविधा के ईपीसी पैकेज के लिए एम20, एम25 और एम30 का कंक्रीट मिश्रण डिजाइन। | एनटीपीसी विद्युत निगम लिमिटेड | 31.12.2024 | 2.7 | 2 महीने |
| 22 | निखिल डी. हेगडे | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग | एलएलवीएम कंपाइलर फ्रेमवर्क में उन्नत कंपाइलर अनुकूलन पर तकनीकी प्रशिक्षण | क्वालकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड | 11.03.2025 | 6 | 3 महीने |
| 23 | वेंकप्प्या आर देसाई | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | जोएसडब्ल्यू हवाई अड्डे, तोरणगल्लू के टर्मिनलों की संरचनात्मक ताकत और स्थिरता डिजाइन दस्तावेजों की जांच | जोएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, बल्लारी | 17.03.2025 | 9.44 | 6 महीने |
| 24 | अमरनाथ हेगडे | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | 400 केवी कुडगी जीआईएस में स्विचयार्ड क्षेत्र (सिविल तकनीकी मुद्दा) में नींव / ढूबने में अंतर निपटान के लिए अध्ययन और उपचारात्मक उपाय। | पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, विजयपुरा | 21.01.2025 | 3.37 | 2 महीने |
| 25 | हेमंत कुमार चिन्तपल्ली | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | आरएनएस बिल्डटेक पेवर ब्लॉक का परीक्षण | आरएनएस बिल्डटेक | 19.12.2024 | 0.1 | 2 सप्ताह |
| 26 | अनिकेत वी. कटावरे | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | गोकाक रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित माल लोडिंग/ अनलोडिंग प्लेटफॉर्म के लिए कठोर भुगतान डिजाइन की प्रूफ चेकिंग। | सुर इंजीनियरिंग सर्विसेज, बेंगलुरु | 30.01.2025 | 0.94 | 1 महीने |

अनुसंधान और विकास

| | | | | | | | |
|----|---------------------------|--|---|---|------------|------|----------|
| 27 | हेमंत कुमार चिन्तपल्ली | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | बीएसपीएल इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट-हलावार्थी, कोप्पल - कंक्रीट मिक्स डिजाइन (एम7.5 से एम45)। | बाल्डोटा स्टील एंड पावर लिमिटेड | 11.03.2025 | 4.77 | 2 सप्ताह |
| 28 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | एनएच-48 के एमएच-केएनटी बॉर्डर सेक्षन में सांकेत्खर बाईपास पर लिए गए करोड़ कठर नमूनों पर कंप्रेसिव स्ट्रेंथ टेस्ट | भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पीआईयू धारवाड | 27.03.2025 | 0.56 | 2 सप्ताह |
| 29 | साई राम बोग्गावारापु | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | एक अक्षीय प्रवाह कोणीय सोलेनॉइड का डिजाइन और विश्लेषण | टीबी पोटेंशियल एलएलपी | 19.02.2025 | 2.36 | 3 महीने |
| 30 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | बहुउद्देशीय हॉल, एमएलआईआरसी के लिए प्रूफ चेक संरचनात्मक डिजाइन और ड्राइंग। | श्री दयानंद सरनोबत | 17.03.2025 | 1.7 | 2 सप्ताह |
| 31 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | आयकर और सीजीएसटी स्टाफ क्वार्टर, हुबली की संरचनात्मक लेखा परीक्षा। | केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, धारवाड | 31.03.2025 | 9.08 | 6 सप्ताह |
| 32 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | रब नंबर 427ए के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ चेकिंग। | रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (कर्नाटक) लिमिटेड, बैंगलोर | 25.11.2024 | 1.18 | 2 सप्ताह |
| 33 | वेंकप्प्या आर देसाई | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | दक्षिण-पश्चिम रेलवे, कर्नाटक के गडग-वाडी स्टेशन के बीच नई बीजी लाइन के 5 पुलों (संख्या 94, 95, 96, 98 और 108) के पुनर्वास के लिए प्रस्तावित निर्माण 5 आरसी बॉक्स पुलियों के संरचनात्मक डिजाइन चित्रों की जांच। | चेताना इन्फ्राटेक कंसल्टेंट्स प्रा. लिमिटेड | 22.01.2025 | 1.47 | 1 महीने |
| 34 | रमेश नायका | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | एएफएस संबरा में केवी 01 में व्यावसायिक प्रयोगशाला के संरचनात्मक डिजाइन की प्रूफ चेकिंग। | आराध्या एंटरप्राइजेज, बेलगावी | 27.01.2025 | 0.75 | 1 सप्ताह |

अनुसंधान और विकास

सीएसआर दान गतिविधियाँ

| Sl.No. | Principal Investigator(s) | Department | Title of the Project | Sponsoring Agency | Date of Sanction | Project Value [in ₹ lakh(s)] | Duration [in Years] |
|--------|---------------------------|--|--|------------------------|------------------|------------------------------|---------------------|
| 1 | सतीश नाइक | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | इलेक्ट्रिक वाहनों और डीसी माइक्रोप्रैद प्रौद्योगिकियों के माध्यम से बेहतर वैश्विक स्थिरता की ओर | एवनेट प्रा. लिमिटेड | 28.03.2025 | 24 | 1 |
| 2 | अभिजीत क्षीरसागर | इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान के लिए सीएसआर सहायता | हेक्समोटो | 27.03.2025 | 6 | 1 |

सीड ग्रांट और नेटवर्किंग निधि प्रोजेक्ट्स

| क्र.सं. | प्रधान अन्वेषक | विभाग | परियोजना का शीर्षक | परियोजना मूल्य [₹ लाख (ओं) में] | मंजूरी की तिथि | अवधि [वर्षों में] |
|---------|----------------------------|--|--|------------------------------------|----------------|----------------------|
| 1 | देबलीना चक्रवर्ती | Humanities, Economics, Arts and Rural Technologies | जलवायु लचीलापन अनुकूलन निधि के लिए माइक्रो-क्रेडिट सोसायटी | 5 | 19.04.2024 | 2 |
| 2 | रामजी रेपका | "यांत्रिक, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग" | ईवीएस के लिए ली-आयन बैटरियों का थर्मल प्रबंधन | 5 | 21.05.2024 | 2 |
| 3 | कुंदन कुमार सिंह सागर | रसायन विज्ञान | धातु नैनो क्लस्सर पर लिगेंड-प्रेरित प्रतिक्रिया: उत्प्रेरक का एक नया वर्ग विकसित करना | 5 | 21.05.2024 | 2 |
| 4 | स्वानंद मराठे | जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी | एंटीडिप्रेसेंट के व्यवहार प्रभावों में ज्योतिषीय भूमिका में अंतर्निहित आणविक तंत्र की जांच | 5 | 20.08.2024 | 2 |
| 5 | बालकृष्ण चैबे | जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी | ठ्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट के भीतर चयापचय क्रॉसस्टाक को समझना | 5 | 20.08.2024 | 2 |
| 6 | हेमंत कुमार चिन्तपल्ली. | नागरिक एवं आधारभूत संरचना विभाग | पूर्व-तनावग्रस्त कंक्रीट सदस्यों के आग्नि सहनशक्ति पर अध्ययन | 5 | 27.08.2024 | 2 |
| 7 | महेश गुडेम | रसायन विज्ञान | प्रकाश ऊर्जा के फोटॉन में रासायनिक ऊर्जा के हिस्से में सहायता प्राप्त रूपांतरण | 5 | 30.08.2024 | 2 |

अनुसंधान और विकास

भारतीय शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संगठन के साथ समझौता ज्ञापन

| क्र.सं | आइआईटी धारवाड का समझौता ज्ञापन | समन्वयक |
|--------|--|----------------------|
| 1 | एनआईटी वारंगल | सी रविकुमार |
| 2 | आईआईएससी बैंगलोर | सी रविकुमार |
| 3 | मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल कर्नाटक (एमएएचई) | सुभाष मेहतो |
| 4 | भारतीय विश्व मामलों की परिषद, नई दिल्ली | वेंकप्प्या आर. देसाई |
| 5 | आइआईटी गुवाहाटी और सी-डैक | राजशेखर भट्ट |
| 6 | केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) | अनिमेश कुमार साहू |

अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन

| क्र.सं | आइआईटी धारवाड का समझौता ज्ञापन | समन्वयक |
|--------|--|------------|
| 1 | नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनटीएनयू), ट्रोनहाइम, नॉर्वे | दिलीप ए डी |

दायर किए गए/प्रकाशित किए गए पेटेंट

| क्र.सं | आविष्कारकर्ता | शीर्षक | पेटेंट आवेदन संख्यांक | पेटेंट फ्रायलिंग तिथि | पेटेंट फाइल किया गया | स्थिति |
|--------|---|--|-----------------------|-----------------------|----------------------|----------|
| 1 | शशिकुमार एस आर, अभिषेक आर, रमेश नायक, एस एम बसुतकर, सचिन के सी, प्रमुख एन | बढ़े हुए कंक्रीट सुदृढ़ीकरण के लिए कैड्सियस फाइबर | 202541010840 | 09.02.2025 | 14.02.2025 | प्रकाशित |
| 2 | सौविक दास, अभिजीत क्षीरसागर, प्रत्यसा भुई | ऑनलाइन ट्रांसमिशन लाइन निरीक्षण रोबोट के लिए एक पावर इंटरफेस सिस्टम और उसकी विधि | 202441098289 | 12.12.2024 | 20.12.2024 | प्रकाशित |

अवार्ड किए गए पेटेंट

| Sl.No. | आविष्कारकर्ता | शीर्षक | पेटेंट आवेदन | पेटेंट फ्रायलिंग तिथि | पेटेंट प्रकाशित दिनांक | पेटेंट संख्या | पेटेंट पुरस्कार की तारीख |
|--------|---|---|--------------|-----------------------|------------------------|---------------|--------------------------|
| 1 | नवीन कदायिन्ति और मयूर शिवमूर्ति | सिग्नल के विस्तार, कंप्रेसिंग, या देरी के लिए एक सर्किट | 202041019813 | 11.05.2020 | 13.12.2021 | 555660 | 02.12.2024 |
| 2 | सोमशेखर एम ए, सैय्यदअली एच एल, रक्षित बी एस | 4D प्रिंटिंग की प्रक्रिया के लिए प्रोग्रामेबल शेप मेमोरी मिश्र धातु (एसएमए) बनाने के लिए एक असेंबली | 202141047340 | 19.10.2021 | 29.10.2021 | 531392 | 01.04.2024 |

जर्नल लेख

1. Abusabah, A. T., Balasubramanya, N. M., & Oliveira, R. (2023). Performance evaluation of Uplink Grant-Free access networks based on Spreading-Based NOMA. *IEEE Internet of Things Journal*, 11(7), 12953–12965. <https://doi.org/10.1109/jiot.2023.3336509>
2. Alla, S. C., Sudhakaran, A., Bembalge, O. B., Samal, A. K., Torrejos, R. E., Norrrahim, M. N. F., & Jadhav, A. H. (2024). Deep Eutectic solvent engineered dendritic fibrous Nano-Silica catalyst for sustainable fixation of CO₂ into Value-Added product at atmospheric condition. *Applied Organometallic Chemistry*, 39(1). <https://doi.org/10.1002/aoc.7910>
3. Antony, D., Pal, S., & Sandeep, R. (2024). Algorithms for subgraph complementation to some classes of graphs. *Information Processing Letters*, 188, 106530. <https://doi.org/10.1016/j.ipl.2024.106530>
4. Antony, D., Pal, S., Sandeep, R. B., & Subashini, R. (2024). Cutting a tree with subgraph complementation is hard, except for some small trees. *Journal of Graph Theory*, 107(1), 126–168. <https://doi.org/10.1002/jgt.23112>
5. Bagewadi, Z. K., Illanad, G. H., Shaikh, I. A., Mahnashi, M. H., Shettar, S. S., H, K. P., Alhazmi, A. Y. M., Hakami, M. A., Mahanta, N., Singh, S. P., Karlo, J., & Khan, A. (2024). Molecular expression, purification and structural characterization of recombinant L-Glutaminase from Streptomyces roseolus. *International Journal of Biological Macromolecules*, 273(Pt 2), 133142. <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2024.133142>
6. Bariki, R., Sahoo, S. K., Pati, A. R., Pradhan, S. K., Panda, S., Nayak, S. K., & Mishra, B. G. (2024). MOF-Derived Hollow C, N-Doped Co₃O₄ Dodecahedral Nanostructure Enwrapped with mgm2s4 Nanosheets for Enhanced Photocatalytic N₂ Reduction. *Inorganic Chemistry*, 64(1), 412–426. <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.4c04746>
7. Bathina, S. K., & Siddapureddy, S. (2024a). Fire safety distances of double pool fires. *Fire Technology*, 60(3), 2101–2123. <https://doi.org/10.1007/s10694-024-01562-4>
8. Bathina, S. K., & Siddapureddy, S. (2024b). LES of blockage of thermal radiation to the pool surface in large double pool fires. *Environmental Science and Pollution Research*, 31(56), 64555–64567. <https://doi.org/10.1007/s11356-024-35392-2>
9. Bathula, C., Mandal, T. N., Naik, S., Meena, A., Nesargi, A., & Jana, A. (2024). Synthesis, characterization, and optical studies of lead-free perovskite, Cs₃M₂Br₉ (M = Bi, Sb) nanocrystals. *Inorganic Chemistry Communications*, 165, 112516. <https://doi.org/10.1016/j.inoche.2024.112516>
10. Beaudou, L., Haxell, P., Nurse, K., Sen, S., & Wang, Z. (2024). Density of 3-critical signed graphs. *Journal of Graph Theory*, 107(1), 212–239. <https://doi.org/10.1002/jgt.23117>
11. Bensmail, J., Das, S., Nandi, S., Nandy, A., Pierron, T., Prabhu, S., & Sen, S. (2024). Oriented total-coloring of oriented graphs. *Discrete Mathematics*, 347(11), 114174. <https://doi.org/10.1016/j.disc.2024.114174>
12. Bharadwaj, A., Pal, A., Kumar, V., & Thangadurai, R. (2024). Sufficient conditions for a problem of Polya. *Proceedings of the American Mathematical Society*. <https://doi.org/10.1090/proc/16826>
13. Bhattacharjee, M., R, P. M. S., & Guha, P. (2024). Exploration of Speech and music information for movie Genre Classification. *ACM Transactions on Multimedia Computing Communications and Applications*, 20(8), 1–19. <https://doi.org/10.1145/3664197>
14. Bhattacharyya, A., Ramanathan, S., Fumagalli, A., & Kondepu, K. (2024). An end-to-end DPDK-integrated open-source 5G standalone Radio Access Network: A proof of concept. *Computer Networks*, 250, 110533. <https://doi.org/10.1016/j.comnet.2024.110533>
15. Boggavarapu, S. R., Baghel, A. P. S., Chwastek, K., Kulkarni, S. V., Daniel, L., De Campos, M. F., & Nlebedim, I. C. (2025). Modelling of angular behaviour of core loss in Grain-Oriented laminations using the loss separation approach. *Journal of Superconductivity and Novel Magnetism*, 38(1). <https://doi.org/10.1007/s10948-024-06876-6>
16. Centofanti, C., Marotta, A., Gudepu, V., Cassioli, D., Graziosi, F., Roberts, H., Bernard, C., & Kondepu, K. (2024). End-to-end slicing of RAN based on next-generation optical access network. *Photonic Network Communications*, 48(1–3), 26–34. <https://doi.org/10.1007/s11107-024-01020-9>

अनुसंधान और विकास

17. Centofanti, C., Santos, J., Gudepu, V., & Kondepu, K. (2024). Impact of power consumption in containerized clouds: A comprehensive analysis of open-source power measurement tools. *Computer Networks*, 245, 110371. <https://doi.org/10.1016/j.comnet.2024.110371>
18. Chakraborty, D., Foucaud, F., Nandi, S., Sen, S., & Supraja, D. (2024). On locating and neighbor-locating colorings of sparse graphs. *Discrete Applied Mathematics*, 358, 366–381. <https://doi.org/10.1016/j.dam.2024.07.012>
19. Chakraborty, D., Nandi, S., Sen, S., & Supraja, D. (2024). A linear algorithm for radio k-coloring of powers of paths having small diameters. *Journal of Computer and System Sciences*, 147, 103577. <https://doi.org/10.1016/j.jcss.2024.103577>
20. Chandrakar, N., Kumar, A., Rani, S., & Ghosh, D. S. (2024). Oxidized copper seed layer for ultrathin and semi-transparent silver films. *Thin Solid Films*, 809, 140586. <https://doi.org/10.1016/j.tsf.2024.140586>
21. Chattopadhyay, S., Bijalwan, A., & Gaonkar, A. K. (2024). Shear-imposed falling film on a vertical moving plate with disrupted time-reversal. *Physica D Nonlinear Phenomena*, 468, 134314. <https://doi.org/10.1016/j.physd.2024.134314>
22. Chhillar, B., Sodhi, N., Kadian, R., Neres, E. R., Yadav, M., Kundu, M., Venkatareddy, V. K., Malakalapalli, R. R., Rafique, J., Saba, S., & Singh, V. P. (2025). Naphthalene peri-Diselenide-Based BODIPY probe for the detection of hydrogen peroxide, tert-Butylhydroperoxide, hydroxyl radical, and peroxy nitrite ion. *ACS Omega*, 10(7), 6396–6405. <https://doi.org/10.1021/acsomega.4c05366>
23. Dadi, K., Sharma, H., Padhi, R., & Devi, K. (2025). Broadband, multiaxial-mode, passively-stable continuous wave optical parametric oscillator design consideration and dispersion compensation analysis. *Journal of the Optical Society of America B*. <https://doi.org/10.1364/josab.547685>
24. Darshan, N., & Kataware, A. V. (2024). Exploring different approaches to understand effect of WMA modification on mixing and compaction temperatures of asphalt binders: A laboratory study. *Construction and Building Materials*, 458, 139562. <https://doi.org/10.1016/j.conbuildmat.2024.139562>
25. Das, S., Dey, K. K., PD, P., & Sen, S. (2024). Counting the minimum number of arcs in an oriented graph having weak diameter 2. *Discrete Applied Mathematics*, 364, 222–236. <https://doi.org/10.1016/j.dam.2024.12.018>
26. Das, S., Lahiri, A., Nandi, S., Sen, S., & Taruni, S. (2024). On (n,m)-chromatic numbers of graphs with bounded sparsity parameters. *Discrete Applied Mathematics*, 358, 417–428. <https://doi.org/10.1016/j.dam.2024.07.029>
27. Das, T., Foucaud, F., Marcille, C., Pavan, P., & Sen, S. (2025). Monitoring arc-geodetic sets of oriented graphs. *Theoretical Computer Science*, 1031, 115079. <https://doi.org/10.1016/j.tcs.2025.115079>
28. Das, T., Kumar, A., Rani, S., Guchhait, A., & Ghosh, D. S. (2024). Fabrication of Highly Efficient and Ambient Stable Planar mapbi3 Perovskite Solar Cells via Defect Passivation through Crosslinking Strategy. *Advanced Engineering Materials*, 26(8). <https://doi.org/10.1002/adem.202302078>
29. Dey, O., & Chakravarty, D. (2024). Industry or civil society? Role of institutions in COVID-19 crisis management. *International Review of Economics*, 71(3), 597–614. <https://doi.org/10.1007/s12232-024-00454-x>
30. Dey, S., Saha, K., Dave, R., P. N., & Murugesan, A. (2025). Estimation of leaf area index of mustard and potato from Sentinel-2 data using parametric, non-parametric and physical retrieval models. *Remote Sensing Applications Society and Environment*, 37, 101493. <https://doi.org/10.1016/j.rsase.2025.101493>
31. Divakar, M. H., Basavarajappa, S., & Joshi, A. G. (2023). Comparative performance analysis of GR and MOS2 solid lubricants during High-Temperature Dry Sliding wear behavior of AL2618-Based hybrid mmcs. *Journal of the Institution of Engineers (India) Series D*, 105(3), 1485–1492. <https://doi.org/10.1007/s40033-023-00585-5>
32. Dixit, A. B., Kumar, V., & Pathak, S. S. (2023). LINEAR INDEPENDENCE OF VALUES OF THE Q-EXPONENTIAL AND RELATED FUNCTIONS. *Bulletin of the Australian Mathematical Society*, 109(3), 453–463. <https://doi.org/10.1017/s0004972723001028>
33. Elsner, C., & Kumar, V. (2024). On algebraic conditions for the non-vanishing of linear forms in Jacobi theta-constants. *Acta Mathematica Academiae Scientiarum Hungaricae*, 173(2), 392–413. <https://doi.org/10.1007/s10474-024-01449-4>
34. Gaonkar, M. N., Thenkanidiyoor, V., & Dileep, A. D. (2024). A parallel computing approach to CNN-based qbe-STD using kernel-based matching. *The Journal of Supercomputing*, 81(1). <https://doi.org/10.1007/s11227-024-06497-9>

अनुसंधान और विकास

35. Gera, R., De, P., Singh, K. K., Jannuzzi, S. A. V., Mohanty, A., Velasco, L., Kulbir, N., Kumar, P., Marco, J. F., Nagarajan, K., Pecharromán, C., Rodríguez-Pascual, P. M., debeer, S., Moonshiram, D., Gupta, S. S., & Dasgupta, J. (2024). Trapping an elusive FE(IV)-Superoxo intermediate inside a Self-Assembled nanocage in water at room temperature. *Journal of the American Chemical Society*, 146(31), 21729–21741. <https://doi.org/10.1021/jacs.4c05849>
36. Gogoi, B., Deka, H., Sharma, P., Barik, D., Medhi, B. J., Bora, B. J., Paramasivam, P., & Ağbulut, Ü. (2025). Maximizing efficiency: exploring the crucial role of ducts in air-cooled lithium-ion battery thermal management. *Journal of Thermal Analysis and Calorimetry*, 150(5), 3121–3138. <https://doi.org/10.1007/s10973-024-13883-1>
37. Gogoi, P., Sarmah, P., & Prasanna, S. R. M. (2024). Cross-linguistic rhythm analysis of Mising and Assamese. *ACM Transactions on Asian and Low-Resource Language Information Processing*, 23(10), 1–18. <https://doi.org/10.1145/3694785>
38. Gorthala, G., & Ghosh, R. (2024a). Impact of gas flowrate on performance of chemiresistive NO₂ sensors. *Applied Surface Science*, 670, 160597. <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2024.160597>
39. Gorthala, G., & Ghosh, R. (2024b). Atomically thin-layered WS₂ based resistive sensors for detection of CO and NO₂ at room temperature. *Nanotechnology*, 35(40), 405501. <https://doi.org/10.1088/1361-6528/ad5e88>
40. Gorthala, G., K. A. R., Malakalapalli, R. R., & Ghosh, R. (2025). Multifunctional Two-Dimensional Tetrazine-Based polymer for an inverse electron demand Diels–Alder reaction and Room-Temperature NO₂ sensing. *ACS Applied Polymer Materials*, 7(3), 1999–2006. <https://doi.org/10.1021/acsapm.4c03814>
41. Grewal, K. S., Hachem-Vermette, C., & Yadav, S. (2024). Decision-making method to prioritize and implement solar strategies on neighborhood level. *Energy Reports*, 12, 2062–2076. <https://doi.org/10.1016/j.egyr.2024.08.009>
42. Gudepu, V., Chintapalli, V. R., Castoldi, P., Valcarenghi, L., Tamma, B. R., & Kondepudi, K. (2024). The drift handling framework for open radio access networks: An experimental evaluation. *Computer Networks*, 243, 110290. <https://doi.org/10.1016/j.comnet.2024.110290>
43. Hannan, M., Kouser, K., Shafi, F., & Aknan, M. (2025). Realization of a compact slotted triangular patch antenna for 5G applications in 28 ghz band. *Engineering Research Express*, 7(1), 015344. <https://doi.org/10.1088/2631-8695/adaf77>
44. Harish, K. K., Nesaragi, A. R., Kalagatur, N. K., Naik, P., Madegowda, M., Pandith, A., Dahlous, K. A., Mohammad, S., Shivarudrappa, H., Sharanakumar, T., & Guddappa, H. (2024). Imidazole-centred cupric ions sensor: Experimental validation, theoretical understanding, and zebrafish bioimaging. *Journal of Photochemistry and Photobiology a Chemistry*, 452, 115565. <https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2024.115565>
45. Hoolageri, S. R., Kamble, R. R., Nesaragi, A. R., Devarajegowda, H., Nayak, M. R., Metre, T. V., Joshi, S. D., P. R., & M, V. V. (2024). Biocatalyst mediated green approach for 1,8-dioxo-octahydroxanthenes: SCXRD, Hirshfeld analysis and DFT studies as inhibitors of HIV reverse transcriptase. *Journal of Molecular Structure*, 1318, 139290. <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.139290>
46. Huo, Y., Golchin, M., Zhou, K., Abraham, A., Sontti, S. G., & Zhang, X. (2024). Effects of coal particles on Microbubble-Enhanced bitumen separation in the concentrated slurry flow of oil sands tailings. *Industrial & Engineering Chemistry Research*, 63(22), 10027–10040. <https://doi.org/10.1021/acs.iecr.4c00270>
47. Jammula, M., & Sontti, S. G. (2024). Numerical analysis of controlled droplet formation surrounded by a Shear-Thinning fluid in a coflow microfluidic device. *Industrial & Engineering Chemistry Research*, 64(5), 2977–2994. <https://doi.org/10.1021/acs.iecr.4c03141>
48. Jauhari, N., Hegde, A., & Chakrabortty, P. (2024). Vibration mitigation using dual-open and infilled trenches in layered soil media: Field tests and numerical simulations. *Computers and Geotechnics*, 170, 106283. <https://doi.org/10.1016/j.compgeo.2024.106283>
49. K. A. R., Kar, S., Bhattacharyya, S., & Malakalapalli, R. R. (2024). Effect of halogenation on the photocatalytic hydrogen evolution performance of tetrazine polymers. *ACS Applied Polymer Materials*, 6(14), 7988–7995. <https://doi.org/10.1021/acsapm.4c00618>
50. Kandre, S., Mudkavi, V. Y., & Patil, D. V. (2024). Vortex-dipole impingement with convex and concave boundaries. *Physics of Fluids*, 36(5). <https://doi.org/10.1063/5.0200035>
51. Kandre, S., & Patil, D. V. (2024). Vortex dynamics in two-dimensional periodic shear layers. *Acta Mechanica*, 235(9), 5451–5467. <https://doi.org/10.1007/s00707-024-03995-y>

अनुसंधान और विकास

52. Kandre, S., Prasad, P. H., & Patil, D. V. (2024). Impingement of vortex dipole on heated boundaries and related thermal plume dynamics. *Physics of Fluids*, 36(8). <https://doi.org/10.1063/5.0214033>
53. Karlo, J., Carrasco-Navarro, V., Koistinen, A., & Singh, S. P. (2024). Tracking trash to treasure: in situ monitoring of single microbial cell oil biosynthesis from waste cooking oil using Raman spectroscopy and imaging. *RSC Advances*, 14(45), 33323–33331. <https://doi.org/10.1039/d4ra05187d>
54. Karlo, J., Vijay, A., Phaneeswar, M. S., & Singh, S. P. (2024). Sensing the Bactericidal and Bacteriostatic Antimicrobial Mode of Action Using Raman Deuterium Stable Isotope Probing (DSIP) in *Escherichia coli*. *ACS Omega*, 9(22), 23753–23760. <https://doi.org/10.1021/acsomega.4c01666>
55. Karthik, B. K., & Shrikanth, V. (2024). Piezoceramic Stick-Slip Actuator with Nanometer Displacement Resolution for Liquid Bridge Stretching. *Journal of Vibration Engineering & Technologies*, 12(S1), 647–659. <https://doi.org/10.1007/s42417-024-01438-5>
56. Karthik, B. K., & Shrikanth, V. (2025). On the Dynamics of Slipping in Inertia-Friction Actuator. *Journal of Vibration Engineering & Technologies*, 13(1). <https://doi.org/10.1007/s42417-024-01657-w>
57. Karunakar, S., Kalayappan, R., & Chandran, S. (2024). Consequence-based clustered architecture. *ACM Transactions on Architecture and Code Optimization*, 22(1), 1–25. <https://doi.org/10.1145/3708539>
58. Konthoujam, B., Bhandari, N., Ghagane, S. C., Nerli, R. B., Shukla, S., & Ghosh, R. (2024). Glutaraldehyde functionalized reduced graphene oxide based resistive sensors for detection of PCA3. *Journal of Materials Chemistry B*, 13(6), 2140–2149. <https://doi.org/10.1039/d4tb02512a>
59. Konthoujam, B., Bhandari, N., Kamal, M. P., Srinivas, P. N., Thati, B., Bondugula, P., Reddy, P., Antaratani, R. C., Kadavinti, N., Shukla, S., & Ghosh, R. (2024). Reduced graphene oxide based ultrasensitive resistive sensor for detection of CA125. *Biosensors and Bioelectronics X*, 20, 100530. <https://doi.org/10.1016/j.biosx.2024.100530>
60. Kulkarni, S., & Ghosh, R. (2024a). Development of 2D cuo based chemiresistive sensors for detecting binary mixture of volatile organic compounds and investigation of the adsorption kinetics via Eley-Rideal mechanism. *Applied Surface Science*, 665, 160328. <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2024.160328>
61. Kulkarni, S., & Ghosh, R. (2024b). Selective discrimination and accurate quantification of five target vapors among multiple vapors using 2D cuo and Co3O4 sensors. *Physica Scripta*, 99(9), 095999. <https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad6f56>
62. Kulkarni, S., & Ghosh, R. (2024c). Ultra-sensitive CuAl₂O₄ Nanoflakes for ppb level detection of Isopropanol. *Ceramics International*, 50(22), 46356–46363. <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2024.08.481>
63. Kumar, A., Rani, S., & Ghosh, D. S. (2024). Kitchen-grade aluminium foil as dual-purpose substrate-cum-electrode for ultrathin, ultralight, and bendable perovskite solar cells. *Solar Energy Materials and Solar Cells*, 268, 112737. <https://doi.org/10.1016/j.solmat.2024.112737>
64. Kumar, S., Bhandari, N., Shukla, S., & Ghosh, R. (2024). Reduced graphene oxide/gold nanoparticles based ultrasensitive resistive sensor for PCA3. *Biosensors and Bioelectronics X*, 18, 100481. <https://doi.org/10.1016/j.biosx.2024.100481>
65. Kumar, V. (2024). The transcendence of growth constants associated with polynomial recursions. *International Journal of Number Theory*, 20(05), 1373–1382. <https://doi.org/10.1142/s1793042124500672>
66. Kumar, V., Mudakavi, D., Sreesha, R. B., Ladakhan, S. H., & Adinarayanappa, S. M. (2023). Investigation of mechanical behavior of Nano-Alumina-Reinforced Polylactic Acid Composite through Micro-mechanism approach. *Journal of Materials Engineering and Performance*. <https://doi.org/10.1007/s11665-023-08589-8>
67. Kumar, V., Veer, P., Rayasam, S., & Adinarayanappa, S. M. (2023). Experimental investigation of fracture behavior of 3D printed nano-alumina reinforced polylactic acid composites using Compact-Tension tests and infrared thermography. *Journal of Materials Engineering and Performance*, 34(1), 566–575. <https://doi.org/10.1007/s11665-023-09066-y>
68. Kumari, S., Singh, R., Kumar, S., Murty, N. V. L. N., Planson, D., Raynaud, C., Sonneville, C., Morel, H., Phung, L. V., Ngo, T. H., De Mierry, P., Frayssinet, E., Cordier, Y., Maher, H., Sommet, R., Nallatamby, J., & Raja, P. V. (2024). Electrical characteristics and trap signatures for Schottky barrier diodes on 4H-sic, gan-on-gan, algan/gan epitaxial substrates. *Semiconductor Science and Technology*, 39(6), 065016. <https://doi.org/10.1088/1361-6641/ad4a65>

अनुसंधान और विकास

69. Kundu, S., Gorthala, G., & Ghosh, R. (2024). Room Temperature Detection of H₂S by Two Dimensional WS₂ based Chemiresistive Sensors. *Sensors and Actuators B Chemical*, 416, 136018. <https://doi.org/10.1016/j.snb.2024.136018>
70. Kundu, S., Guruprasad, G., & Ghosh, R. (2024). Room Temperature H₂S sensing by RGO-MOS₂ Composite. *IEEE Sensors Letters*, 8(4), 1–4. <https://doi.org/10.1109/lens.2024.3373237>
71. Ladakhan, S. H., Sreesha, R. B., & Adinarayanappa, S. M. (2024). 4D printing of polylactic acid (PLA)/PLA-thermoplastic polyurethane (TPU)-based metastructure: examining the mechanical, thermal, and shape memory properties. *Smart Materials and Structures*, 33(10), 105037. <https://doi.org/10.1088/1361-665x/ad7c0a>
72. Lakshmi, K. P. J., Raghavendra, C. R., Sogalad, I., & Basavarajappa, S. (2024). Study on high-temperature erosive wear behaviour, surface roughness and scratch resistance of nicaly-based composite coating. *Bulletin of Materials Science*, 47(3). <https://doi.org/10.1007/s12034-024-03212-5>
73. Lohit, S., Gaonkar, A. K., & Gotkhindi, T. P. (2024). Anisotropic hygrothermal fracture mechanics in orthotropic materials: A novel efficient interpolating modified MLS-based EFGM employing radial basis function. *Composite Structures*, 334, 117968. <https://doi.org/10.1016/j.compstruct.2024.117968>
74. Mahdi, S. N., Kolambekodi, K., Arul, R., Kataware, A. V., Nawaukkaratharnant, N., & Nagaratnam, B. (2024). Optimizing aggregate selection and mineral additive to enhance the Elasto-Mechanical aspects of High-Performance concrete. *Engineered Science*. <https://doi.org/10.30919/es1270>
75. Malladi, B. P., Venkateshwaran, A., & Nayaka, R. R. (2024). Design and economic implications of using steel fibers in elevated slabs of multi-story buildings. *Structural Concrete*, 26(1), 162–178. <https://doi.org/10.1002/suco.202300606>
76. Mazorchuk, V., & Srivastava, S. (2024). KRONECKER COEFFICIENTS FOR (DUAL) SYMMETRIC INVERSE SEMIGROUPS. *Journal of the Australian Mathematical Society*, 118(1), 65–90. <https://doi.org/10.1017/s1446788724000119>
77. Mishra, J., & Prasanna, S. M. (2024a). Generative attention based framework for implicit language change detection. *Digital Signal Processing*, 154, 104678. <https://doi.org/10.1016/j.dsp.2024.104678>
78. Mishra, J., & Prasanna, S. R. M. (2024b). Spoken language change Detection inspired by speaker Change Detection. *Circuits Systems and Signal Processing*, 43(10), 6373–6398. <https://doi.org/10.1007/s00034-024-02743-w>
79. Mudakavi, D., G, K., Varsha, P., & Adinarayanappa, S. M. (2024). Synthesis and characterization of additively manufactured microcapsule-reinforced polylactic acid composites for autonomous self-healing. *Polymer Engineering and Science*, 64(10), 5085–5094. <https://doi.org/10.1002/pen.26903>
80. Mudakavi, D., Sreesha, R. B., Thanumoolthy, R. S., Anar, S., R, A. K., Simhambhatla, S., Bontha, S., & Adinarayanappa, S. M. (2024). Sequential hybridisation of wire and powder-based additive manufacturing of Inconel 718: Mechanical and microstructural characterization. *Materials Science and Engineering A*, 903, 146639. <https://doi.org/10.1016/j.msea.2024.146639>
81. Muddebihal, A., Gouda, P. S. S., Uppin, V. S., Edacherian, A., Patil, S., Joshi, P., & A, S. M. (2024). Performance of glass epoxy composites under combined effect of in-plane fiber waviness with circular cutout through tensile test, and image processing technique. *Polymer Composites*, 46(3), 2803–2814. <https://doi.org/10.1002/pc.29141>
82. Nandi, S., Sen, S., & Taruni, S. (2024). On Coloring Parameters of Triangle-Free Planar (n, m)-Graphs. *Graphs and Combinatorics*, 40(6). <https://doi.org/10.1007/s00373-024-02851-z>
83. Nipate, A. B., K, A. R., & Malakalapalli, R. R. (2024). Synthesis and electrochromic properties of Ferrocene-Aryl Dicyanovinylene-Based Donor–Acceptor Systems. *The Journal of Organic Chemistry*, 90(1), 557–569. <https://doi.org/10.1021/acs.joc.4c02476>
84. Nipate, A. B., Kamble, A. V., & Rao, M. R. (2024). Electron-Deficient Indenofluorene-Based systems: multicolor and Visible-To-Near-Infrared (NIR) electrochromism and OFF-OFF-ON electrofluorochromism. *Chemistry - an Asian Journal*, 20(2), e202401095. <https://doi.org/10.1002/asia.202401095>
85. Panda, J., & Parashari, G. S. (2024a). Empirical evaluation of agricultural resilience to climate change: an application to the Indian state of Odisha. *Theoretical and Applied Climatology*, 155(9), 8681–8702. <https://doi.org/10.1007/s00704-024-05154-8>

अनुसंधान और विकास

86. Panda, J., & Parashari, G. S. (2024b). The climatic impacts on rice yield in the Indian state of Odisha: an application of Just-Pope production function and quantile regression. *Environmental Monitoring and Assessment*, 197(1), 31. <https://doi.org/10.1007/s10661-024-13483-4>
87. Patra, N. R., Sethi, S. K., Garg, R., Goel, A. R., Negi, Y. S., & Parida, K. (2024). Van der Waals interactions enhanced multiple-times all-waste-recycled triboelectric nanogenerator for ultra-high lifetime stability. *Nano Energy*, 130, 110168. <https://doi.org/10.1016/j.nanoen.2024.110168>
88. Pattanashetti, A., & Santhosh, R. (2024). Experimental and numerical investigation of Methane/Air and Biogas/Air coflow flames in a confined coaxial burner. *Journal of Thermal Science and Engineering Applications*, 16(8). <https://doi.org/10.1115/1.4065470>
89. Paul, A., B, S. R., & Kulkarni, S. (2024). Review of coupled inductors in power electronics: From concept to practice. *E-Prime - Advances in Electrical Engineering Electronics and Energy*, 8, 100501. <https://doi.org/10.1016/j.prime.2024.100501>
90. PD, P., & Sopena, É. (2024). On the oriented achromatic number of graphs. *Discrete Applied Mathematics*, 347, 48–61. <https://doi.org/10.1016/j.dam.2023.12.021>
91. Pinjari, S. D., Dutta, R. C., Chen, S., Mudavath, P., Huang, X., Bell, J., Bhatia, S. K., Nanjundan, A. K., & Gaddam, R. R. (2024). Site-selective Mg-doping regulated charge storage in $\text{NaFe}_2\text{PO}_4(\text{SO}_4)_2$ for high energy sodium-ion batteries. *Chemical Engineering Journal*, 493, 152485. <https://doi.org/10.1016/j.cej.2024.152485>
92. Pinjari, S. D., Dutta, R. C., Parshanaboina, S., Mudavath, P., Singha, S., Dubal, D., Wang, X., Bell, J., Nanjundan, A. K., & Gaddam, R. R. (2024). Multivalent cation substitution boosted sodium-ion storage in NASICON-type iron-phospho-sulphate cathodes. *Chemical Engineering Journal*, 502, 157979. <https://doi.org/10.1016/j.cej.2024.157979>
93. Raize, A., Kumari, P., Sontti, S. G., & Atta, A. (2023). Insights into the bubble formation dynamics in converging shape microchannels using CLSVOF method. *Chemical Product and Process Modeling*, 19(2), 179–192. <https://doi.org/10.1515/cppm-2023-0030>
94. Rani, S., Kumar, A., Chauhan, A. K., & Ghosh, D. S. (2025). Hybrid top transparent electrode for infrared-transparent bifacial perovskite solar cells. *Journal of Photonics for Energy*, 15(01). <https://doi.org/10.1117/1.jpe.15.015501>
95. Reji, H. M., Hegde, H. S., & Prabhu, R. (2024). Conditions for separability in multiqubit systems with an accelerating qubit using a conditional entropy. *Physical Review A/Physical Review A*, 110(3). <https://doi.org/10.1103/physreva.110.032403>
96. Revankar, A. G., Bagewadi, Z. K., Shaikh, I. A., Dhananjaya, G., Mahanta, N., Khan, A. A., Bochageri, N. P., & Mannasaheb, B. A. (2024). Molecular analysis of recombinant collagenase from *Bacillus siamensis* strain Z1: Gene Cloning, expression and in-silico characterization. *Arabian Journal of Chemistry*, 17(9), 105942. <https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2024.105942>
97. Saikia, D., Tanan, C. B., Dhananjaya, G., Hungund, B. S., Mahanta, N., & Singh, S. P. (2024). Validating phosphoethanolamine modification as a potential spectral marker of colistin resistance. *The Analyst*, 150(2), 281–289. <https://doi.org/10.1039/d4an01228c>
98. Saikia, D., Vijay, A., Bhanwarlal, T. C., & Singh, S. (2024). Validating the utility of heavy water (Deuterium Oxide) as a potential Raman spectroscopic probe for identification of antibiotic resistance. *Spectrochimica Acta Part a Molecular and Biomolecular Spectroscopy*, 321, 124723. <https://doi.org/10.1016/j.saa.2024.124723>
99. Sam, L. (2024). Investigating the Interrelationship between the Desire for a Cohesive Community and Opioid Abuse: A Neuropsychological Study of Demon Copperhead. *American, British and Canadian Studies*, 42(1), 119–139. <https://doi.org/10.2478/abcsj-2024-0007>
100. Santhosh, R., Pattanashetti, A., & Yadav, R. (2024). Confinement effect on recirculation structures in isothermal coaxial swirling jet. *Experimental Thermal and Fluid Science*, 155, 111208. <https://doi.org/10.1016/j.expthermflusci.2024.111208>
101. Sarkar, S., & Hegde, A. (2024). Performance evaluation of steel slag and construction and demolition waste as reinforced earth backfill materials under cyclic loading conditions. *International Journal of Geosynthetics and Ground Engineering*, 10(3). <https://doi.org/10.1007/s40891-024-00549-z>

अनुसंधान और विकास

102. Sarkar, S., & Hegde, A. (2025). Reliability assessment of steel slag and construction waste backfill for reinforced earth structures using response surface method. *SOILS AND FOUNDATIONS*, 65(1), 101569. <https://doi.org/10.1016/j.sandf.2025.101569>
103. Satyannarayana, R., & Rajesh, B. G. (2023). Estimation of seismic ground motions using deterministic seismic hazard Analysis for Amaravati City, India. *Indian Geotechnical Journal*, 54(4), 1235–1253. <https://doi.org/10.1007/s40098-023-00801-9>
104. Satyannarayana, R., & Rajesh, B. G. (2024). Spatial variation of earthquake hazard for Amaravati city of peninsular India: A probabilistic approach. *Journal of Earthquake and Tsunami*, 18(06). <https://doi.org/10.1142/s1793431124500210>
105. Shaikh, H., Siddapureddy, S., & Prabhu, S. (2024). Measurement of local Nusselt number and local recovery factor for impinging multiple compressible jets. *Experimental Thermal and Fluid Science*, 160, 111320. <https://doi.org/10.1016/j.expthermflusci.2024.111320>
106. Sharma, S., Sontti, S. G., Zhang, W., Nikrityuk, P., & Zhang, X. (2024). Numerical investigation on solids settling in a non-Newtonian slurry inside a horizontal flume. *Physics of Fluids*, 36(7). <https://doi.org/10.1063/5.0209608>
107. Singh, C., Manjunath, H., Sudhakaran, A., Bembalge, O. B., Torrejos, R. E., Norrrahim, M. N. F., & Jadhav, A. H. (2024). Unleashing the potential of N-doped metal-free bi-functional hollow carbon spheres: Catalyst for environmental conservation and advancing sustainable energy solutions. *Fuel*, 374, 132457. <https://doi.org/10.1016/j.fuel.2024.132457>
108. Singh, R., Kulkarni, S., & Ghosh, R. (2024). Nickel oxide nanoflowers based resistive sensors for detecting methyl salicylate and linalool. *Physica Scripta*, 100(1), 015045. <https://doi.org/10.1088/1402-4896/ad9ef2>
109. Sinha, N. K., Ghosh, D. S., & Khare, A. (2024). Highly efficient, low-cost, lead-free bifacial perovskite solar cells: A designing strategy through simulation. *Next Materials*, 4, 100219. <https://doi.org/10.1016/j.nxmate.2024.100219>
110. Sinha, N. K., Roy, P., Ghosh, D. S., & Khare, A. (2024). Performance optimization of ETL-free bifacial perovskite solar cells for flexible devices: A simulation study. *Next Energy*, 4, 100143. <https://doi.org/10.1016/j.nxener.2024.100143>
111. Sushil, K., Sharma, V., Jha, S. K., Chandraprakash, C., & Ramkumar, J. (2024). Effect of process parameters on the roughness and wetting characteristics of SS304 surfaces using electrolytic and plasma electrolytic polishing techniques. *Journal of the Electrochemical Society*, 171(6), 063508. <https://doi.org/10.1149/1945-7111/ad590c>
112. Tharakan, K. S., Bharath, B. N., Bhatia, V., Nebhen, J., Dobrovolny, M., & Ratnarajah, T. (2022). Wireless edge caching and content popularity prediction using machine learning. *IEEE Consumer Electronics Magazine*, 13(4), 32–41. <https://doi.org/10.1109/mce.2022.3160585>
113. Vellanki, L., M, R. R., Vibhuti, R. M., Nipate, A. B., & Jose, D. M. (2024). Croconic Acid integrated zwitterionic conjugated porous polymer for effective iodine adsorption. *Chemistry - an Asian Journal*, 19(23), e202400808. <https://doi.org/10.1002/asia.202400808>
114. Venkatareddy, V. K., Parsimehr, H., Ignaszak, A., & M, R. R. (2024). Near-IR absorbing tetraene-linked π -conjugated porous polymers for energy storage and electrical conductivity. *Chemical Communications*, 61(1), 125–128. <https://doi.org/10.1039/d4cc05074f>
115. Verma, P. K., & Shrikanth, V. (2024). A Two-Part Analytical Solution for the Shock Response Spectrum with Coulomb Damping. *Journal of Vibration Engineering & Technologies*, 12(7), 7459–7470. <https://doi.org/10.1007/s42417-024-01307-1>
116. Westerberg, A., Boggavarapu, S. R., & Eriksson, S. (2024). Anisotropic model of nonlinear permanent magnets in finite element method software. *Journal of Magnetism and Magnetic Materials*, 611, 172597. <https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2024.172597>
117. Yadav, S., Panda, S., & Hachem-Vermette, C. (2024). Assessment of year-round performance of SPVT greenhouse system with EAHE employing periodic thermal model. *Solar Energy*, 282, 112941. <https://doi.org/10.1016/j.solener.2024.112941>
118. Yogeshwar, D., Repaka, R., & Marath, N. K. (2024). A double serpentine channel liquid cooling plate for hotspot targeted cooling of lithium-ion batteries in a battery module. *International Journal of Thermal Sciences*, 209, 109521. <https://doi.org/10.1016/j.ijthermalsci.2024.109521>

अनुसंधान और विकास

- 119.Zhao, M., Barua, A. K., Lowengrub, J. S., Ying, W., & Li, S. (2024). A three-layer Hele-Shaw problem driven by a sink. *Journal of Fluid Mechanics*, 998. <https://doi.org/10.1017/jfm.2024.688>
- 120.Citrin, K. M., Chaube, B., Fernández-Hernando, C., & Suárez, Y. (2024). Intracellular endothelial cell metabolism in vascular function and dysfunction. *Trends in Endocrinology and Metabolism*, 36(8), 744–755. <https://doi.org/10.1016/j.tem.2024.11.004>
- 121.Levesque, M. V., Cartier, A., Lin, Y., Sah, R. K., Zhang, H., Chaube, B., Bhaumik, M., Körbelin, J., Suárez, Y., Fernández-Hernando, C., & Hla, T. (2025). Inflamed endothelial cells express S1PR1 inhibitor CD69 to induce vascular leak. *Journal of Biological Chemistry*, 301(8), 110455. <https://doi.org/10.1016/j.jbc.2025.110455>
- 122.Henjarappa, K. P., Das, S., Giriraju, D., Jana, S., & Mahanta, N. (2025). Pseudouridimycin biosynthesis: Biochemical Characterization of the Glucose–Methanol–Choline (GMC) family Oxidoreductase, PUMI. *Biochemistry*, 64(17), 3718–3734. <https://doi.org/10.1021/acs.biochem.5c00177>
- 123.Ilsaksen, I., Jana, S., Payne, C. M., Bissaro, B., & Røhr, Å. K. (2024). The rotamer of the second-sphere histidine in AA9 lytic polysaccharide monooxygenase is pH dependent. *Biophysical Journal*, 123(9), 1139–1151. <https://doi.org/10.1016/j.bpj.2024.04.002>
- 124.Jammula, M., & Sontti, S. G. (2025). High-throughput controlled droplets generation through a flow-focusing microchannel in shear-thinning fluids. *Physics of Fluids*, 37(7). <https://doi.org/10.1063/5.0272678>
- 125.Kanwade, A. R., Satrughna, J. a. K., Rajore, S. M., Pawar, P., Mali, S. S., Patil, J. V., Hong, C. K., Dutta, R. C., & Shirage, P. M. (2025). Heteroatom doping strategy for enhanced Sodium-Ion storage in NA2FE1.5MN1.5(PO4)3. *Small*, 21(34), e2502979. <https://doi.org/10.1002/smll.202502979>
- 126.Monsalve-Bravo, G. M., Dutta, R. C., Zuluaga-Bedoya, C. C., Adams, M. P., Smart, S., Konarova, M., & Bhatia, S. K. (2023). Interpreting gas sorption isotherms in glassy polymers using a Bayesian framework: A view on parameter uncertainty propagation into mixture sorption predictions. *Journal of Membrane Science*, 689, 122159. <https://doi.org/10.1016/j.memsci.2023.122159>
- 127.Pinjari, S. D., Mudavath, P., Dutta, R. C., Pal, I., Kundu, D., Parshanaboina, S., Singh, A. K., Nanjundan, A. K., & Gaddam, R. R. (2025). Single-Phase Solid-Solution reaction facilitated Sodium-Ion storage in Indium-Substituted monoclinic Sodium-Iron phosphomolybdate cathodes. *Small*, 21(18), e2501004. <https://doi.org/10.1002/smll.202501004>
- 128.Sontti, S. G., & Zhang, X. (2023). Numerical Insights from a Population Balance Model into the Distribution of Bitumen Residues in Industrial Horizontal Pipes During the Hydrotransport of Oil Sands Tailings. *Industrial & Engineering Chemistry Research*, 63(1), 691–705. <https://doi.org/10.1021/acs.iecr.3c03140>
- 129.Zhou, K., Fattahi, M., Sontti, S. G., & Zhang, X. (2025). Advances in microbubble-based separation technologies for microplastics removal from water. *Journal of Environmental Chemical Engineering*, 13(3), 116499. <https://doi.org/10.1016/j.jece.2025.116499>
- 130.Zhou, K., Sharma, S., Sontti, S. G., & Zhang, X. (2024). Experimental and numerical study of microbubble-enhanced separation of aged microplastics in a slurry flow. *Separation and Purification Technology*, 359, 130298. <https://doi.org/10.1016/j.seppur.2024.130298>
- 131.Zuluaga-Bedoya, C. C., Dutta, R. C., Monsalve-Bravo, G. M., & Bhatia, S. K. (2024). Influence of polymer support on gas transport in ultrathin zeolite membranes. *Journal of Membrane Science*, 697, 122510. <https://doi.org/10.1016/j.memsci.2024.122510>
- 132.Benny, A., Chandran, S., Kalayappan, R., Phawade, R., & Kurur, P. P. (2024). FARM-LTL: a Domain-Specific architecture for flexible and accelerated runtime monitoring of LTL properties. In *Lecture notes in computer science* (pp. 109–127). https://doi.org/10.1007/978-3-031-74234-7_7
- 133.Nande, S. S., Habibie, M. I., Ghadimi, M., Garbugli, A., Kondepu, K., Bassoli, R., & Fitzek, F. H. P. (2025). Integrating quantum synchronization in future generation networks. *Scientific Reports*, 15(1), 7617. <https://doi.org/10.1038/s41598-025-92038-0>
- 134.Foucaud, F., Marcille, C., Myint, Z. M., Sandeep, R., Sen, S., & Taruni, S. (2025). Bounds and extremal graphs for monitoring edge-geodetic sets in graphs. *Discrete Applied Mathematics*, 366, 106–119. <https://doi.org/10.1016/j.dam.2024.12.032>

अनुसंधान और विकास

- 135.Zhao, M., Barua, A. K., Lowengrub, J. S., Ying, W., & Li, S. (2024). A three-layer Hele-Shaw problem driven by a sink. *Journal of Fluid Mechanics*, 998. <https://doi.org/10.1017/jfm.2024.688>
- 136.Citrin, K. M., Chaube, B., Fernández-Hernando, C., & Suárez, Y. (2024). Intracellular endothelial cell metabolism in vascular function and dysfunction. *Trends in Endocrinology and Metabolism*, 36(8), 744–755. <https://doi.org/10.1016/j.tem.2024.11.004>
- 137.Levesque, M. V., Cartier, A., Lin, Y., Sah, R. K., Zhang, H., Chaube, B., Bhaumik, M., Körbelin, J., Suárez, Y., Fernández-Hernando, C., & Hla, T. (2025). Inflamed endothelial cells express S1PR1 inhibitor CD69 to induce vascular leak. *Journal of Biological Chemistry*, 301(8), 110455. <https://doi.org/10.1016/j.jbc.2025.110455>
- 138.Henjarappa, K. P., Das, S., Giriraju, D., Jana, S., & Mahanta, N. (2025). Pseudouridimycin biosynthesis: Biochemical Characterization of the Glucose–Methanol–Choline (GMC) family Oxidoreductase, PUMI. *Biochemistry*, 64(17), 3718–3734. <https://doi.org/10.1021/acs.biochem.5c00177>
- 139.Ilsaksen, I., Jana, S., Payne, C. M., Bissaro, B., & Røhr, Å. K. (2024). The rotamer of the second-sphere histidine in AA9 lytic polysaccharide monooxygenase is pH dependent. *Biophysical Journal*, 123(9), 1139–1151. <https://doi.org/10.1016/j.bpj.2024.04.002>
- 140.Jammula, M., & Sontti, S. G. (2025). High-throughput controlled droplets generation through a flow-focusing microchannel in shear-thinning fluids. *Physics of Fluids*, 37(7). <https://doi.org/10.1063/5.0272678>
- 141.Kanwade, A. R., Satrughna, J. a. K., Rajore, S. M., Pawar, P., Mali, S. S., Patil, J. V., Hong, C. K., Dutta, R. C., & Shirage, P. M. (2025). Heteroatom doping strategy for enhanced Sodium-Ion storage in NA2FE1.5MN1.5(PO4)3. *Small*, 21(34), e2502979. <https://doi.org/10.1002/smll.202502979>
- 142.Monsalve-Bravo, G. M., Dutta, R. C., Zuluaga-Bedoya, C. C., Adams, M. P., Smart, S., Konarova, M., & Bhatia, S. K. (2023). Interpreting gas sorption isotherms in glassy polymers using a Bayesian framework: A view on parameter uncertainty propagation into mixture sorption predictions. *Journal of Membrane Science*, 689, 122159. <https://doi.org/10.1016/j.memsci.2023.122159>
- 143.Pinjari, S. D., Mudavath, P., Dutta, R. C., Pal, I., Kundu, D., Parshanaboina, S., Singh, A. K., Nanjundan, A. K., & Gaddam, R. R. (2025). Single-Phase Solid-Solution reaction facilitated Sodium-Ion storage in Indium-Substituted monoclinic Sodium-Iron phosphomolybdate cathodes. *Small*, 21(18), e2501004. <https://doi.org/10.1002/smll.202501004>
- 144.Sontti, S. G., & Zhang, X. (2023). Numerical Insights from a Population Balance Model into the Distribution of Bitumen Residues in Industrial Horizontal Pipes During the Hydrotransport of Oil Sands Tailings. *Industrial & Engineering Chemistry Research*, 63(1), 691–705. <https://doi.org/10.1021/acs.iecr.3c03140>
- 145.Zhou, K., Fattahi, M., Sontti, S. G., & Zhang, X. (2025). Advances in microbubble-based separation technologies for microplastics removal from water. *Journal of Environmental Chemical Engineering*, 13(3), 116499. <https://doi.org/10.1016/j.jece.2025.116499>
- 146.Zhou, K., Sharma, S., Sontti, S. G., & Zhang, X. (2024). Experimental and numerical study of microbubble-enhanced separation of aged microplastics in a slurry flow. *Separation and Purification Technology*, 359, 130298. <https://doi.org/10.1016/j.seppur.2024.130298>
- 147.Zuluaga-Bedoya, C. C., Dutta, R. C., Monsalve-Bravo, G. M., & Bhatia, S. K. (2024). Influence of polymer support on gas transport in ultrathin zeolite membranes. *Journal of Membrane Science*, 697, 122510. <https://doi.org/10.1016/j.memsci.2024.122510>
- 148.Benny, A., Chandran, S., Kalayappan, R., Phawade, R., & Kurur, P. P. (2024). FARM-LTL: a Domain-Specific architecture for flexible and accelerated runtime monitoring of LTL properties. In *Lecture notes in computer science* (pp. 109–127). https://doi.org/10.1007/978-3-031-74234-7_7
- 149.Nande, S. S., Habibie, M. I., Ghadimi, M., Garbugli, A., Kondepu, K., Bassoli, R., & Fitzek, F. H. P. (2025). Integrating quantum synchronization in future generation networks. *Scientific Reports*, 15(1), 7617. <https://doi.org/10.1038/s41598-025-92038-0>
- 150.Foucaud, F., Marcille, C., Myint, Z. M., Sandeep, R., Sen, S., & Taruni, S. (2025). Bounds and extremal graphs for monitoring edge-geodetic sets in graphs. *Discrete Applied Mathematics*, 366, 106–119. <https://doi.org/10.1016/j.dam.2024.12.032>

अनुसंधान और विकास

151. Hegde, A. (2024). Mitigation of ground vibrations using geocells: a mini-review. *Frontiers in Built Environment*, 10. <https://doi.org/10.3389/fbuil.2024.1428871>
152. Idris, N. a. M., Ganasan, R., Ismail, A. H., Omran, M. K., Ngadiron, Z., Nayaka, R., & Hosen, A. (2024). Investigation into Discrepancies in Alignment and Levelling of Precast Segmental Box Girders (SBGs) During Launching for LRT 3, from Bandar Utama to Johan Setia (Package GS10). *Journal of Advanced Industrial Technology and Application*, 5(1). <https://doi.org/10.30880/jaita.2024.05.01.001>
153. Jauhari, N., Hegde, A., & Chakrabortty, P. (2025). Geosynthetic-Based barrier system for mitigating ground vibrations. *Indian Geotechnical Journal*, 55(4), 2348–2356. <https://doi.org/10.1007/s40098-025-01261-z>
154. Mandala, R. S. K., & Nayaka, R. R. (2023). A state of art review on time, cost and sustainable benefits of modern construction techniques for affordable housing. *Construction Innovation*, 25(2), 363–380. <https://doi.org/10.1108/ci-03-2022-0048>
155. Mandloi, S., Thomas, T., Jayakumar, K. V., Lohani, A. K., Patel, L., & Pathak, R. (2025). Climate Change Impact Assessment on the hydrology of Shakkar River Watershed using Hydrologic Engineering Center-Hydrologic Modeling System (HEC-HMS). In Lecture notes in civil engineering (pp. 387–404). https://doi.org/10.1007/978-981-97-9180-4_25
156. Rajaram, C., Vemuri, J. P., Rambha, S., & Bande, G. R. (2025). A comparative study of ground motion parameters at bedrock and surface level in Kathmandu Basin. *Natural Hazards*, 121(8), 9543–9562. <https://doi.org/10.1007/s11069-025-07181-8>
157. Rajesh, R. S. B. G. (2024). Equivalent-Linear and Nonlinear seismic ground response analysis of important sites in Amaravati capital region, Andhra Pradesh, India. NRCT Data Center. <https://doi.org/10.14456/seagj.2024.6>
158. Sarkar, S., & Hegde, A. (2023). Stress–Dilatancy and Critical-State behavior of Geogrid-Reinforced recycled waste materials. *Journal of Hazardous Toxic and Radioactive Waste*, 28(1). <https://doi.org/10.1061/jhtbp.hzeng-1257>
159. Seenu, P. Z., Sudhan, C. M., & Jayakumar, K. V. (2024). Mitigating Urban floods through Low impact Development Techniques: A Comprehensive study of biological and structural best management Practices. In Water science and technology library (pp. 375–384). https://doi.org/10.1007/978-3-031-62079-9_21
160. Shaji, S., Gade, V. K., Sundaram, B., & Bande, G. R. (2024). Evaluating the effectiveness of xanthan gum biopolymer as a soil stabiliser. *Indian Geotechnical Journal*, 55(5), 2909–2919. <https://doi.org/10.1007/s40098-024-01092-4>
161. Suryawanshi, S., Bhagat, N., Hadole, H., & Kataware, A. (2024). Moisture damage resistance of pyro-oil modified bitumen with hydrated lime using surface free energy approach. *Journal of Adhesion Science and Technology*, 38(21), 4037–4059. <https://doi.org/10.1080/01694243.2024.2361049>
162. Suryawanshi, S., & Kataware, A. (2025a). Investigating moisture susceptibility of lignin modified asphalt binders with natural aggregates using surface free energy analysis. *Nondestructive Testing and Evaluation*, 1–25. <https://doi.org/10.1080/10589759.2025.2457574>
163. Suryawanshi, S., & Kataware, A. (2025b). Adhesion characteristics of natural aggregate or slag with water based warm mix asphalt modified binder using surface free energy method. *Journal of Adhesion Science and Technology*, 1–25. <https://doi.org/10.1080/01694243.2025.2460645>
164. Suryawanshi, S., Kataware, A., & Radhakrishnan, V. (2024). Assessing bonding and debonding properties of Evotherm modified bitumen with natural aggregates using surface free energy approach. *The Journal of Adhesion*, 101(8), 1061–1095. <https://doi.org/10.1080/00218464.2024.2413000>
165. Suryawanshi, S., Tirumali, A. K., Kataware, A., Chowdary, V., & Radhakrishnan, V. (2025). Evaluating bonding-debonding properties and moisture susceptibility of chemical-based warm mix asphalt binder and mixes. *Road Materials and Pavement Design*, 26(10), 2607–2632. <https://doi.org/10.1080/14680629.2025.2460474>
166. Yadav, S., Vermette, C., Jilani, M. H., & Desthieux, G. (2024). Design and modeling of PV-integrated Double Skin Facades and application to retrofit buildings. *Solar Energy Advances*, 4, 100067. <https://doi.org/10.1016/j.seja.2024.100067>

अनुसंधान और विकास

संस्थान नवाचार परिषद

आईआईटी धारवाड की संस्थान इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) का उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना है। शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के दृष्टिकोण के अनुरूप, आईआईसी आईआईटी धारवाड ने रचनात्मकता को प्रेरित करने, उद्यमशीलता कौशल विकसित करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। परिषद ने छात्रों को परामर्शदाताओं से जोड़ने और अभिनव विचारों को व्यवहार्य उद्यमशीलता उद्यमों में पोषित करने के लिए एक मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह रिपोर्ट वर्ष के लिए आईआईसी आईआईटी धारवाड की प्रमुख पहलों, घटनाओं और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है।

ई-शिखर सम्मेलन 2024

आईआईसी, ई-शिखर सम्मेलन 2024 के प्रमुख कार्यक्रम ने उद्यमिता, डिजाइन और नवाचार पर चर्चा में शामिल होने के लिए उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, छात्रों और उद्योग के नेताओं को एक साथ लाया। इस बहु-दिवसीय कार्यक्रम में सहयोग, नेटवर्किंग और विचार साझाकरण को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल थी।

- **ई-शिखर सम्मेलन'24**

उद्योग सम्मेलन का उद्घाटन आईआईटी धारवाड में ई-शिखर सम्मेलन 2024 के हिस्से के रूप में हुआ। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें निदेशक वेंकप्प्या आर. देसाई, प्रोफेसर अमर गांवकर (आईआईसी के संयोजक) और अन्य शैक्षणिक और औद्योगिक हस्तियों सहित उल्लेखनीय अतिथि शामिल थे। सत्र में जैव-ऊष्मायन, जैव अर्थव्यवस्था के विकास और जैव प्रौद्योगिकी में सहयोगात्मक अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इसने वैश्विक जैव-भारत 2024 के विषय पर भी प्रकाश डाला, "जीवन को बदलना: जैव विज्ञान से जैव अर्थव्यवस्था।"



- **टेक्नोस्ट्रॉप**

टेक्नो स्ट्रोफ क्विज को उद्यमिता, स्टार्टअप, वित्त और व्यवसाय के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान और समझ का परीक्षण और सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम का लक्ष्य इन क्षेत्रों में जागरूकता और रुचि बढ़ाना और प्रतिभागियों को अपने उद्यमशीलता और वित्तीय कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। जो व्यक्ति तकनीकी स्ट्रोफ प्रश्नोत्तरी लेते हैं, वे नवीनतम व्यावसायिक रुझानों में अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं अभ्यास और चुनौतियां, साथ ही सफल उद्यमियों और व्यावसायिक नेताओं के अनुभवों से सीखें।

- **बग ढूँढ़ें**

"द बग खोजें" का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों की समस्या-समाधान और विश्लेषणात्मक कौशल का आकलन करना था। उन्हें केस स्टडी का विश्लेषण करने में मदद करने के लिए। उनके संचार और प्रस्तुति कौशल को बढ़ाने के लिए। "केस स्टडीज, जैसे कि ""बग खोजें,"" छात्रों को अपने व्यापक ज्ञान को बढ़ाने में मदद करते हैं।" यह ई शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख कार्यक्रम था, जहां छात्रों को एक काल्पनिक कंपनी के सामने आने वाली समस्याओं का सामना करना पड़ा और कंपनी को लाभप्रदता में लौटने में मदद करने के लिए रणनीतियों का सुझाव देने के लिए कहा गया। 'डिड द बग' अभ्यास के संचालन से छात्रों को उद्यमिता की अवधारणा को समझने में मदद मिली। इससे उन्हें उद्यमिता के क्षेत्र में अपने ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिली।

अनुसंधान और विकास

• सभी के लिए वित्त - टॉक सीरीज 2.0

इस वार्ता का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना है, जो आज के जटिल वित्तीय परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कौशल है। जितना अधिक लोग धन प्रबंधन, बजट और निवेश के बारे में जानते हैं, वे बेहतर वित्तीय निर्णय लेने के लिए सुसज्जित होते हैं। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को शिक्षा और जानकारी प्रदान करना है जिनके पास वित्त, निवेश और व्यक्तिगत धन प्रबंधन में एक मजबूत पृष्ठभूमि की कमी हो सकती है। इस श्रृंखला का उद्देश्य लोगों को उनके वित्तीय जीवन के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाना है।



• रणनीति

इस रणनीति का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी माहौल में क्रिकेट के उत्साही लोगों को शामिल करना है, दो दौर की घटना के माध्यम से उनके ज्ञान और रणनीतिक सोच का परीक्षण करना है।



• आइडिया

स्टार्टअप के विचार चरण को बढ़ावा देना और वित्तीय सहायता प्रदान करना उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रारंभिक मंथन और विकास चरणों का समर्थन करके, स्टार्टअप अपने विचारों को परिष्कृत कर सकते हैं और व्यवहार्य व्यवसाय मॉडल बना सकते हैं। वित्तीय सहायता इन स्टार्टअप को अपने संचालन को बढ़ाने में सक्षम बनाती है, आवश्यक संसाधनों में निवेश करती है और प्रारंभिक चुनौतियों का नेविगेट करती है, अंततः एक जीवंत और अभिनव उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देती है।

• जेनेसिस

उत्पत्ति का लक्ष्य स्टार्टअप को उनके विचार चरण में बढ़ावा देकर उद्यमिता को बढ़ावा देना और नवीन विचारों को सफल उद्यमों में विकसित करने में मदद करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

अनुसंधान और विकास

• ओपन बॉक्स शो - (Intersect)

टॉक शो कार्यक्रम का उद्देश्य उन सफल व्यक्तियों की कहानियों को साझा करके दर्शकों को प्रेरित करना और प्रेरित करना है जिन्होंने चुनौतियों का सामना किया है और अपने संबंधित क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वित्त, कैरियर विकल्प, तकनीकी ज्ञान और उद्यमिता सहित विभिन्न विषयों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सलाह प्रदान करना है, ताकि दर्शकों को सफलता के लिए अपने स्वयं के रास्तों पर नेविगेट करने में मदद मिल सके। वक्ताओं द्वारा साझा किए गए अनुभवों के माध्यम से, यह कार्यक्रम दर्शकों को दृढ़ संकल्प और लचीलेपन के साथ अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना और रास्ते में आने वाली विफलताओं और बाधाओं से सीखना चाहता है।

उल्लेखनीय वक्ताओं में ब्रैंड प्रोवोक के सीईओ श्री विशाल सेंगर और इसके संस्थापक श्री सुशांत अजनीकर शामिल थे। डिजाइन, श्री जैन सईद - सीओओ और एनओआरडी के सह-संस्थापक और श्री सिद्धार्थ काममार - कमर उद्योग में विपणन विशेषज्ञ।



• जीवन की चुनौतियां

प्रसिद्ध साहसी और प्रेरक वक्ता सुश्री नंदिता नागौदर ने दुनिया की कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण चोटियों पर विजय प्राप्त करने और ग्रह के दूरदराज के कोनों की खोज करने की अपनी अविश्वसनीय यात्रा साझा की। उन्होंने सीमाओं को आगे बढ़ाने, बाधाओं पर काबू पाने और सामाजिक और पर्यावरणीय पहलों के माध्यम से सकारात्मक प्रभाव डालने के महत्व पर जोर दिया



• सीआई/सीडी कार्यशाला

प्रतिभागियों को सीआई/सीडी सिस्टम से परिचित कराना, उन्हें स्वचालित निर्माण, परीक्षण और परिनियोजन पाइपलाइन स्थापित करने के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करना, और उन्हें अपने सॉफ्टवेयर विकास जीवनचक्र को अनुकूलित करने के लिए सशक्त बनाना।

• भविष्य को तैयार करना

प्रतिभागियों को एक व्यापक, व्यावहारिक कार्यशाला प्रदान करना जो उन्हें 360° व्यावसायिक योजना विकसित करने में सक्षम बनाता है। प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता, रणनीतिक सोच और सहयोगात्मक समस्या-समाधान को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अतिथि अध्यक्ष: बद्री नारायण, आइआईटी मद्रास के पूर्व छात्र।



अनुसंधान और विकास

हेडस्टार्ट 2025

हेडस्टार्ट '25 एक वित्तीय और स्टार्टअप डोमेन-केंद्रित कार्यक्रम है जिसमें पिच डेक इवेंट्स, केस-स्टडी प्रतियोगिताओं, इंटरैक्टिव टॉक शो और पेचीदा विवेज़ सहित विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन आईआईसी ने किया था। कार्यक्रम का एजेंडा कॉलेज और देश में बढ़ती उद्यमशीलता संस्कृति में योगदान करना था।

• अवधान

अवधान जैसे केस स्टडी छात्रों को अपने व्यापक ज्ञान में सुधार करने में मदद करते हैं। अवधान के संचालन से छात्रों को उद्यमिता के विचार को समझने में मदद मिली। अवधान का प्रमुख लाभ यह था कि छात्र उदाहरणों से अमूर्त होकर सिद्धांतों का पता लगाने में सक्रिय रूप से लगे हुए थे। इससे उन्हें उद्यमिता के क्षेत्र में अपने ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिली।

• बिज़ारो

बिज़ारो को प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता, नवाचार और विपणन सरलता को प्रज्वलित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह घटना व्यक्तियों को प्रतीत होता है कि बेकार या बेतुकी वस्तुओं को विपणन योग्य उत्पादों में बदल कर सम्मेलन से परे सोचने के लिए चुनौती देती है। प्रेरक कहानी, त्वरित सोच और रणनीतिक प्रस्तुति के माध्यम से, प्रतिभागियों को न्यायाधीशों को यह विश्वास दिलाना चाहिए कि उनका विचित्र उत्पाद अगली बड़ी अनुभूति बन सकता है। बिज़ारो का उद्देश्य महत्वपूर्ण सोच, सुधार और संचार कौशल को बढ़ावा देना है - सफल विपणक और उद्यमियों के मुख्य लक्षण - प्रतिभागियों को क्षमता और मूल्य देखने के लिए प्रेरित करना जहां अन्य कोई नहीं देखता है।



• रहस्य

प्रतियोगिता को दो चरणों वाली चुनौती के माध्यम से रणनीतिक सोच, रचनात्मकता और विपणन कौशल को मिश्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है: खजाना शिकार और विपणन चुनौती। पहले दौर में, प्रतिभागियों ने अपने विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल को सुराग डिकोड करके और छिपे हुए खजाने को उजागर करने के लिए समय के खिलाफ दौड़ लगाकर परीक्षण में डाल दिया। यह दौर टीम वर्क, तार्किक तर्क और त्वरित निर्णय लेने को बढ़ावा देता है। दूसरे दौर में प्रतिभागियों को चयनित उत्पाद के लिए नवीन विपणन अभियान विकसित करके अपनी रचनात्मकता और संचार कौशल का उपयोग करने की चुनौती दी जाती है। दोनों दौरों का उद्देश्य वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक परिदृश्यों का अनुकरण करना है जहां रणनीति, रचनात्मकता और सहयोग प्रभावशाली परिणाम देने के लिए एकजुट होते हैं।

संकाय कल्याण

वित्तीय वर्ष 2024 - 2025 के लिए संकाय कल्याण अनुभाग की उपलब्धियां:

- सभी विभागों में सभी संकाय पदों के लिए आवेदन प्राप्त करने के लिए संस्थान की वेबसाइट पर रोलिंग नियमित भर्ती अभियान विज्ञापन जारी किया।
- सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर स्तरों के लिए रसायन इंजीनियरिंग विभाग में संकाय भर्ती पूरी की।
- संस्थान की बेहतरी के लिए अपनी सिफारिशें प्रदान करने के लिए कई समितियों (यानी, निदेशक विवेकाधीन कोटा, स्कूल समिति, अंतरिक्ष आवंटन समिति) का गठन किया गया है।
- परिसर में एक स्कूल स्थापित करने के लिए एक स्कूल समिति का गठन किया गया था। वर्तमान में, यह प्रसंस्करण के अधीन है।
- 28 संकाय सदस्यों की सेवाओं की पुष्टि की गई है।
- ग्रेड II से ग्रेड I (यानी, APL 11 से APL 12 रूपांतरण) तक 9 संकाय सदस्यों का ग्रेड स्तर रूपांतरण पूरा हो गया है।
- 3 संकाय सदस्यों का शैक्षणिक वेतन स्तर आंदोलन (12 से 13) पूरा हो गया है।
- संस्थान में कुल 4 संस्थान साथी और 4 अनुसंधान सहयोगी शामिल हुए। इसके अलावा, 7 संकाय सदस्यों और 2 आईपीडीएफ को संस्थान से मुक्त कर दिया गया है।
- संस्थान संकाय बैठक (आईएफएम- 9 और 10) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- संस्थान में इंस्पायर , रामलिंगस्वामी री-एंट्री और रामानुजन फैकल्टी फेलो की मेजबानी के लिए एक नीति तैयार की और लागू की।
- संस्थान में अनुसंधान सहयोगियों (आरए) को काम पर रखने के लिए एक नीति तैयार की गई और लागू की गई।
- कर्नाटक नवीकरणीय ऊर्जा विकास लिमिटेड (केआरईडीएल) और आइआइटी धारवाड में नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान (आरईआर) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद, केआरईडीएल-आरईआर कुर्सी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो गई।
- संकाय हैंडबुक को अद्यतन करना (प्रगति पर)।

धारा 8 [लाभ के लिए नहीं] कंपनी

धारा 8 [लाभ के लिए नहीं] कंपनी

धारवाड रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर (डीएचएआरटीआई) फाउंडेशन - आइआइटी धारवाड धरती फाउंडेशन की उपलब्धियां

विभाग के बारे में

धारवाड रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर (डीएचएआरटीआई) फाउंडेशन, अक्टूबर 2022 में स्थापित एक धारा 8 गैर-लाभकारी कंपनी है जिसे आइआइटी धारवाड द्वारा बढ़ावा दिया गया है। यह एक अनुसंधान पार्क सह प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर है।

हमारा मिशन:

- स्टार्टअप को पनपने में मदद करने के लिए संसाधन, परामर्श और बुनियादी ढांचा प्रदान करके नवाचार का पोषण करें।
- सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देकर अनुसंधान और उद्योग के बीच की खाई को पाटना।
- सतत उद्यमिता का समर्थन करें जो स्वास्थ्य सेवा, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करती है।



हमारा निदेशक मंडल (बीओडी):



प्रो. वेंकटप्प्या आर. देसाई

बीओडी के अध्यक्ष, धरती



प्रो. एसआर महादेव प्रसन्ना

निदेशक, धरती



प्रो. आनंद खुसरे

निदेशक, धरती



प्रो. राजकुमार हिरवानी

निदेशक, धरती



डॉ. पोयनी भट्ट

निदेशक, धरती



डॉ. कृष्णा कुलकर्णी

निदेशक, धरती



श्री संजीव कुमार गुप्ता

निदेशक, धरती



डॉ. अमर गांवकर

निदेशक, धरती

उत्कृष्टता केंद्र

हमारी नेतृत्व टीम:



डॉ. सुधांशु शुक्ला
परियोजना अन्वेषक, धर्ति बायोनेस्ट



डॉ. स्वानंद मराठे
सह-परियोजना अन्वेषक, धर्ति बायोनेस्ट



श्री रक्षित कल्याणी
मुख्य परिचालन अधिकारी



श्री मलाथेश एल
प्रोग्राम हेड



मिस. पावित्रा एम जे
प्रशासनिक सहायक

धरती फाउंडेशन में शोधकर्ताओं, उद्यमियों, परामर्शदाताओं और सहायक कर्मचारियों की हमारी टीम स्टार्टअप को बढ़ाने, पैमाने और पनपने में मदद करने के बारे में भावुक है। बायोटेक, स्वच्छ ऊर्जा, एग्रीटेक, एआई और विनिर्माण सहित कई उद्योगों में विशेषज्ञता के साथ - हमारी टीम प्रारंभिक चरण के उद्यमों को व्यावहारिक मार्गदर्शन और रणनीतिक दिशा प्रदान करती है।

प्रभाव क्षेत्र नीति फाउंडेशन फोकस

Biosciences Innovations

Drug Discovery & Development
Biotechnology
Medical Technologies
Healthcare Solutions



NewGen Technologies

Defence Technologies
Industry 4.0
Additive Manufacturing & Advanced Materials
Transportation & Mobility

Clean Energy & Sustainability

Renewable Energy Technologies
Clean Water & Sanitation Solutions
Circular Economy
Sustainable Infrastructures



Sustainable Food & Agriculture

Nutrition
FoodTech
Precision agriculture
BioAgri

धरती बायोनेस्ट इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में



धर्ति फाउंडेशन द्वारा प्रवर्तित और आइआइटी धारवाड में स्थित धर्ति बायोनेस्ट इनक्यूबेशन सेंटर उत्तर कर्नाटक के जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के वित्त पोषण समर्थन के साथ स्थापित और श्रीमती निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री, भारत सरकार द्वारा समर्थित, केंद्र द्वारा खोज, चिकित्सा प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ जैव प्रौद्योगिकी समाधानों में स्टार्टअप को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

इनक्यूबेशन केंद्र

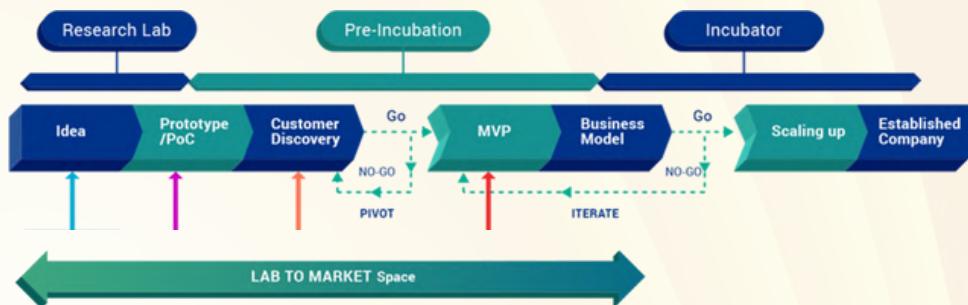
दृष्टि

नशीली दवाओं की खोज, चिकित्सा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य देखभाल समाधानों के क्षेत्र में नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाना, ग्रामीण स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले परिवर्तनकारी उत्पादों के विकास को सक्षम बनाना।

मिशन

बायोटेक और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में स्टार्टअप को एंड-टू-एंड सहायता प्रदान करना, उन्हें अनुसंधान और विकास से बाजार की तैयारी तक मार्गदर्शन करना, जबकि एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र की खेती करना जो स्थायी नवाचार को चलाता है।

DHARTI BIONEST INCUBATION CENTRE



भौतिक रूप से इनक्यूबेटेड स्टार्टअप: 2% इक्विटी

वर्चुअल रूप से इनक्यूबेटेड स्टार्टअप: पहले 25 स्टार्टअप के लिए प्रति वर्ष 25,000 रुपये और रु। स्टार्टअप के अगले सेट के लिए 1,00,000/-

प्रगति हासिल की

अपनी स्थापना के बाद से, धर्म बायोनेस्ट इनक्यूबेशन सेंटर ने महत्वपूर्ण प्रगति की है:

बुनियादी ढांचा विकास: आज तक संवितरित मौजूदा निधियों का उपयोग करके महत्वपूर्ण प्रगति की गई है। विवरण इस प्रकार हैं:

- प्रीक्लिनिकल परीक्षण सुविधा
- सेल कल्चर लैब
- रिसर्च एंड इंस्ट्रूमेंटेशन लैब
- प्रोटीमिक्स और छोटे अणु विश्लेषण प्रयोगशाला
- प्रोटोटाइपिंग लैब
- प्रशासन कार्यालय, सह-कार्य स्थल, संगोष्ठी हॉल और बैठक कक्ष



इन्कूबेशन केंद्र



नवाचार और उद्यमिता में उल्लेखनीय गतिविधियां और कार्यक्रम

a) जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान कंपनियों की एक उद्योग बैठक 2024 24 सितंबर 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें 30+ उद्योग नेताओं ने भाग लिया और समर्थन बढ़ाया.



इनकायूबेशन केंद्र

b) 12-14 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल बायो इंडिया 2024 में धारती-बायोनेस्ट इनकायूबेशन सेंटर में भाग लिया और प्रदर्शित किया।



c) 4 अक्टूबर 2024 को गिनसर्व, बैंगलुरु में आयोजित इनकायूबेटर मीटअप "इनोवेटेक्स" में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। रक्षित कल्याणी, कू-धारी बायोनेस्ट इनकायूबेशन सेंटर, कर्नाटक में इनकायूबेटरों के संघ का नेतृत्व करने वाली समिति के सदस्यों में से एक होंगे।



d) a) टाई ग्लोबल समिट 2024 जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में भाग लिया



e) बैंगलुरु टेक समिट 2024, अपनी पहलों को प्रदर्शित करता है और वैश्विक नवप्रवर्तकों और निवेशकों के साथ जुड़ता है।



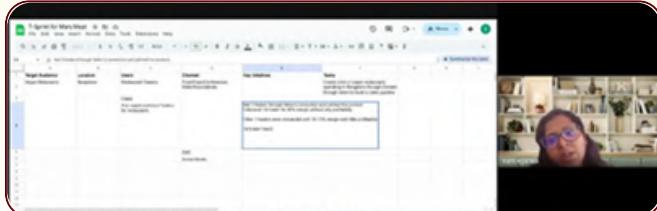
इनक्यूबेशन केंद्र

f) हित के पारस्परिक क्षेत्रों में संभावित सहयोग का पता लगाने के लिए सीएफटीआरआई, मैसूरु का दौरा किया



g) आवश्यकता मूल्यांकन: 9 स्टार्टअप को ऑनबोर्ड करने के बाद, हमने एक आवश्यकता मूल्यांकन के साथ कार्यक्रम को शुरू करने की योजना बनाई। स्टार्टअप आवश्यकता मूल्यांकन करने के लिए थिंकिंगस्प्री कंपनी के साथ भागीदारी की। 14 अप्रैल, 2025 से 16 अप्रैल, 2025 तक 3 दिन की अवधि में सभी 9 कंपनियों के लिए जरूरतों का आकलन किया गया था। सत्र वस्तुतः 2 घंटे के निर्दिष्ट समय स्लॉट पर आयोजित किए गए थे, और सभी 9 कंपनियों के लिए एक टी-शीट तैयार की गई थी। यहां आपके संदर्भ के लिए एक नमूना टी-शीट है:

किए गए आवश्यकता मूल्यांकन का प्रमाण



h) स्टार्टअप बूटकैप (बायोबलूम)

"बायोबलूम" नाम का स्टार्टअप बूटकैप हमारे इनक्यूबेटेड स्टार्टअप के लिए एक आवासीय बूटकैप 25 और 26 अप्रैल 2025 को निर्धारित किया गया था। 9 में से 7 कंपनियों ने बूटकैप में भाग लिया है।

सत्रों का आयोजन विशेषज्ञों वाणी अग्रवाल और साक्षी अग्रवाल द्वारा किया गया था, जो सफल उद्यमी और अब स्टार्टअप सलाहकार दोनों हैं।

आयोजित स्टार्टअप बूटकैप का प्रमाण



साझेदारी विवरण

A. वाधवानी फाउंडेशन: वाधवानी फाउंडेशन का लिफ्टॉफ कार्यक्रम एक ऑनलाइन कार्यक्रम और नो-कॉस्ट कार्यक्रम है जो भारती फाउंडेशन इनक्यूबेटेड स्टार्टअप के लिए मददगार है, और इसलिए, वाधवानी फाउंडेशन के लिफ्टॉफ कार्यक्रम के साथ साझेदारी से आइआइटी छात्रों के बीच उद्यमिता यात्रा शुरू करने में सहायता की गयी। हम पहले ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर चुके हैं और अपने सभी स्टार्टअप पर सवार हो चुके हैं। लिफ्टॉफ का ओरिएंटेशन प्रोग्राम शुरू हो गया है।

B. बेलगावी में केआईआईएफ, बेलगावी: केएचईआर इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (केआईआईएफ) खेर विश्वविद्यालय के तहत एक नया स्थापित इनक्यूबेशन सेंटर है। खेर स्वास्थ्य विज्ञान शिक्षा और अग्रणी अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए अपनी अदृट प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में खड़ा है। 11 सम्मानित संस्थानों को शामिल करते हुए, Kaher(KLE Academy of Higher Education & Research) चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, आयुर्वेद, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, होम्योपैथी और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान में फैले पाठ्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। हमारे संस्थान रणनीतिक रूप से केएलईएस डॉ. प्रभाकर कोर चैरिटेबल अस्पताल जैसे प्रमुख अस्पतालों के साथ संरेखित हैं, जो छात्रों को अद्वितीय नैदानिक जोखिम और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इन्क्यूबेशन केंद्र



फंडिंग अपडेट

- 2 स्टार्टअप को कुल मिलाकर रु। कर्नाटक सरकार और भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं से 65,00,000/- मूल्य का अनुदान। दोनों कंपनियां वीकेएफ एग्रीफार्म्स प्राइवेट लिमिटेड, धारवाड (एमएसएमई 2023 - ₹ 15 लाख + कर्नाटक एलिवेट 2024 - ₹ 25 लाख) और सुविहान बायोनोबेल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, धारवाड हैं।
- सुविहान बायोनोबेल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
- गंगटोक में एसटीपीआई ऑक्टेन सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) के ओपन चैलेंज प्रोग्राम (ओसीपी) 6.0 के तहत हमारे साथ विकसित एक होनहार हेल्थटेक और बायोटेक स्टार्टअप का चयन किया गया है, जो अपनी नवाचार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- इस राष्ट्रीय मान्यता के हिस्से के रूप में, सुविहान को आणविक निदान में अपने अग्रणी कार्य को आगे बढ़ाने के लिए ₹25 लाख का अनुदान दिया गया है, विशेष रूप से कैंसर और अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य स्थितियों का शुरुआती पता लगाने में। इस समर्थन का उद्देश्य कंपनी को अपने नवोन्मेषी, एआई-संचालित स्वास्थ्य समाधान को बढ़ाने और वास्तविक दुनिया के प्रभाव के लिए उत्पाद विकास में तेजी लाने में मदद करना है।
- ओपन चैलेंज प्रोग्राम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा समर्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की एक पहल है, जिसका उद्देश्य कम सेवा वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ देश भर में डीप-टेक नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के बारे में

किफायती और स्वच्छ ऊर्जा में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एसीई) को वित्त वर्ष 21-22 और वित्त वर्ष 22-23 के लिए हनीवेल और लोवे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से सीएसआर फंडिंग प्राप्त हुई है। वित्त वर्ष 22-23 और वित्त वर्ष 23-24 के लिए लिमिटेड। लोवे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित अपस्किलिंग और जागरूकता कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में। लिमिटेड, हाल के वर्ष में, आठ कार्यशालाएं आयोजित की गई जिनमें 450 से अधिक दर्शकों की भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम के विषय ऊर्जा के साथ-साथ स्थिरता प्रथाओं से थे, जैसे कि सौर ऊर्जा प्रणालियों पर एक व्यावहारिक और सिद्धांत सत्र, नेट-जीरो ऊर्जा भवन, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, भारतीय शून्य-कार्बन मार्ग के लिए ओपन सोर्स ऊर्जा मॉडल, डिजाइन थिंकिंग, और लांबनी भाषा के लिए डिजिटल संरक्षण और प्रौद्योगिकी विकास।

भारतीय ज्ञान प्रणाली में उत्कृष्टता केंद्र

उत्कृष्टता केंद्र के बारे में

- भारतीय ज्ञान प्रणालियों में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-आईकेएस) की स्थापना 2023 में आइआइटी धारवाड में की गई है ताकि भारतीय से संबंधित सभी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके
- जल संसाधन प्रबंधन
- विभिन्न भारतीय भाषाओं में लियांतरण।
- संस्कृत सम्भाशनम
- पंचंग
- वृक्ष नक्षत्र
- विरासत संरचनाओं की बहाली के लिए पारंपरिक सामग्रियों का आधुनिकीकरण
- संस्कृत पांडुलिपियों को व्यापक अंत उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए प्राकृतिक भाषा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना
- शब्दकोश, भाषण टैगरों का हिस्सा, रूपात्मक विश्लेषक, मशीन अनुवाद प्रणाली, पाठ-से-भाषण प्रौद्योगिकियों और लंबनी भाषा के लिए भाषण-से-भाषण अनुवाद जैसी भाषाई प्रौद्योगिकियों का निर्माण
- मंदिर वास्तुकला के इंजीनियरिंग और आध्यात्मिक पहलू
- विमान शास्त्र के ज्ञान का पुनरीक्षण
- प्राचीन शास्त्रों और आधुनिक आर्थिक सिद्धांतों के बीच संबंध
- बाद के वर्षों में अधिक संरचित शैक्षणिक पाठ्यक्रम पेश किए जाने की योजना है। प्रभुदिनी नामक एक संघ का गठन किया गया है जो नियमित रूप से ज्ञान प्रणालियों का संचालन करता है। केंद्र द्वारा अपनाए गए कुछ प्रमुख विषय हैं:
- डिजिटलीकरण और योग मुद्राओं की तीन आयामी छपाई
- संगीत, ध्यान और न्यूरोफिजियोलॉजी के बीच संबंध
- व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए वेदांत सूत्र के अनुप्रयोग
- प्राचीन विनिर्माण और धातुकर्म प्रौद्योगिकियों को समझना
- पंचंग का खगोलीय महत्व
- केंद्र कुछ शैक्षणिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम हैं:
- क) खुशी और खुशहाली (जिसमें पतंजलि योगसूत्र और भगवद्गीता पाठ्यक्रम के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में शामिल हैं)
- बी) भारतीय ज्ञान प्रणालियों का परिचय-1 जिसमें दर्शन, भारतीय शास्त्रीय संगीत, संस्कृत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य,
- पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, मंदिर वास्तुकला और खगोल विज्ञान।
- भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा और जीवन दर्शन से संबंधित कई पहलुओं पर सेमिनार और चर्चा

उत्कृष्टता केंद्र

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन और अनुसंधान के लिए मानेकशॉ उत्कृष्टता केंद्र (एमसीओईएनएसआर)

आइआइटी धारवाड में राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन और अनुसंधान के लिए मानेकशॉ उत्कृष्टता केंद्र (एमसीओईएनएसआर), राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अगली पीढ़ी के युद्ध अध्ययन, रणनीतिक अनुसंधान और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करने वाली अपनी तरह की पहली अखिल भारतीय पहल है। एमओडी, एमएचए, एनएससी और एमईआईटीवाई के तत्वावधान में स्थापित, यह केंद्र आइआइटी गुवाहाटी, आइआइटी कानपुर, आइआइटी जोधपुर, आइआइटी धारवाड, आईआइआइटी दिल्ली और सीडीएसी कोलकाता द्वारा समन्वित एक राष्ट्रीय सीओई नेटवर्क के हिस्से के रूप में संचालित होता है।

केंद्र का उद्देश्य उन्नत अनुसंधान, क्षमता विकास, प्रशिक्षण और नीति-उन्मुख अध्ययनों को एकीकृत करके भारत के रक्षा नवाचार परिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। प्रमुख अनुसंधान कार्यक्षेत्रों में रक्षा सामग्री और अतिरिक्त विनिर्माण, एयरोस्पेस और प्रणोदन, स्वायत्त और बुद्धिमान प्रणाली, साइबर भौतिक और संचार सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एआई/एमएल शामिल हैं।

एमसीओईएनएसआर एक नोडल मंच के रूप में कार्य करता है, जो सशस्त्र बलों, सुरक्षा एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और रक्षा उद्योगों के बीच अभिसरण को सक्षम करता है, जो संयुक्त समस्या-समाधान और अनुवादक अनुसंधान की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र स्वदेशी प्रोटोटाइप विकसित करता है, टीआरएल उन्नति का समर्थन करता है, और नए युग की हाइब्रिड और गैर-संपर्क युद्ध क्षमताओं पर जोर देने के साथ प्रौद्योगिकियों के उत्पादन को संचालित करता है।

अपने शैक्षणिक जनादेश के हिस्से के रूप में, केंद्र एनईपी के साथ संरेखित विशेष प्रमाणपत्र कार्यक्रम, अनुकूलित मास्टर और पीएचडी कार्यक्रम, और अधिकारियों, जेसीओ/ओआरएस और अग्नि वीर के लिए पुनर्स्थापन/अपस्किलिंग मॉड्यूल प्रदान करता है। केंद्र रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी बढ़ावा देता

आइआइटी धारवाड के विस्तारित अनुसंधान परिस्थितिकी तंत्र द्वारा समर्थित, जिसमें उन्नत एडिटिव विनिर्माण सुविधाएं, स्वायत्त सिस्टम लैब और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचा शामिल है, केंद्र ने वर्ष के दौरान कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान और सहयोगी गतिविधियां आयोजित कीं। एमसीओईएनएसआर रक्षा प्रौद्योगिकी, रणनीतिक अध्ययन और सुरक्षा संचालित नवाचार में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय योगदानकर्ता के रूप में आइआइटी धारवाड की स्थिति को जारी रखता है।





प्रोफेसर सोमशेखर एम. ए.
केंद्र प्रमुख

अनुसंधान क्षेत्र (S)

एडिटिव मैन्यूफैकचरिंग, 3डी/4डी प्रिंटिंग,
ग्रीडिएंट ऑवलेक्ट्रिस फैब्रिकेशन, डायरेक्ट
एन्जी डिपोजिशन, स्मार्ट मैटेरियल (शेप
मेमोरी एलॉयज)।



प्रोफेसर [एमएस]
अंगुवकरासी राजेंद्रन
सदस्य

अनुसंधान क्षेत्र (S)

कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स, एप्लाइड
मैकेनिक्स, मॉडल ऑर्डर रिडक्शन, पतली
फिल्म डायनामिक्स कैरेक्टराइजेशन,
फिजिकल मेटालर्जी, मैकेनिकल मेटालर्जी।



प्रो. गुप कैप्टन प्रह्लाद
जोशी
सदस्य

अनुसंधान क्षेत्र (S)

समग्र और एकाशमक सामग्रियों का ब्लास्ट
विश्लेषण, ब्लास्ट शमन और गतिशील लोडिंग
के तहत सामग्रियों का टुकड़ा अनुमान।



प्रो. पुन्नाग चटर्जी
सदस्य

अनुसंधान क्षेत्र (S)

स्मार्ट संरचनाएं, कंपन और गतिशीलता,
एयरोलोचकता, ऊर्जा संचयन।



प्रो. शशांक अश्वथा मदूर
सदस्य

अनुसंधान क्षेत्र (S)

डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन,
पैटर्न पहचान, रिमोट सेंसिंग, एप्लाइड मशीन
लर्निंग।



प्रो. व्योम शर्मा
सदस्य

अनुसंधान क्षेत्र (S)

उच्चत मशीनिंग प्रक्रियाएं, हाइब्रिड
विनिर्माण, इलेक्ट्रोकेमिकल आधारित
विनिर्माण प्रक्रियाएं, स्मार्ट विनिर्माण,
ध्वनिक मेटामेटरियल्स, उद्योग 4.0।



प्रो. सतीश नाइक

अनुसंधान क्षेत्र (S)

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी)
बैटरी चार्जिंग, हाइब्रिड मीडियम वोल्टेज
डीसी सर्किट ब्रेकर, प्रिड कनेक्टेड मल्टीलेवल
इनवर्टर, हाई वोल्टेज पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के
लिए कनवर्टर।

उत्कृष्टता केंद्र के बारे में

आइआईटी धारवाड और इसके आसपास के क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को पूरा करने के लिए 2020 में आइआईटी धारवाड में एक परिष्कृत केंद्रीय उपकरण सुविधा (एससीआईएफ) की स्थापना की गई थी। इस सुविधा में अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं जो विज्ञान, इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान करने में उपयोगी होंगे। एससीआईएफ में परमाणु बल माइक्रोस्कोपी (एएफएम), फ़िल्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एफईएसईएम), यूनिवर्सल परीक्षण मशीन (यूटीएम), परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) स्पेक्ट्रोमीटर, जांच स्टेशन, यूवी-वीआईएस-एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्लॉरिमीटर, मेटल 3डी प्रिंटर, पी-एक्सआरडी आदि सहित कई अत्यधिक परिष्कृत उपकरण हैं। इसके अतिरिक्त, इस सुविधा में उन्नत और जटिल सैद्धांतिक गणना करने के लिए एक उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा है। इन सभी सुविधाओं को बाहरी शैक्षणिक और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को शुल्क के आधार पर बढ़ाया जाता है।

The SCIF houses a DC+RF Probe station also for the internal users of IIT DHARWAD.

Website: <https://scif.iitdh.ac.in/>

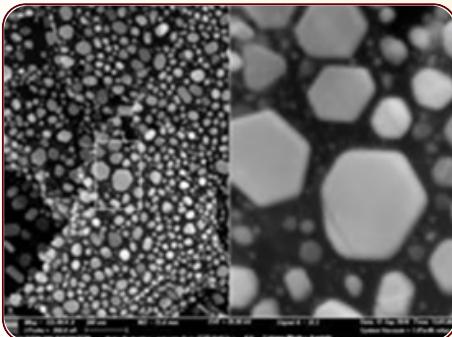
Number of Sci-Indexed Publications so far: 20+

उपलब्ध उपकरणों की एक झलक अगली बार दी गई है

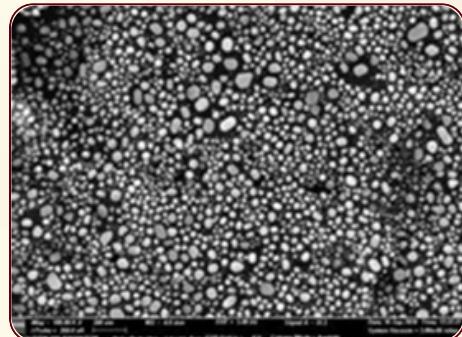
क्षेत्र उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एफईएसईएम)



उपकरण मॉडल:
कार्ल ज़िस जेमिनिसेम300



उपकरण मॉडल:
कार्ल ज़िस जेमिनिसेम300



उपकरण मॉडल:
कार्ल ज़िस जेमिनिसेम300

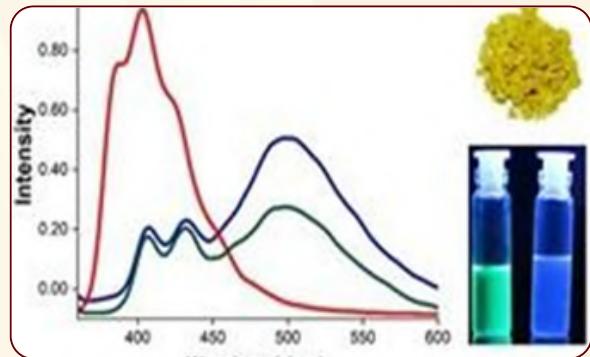
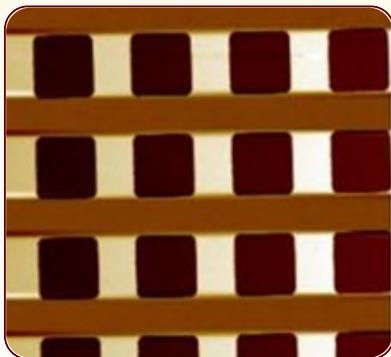
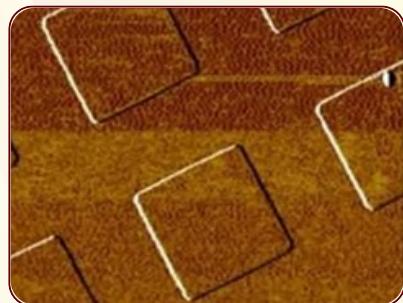
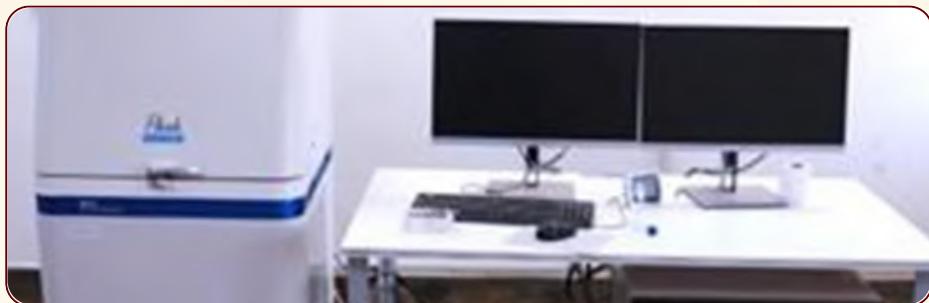
स्प्टर कोटर



फेसेम का उपयोग सतह टोपोलॉजी और नैनो सामग्री और सूक्ष्म/नैनो संरचनाओं के मॉर्फोलॉजी का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। इलेंस से डिटेक्टर, एसई डिटेक्टर और बीएसई डिटेक्टर जैसे विभिन्न डिटेक्टर सिस्टम के साथ उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, नमूनों का मौलिक विश्लेषण और संरचना ऑक्सफोर्ड इंस्ट्रमेंट एडीएक्स डिटेक्टर का उपयोग करके निर्धारित की जा सकती है। इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप बहुलक सहित कंडक्टिंग, सेमीकंडक्टिंग और गैर-कंडक्टिंग नमूनों की विशेषता रखने में सक्षम है। इंसुलेटिंग और सेमीकंडक्टिंग नमूनों के लक्षण वर्णन में सहायता के लिए सुविधा को सोने के थूक कोट (कोरम Q150T) के साथ बढ़ाया गया है।

उपकरण मॉडल: कोरम
(Q150Ts)

परमाणु बल माइक्रोस्कोप (एएफएम)



उपकरण मॉडल:

पार्क सिस्टम एनएक्स10

उपकरण का विवरण: एएफएम का उपयोग मुख्य रूप से एक तेज कैंटिलीवर टिप और नमूना सतह के बीच इंटरैक्शन का उपयोग करके नैनोस्ट्रक्चर की 3 डी छवियों और मोटाई प्रोफाइल प्राप्त करने के लिए किया जाता है। एएफएम के पास उपलब्ध इमेजिंग मोड संपर्क, गैर-संपर्क और टैपिंग मोड हैं। इन बुनियादी मापों के अलावा, एनएक्स10 का उपयोग करके सामग्री के विद्युत, यांत्रिक और चुंबकीय गुणों का भी अध्ययन किया जा सकता है। एनएक्स10 का ऊर्ध्वाधर रिज़ॉल्यूशन 0.1 एनएम से कम है।



फ्लोरिमीटर

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी)



उपकरण का विवरण:

एचपीसी सुविधा में सभी सीपीयू कोर के साथ 31 नोड्स होते हैं। यह प्रणाली इंटेल ओमनी-पाथ इनफिनिबैंड से जुड़ी है और इसमें समानांतर फ़ाइल सिस्टम का उपयोग करते हुए 100 टीबी भंडारण की सुविधा है। गणना नोड्स में प्रति सॉकेट 20 कोर और प्रति नोड 2 सॉकेट होते हैं। सुविधा के बारे में बुनियादी जानकारी निम्नलिखित है:

- 1 मास्टर नोड (40 कोर, 2x इंटेल Xeon गोल्ड 6146 प्रोसेसर; 384 जीबी रैम के साथ)
 - 31 गणना नोड्स (40 कोर प्रत्येक, 2x इंटेल Xeon गोल्ड 6146 प्रोसेसर; 192 जीबी रैम/नोड के साथ)

एचपीसी पर की गई वैज्ञानिक गणनाओं के विशेष परिणाम

उत्कृष्टता केंद्र

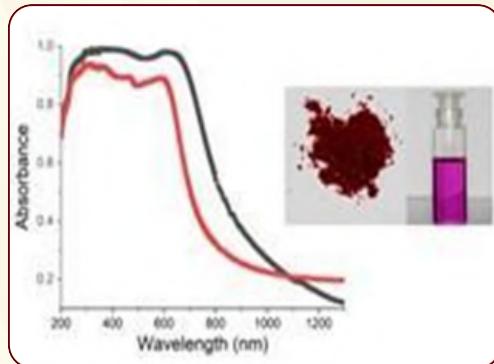
इस क्लस्टर के लिए कुल सैद्धांतिक टेराफ्लॉप 90TF हैं। ये मशीनें फुजित्सु निर्मित हैं। इन मशीनों को सटीक शीतलन के साथ स्मार्ट-रैक में रखा गया है। एआई/एमएल प्रकार के कार्यभार के लिए एनवीआईडीआईए का डीजीएक्स बॉक्स भी स्मार्ट रैक में एकीकृत है।

वर्तमान में, हमारे पास 2 DGX सर्वर हैं। डीजीएक्स-वी100 और डीजीएक्स-ए100 को एकल मास्टर नोड के साथ एकीकृत किया गया है। स्टोरेज को समानांतर फ़ाइल सिस्टम के माध्यम से साझा किया जाता है। डीजीएक्स-ए100 अंतरिक्ष डेटा विज्ञान प्रयोगशाला का हिस्सा है।

यूवी-वीआईएस-एनआईआर (इन्फ्रा रेड के पास) स्पेक्ट्रोफोटोमीटर



उपकरण मॉडल: एजिलेंट कैरी 5000



उपकरण से विशिष्ट परिणाम

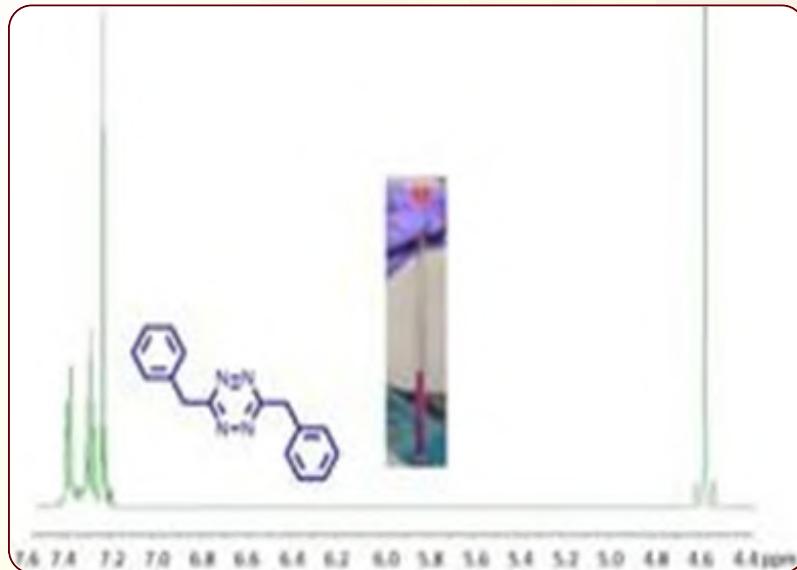
उपकरण का विवरण:

यह उपकरण यूवी, दृश्यमान और अवरक्त स्पेक्ट्रम क्षेत्रों को अवशोषित करने वाले जैविक/अकार्बनिक यौगिकों की अवशोषण विशेषताओं का अध्ययन करने में मदद करता है। यह अज्ञात यौगिकों की एकाग्रता की पहचान और निर्धारण में भी सहायता कर सकता है। उपकरण समाधान, पतली-फिल्म और पाउडर राज्य के नमूनों की विशेषता भी हो सकती है।

परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोमीटर (एनएमआर)



उपकरण मॉडल: जेर्झीओएल 400
मेगाहर्ट्ज एनएमआर
स्पेक्ट्रोमीटर



उपकरण से विशिष्ट परिणाम

उपकरण का विवरण:

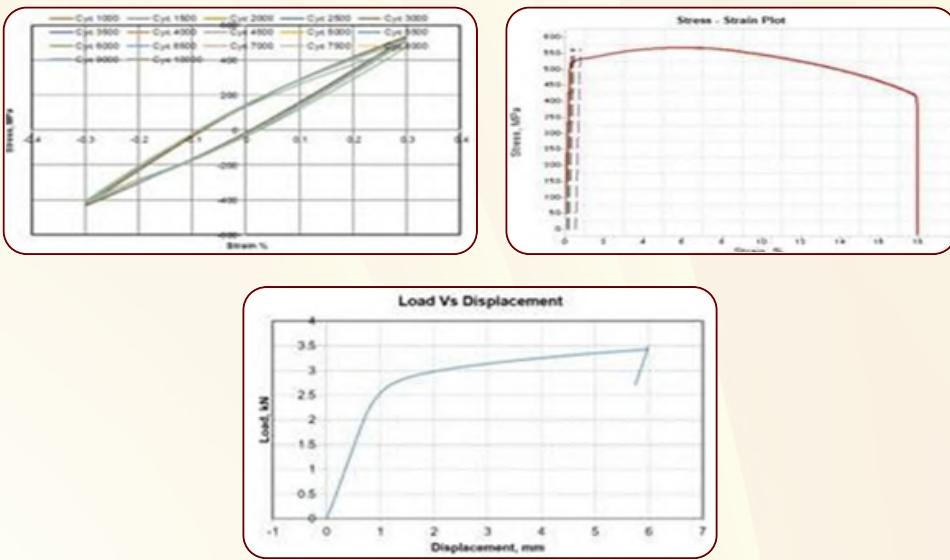
यह सुविधा रासायनिक यौगिकों की शुद्धता के संरचित निर्धारण, परिमाणीकरण और विश्लेषण में उपयोगी होगी। उपकरण 1D- और 2D-1H, 13C और कई और विषम परमाणुओं (19F, 31P, 14N, 11B, आदि) को रिकॉर्ड कर सकता है। स्पेक्ट्रा। यह समाधान और ठोस-राज्य नमूनों दोनों में विशेषता रखने में सक्षम है।

उत्कृष्टता केंद्र

यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यूटीएम)/एक्सियल टॉर्शन टेस्टिंग मशीन



उपकरण से विशेष परिणाम:



उपकरण का विवरण:

100 केएन क्षमता वाले यूटीएम को फटीग-क्रैक, कम चक्र और उच्च-चक्र फटीग, तन्यता (फ्लैट और गोल नमूने), संपीड़न और पत्तेकसुरल परीक्षणों की शुरूआत करके एफजे1सी परीक्षणों सहित परीक्षण करने के लिए नियोजित किया जा सकता है।

25 केएन क्षमता के यूटीएम को मोनोटोनिक अक्षीय और टॉर्शनल लोडिंग, गतिशील अक्षीय और टॉर्शनल लोडिंग परीक्षण और अक्षीय और टॉर्शनल लोडिंग के संयोजन सहित परीक्षण करने के लिए नियोजित किया जा सकता है जो चरण में और बाहर हैं। नमूनों में सपाट, गोल और ट्यूबलर नमूने शामिल हैं।

पाउडर बेड प्यूजन मेटल 3डी प्रिंटर:

पाउडर बेड प्यूजन तकनीक पर आधारित मेटल 3डी प्रिंटर का उपयोग मुख्य रूप से अनुकूलित एयरोस्पेस, चिकित्सा और ऑटोमोटिव घटकों के निर्माण के लिए किया जाता है। एक धातु 3डी प्रिंटर एक परत-दर-परत सामग्री बिल्ड-अप दृष्टिकोण का उपयोग करके संचालित होता है। यह टूललेस मैन्युफैक्चरिंग विधि उच्च सटीकता के साथ थोड़े समय में पूरी तरह से घने धातु के हिस्सों का उत्पादन कर सकती है।

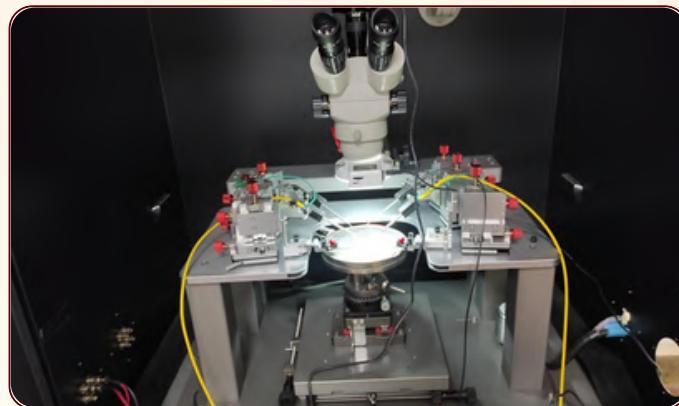
पाउडर बेड प्यूजन तकनीक में, प्रत्येक पाउडर बेड लेयर को लेजर की तरह ऊर्जा स्रोत का उपयोग करके चुनिंदा रूप से प्यूज किया जाता है। यह सबसे आशाजनक अतिरिक्त विनिर्माण तकनीक है जिसका उपयोग छोटे, कम मात्रा, जटिल धातु भागों के निर्माण के लिए किया जा सकता है।



उत्कृष्टता केंद्र

जांच स्टेशन

एसपीएस6 मैनुअल डीसी/आरएफ जांच स्टेशन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नमूनों का वेफर-स्तरीय विद्युत माप है। नमूना चक तापमान भिन्नता कमरे के तापमान से 300 डिग्री सेल्सियस तक है।



मॉडल: एसपीएस6 मैनुअल डीसी/आरएफ जांच स्टेशन।

पाउडर एक्स-रे विवर्तन (पीएक्सआरडी);

यह एक तेज, गैर-विनाशकारी विश्लेषणात्मक तकनीक और भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूविज्ञान और फार्मास्यूटिकल्स में एक अपरिहार्य उपकरण है, जिसका उपयोग क्रिस्टलीय सामग्री की विशेषता और उनकी संरचना और गुणों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए किया जाता है। जब एक क्रिस्टलीय नमूना ज्ञात तरंग दैर्घ्य की एक्स-रे बीम के संपर्क में आता है, तो एक अद्वितीय विवर्तन पैटर्न उत्पन्न होता है। यदि सामग्री में एक से अधिक चरण होते हैं, तो प्रत्येक चरण के लिए विवर्तन पैटर्न ओवरलैप हो जाते हैं। विवर्तन के भीतर प्रत्येक पैटर्न की पहचान करके, व्यक्तिगत सामग्री या चरणों की पहचान और मात्रा की जा सकती है।

पीएक्सआरडी तकनीक का उपयोग करके देखे गए विवर्तन पैटर्न की व्याख्या से, हम निम्नलिखित में सक्षम होंगे:

- दी गई सामग्री में मौजूद क्रिस्टलीय चरणों की पहचान करें
- अलग क्रिस्टलीय चरणों के भीतर क्रिस्टलीय/क्रिस्टल डोमेन आकार मापें।
- पैटर्न अनुक्रमण के माध्यम से इकाई सेल आयामों की गणना करें
- सरल प्रोफाइल फिटिंग, लेबेल, पॉली या रीटेवल्ड परिष्कार जैसे मानक तरीकों का उपयोग करके चरण मात्रा।



मॉडल: मैल्वर्न एम्पायरियन सीरीज़ 3

प्रयोगशाला के बारे में

एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सीएसआर दान के हिस्से के रूप में वित्तीय योगदान के साथ, आईआईटी धारवाड़, कर्नाटक, भारत ने अंतरिक्ष डेटा साइंस लैब (एसडीएसएल) की स्थापना की है, जो नवीनतम तकनीकी उपकरणों और संसाधनों से अत्यधिक सुसज्जित है। अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आईआईटी धारवाड़ के अनुसंधान विद्वानों और सातक छात्रों के बीच अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए, यह समर्पित प्रयोगशाला, जिसे एसडीएस प्रयोगशाला के रूप में संक्षिप्त किया गया है, आवश्यक वातावरण और उपकरण प्रदान करती है।

ऐसे कई अंतर्रिहित क्षेत्र हैं जिन्हें व्यापक रूप से उपलब्ध अंतरिक्ष डेटा का उपयोग करके खोजा और अनुसंधान करने की आवश्यकता है, और इन मुद्दों के समाधान अत्याधुनिक पद्धतियों का उपयोग करके पाए जा सकते हैं। एसडीएस प्रयोगशाला के उद्देश्य हैं:

अंतरिक्ष डेटा को संसाधित करने के लिए मौलिक अनुसंधान करना, उपन्यास डेटा प्रोसेसिंग/विश्लेषण एलगोरिदम विकसित करना और लागू करना.

- अंतरिक्ष अनुसंधान, उद्यमशीलता और औद्योगिक क्षेत्रों की बाजार मांग को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष डेटा प्रसंस्करण के क्षेत्रों में मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करना।
- अंतरिक्ष डोमेन में शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और उद्योग तक पहुंच प्रदान करने के लिए अंतरिक्ष डेटा सफाई, मानकीकरण और भंडार निर्माण।

प्रयोगशाला में सुविधाएं:

- अत्याधुनिक जीपीयू सुविधा
- उच्च परिभाषा डेटा दृश्य
- अंतरिक्ष स्टेशन और समर्पित प्रयोगशाला

गतिविधियाँ:

- कृषि क्षेत्र को प्रभावित करने वाले परिवर्तनीय जलवायु पैटर्न का विश्लेषण
- जल संकट प्रबंधन
- पश्चिमी घाट में विविधता का अध्ययन
- उपग्रह डेटा से आवश्यक जलवायु चर की खोज
- ईएम स्पेक्ट्रा का गहन अंतरिक्ष विश्लेषण



संकाय सदस्य शामिल:

- प्रो. राजशेखर वी. भट
- प्रो. राहुल जे. पंड्या
- प्रो. शशांक मद्दूर (प्रभारी)
- प्रो. दिलीप ए डी

कैरियर विकास प्रकोष्ठ

प्रकोष्ठ के बारे में

कैरियर विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) छात्रों को अपने करियर को सफलतापूर्वक शुरू करने में मदद करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करियर और इंटर्नशिप के अवसरों पर छात्रों को एक्सपोजर प्रदान करता है, बाहरी छात्रों के लिए आईआईटी धारवाड़ के भीतर इंटर्नशिप के अवसरों की सुविधा प्रदान करता है, छात्रों को टीम-उन्मुख नौकरी के माहौल में पनपने के लिए आवश्यक सॉफ्ट-कौशल पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, किराए पर लेने वाली कंपनियों को परिसर में आने और हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों पर कंपनियों को काम पर रखने से छात्रों की मूल्यवान प्रतिक्रिया के लिए भर्ती अभियान चलाने की सुविधा प्रदान करता है।

प्लेसमेंट सांख्यिकी

| Number of Registered Students | Number of Companies Participated in the Placement Season | Number of Students Placed | Number of Students Opted for Higher Education | Number of Students Opted for UPSC/Govt. Exams | Number of Students Interested in Entrepreneurship |
|-------------------------------|--|---------------------------|---|---|---|
| 147 | 109 | 123 | 14 | 3 | 1 |

कंपनी की लागत के आंकड़े (सीटीसी)

Highest - ₹38.5 LPA

Median - ₹12.18 LPA

Average - ₹14.65 LPA

सीडीसी द्वारा आयोजित गतिविधियां/प्रशिक्षण सत्र:

- कैरियर विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) ने अपनी प्लेसमेंट तैयारी को बढ़ाने के लिए 2025 स्नातक बैच के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- सीडीसी ने श्री अनंत एल, सहायक के साथ "व्यावसायिक सेवा कंपनियों में कैरियर" पर एक सत्र आयोजित किया। निदेशक, वैश्विक सेवाएं, केपीएमजी।
- सीडीसी ने उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक "एचआर कनेक्ट - बैंगलुरु अध्याय" का आयोजन किया।

मुख भर्तियों ने प्लेसमेंट सीज़न में भाग लिया:

- Texas Instruments
- Arista Networks
- Accenture Japan
- Aequus
- Hospet Steels
- BEL
- Ittiam
- Amazon
- MAQ Software
- Oracle
- Eurofins
- TCS
- Cognizant
- Capgemini
- Accordion
- Cubastion
- HCL and more

आईआईटी धारवाड़ पूर्व छात्र संघ

एसोसिएशन के बारे में

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़ पूर्व छात्र संघ (IITDhAA) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़ के पूर्व छात्रों का एक संघ है। यह एक गैर-लाभकारी संगठन है और कर्नाटक सरकार के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत है। सोसायटी की पंजीकरण संख्या डीआरडीडब्ल्यू/एसओआर/130/2023- 2024 है। 31 मार्च 2025 तक लगभग 677 सदस्य हैं। इस एसोसिएशन का उद्देश्य संस्थान और इसके पूर्व छात्रों के बीच एक मजबूत संबंध बनाए रखना है। एसोसिएशन का उद्देश्य अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से सामाजिक, शैक्षिक और व्यावसायिक अवसरों की पेशकश करके अपने पूर्व छात्रों और छात्रों की सेवा करना है। एसोसिएशन का उद्देश्य संस्थान में शिक्षा, अनुसंधान, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और अन्य मानव विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना और सुविधाजनक बनाना है।

शासी निकाय

| | | |
|------|----------------------------|---|
| I. | Honorary President | Director, IIT DHARWAD |
| II. | President | Kunal Kumar |
| III. | Secretary | Subhamoy Rana |
| IV. | Treasurer | Sonu Sourav |
| V. | Members | a) Dr Amitkumar Gawas b) Arpit Shukla c) Parishapranay Raj d) Rohan Deshpande e) Unnati Athwani |
| VI. | Faculty In-Charge (member) | Prof. Hiranya Deka |

पूर्व छात्र संघ में पूर्व छात्रों की कुल संख्या: 677

आईआईटी धारवाड़ के लिए पूर्व छात्रों का योगदान: मौद्रिक योगदान, वस्तु में योगदान (दान किए गए उपकरण, आदि)।

आयोजित कार्यक्रमों की सूची

| Sl. No. | Event Name | Event Details |
|---------|--|--|
| 1 | Inauguration of IIT DHARWAD Alumni Association Bengaluru Chapter | Date: 31/08/ 2024 Location: IIT Alumni Centre Bengaluru Attended by: Approximately 15 invited speakers, including Prof. Saurav Mukherjee, Dean, IIM Bengaluru |



ज्ञान संसाधन केंद्र

ज्ञान संसाधन केंद्र (केआरसी) आईआईटी धारवाड़ के लिए एक आधारशिला समर्थन सेवा है, जो अनुसंधान, शिक्षण और आजीवन सीखने में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देती है।

केआरसी की यात्रा 2016 में शुरू हुई, संस्थान के औपचारिक उद्घाटन से पहले ही, वाल्मी परिसर में आईआईटी बॉम्बे की मेंटरशिप के तहत एक मामूली कमरे से काम कर रही थी। आज, यह समर्पित ज्ञान संसाधन और डेटा केंद्र (केआरडीसी) ब्लॉक में स्थित एक जीवंत और पूरी तरह से सुसज्जित संसाधन केंद्र के रूप में विकसित हुआ है।

हमारा लक्ष्य

केआरसी का उद्देश्य प्रिंट और डिजिटल संसाधनों, सूचना सेवाओं और अनुसंधान सहायता तक निर्बाध पहुंच प्रदान करके आईआईटी धारवाड़ समुदाय का समर्थन करना है - अपने सभी संरक्षकों के लिए विद्वतापूर्ण विकास को सक्षम करना।

एक नज़र में सुविधाएँ:

- केआरसी केआरडीसी भवन में स्थित है और अध्ययन और अनुसंधान के लिए आधुनिक, समर्पित स्थान प्रदान करता है 24x7 सामान्य पठन क्षेत्र: केआरडीसी भवन के ऊपरी भूतल पर स्थित, यह क्षेत्र चौबीसों घंटे खुला है। यह 300 से अधिक सीटों के साथ एक आरामदायक, अच्छी तरह से रोशन रीडिंग स्पेस प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और समूह अध्ययन के लिए उपयुक्त है।
- पहली मंजिल की सुविधाएँ:** केआरडीसी भवन की पहली मंजिल में शामिल हैं:
 - आसान चेक-आउट/चेक-इन सेवाओं के लिए एक परिसंचरण डेस्क
 - आवास पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, समाचार पत्रों, थीसिस और शोध प्रबंध के लिए एक व्यापक स्टैक क्षेत्र।
 - 50 से अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए बैठने के साथ एक अतिरिक्त पठन क्षेत्र, जो केंद्रित अध्ययन सत्रों के लिए सही है।

केआरसी कार्य घंटे

सोमवार से शुक्रवार: सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक

संसाधन और सदस्यता

केआरसी प्रिंट और डिजिटल दोनों संसाधनों का एक धन प्रदान करता है, जो अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों के लिए अत्याधुनिक ज्ञान तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

- प्रमुख सदस्यता और सदस्यता:**
 - संस्थान "भारतीय विज्ञान अकादमी" के प्रतिष्ठित "वर्तमान विज्ञान संघ" का आजीवन सदस्य है और उसे "वर्तमान विज्ञान" पत्रिका प्राप्त होती है।
 - यह विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों, प्रकाश-पठन पत्रिकाओं और लोकप्रिय विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसएंडएमपी;टी) सामग्री प्राप्त करता है।
 - इन्फिल्बनेट के माध्यम से लागू भारत सरकार द्वारा वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल के हिस्से के रूप में, गंभीर पाठक 30 प्रकाशकों से लगभग 13,000+ प्रतिष्ठित ई-पत्रिकाओं तक पहुंच सकते हैं, जिनमें साइंस डायरेक्ट, आईईई, स्प्रिंगर नेचर और विली शामिल हैं।
 - संस्थान की सदस्यता में ई-जर्नल (सियाम, ओएसए, आरएससी, एएसटीएम डीएल और 16 व्यक्तिगत पत्रिकाएं), डेटाबेस (मैथसिनेट, स्कोपस, जेएसटीओआर, इंडियास्टाट, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम्स श्रृंखला, एएसटीएम डीएल और मैकग्रा-हिल एक्सेस इंजीनियरिंग), मानक (एएसटीएम), सदस्यता (एआरxiv), व्याकरणिक लेखन उपकरण, और टर्निटिन प्लेजियरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

केआरसी के संसाधन

केआरसी का संग्रह, जिसमें प्रिंट और डिजिटल दोनों संपत्तियां शामिल हैं, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि हुई

| Category | Description | Nos |
|-------------------------|---|-------------------------|
| Print Collection | Print Books | 359 (Cumulatively 6550) |
| | Print Journals (Journal of the Ramanujan Mathematical Society and Current Science) | 02 |
| | Print Magazine (Sambhashana Sandesha) | 01 |
| | Print Newspapers (The New Indian Express & Deccan Herald) | 02 |
| | Digital Media (CD-ROM) | 100 |
| E-Resources & Databases | E-Journals – ONOS Subscription (30 Publishers) | 13000+ |
| | E-Journals - Institute Subscribed (SIAM, OSA, RSC, ASTM DL & 16 Individual Journals) | 115 |
| | E-Books (McGraw-Hill, ASTM DL, Pearson) | 2421 |
| | Standards (ASTM & ISO/ASTM) | 91803 |
| | Conference Proceedings (ACM & IEL) | 45884 |
| | Technical Reports (ASTM DL) | 12 |
| | Databases (MathSciNet, Scopus, JSTOR, Indiastat, The EPWRF India Times Series, ASTM DL, and McGraw-Hill Access Engineering) | 07 |
| Membership | arXiv | 01 |
| Research Tools | Writing tool and citation audit database (Grammarly) | 01 |
| | Plagiarism Detection Software (Turnitin Feedback Studio) | 02 |
| Interactive Content | Interactive videos (McGraw-Hill Access Engineering) | 1430 |
| | Interactive data visualisation tool | 28 |
| | Case Studies (McGraw-Hill Access Engineering) | 13 |
| | Spreadsheet Calculators | 90 |

जिमखाना इकाई

विभाग के बारे में

आईआईटी धारवाड़ की खेल इकाई संगठित कार्यक्रमों और अच्छी तरह से बनाए गए सुविधाओं के माध्यम से फिटनेस और खेल कौशल को बढ़ावा देती है। यह अंतर-विभागीय, अंतर-छात्रावास और अंतर-आईआईटी खेल प्रतियोगिताओं का प्रबंधन करता है, प्रशिक्षण प्रदान करता है और कल्याण कार्यक्रमों का समर्थन करता है। यह इकाई जिम, अदालतों और खेतों के रखरखाव की देखरेख करती है, जो शीर्ष पायदान के खेल बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करती है। यह संसाधनों को बढ़ाने के लिए सहयोग और प्रायोजन को भी बढ़ावा देता है और एनएसएस, एनसीसी और एनएसओ गतिविधियों के साथ खेलों को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुल मिलाकर, इकाई एक जीवंत खेल संस्कृति बनाती है और परिसर में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

आईआईटी धारवाड़ के खेल अधिकारी खेल आयोजनों की देखरेख करते हैं और व्यायामशालाओं और अदालतों जैसी सुविधाओं का उचित रखरखाव सुनिश्चित करते हैं। वे छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करते हैं, कौशल विकास और फिटनेस को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, वे बजट का प्रबंधन करते हैं, उपकरण खरीदते हैं, और घटनाओं के लिए सुरक्षित प्रायोजन करते हैं।



इंटर आईआईटी खेल प्रतियोगिता

इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट सभी आईआईटी में छात्रों और कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ा वार्षिक खेल आयोजन है। यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क और खेल कौशल की भावना का प्रतीक है, जो एथलेटिक्स, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और अन्य सहित खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने के लिए विभिन्न आईआईटी के प्रतिभागियों को एक साथ लाता है।

यह बैठक एथलीटों को आईआईटी बिरादरी के बीच सौहार्द और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करती है। यह वर्ष की सबसे प्रत्याशित घटनाओं में से एक है, जिसमें प्रतिस्पर्धा से पहले प्रत्येक आईआईटी में कठोर तैयारी, चयन परीक्षण और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं, जिससे मैदान पर और बाहर उत्कृष्टता सुनिश्चित होती है,

आईआईटी कानपुर और आईआईटी इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से 57वें छात्र अंतर-आईआईटी खेल बैठक (2024) की मेजबानी की गई। आईआईटी धारवाड़ दल ने राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की बढ़ती उपस्थिति और प्रतिस्पर्धी भावना को दर्शाते हुए बड़े उत्साह के साथ उद्घाटन समारोह में भाग लिया।



57th Students Inter IIT Sports Meet at IIT Kanpur & IIT Indore.
IIT DHARWAD Contingent During Inaugural Ceremony



**57th Students Inter IIT Sports Meet at IIT Kanpur & IIT Indore.
IIT Dharwad Contingent During Inaugural Ceremony**



Football Match: IIT Dharwad Vs IIT Delhi

Football Match: IIT Dharwad Vs IIT Delhi



GC Inter-Hostel Outdoor Games



GC 2024-25: Honouring Champions and Cherishing Moments



IIT Dharwad has introduced health-related activities for Divyajnana students, focusing on fitness, mental well-being, and accessibility. This initiative aims to promote their overall health and inclusivity on campus.



The Temporary Ground and Volleyball Court have been inaugurated, marking a key enhancement in inclusive sports infrastructure at IIT Dharwad.



Permanent Basketball Court

INSTITUTE EVENTS

| शीर्षक | अग्नि बचाव में ड्रोन डिजाइन और स्वायत्त नेविगेशन (डीडीएएनएफआर 2024) |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | मई से जून 2024 |
| विवरण | <p>भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़ ने 31 मई और 1 जून, 2024 को "ड्रोन डिजाइन एंड ऑटोनॉमस नेविगेशन इन फायर रेस्क्यू (डीडीएएनएफआर 2024)" नामक दो दिवसीय कार्यशाला की मेजबानी की। फायर एंड थर्मल रिसर्च लेबोरेटरी (एफटीआरएल) और कंट्रोल सिस्टम और रोबोटिक्स लेबोरेटरी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दुनिया के पहले फायर रेस्क्यू असिस्टेंट ड्रोन का अनावरण और प्रदर्शन किया गया था। जिसमें तिहान फाउंडेशन और आईआईटी हैंदराबाद (एनएमआईसीपीएस, भारत सरकार) से वित्त पोषण था। एफटीआरएल के संकाय प्रभारी प्रो. सुधीर सिद्धपुरेही ने अग्नि सुरक्षा समुदाय के लिए नए ड्रोन के महत्व पर प्रकाश डाला, एक ड्रोन को डिजाइन करने में चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए जो इनडोर स्थानों को नेविगेट करने और उच्च तापमान को छोलने में सक्षम होने के लिए पर्याप्त छोटा है। एफटीआरएल ने अग्नि अनुसंधान समुदाय में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें ऐसे संसर्क की पहचान करना शामिल है जो कालिख वाले वातावरण में काम कर सकते हैं और कई अग्नि प्रयोगों के बाद ड्रोन के लिए लचीले सुरक्षात्मक ढाल विकसित कर सकते हैं। यह अनुसंधान टीम अग्नि सुरक्षा के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का पता लगाना जारी रखती है, जैसे कि आपात स्थिति के दौरान लोगों को खाली करना। प्रो. अमीर मुल्ला ने बताया कि कैसे नियंत्रण प्रणाली और रोबोटिक्स प्रयोगशाला में उनके समूह में ध्यान में ड्रोन को नेविगेट करने की चुनौती पर काबू पा लिया। इस सफलता के लिए रेलवे स्टेशनों, मॉल और तीर्थस्थानों में भीड़ प्रबंधन सहित अग्नि सुरक्षा से परे आवेदन हैं। आईआईटी धारवाड़ के निदेशक प्रो. वेंकटप्पा आर देसाई ने आईआईटी की ऐतिहासिक स्थापना पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और इस बात पर प्रकाश डाला कि आईआईटी ने भारतीय रेलवे के लिए जैव शैचालयों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आईआईटी में किए गए अनुसंधान की असाधारण गुणवत्ता पर जोर दिया, जो वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए तकनीकी प्रगति और अभिनव समाधानों को बढ़ावा देने में इन संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। प्रो. देसाई के नेतृत्व में ग्रीन कैंपस पहल के अनुरूप, कार्यशाला ने अपशिष्ट न्यूनीकरण और पुनः उपयोग प्रथाओं को बढ़ावा देकर स्थिरता पर जोर दिया। कार्यशाला डीडीएएनएफआर 2024 ने नवाचार और सहयोग को बढ़ावा दिया, अग्रणी अनुसंधान के माध्यम से अग्नि बचाव प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी धारवाड़ की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफेसर प्रत्याशा भुई (डीन आर एंड डी) द्वारा एमएमएई के प्रमुख प्रो. सोमशेखर और ईईसीई के प्रमुख प्रो. नवीन कदाविंती की उपस्थिति में किया जाता है। मुख्य वक्ताओं में जैन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भास्कर दीक्षित और आईआईटी मद्रास के पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता डॉ. शिव बठिना शामिल थे। पहले दिन में अग्नि सुरक्षा, ड्रोन डिजाइन और अभिनव नेविगेशन एल्गोरिदम पर ध्यान केंद्रित किया गया। दूसरे दिन श्री अरविंद पंडित (ईडरोन्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में वरिष्ठ आर एंड डी इंजीनियर) द्वारा आमने-सामने प्रदर्शन किए गए। (लिमिटेड) और श्री रजत जोशी अग्नि-निकासी और नेविगेशन सॉफ्टवेयर पर। इस कार्यक्रम में युवा दिमागों को अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए सफलतापूर्वक प्रेरित किया, यह प्रदर्शित करते हुए कि सरल लेकिन अभिनव विचारों का वैश्विक प्रभाव हो सकता है।</p> |

| शीर्षक | विश्व पर्यावरण दिवस - वृक्ष नक्षत्र वृक्षारोपण |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | जून 2024 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड़ की एनएसएस इकाई ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए नॉलेज रिसोर्स एंड डेटा सेंटर (केआरडीसी) भवन के पास स्थायी परिसर में पेड़ लगाए। वृक्ष नक्षत्र वृक्षारोपण (वनस्पति नक्षत्र) कार्यक्रम पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) से प्रेरणा लेते हुए सभी के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। |

| शीर्षक | 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जून 2024 |
| विवरण | हमने अपनी शारीरिक शिक्षा और एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की एक शृंखला के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस खुशी से मनाया, जिसमें योग के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला गया। सभी आयु समूहों के प्रतिभागी सामुदायिक योग सत्र के लिए एक साथ जुड़े, स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास की शक्ति को गले लगाते हुए |

| शीर्षक | FACULTY DEVELOPMENT PROGRAM ON "FULL CUSTOM DESIGN AND FIELD PROGRAMMABLE GATE ARRAY (FPGA) DESIGN FLOW" |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जून 2024 |
| विवरण | 25 और 26 जून 2024 को कोरियल के सहयोग से आईआईटी धारवाड़ में डॉ. नागवेनी, सहायक प्रोफेसर, ईईसीई द्वारा "पूर्ण कस्टम डिजाइन और फील्ड प्रोग्रामेबल गेट सरणी (एफपीजीए) डिजाइन प्रवाह" पर संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। दिन 1 में PYNQZ2 का उपयोग करके FPGA डिजाइन प्रवाह पर एक तकनीकी कार्यशाला शामिल थी, जिसमें दिन 2 मेंटर ग्राफिक्स का उपयोग करके एनालॉग इंटीग्रेटेड सर्किट (IC) डिजाइन प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करता |

| शीर्षक | औपचारिक तरीके (एफएम) अद्यतन बैठक 2024 |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जुलाई 2024 |
| विवरण | भारत में एफएम समुदाय द्वारा वार्षिक रूप से आयोजित औपचारिक तरीके (एफएम) अपडेट बैठक 11 जुलाई से 12 जुलाई, 2024 तक आईआईटी धारवाड़ में आयोजित की गई थी। एफएम शोधकर्ताओं सहित उद्योग और शिक्षाविदों के शोधकर्ता सत्यापन, कार्यक्रम डिजाइन और सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्रों में विकास पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। |

INSTITUTE EVENTS

| शीर्षक | 5वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आईआईटी धारवाड़ |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | जुलाई 2024 |
| विवरण | <p>आईआईटी धारवाड़ ने सोमवार (22 जुलाई 2024) को अपना पांचवां वार्षिक दीक्षांत समारोह मनाया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर श्रीनिवास रामचंद्र कुलकर्णी, कैलटेक, पासाडेना, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में खगोल विज्ञान और ग्रहीय विज्ञान के जीई हेल प्रोफेसर द्वारा मुख्य भाषण दिया गया। नए स्नातकों से बात करते हुए, प्रो. कुलकर्णी ने खुद को फिर से तैयार करके और फिर से तैयार करके तेजी से बदलती दुनिया के लिए अनुकूलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्योग विकासित होने रहे हैं, और जिस प्रकार के श्रमिकों की उहाँ आवश्यकता होती है वे स्थानांतरित हो रहे हैं। प्रासंगिक बने रहने और सफल होने के लिए, स्वयं को लगातार पुनर्जीवित और पुनर्गठित करना महत्वपूर्ण है," उन्होंने स्नातकों को सलाह दी।</p> <p>पेशेवर सफलता के अलावा, प्रोफेसर कुलकर्णी ने जलवायु परिवर्तन जैसी व्यापक वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और फिट रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में अगले तीन दशकों में तापमान में पर्याप्त वृद्धि होने का अनुमान है। "गरीबी उन्मूलन का एकमात्र तरीका जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को एक साथ संबोधित करते हुए तेजी से आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। मुझे उम्मीद है कि आप, स्नातक, परिश्रमपूर्वक काम करेंगे, रचनात्मक रूप से सोचेंगे, और गरीबी और जलवायु परिवर्तन दोनों से निपटने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था में विविधता लाएंगे।</p> <p>दीक्षांत समारोह में आईआईटी धारवाड़ के निदेशक प्रो. वेंकटप्प्या आर. देसाई की टिप्पणियां भी शामिल हुई, जिन्होंने संस्थान की प्रगति पर अपडेट साझा किए। उन्होंने छात्रों के समर्पण, अकादमिक उत्कृष्टता और अभूतपूर्व अनुसंधान पहलों के लिए उनकी प्रशंसा की। प्रो. देसाई ने कहा, "हमारा उद्देश्य छात्रों को एक व्यापक कौशल सेट से लैस करना है जो उन्हें आमदानीश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपने उद्यमशीलता के सपनों को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है।</p> <p>उन्होंने आईआईटी धारवाड़ के लिए एक रोमांचक शैक्षणिक मील के पथर की भी घोषणा की: संस्थान के आठ साल के इतिहास में पहली बार, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईईसीई) इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में दो नए चार साल के बीटेक कार्यक्रम प्रदान करेगा। कुल मिलाकर, 195 स्नातकों ने अपनी डिग्री प्राप्त की, जिसमें शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को विशेष पुरस्कार और प्रशंसना दी गई। इस कार्यक्रम ने आईआईटी धारवाड़ समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित किया क्योंकि यह शिक्षा और अनुसंधान दोनों में प्रगति कर रहा है।</p> |

| शीर्षक | "परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्थिरता" पर भारत-फिनिश संयुक्त पाठ्यक्रम " |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | जुलाई 2024 |
| विवरण | <p>आईआईटी धारवाड़ के बायोसाइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग (बीएसबीई) विभाग ने 19 से 23 अगस्त 2024 तक "सर्कुलर इकोनॉमी एंड स्टेनेबिलिटी" पर एक भारत-फिनिश संयुक्त पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम, जिसमें मास्टर और पीएचडी छात्र शामिल थे, ने भारत और फिनलैंड से केस स्टडी के साथ स्थिरता सिद्धांतों, परिपत्र अर्थव्यवस्था और अंतःविषय अनुसंधान को कवर किया। आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी और पूर्वी फिनलैंड विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के विशेषज्ञों द्वारा विशिष्ट व्याख्यानों के माध्यम से उपस्थित लोगों को भविष्य की पर्यावरण प्रौद्योगिकियों से लैस करना था।</p> |

| शीर्षक | लिमोजेस विश्वविद्यालय फ्रांस के प्रतिनिधियों का दौरा |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | अगस्त 2024 |
| विवरण | <p>प्रो. जीन-क्रिस्टोफ नल्लाताम्बी और डॉ. राफेल सोममेट ने 20 से 22 अगस्त 2024 तक आईआईटी धारवाड़ का दौरा किया। उन्होंने "हाई इलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर (एचईएमटीएस)" के लिए व्यापक जाल लक्षण वर्णन और टीसीएडी भौतिकी-आधारित सिमुलेशन अध्ययन" और "एलगन/गन हेम्ट्स के लिए थर्मल लक्षण वर्णन और सिमुलेशन अध्ययन" पर सेमिनार वार्ता दी और हमारे शोध विद्वानों के साथ बातचीत की।</p> |

| शीर्षक | विद्युत ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए चुंबकीय के डिजाइन और विश्लेषण पर कार्यशाला |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | अगस्त 2024 |
| विवरण | <p>इलेक्ट्रिक पावर अनुप्रयोगों के लिए चुंबकीय के डिजाइन और विश्लेषण पर एक कार्यशाला 24 अगस्त 2024 को आईआईटी धारवाड़ में आयोजित की गई थी, जिसमें इलेक्ट्रिक सिस्टम में चुंबकीय घटकों पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें चुंबकीय में नवीनतम प्रगति शामिल थी। इस कार्यशाला को स्वायत्त नेविगेशन (तिहान), आईआईटी हैदराबाद, पावर एंड एनर्जी ग्रुप [ईईसीई विभाग, आईआईटी धारवाड़] और आईईई छात्र शाखा [आईआईटी धारवाड़] पर प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र द्वारा समर्पित किया गया था।</p> |

| शीर्षक | 8वां स्थापना दिवस समारोह |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | अगस्त 2024 |
| विवरण | <p>24 अगस्त 2024 को, आईआईटी धारवाड़ ने प्रोफेसर टीजी के व्याख्यान के साथ अपना 8वां स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। सीताराम, अध्यक्ष, एआईआईटीई, "कल आकार लेने के लिए तकनीकी शिक्षा की क्षमता को अनलॉकिंग" विषय पर। नवाचार और कौशल विकास पर प्रो. सीताराम की अंतर्दृष्टि विशेष रूप से भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक थी। इस कार्यक्रम में आईआईटी धारवाड़ के उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित करते हुए 8वें स्थापना दिवस पुरस्कार प्रदान किए गए।</p> |

INSTITUTE EVENTS

| शीर्षक | | ई-शिखर सम्मेलन '24: आईआईटी धारवाड़ में भविष्य के उद्यमियों का पोषण |
|--------------|------------|---|
| महीना / वर्ष | तिथि | प्रयोगशाला कार्यक्रम का विवरण |
| विवरण | अगस्त 2024 | <p>आईआईटी धारवाड़ की इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) ने 24-25 अगस्त 2024 को ई-शिखर सम्मेलन '24 की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस उत्सव में छात्रों में उद्यमशीलता कौशल पर टॉक शो, कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं सहित कई गतिविधियाँ शामिल थीं। आईआईआईटी धारवाड़, केएलई टेक विश्वविद्यालय, हुबली और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के एमडी डॉ. जितेंद्र कुमार ने किया। प्रमुख आयोजनों में IDEE'24, 600 प्रतिभागियों के साथ एक पिचिंग प्रतियोगिता और जेनेसिस, धर्ति बायोनेस्ट इनव्यूवेशन सेंटर (बीआईसी) के सहयोग से एक ब्रांड निर्माण कार्यक्रम शामिल था। अन्य हाइलाइट्स में फाईंड-ट-बग 2.0, एक बायोटेक केस स्टडी प्रतियोगिता, और स्ट्रैटेजिक्स '24, एक क्रिकेट-थीम वाला रणनीति गेम शामिल था। प्रो. बद्री नारायण [आईआईटी मद्रास] और श्री सक्षम छिमवाल [आईआईटी धारवाड़] के नेतृत्व में डिजाइन और रचनात्मकता पर कार्यशालाओं ने 100 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया। चार्टर्ड एकाउंटेंट और कंपनी सचिव सुश्री अक्षता अमर द्वारा "फाइनेंस फॉर ऑल 2.0" पर एक टॉक शो ने व्यक्तिगत वित्त सलाह की पेशकश की, जबकि पर्वतारोही नंदिता नागांगादर ने अपने भाषण से प्रेरित किया। शिखर सम्मेलन एक सांस्कृतिक रात के साथ संपन्न हुआ, जिसमें नीलम डांस क्लब, आईआईआईटी धारवाड़ के छात्र और मोह म्यूजिकल बैंड शामिल थे।</p> |

| शीर्षक | | राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह |
|--------------|------------|--|
| महीना / वर्ष | तिथि | प्रयोगशाला कार्यक्रम का विवरण |
| विवरण | अगस्त 2024 | <p>मेजर ध्यानचंद जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस, 28 अगस्त 2024 को खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों की एक शृंखला के साथ मनाया गया, जिसमें छात्रों के लिए 6 किमी और कर्मचारियों / संकाय के लिए 4 किमी की दौड़ शामिल थी। हमारी महिला बैडमिंटन टीम ने कर्नाटक विश्वविद्यालय के खिलाफ जीत हासिल की, और हमारी बास्केटबॉल और टीटी दोनों टीमों ने पहला स्थान हासिल किया।</p> |

| शीर्षक | | कोडिंग क्लब इवेंट - अगस्त से दिसंबर 2024 |
|--------------|----------------------|--|
| महीना / वर्ष | तिथि | प्रयोगशाला कार्यक्रम का विवरण |
| विवरण | अगस्त से दिसंबर 2024 | <p>आईआईटी धारवाड़ के कोडिंग क्लब ने पिछले सेमेस्टर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रोग्रामिंग, साइबर सुरक्षा और खेल विकास कौशल को बढ़ाना था। मुख्य विशेषताओं में अगस्त से अक्टूबर 2024 तक आयोजित एक इंट्रो-इंस्टीट्यूट गेम डेवलपमेंट प्रतियोगिता आर्काडिया के साथ-साथ "पायथन फॉर बिगिनर्स" और "इंट्रोडेक्शन टू कॉम्प्यूटिटिव प्रोग्रामिंग" जैसी कार्यशालाएं शामिल हैं, जिन्हें अगस्त 2024 में पहले वर्ष के छात्रों के लिए तैयार किया गया था। क्लब ने 1 सितंबर, 2024 को कोड प्रतिस्पर्धा विजेता प्रतिस्पर्धा प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता और अक्टूबर 2024 में साइबर सुरक्षा कार्यशालाओं की भी मेजबानी की। वार्षिक इंट्रो-इंस्टीट्यूट हैंकथॉन स्लीपलेस कोडिंग गाथा, 26 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित की गई थी, इसके बाद नवंबर में कंप्यूटर सिस्टम पर उद्योग व्याख्यान हुए, जिसमें व्यावरालकॉम और रेनफोसेक के विशेषज्ञ शामिल थे। दिसंबर में, क्लब ने सुरक्षा और सिस्टम पहेलियों पर केंद्रित फ्लैग प्रतियोगिता पर काजा करने के लिए जीईईएसई पर कब्जा करने का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, साप्ताहिक चर्चाओं में ईबीपीएफ, गेम डेवलपमेंट, डिबगर, क्लाउड कंप्यूटिंग और जीआईटी का उपयोग करके संस्करण नियंत्रण सहित विविध विषयों को शामिल किया गया।</p> |

| शीर्षक | | शिक्षक दिवस समारोह |
|--------------|-------------|---|
| महीना / वर्ष | तिथि | प्रयोगशाला कार्यक्रम का विवरण |
| विवरण | सितंबर 2024 | <p>शिक्षक दिवस (5 सितंबर 2024) पर, हमारे पास चार प्रतिष्ठित वक्ता थे जिन्होंने अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। प्रो. के.वी.आईआईटी बॉम्बे के वैकटेश ने चर्चा की कि अनुसंधान को बाजार अनुप्रयोगों में कैसे अनुवादित किया जा सकता है। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर पुष्पावनम ने एक छात्र के रूप में अपने अनुभवों, अपने शिक्षकों द्वारा प्रदान की गई प्रेरणा और कक्षा से परे बातचीत के महत्व को साझा किया। आईआईटी धारवाड़ के निदेशक प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई ने अपने हाई स्कूल के दिनों से लेकर पीएचडी अध्ययन तक अपने शिक्षक-परामर्शदाताओं की यादें साझा कीं।</p> |

| शीर्षक | | हिन्दी दिवस – "श्रीजन" हिन्दी लेखन प्रतियोगिता |
|--------------|-------------|---|
| महीना / वर्ष | तिथि | प्रयोगशाला कार्यक्रम का विवरण |
| विवरण | सितंबर 2024 | <p>हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर, यानी 13 सितंबर 2024 को, राजभाषा विभाग, आईआईटी धारवाड़ के सहयोग से, "श्रीजन" शीर्षक से एक हिन्दी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।</p> |

| शीर्षक | | "स्वच्छता ही सेवा" (एसएचएस) पर्यावार का अभियान |
|--------------|------------------------|--|
| महीना / वर्ष | तिथि | प्रयोगशाला कार्यक्रम का विवरण |
| विवरण | सितंबर से अक्टूबर 2024 | <p>"भारत सरकार, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय अभियान के रूप में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) पर्यावार का आयोजन किया गया था। आईआईटी धारवाड़ ने इस अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें झील पर स्वच्छता अभियान और प्रतिज्ञाओं और जन जागरूकता कार्यक्रमों जैसी अन्य पहल शामिल हैं।</p> |

INSTITUTE EVENTS

| शीर्षक | आरएसबी ट्रांसमिशन का औद्योगिक दौरा |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | अक्टूबर 2024 |
| विवरण | 19 अक्टूबर 2024 को, एमएमएई विभाग के प्रोफेसर राकेश लिंगम ने अपने विनिर्माण प्रक्रिया पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए आरएसबी ट्रांसमिशन का एक औद्योगिक दौरा किया। आईआईटी धारवाड, उत्तर कर्नाटक के विनिर्माण केंद्र में स्थित होने के कारण, इस पहल का उद्देश्य शिक्षाविदों और स्थानीय उद्योगों के बीच संबंधों को मजबूत करना है, जो "मेक इन इंडिया" पहल और विनिर्माण क्षेत्र के विकास में योगदान देता है। |

| शीर्षक | SEMINAR ON ADVANCES IN AEROSPACE APPLICATIONS |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | अक्टूबर 2024 |
| विवरण | एयरोनॉटिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट बोर्ड (एआर एंड एमपी; डीबी), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और एमएमएई, आईआईटी धारवाड विभाग के एयरोस्पेस रिसोर्सज पैनल ने 23 अक्टूबर 2024 को आईआईटी धारवाड में एयरोस्पेस एप्लिकेशन में एडवांस पर एक सेमिनार का सह-आयोजन किया। संगोष्ठी में अनुसंधान अंतराल, वित्त पोषण के अवसरों और एयरोस्पेस प्रणालियों में तकनीकी दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया। सम्मानित वक्ताओं में डॉ. वी. सुधाकर, वैमानिक विकास एजेंसी, बैंगलुरु; डॉ. अमित सराय, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान, कानपुर; डॉ. विद्यादीश पी., गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान, बैंगलुरु; प्रो. जी. जगदीश, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु; और डॉ. एस.के. पांडे, सचिव, एआरएंडएमपी; डीबी। |

| शीर्षक | ऊर्जा और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए अतिरिक्त विनिर्माण और कार्यात्मक सामग्री पर एसपीएआरसी कार्यशाला |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | नवंबर 2024 |
| विवरण | अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (एसपीएआरसी) ने 25 नवंबर से 29 नवंबर, 2024 तक आईआईटी धारवाड में वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी (वीसीयू), यूएसए के सहयोग से आयोजित ऊर्जा और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए अतिरिक्त विनिर्माण और कार्यात्मक सामग्री पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रायोजित की। प्रो. सोमशेखर एमए, प्रो. रवि हादिमणि, प्रो. अंबुकरासी राजेंद्रन और डॉ. सैयद लद्दाखन द्वारा अंतर्दृष्टि वार्ता की विशेषता रखते हुए, कार्यशाला में 70 प्रतिभागियों ने चर्चा, परियोजना आधारित कार्यों और अनुसंधान गतिविधियों में भाग लिया। उत्पाद विकास और अनुसंधान में असाधारण योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए |

| शीर्षक | एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम - चरण V |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | नवंबर से दिसंबर 2024 |
| विवरण | सरकार की सांस्कृतिक और शैक्षिक पहल के पांचवें चरण के हिस्से के रूप में, बिहार और उसके आसपास के उच्च शिक्षा संस्थानों के 44 छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 26 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक आईआईटी धारवाड, कर्नाटक का दौरा किया। बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा बिहार के लिए नोडल संस्थान और कर्नाटक के लिए आईआईटी धारवाड के रूप में समन्वित कार्यक्रम ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया, पर्यटन को बढ़ावा दिया, प्रगति का प्रदर्शन किया, और राज्यों के बीच आपसी समझ को |

| शीर्षक | 4TH MMAE ANNUAL RESEARCH SYMPOSIUM "SHODHAYANTRIKI-2024" |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | नवंबर 2024 |
| विवरण | मैकेनिकल, सामग्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग ने 30 नवंबर 2024 को चौथे एमएमएई वार्षिक अनुसंधान संगोष्ठी, "शोधायन्त्रिकी-2024" की सफलतापूर्वक मेजबानी की। डॉ. रवि गुह्न (सीटीओ, ईईएक्सएस प्रा. लिमिटेड), श्री राजेश लिंगम (एप्लिकेशन सीनियर मैनेजर, डसॉल्ट सिरटम्स), श्री रोहित पिताले (भुख्य उत्पाद अधिकारी, अनबॉक्स रोबोटिक्स), श्री गुणज वर्मा (तकनीकी खाता प्रबंधक, ANSYS), और श्री हेमंत सत्यनारायण (संस्थापक और सीईओ, इमेजिनेट सॉल्प्टवेयर लैब्स), ने अंतर्दृष्टि वार्ता की। संगोष्ठी में उद्योग के दृष्टिकोण से मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम और छात्र से उद्योग-तैयार प्रोजेक्ट में संकरण जैसे विषयों पर पैनल चर्चा भी शामिल थी: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण |

| शीर्षक | "अनुसंधान और प्रकाशनों में कौशल विकास" पर शीतकालीन पाठ्यक्रम " |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | दिसम्बर 2024 |
| विवरण | ईईसीई विभाग द्वारा आयोजित "अनुसंधान और प्रकाशन में कौशल विकास" शीर्षक से 5 दिवसीय ऑनलाइन शीतकालीन पाठ्यक्रम 16 से 20 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम में अनुसंधान और शैक्षणिक प्रकाशन के लिए आवश्यक कौशल शामिल थे, जिसमें अनुदान प्रस्ताव, शोध पत्र और समीक्षा लेख लिखना, साथ ही जर्नल इंडेक्सेंग और नैतिक विचारों में अंतर्दृष्टि शामिल थी। इंटरैक्टिव सत्र एआई उपकरणों, समय प्रबंधन और पीएचडी गाइड के रूप में भूमिकाओं के लिए प्रतिभागियों को तैयार करने पर केंद्रित थे। |

| शीर्षक | डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम, सदस्य (मानव संसाधन), क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | दिसम्बर 2024 |
| विवरण | 26 दिसंबर 2024 को डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम, सदस्य (एचआर), क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार (जीओआई) का दौरा। |

INSTITUTE EVENTS

| शीर्षक | सरकारी स्कूल शिक्षकों के लिए आईडीनो प्रोग्रामिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | 2024 |
| विवरण | <p>प्रोफेसर विजय जे. कोटागी, सीएसई विभाग, पीएचडी विद्वान् श्री विनय एम. तलगेरी के मार्गदर्शन में, सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से आईडीनो प्रोग्रामिंग पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों को आईडीनो में व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे वे नवीन परियोजनाओं और गतिविधियों के माध्यम से एसटीईएम क्षेत्रों में छात्रों को प्रेरित कर सकें। धारवाड जिले के पांच सरकारी स्कूलों के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, अपनी कक्षाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने में अंतर्दृष्टि प्राप्त की। इस पहल से एसटीईएम शिक्षा में वृद्धि और युवा शिक्षार्थियों के बीच नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।</p> |

| शीर्षक | स्कूल कक्षाओं से लेकर आईआईटी सपनों तक: अगली पीढ़ी को प्रेरित करना |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | 3 rd Quarter FY-2024-25 |
| विवरण | <p>पिछली तिमाही में, हमारे परिसर ने स्कूलों, पीयू कॉलेज और इंजीनियरिंग डिग्री कार्यक्रमों के कई छात्रों का स्वागत किया, जो उन्हें हमारे संस्थान को परिभाषित करने वाली अत्याधुनिक सुविधाओं और शैक्षणिक वातावरण का पहला अनुभव प्रदान करते हैं। छात्रों को संसाधनों और बुनियादी ढांचे से आश्वर्यचकित और प्रेरित छोड़ दिया गया, जो नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। इन यात्राओं का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में करियर करना और आईआईटी धारवाड में उपलब्ध अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। छात्रों और संकाय सहित आगांतुकों ने शुद्ध शून्य पानी, ऊर्जा और अपशिष्ट हरित परिसर प्राप्त करने के हमारे प्रयासों की भी सराहना की, जो स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।</p> <p>अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने इनडोर सामान्य सुविधा, विभिन्न विशेष प्रयोगशालाओं और केंद्रीय शिक्षण थिएटर (सीएलटी) का पता लगाया। उन्हें भौतिकी, जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं में आकर्षक प्रयोग भी दिखाए गए, जिसने उनकी जिज्ञासा को जन्म दिया और वैज्ञानिक अनेकांश में उनकी रुचि को गहरा किया। व्यावहारिक अनुभवों ने छात्रों को एसटीईएम क्षेत्रों के भीतर संभावनाओं के बारे में पेचीदा और उत्साहित छोड़ दिया। विद्यार्थी हमारे बुनियादी ढांचे से भयभीत थे।</p> <p>स्कूल के छात्रों को संबोधित करते हुए, डीन आउटटीच प्रोफेसर शिवप्रसाद एसएम ने उभरती प्रौद्योगिकियों और सभी क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अद्यातन रहने के महत्व पर जोर दिया। उनकी अंतर्दृष्टि ने छात्रों को अपने भविष्य के कारियर की नींव के रूप में प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।</p> <p>प्रोफेसर दिलीप एडी, प्रमुख, सीएसई विभाग, ने छात्रों को समय को महत्व देने और जीवन में बेहतर अवसरों को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके शब्द दर्शकों के साथ गूंजते थे, जो खोज और नवाचार के लिए जुनून को प्रज्वलित करते थे।</p> <p>प्रो. विजय जे. कोटागी, सीएसई (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) विभाग ने कड़ी मेहनत और दृढ़ता के मूल्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईआईटी में प्रवेश हासिल करने के बाद उपलब्ध असंख्य अवसरों के बारे में बात की, जिससे छात्रों को उच्च आकांक्षाएं स्थापित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया गया।</p> <p>प्रो. तमाल दास, सहायक प्रोफेसर, सीएसई विभाग, ने विस्तृत कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया, आईआईटी के मार्ग की रूपरेखा तैयार की और उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं और शैक्षणिक सहायता का प्रदर्शन किया। उन्होंने आईआईटी धारवाड में किए जा रहे परिवर्तनकारी अनुसंधान पर भी जोर दिया, जिससे छात्रों में जिज्ञासा और महत्वाकांक्षा पैदा हो गई।</p> <p>एआई अनुसंधान और इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों में वर्तमान रुझानों पर प्रकाश डालते हुए, प्रोफेसर अच्युत मणि त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, सीएसई विभाग, ने दिखाया कि कैसे नवीन परियोजनाएं भविष्य को आकार दे रही हैं। उनकी बातचीत में एआई के वास्तविक दुनिया के प्रभाव को चिनित किया, जिससे छात्रों को इस गतिशील क्षेत्र का पता लगाने के लिए प्रेरित किया गया।</p> <p>खेल अधिकारी डॉ. कीर्ति कुमार एम ने छात्रों को संबोधित करते हुए हमारे संस्थान में उपलब्ध अत्याधुनिक खेल सुविधाओं पर प्रकाश डाला और समग्र छात्र विकास में शारीरिक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को खेल और फिटनेस गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, इस बात पर जोर दिया कि कैसे नियमित शारीरिक व्यायाम न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक फोकस, अनुशासन और टीम वर्क में सुधार में भी योगदान देता है।</p> <p>सिविल इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के छात्रों को भी हमारे सीआईई विभाग के पीएचडी विद्वानों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। इन वार्तालायों के दौरान, सीआईई (सिविल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग) विभाग के प्रमुख प्रो. गिरिधर राजेश बांदे ने सिविल इंजीनियरिंग के आशाजनक विकास और एक हरित, स्मार्ट और अधिक लचीली दुनिया के नियम में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। विचारों के इस आदान-प्रदान ने छात्रों को अनुशासन की विशाल क्षमता और समाज पर इसके प्रभाव का पता लगाने के लिए प्रेरित किया।</p> <p>इन आकर्षक और अंतर्दृष्टिपूर्ण बातचीत में छात्रों पर गहरा प्रभाव डाला, जिससे उन्हें उच्च लक्ष्य बनाने और आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने पर विचार करने के लिए प्रेरित किया गया। इस तरह की पहल एसटीईएम क्षेत्रों में नवाचारों और नेताओं की अगली पीढ़ी के पोषण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।</p> |

| शीर्षक | मानसिक स्वास्थ्य संवेदीकरण कार्यशाला |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | जनवरी 2025 |
| विवरण | <p>7 जनवरी 2025 को, आईआईटी धारवाड ने छात्र कल्याण अनुभाग द्वारा आयोजित अपनी पहली मानसिक स्वास्थ्य संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में छात्रों और कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य चितावनों के लिए जागरूकता, शीघ्र पता लगाने और प्रभावी हस्तक्षेप बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्रीय व्याख्यान थिएटर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. रिधिमा तिवारी के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद आईआईटी धारवाड के निदेशक प्रो. वैक्प्या आर. देसाई की टिप्पणियां हुईं। प्रो. प्रदीप जी. यामियावर और प्रो. राजशेखर के नेतृत्व में सत्रों ने प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों और संसाधनों समर्थन प्रोटोकॉल को संबोधित किया।</p> |

INSTITUTE EVENTS

| शीर्षक | 10वीं संस्थान संकाय बैठक (आईएफएम-10) |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जनवरी 2025 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड़ ने 9 जनवरी, 2025 को दोपहर 2:00 बजे अपनी 10वीं संस्थान संकाय बैठक (आईएफएम-10) आयोजित की। बैठक ने संकाय सदस्यों को आगामी सेमेस्टर के लिए प्रमुख अपडेट पर चर्चा करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाया। प्रमुख प्रशासनिक अनुभागों जैसे अनुसंधान और विकास (आर एंड डी), संकाय कल्याण और छात्र कल्याण से अपडेट साझा किए गए, उपलब्धियों, चल रही पहलों और भविष्य के लिए योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का समापन संस्थान के लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रतिबद्धता और एक सफल सेमेस्टर के लिए एक साझा दृष्टिकोण के साथ हुआ। |

| शीर्षक | PAN IIT World of Technology 2025 (PIWOT 2025) में भागीदारी |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जनवरी 2025 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड को 17 से 19 जनवरी 2025 तक जियो वर्ल्ड कन्वेशन सेंटर, मुंबई में आयोजित पैन आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी 2025 (पीआईडब्ल्यूओटी 2025) में भाग लेने के लिए सम्मानित किया गया था। |

| शीर्षक | भौतिकी विभाग द्वारा विशेषज्ञ वार्ता श्रृंखला |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जनवरी 2025 |
| विवरण | भौतिकी विभाग ने अपनी शैक्षणिक सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा दी गई 20 से 21 जनवरी 2025 तक विशेषज्ञ वार्ता की एक श्रृंखला की मेजबानी की - प्रो। केजी सुरेश (आईआईटी बॉम्बे), प्रो. अनिंदा सिन्हा (आईआईएससी बैंगलुरु), और प्रो. टीएस महेश (आईआईएसईआर पुणे)। कंडेनड मैटर फिजिक्स, क्वांटम इंफॉर्मेशन और हाई-एनर्जी फिजिक्स में विषयों को कवर करते हुए, सत्रों में आईआईआईटी धारवाड के उपस्थित लोगों सहित विभागों के संकाय और छात्रों की भागीदारी हुई। इस यात्रा में छात्रों और संकाय के साथ बातचीत के साथ-साथ विभाग की अनुदेशास्त्रक और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के निर्देशित दौरे भी शामिल थे। |

| शीर्षक | पीईबी स्टील संरचना का साइट दौरा - स्टील स्ट्रक्चर पाठ्यक्रम का डिजाइन |
|--------------|---|
| महीना / वर्ष | जनवरी 2025 |
| विवरण | स्टील स्ट्रक्चर्स कोर्स के डिजाइन के हिस्से के रूप में, प्रो। रमेश नायक, तीसरे वर्ष बी द्वारा पढ़ाया गया। टेक सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग छात्रों ने बुधवार, 29 जनवरी, 2024 को पीईबी स्टील संरचना के निर्माण स्थल का दौरा किया। केआईएडीबी, बैंगलुरु औद्योगिक क्षेत्र में चल रही परियोजना की साइट यात्रा ने छात्रों को वास्तविक दुनिया की निर्माण प्रथाओं के लिए मूल्यवान व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किया। प्रो. रमेश नायक और एनआईटीईसी टीम के मार्गदर्शन में, इन यात्राओं ने छात्रों को पीईबी स्टील संरचनाओं में नियोजित विभिन्न इस्पात अनुभागों, संरचनात्मक कनेक्शनों और निष्पादन तकनीकों की गहरी समझ हासिल करने में सक्षम बनाया। |

| शीर्षक | PARSEC 5.0: A CONFLUENCE OF INNOVATION, INGENUITY, AND IMAGINATION |
|--------------|--|
| महीना / वर्ष | जनवरी से फरवरी 2025 |
| विवरण | <p>आईआईटी धारवाड का परिसर 31 जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक जीवित रहा, क्योंकि संस्थान का वार्षिक तकनीकी महोत्सव, बेजोड़ ऊर्जा और भव्यता के साथ लौट आया। 12 लाख से अधिक ऑनलाइन छापों और 2,000 से अधिक पंजीकरणों के साथ - ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों - यह कार्यक्रम रचनात्मकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग का केंद्र बन गया। Parsec 5.0 सिर्फ एक घटना नहीं थी - यह एक अनुभव था।</p> <p>प्रायोजक: टाइटल प्रायोजक: स्पर्सिमूह की कंपनियाँ सिल्वर प्रायोजक: नीलकमल एज एंड नेटवेब टेक्नोलॉजीज कांस्य प्रायोजक: क्लाउडफॉर्स.एआई इवेंट पार्टनर: स्टॉक्ग्रो और अनस्टॉप</p> <p>Parsec 5.0 मुख्य आकर्षण</p> <ul style="list-style-type: none">DevHack: 36 घंटे का हैकाथैन, जिसमें AI/ML के जरिए असली समस्याओं के समाधान बनाए गए।AlgoStrike 5.0: ऑफलाइन कोडिंग प्रतियोगिता, जहाँ टॉप प्रोग्रामर्स ने कड़ी टक्कर दी।Build-a-Bot 2.0: 30 घंटे की रोबोटिक्स बिल्ड-अ-थॉन, जिसमें स्वचालित रोबोट डिज़ाइन प्रस्तुत हुए।BitHunt 3.0: टेक्विच + कैप्स ट्रेज़र हंड, एलगोरिदमिक कलूज़ के साथ।Stonkz 3.0: ऑनलाइन मॉक ट्रेडिंग, बिल्कुल रियल मार्केट जैसी डायनेमिक सिमुलेशन के साथ।Veni Vidi Vici: ऑनलाइन CTF, जिसमें क्रिप्टोग्राफी और पेनिटेशन टेस्टिंग चुनौतियाँ शामिल थीं।Solid Edge: SolidWorks और Ansys का उपयोग करके CAD और सिम्युलेशन चैलेंज।Idea Hub: ऑनलाइन स्टार्टअप पिच प्रतियोगिता, जिसमें \$20,000 तक की फंडिंग के अवसर।Cultural Night: शानदार प्रस्तुतियाँ और Anand Bhaskar Collective का लाइव कॉन्सर्ट। |

INSTITUTE EVENTS

| | |
|---------------------|--|
| शीर्षक | "दो-चरण तरल प्रवाह की कम्पूटेशनल तरल गतिशीलता मॉडलिंग: सिद्धांत और अनुप्रयोग" पर एसपीएआरसी कार्यशाला |
| महीना / वर्ष | फरवरी 2025 |
| विवरण | <p>एसपीएआरसी-प्रायोजित एक सप्ताह की कार्यशाला, "दो चरण के तरल प्रवाह की कम्पूटेशनल तरल गतिशीलता मॉडलिंग: सिद्धांत और अनुप्रयोग," 17 फरवरी से 21 फरवरी, 2025 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़ (आईआईटीडीएच) में आयोजित की गई थी। कार्यशाला में विशेषज्ञ वार्ता शामिल थी।</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रो. हर्मेस गाडेल्हा, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय, यूके; प्रो. राजेंद्र के. राय, आईआईटी मंडी; प्रो. धीरज पाटिल, प्रो। हिरण्या डेका, और प्रो। सोंटी सोमशेखर जी, आईआईटी धारवाड़। इस कार्यक्रम ने विभिन्न संस्थानों के 30 प्रतिभागियों को एक साथ लाया, जिससे जटिल तरल प्रवाह के कम्पूटेशनल मॉडलिंग के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा मिला। |

| | |
|---------------------|--|
| शीर्षक | अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह |
| महीना / वर्ष | फरवरी 2025 |
| विवरण | <p>21 फरवरी 2025 को, आईआईटी धारवाड़ ने बड़े उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। संकाय, कर्मचारी, छात्र और उनके परिवारों ने बहुभाषी प्रस्तुतियों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकता में भाषा की भूमिका पर चर्चा में भाग लिया। निदेशक प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई ने मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व पर एक विचारोचनाकारी भाषण दिया। प्रतिनिधियों ने भारत की भाषाई समृद्धि का जश्न मनाते हुए और विविधता में एकता की भावना को मजबूत करते हुए अहोमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, मणिपुरी, उड़िया, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू और तुलू भाषाओं का प्रदर्शन किया।</p> |

| | |
|---------------------|---|
| शीर्षक | आईआईटी धारवाड़ और एनआईटी वारंगल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर |
| महीना / वर्ष | फरवरी 2025 |
| विवरण | <p>आईआईटी धारवाड़ और एनआईटी वारंगल ने अत्याधिक अनुसंधान, संकाय और छात्र विनियम कार्यक्रमों और उद्योग-संचालित अनुसंधान एवं विकास पहलों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 24 फरवरी 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर आईआईटी धारवाड़ के निदेशक प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई और एनआईटी वारंगल के निदेशक प्रो. बिद्याधर सुबुद्धि, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप देते हुए हस्ताक्षर किए गए।</p> |

| | |
|---------------------|---|
| शीर्षक | आईइनवेंटिव-2025 में भागीदारी - प्रमुख आर एंड डी मेला |
| महीना / वर्ष | फरवरी से मार्च 2025 |
| विवरण | <p>आईआईटी धारवाड़ ने 28 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक आईआईटी मद्रास में आयोजित आईइनवेंटिव-2025 में भाग लिया। प्रो. प्रत्याशा भुई, प्रो. रमेश नायका, प्रो. राकेश लिंगम और ईईई, सीआईई और एमएमएई के अनुसंधान विद्वानों द्वारा प्रतिनिधित्व करते हुए, संस्थान ने विषयों के तहत तीन प्रदर्शनी स्टॉलों में नवाचारों का प्रदर्शन किया:</p> <ul style="list-style-type: none"> विमानन, रथा और अंतरिक्ष; स्मार्ट शहर और बुनियादी ढांचा परिसंचरण और स्थिरता <p>प्रदर्शनियों ने प्रभावशाली और सतत अनुसंधान में आईआईटी धारवाड़ के योगदान को रेखांकित करते हुए उत्साहपूर्ण जुड़ाव प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, संकाय ने शिक्षा राज्य मंत्री, आईआईटी निदेशकों, वैश्विक उद्योग के नेताओं और वाणिज्य दूतावास के प्रतिनिधियों के साथ एक गोलमेज चर्चा में भाग लिया, जिससे आईआईटी धारवाड़ के वैश्विक शिक्षाविदों और उद्योग के साथ संबंध मजबूत हुए।</p> |

| | |
|---------------------|--|
| शीर्षक | ईंट विनिर्माण इकाई का तकनीकी दौरा - सिविल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम का परिचय |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | <p>आईआईटी धारवाड़ में सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के पहले वर्ष के छात्रों ने 11 मार्च 2025 को बेलूर, धारवाड़ के पास ईंट विनिर्माण इकाई का तकनीकी दौरा किया। यात्रा का उद्देश्य विनिर्माण प्रक्रिया को समझना, उत्पादन तकनीकों का आकलन करना और इकाई में लागू गुणवत्ता नियंत्रण उपायों का विश्लेषण करना था। इस यात्रा का आयोजन सिविल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर अमरनाथ हेगडे ने 'सिविल इंजीनियरिंग का परिचय' पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में किया था। इस यात्रा ने ईंट निर्माण प्रक्रिया में शामिल व्यावहारिक पहलुओं के बारे में छात्रों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।</p> |

| | |
|---------------------|---|
| शीर्षक | DISTINGUISHED LECTURE SERIES – "NAVIGATING THE INDO-PACIFIC: INDIA'S STRATEGY" |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | <p>18 मार्च 2025 को, आईआईटी धारवाड़ ने विदेश मंत्रालय (एमईए), भारत सरकार की एक पहल, प्रतिष्ठित व्याख्यान शृंखला के उद्घाटन सत्र की मेजबानी की। "राजदूत अनिल वाधवा, विशिष्ट साथी और पूर्व सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय, ने ""नेविगेटिंग द इंडो-पैसिफिक: इंडियाज स्ट्रैटेजी"" पर एक सम्मोहक व्याख्यान दिया।" इस कार्यक्रम में राजदूत दीपा गोपालन वाधवा, प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई, निदेशक, प्रो. एस.एम. शिवप्रसाद (आउटटरीच के डीन), और प्रो. कैरी जयकुमार (विजिटिंग प्रोफेसर और आउटटरीच के सलाहकार)। राजदूत वाधवा ने क्षेत्र के भू-राजनीतिक महत्व, भारत की लुक ईंट और एक ईंट नीतियों और क्वाड जैसे बहुपक्षीय मंचों की भूमिका के बारे में बात</p> |

INSTITUTE EVENTS

| | |
|---------------|--|
| शीर्षक | एनआरएफ-आईएनएई कॉन्वलेव 2025 - "आत्मनिर्भर प्रौद्योगिकी: इंजीनियरिंग ए सिक्योर प्यूचर" |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड़ ने 21 मार्च 2025 को "आत्मनिर्भर टेक्नोलॉजीज: इंजीनियरिंग ए सिक्योर प्यूचर" पर एनआरएफ-आईएनएई कॉन्वलेव 2025 की मेजबानी की। एक दिवसीय कार्यक्रम ने भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए शिक्षाविदों, उद्योग और उद्यमिता के विशेषज्ञों को एक साथ लाया। |
| शीर्षक | रसायन संगृही - रसायन विज्ञान अनुसंधान संगोष्ठी |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी धारवाड़ ने हाल ही में 22 मार्च 2025 को एक दिवसीय रसायन विज्ञान अनुसंधान संगोष्ठी, "रसायन संगृही" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आईआईएससी बैंगलुरु, आईआईटी बॉम्बे, टीआईएफआर हैदराबाद और आईआईटी धारवाड़ के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा रानी चन्द्रमा विश्वविद्यालय, बैलगावी, केएलई टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हुबली और कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ के विशेषज्ञों के साथ अंतर्राष्ट्रीय और ज्ञानवर्धक अनुसंधान वार्ता शामिल थी। |
| शीर्षक | NCC SKILL DEVELOPMENT PROGRAM |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड़ में एनसीसी इकाई ने कर्नल वीसी प्रकाश और एफएलटी के नेतृत्व में 22 मार्च 2025 को एक कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया। लेप्टपनेट दीक्षा। सत्र में कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व और आवश्यक जीवन कौशल पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे उन्हें नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों में सार्थक योगदान देने का अधिकार मिला। |
| शीर्षक | एनएसएस ग्राम शिविर |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड़ ने 65 छात्र स्वयंसेवकों की भागीदारी के साथ 22 से 23 मार्च 2025 तक दो दिवसीय एनएसएस ग्राम शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। शिविर में स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, वृक्षारोपण, स्कूली बच्चों के साथ बातचीत और घरेलू सर्वेक्षण जैसी गतिविधियां शामिल थीं। |
| शीर्षक | MOU SIGNING BETWEEN IIT DHARWAD AND KARNATAKA RENEWABLE ENERGY DEVELOPMENT LTD (KREDL) |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | 24 मार्च 2025 को, आईआईटी धारवाड़ और कर्नाटक रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट लिमिटेड (केआरईडीएल) ने बैंगलुरु में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सतत ऊर्जा में अनुसंधान, शिक्षण और पहुंच को आगे बढ़ाने के लिए एक नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान कुर्सी की स्थापना की गई। प्रो. अभिजीत क्षीरसागर को पहले आईआर आवश्यक अध्यक्ष प्रोफेसर नियुक्त किया गया है और वे किफायती और स्वच्छ ऊर्जा में वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के साथ सहयोगात्मक पहल का नेतृत्व करेंगे। यह साझेदारी, श्री के.पी. द्वारा समर्थित रुद्रपैथ्या (एमडी, केआरईडीएल) और आईआईटी धारवाड़ में प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई, प्रो. एस.एस. मूर्ति, प्रो. धीरज वी. पाटिल और प्रो. प्रत्याशा भुई के नेतृत्व में, नवीकरणीय ऊर्जा में नवाचार को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। |
| शीर्षक | ईआईटी धारवाड़ और आईआरईयू टेक एज्युकेशन बैंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | आईआईटी धारवाड़ और आईआरईयू टेक एज्युकेशन, बैंगलुरु ने आईआईटी धारवाड़ के इनक्यूबेशन सेंटर, धर्टी और आईआरईयू टेक एज्युकेशन प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरु के बीच एक सहयोगी साझेदारी स्थापित करने के लिए 26 मार्च 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य आईआरईयू के स्टार्टअप सह-संस्थापक कार्यक्रम, नवोदित उद्यमी कार्यक्रम या इसी तरह की स्टार्ट-अप पहलों में नामांकित छात्रों द्वारा स्थापित उच्च-संभावित स्टार्टअप के उद्घायन का समर्थन करना है। |
| शीर्षक | वैश्व जल दिवस समारोह - "ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क" |
| महीना / वर्ष | मार्च 2025 |
| विवरण | वैश्व जल दिवस 25 मार्च 2025 को आईआईटी धारवाड़ में "ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क" वैश्विक विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बी. वेंकटेश, वैज्ञानिक जी और प्रमुख, हार्ड रॉक क्लेट्रीय केंद्र, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान शामिल थे। प्रो. वेंकप्प्या आर. देसाई, निदेशक, ने पारंपरिक जल श्रद्धा और आईआईटी धारवाड़ के नेट-जीरो जल और ऊर्जा प्राप्त करने के दृष्टिकोण पर जोर दिया। डॉ. वेंकटेश ने जलवाया परिवर्तन के बीच ग्लोबल इनिशिएटिव संरक्षण की तकाल आवश्यकता पर चर्चा की और जलवाया मॉडल, साझा सामाजिक आर्थिक मार्ग (एसएसपी) और क्षेत्रीय मामलों के अध्ययन से अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुत की। |
| शीर्षक | चरण IV के तहत स्वीकृत जीआईएएन (ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क) पाठ्यक्रम |
| महीना / वर्ष | 2025 |
| विवरण | शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के चरण IV के तहत आईआईटी धारवाड़ को चार जीआईएएन (ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क) पाठ्यक्रम स्वीकृत किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के सहयोग से हमारे संकाय द्वारा समन्वित इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य हमारी कक्षाओं में वैश्विक परिप्रेक्ष्य और अत्याधुनिक ज्ञान लाना |

स्टाफ प्रोफ़ाइल



अभिषेक हदपाड
कनिष्ठ तकनीशियन



अभिषेक कुमार
कनिष्ठ सहायक



आकाश पोल
कनिष्ठ अभियंता



अम्मानोला प्रवीण कुमार
सहायक कार्यकारी अभियंता



अमोल दिवाटे
कनिष्ठ अधीक्षक



आनंद किशोर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



अनिता वर्मा
कनिष्ठ सहायक



अप्पासाहेब विजयानंद शीलावंत
ज्ञान संसाधन एवं सूचना अधिकारी



अरुण वर्मा
सहायक रजिस्ट्रार



अविनाश बी
कनिष्ठ सहायक



भरत जी रेलेकर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



भीमसेन नारायण करादीन
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



चन्द्रशेखर एस
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



चेतन टोटड
सहायक रजिस्ट्रार



चेतन कुमार एम
कनिष्ठ सहायक



चित्रा एस नाइक
कनिष्ठ तकनीशियन

स्टाफ प्रोफ़ाइल



दीपक पी पी
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



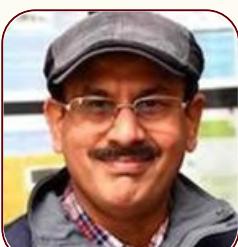
दीपक तिवारी
कनिष्ठ अधीक्षक



दीपिका बी जी
कनिष्ठ तकनीशियन



धीरज कुमार
कनिष्ठ अधीक्षक



डॉ. कल्पना कुमार भट्टाचार्य
रजिस्ट्रार



डॉ. कीर्ति कुमार एम
खेल अधिकारी



गोनेला कार्तिक कुमार
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



जी राम मोहन
कनिष्ठ सहायक



गायत्री रायर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



घनश्याम
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



गिरिधर किशोर
कनिष्ठ अधीक्षक



गौतम आर
कनिष्ठ अधीक्षक



गुंडावेन्नी सुरेश
कनिष्ठ खेल अधिकारी



गुरुमृति एन
कनिष्ठ अधीक्षक



हलागप्पनवरा गिरिशा
कनिष्ठ सहायक



हर्षा एन
कनिष्ठ अधीक्षक

स्टाफ प्रोफ़ाइल



इंद्रपाल
सहायक राजस्त्रार



जीवानन्दराज एस डी
कनिष्ठ तकनीशियन



केंच्यप्पा सासनूर
कनिष्ठ सहायक



खंदू अशोकराव दिंडे
कनिष्ठ अधीक्षक



कुलदीप सिंह
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



लक्ष्मण बी खनपनवर
कनिष्ठ सहायक



मुदुई एस
कनिष्ठ अधीक्षक



मल्लानगौड सोमनगौड पाटिल
कनिष्ठ सहायक



मनिगन्दन सी
कनिष्ठ अभियंता



मंजूनाथ एस गोमप्पनवर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



मंजूनाथ एस कोपार्ड
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



मृतुंजय चन्दवसप्या कडाकोल
कनिष्ठ अधीक्षक



मृतुंजय के. सिद्धनवर
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



नवीन कामनाकेरी
कनिष्ठ सहायक



प्रज्वल एम कपिलेश्वरी
कनिष्ठ अधीक्षक



प्रसीदा टी पी
कनिष्ठ अधीक्षक

स्टाफ प्रोफ़ाइल



प्रतिभा शंकरप्पा तिगडी
कनिष्ठ सहायक



प्रवीण होडलूर
कनिष्ठ अधीक्षक



प्रवीणकुमार मेट्री
कनिष्ठ तकनीशियन



राहुल
कनिष्ठ तकनीशियन



रामचन्द्रन के
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



रमेश कुमार राम
सहायक रजिस्ट्रार



रवि शिवप्रकाश घालीमथ
कनिष्ठ खेल अधिकारी



रावुलपति नागराजू
कनिष्ठ अधीक्षक



संदीप पारीक
उप कुलसचिव



शशांक बनर्जी
कनिष्ठ सहायक



श्रीश चंद्रन टी वी
कनिष्ठ सहायक



श्रीनिधि एस वी
कनिष्ठ अभियंता



ज्यार्दन रेड्डी सिरिगारिराजू
कनिष्ठ सहायक



सुदीप मंडल
कनिष्ठ सहायक



सुजेन्द्र गौड़ा
कनिष्ठ तकनीशियन



संदीप पी
कार्यकारी अभियंता

स्टाफ प्रोफ़ाइल



सुनील एम पूजार
कनिष्ठ सहायक



सुरेश कांचापोगु
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



वी सुब्रमण्यम हनुमानु साई
कनिष्ठ तकनीशियन



वरुण वी
कनिष्ठ सहायक



वेद श्रीकांत
कनिष्ठ अधीक्षक



वेंकटेश्वरलू पी.
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



विनायक बी पाटिल
कनिष्ठ अधीक्षक



विशालाक्षी इरप्पा चन्नन्नवर
कनिष्ठ सहायक

अवसंरचना विकास

अवसंरचना विकास पर संक्षिप्त सारांश

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, अपने कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ.सं.40-1/2015/टीएस के माध्यम सेमेंने दिनांक 8-6-2016 को धारवाड़, धारवाड़ जिले में कर्नाटक राज्य में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करने की मंजूरी दे दी है।

- वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैज्ञानिक सफलताओं और अभिनव प्रौद्योगिकियों के लिए एक महत्वपूर्ण
- हमारी शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक ग्रहणशील, लचीले शिक्षण वातावरण का पोषण करके विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त
- मानव जीवन की बेहतरी की दिशा में सहयोग करने के लिए रचनात्मक और महत्वपूर्ण विचारकों को सक्षम करना

आईआईटीडीएच ने अगस्त 2016 में धारवाड़ में उच्च न्यायालय की पीठ के बगल में स्थित जल और भूमि प्रबंधन संस्थान (वालमी) परिसर में अपने पारगमन परिसर से अपना संचालन शुरू किया। पारगमन परिसर लगभग 135 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें 25 इमारतें और शेड शामिल हैं। आईआईटीडीएच ने सभी इमारतों का पूरी तरह से जीर्णोद्धार, रिट्रोफिटेट और पूरी तरह से नवीनीकरण किया है। लगभग 11 छात्रावास, खेल के मैदान, कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, एक अच्छी तरह से सुसज्जित रसोई और भोजन की सुविधाएं हैं।

कर्नाटक सरकार द्वारा आईआईटी धारवाड़ के स्थायी परिसर के लिए लगभग 470 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। स्थायी परिसर का चरण 1ए मार्च 2023 के अंत तक पूरा होने के लिए निर्धारित है। कंपाउंड वॉल का निर्माण दिसंबर 2019 में राज्य पीडब्ल्यूडी द्वारा पूरा किया गया था।

परियोजना जीवन चक्र के एक भाग के रूप में कुछ प्रमुख मील के पत्थरों को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है जैसे -

- सीपीडब्ल्यूडी के साथ समझौता ज्ञापन की तारीख: 29 मई 2018।
- मास्टर प्लान विवरण और आरेख

आईआईटीडीएच को प्रस्तावित निर्माण के लिए कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा 470.21 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। आईआईटीडीएच ने एक मास्टर प्लान विकसित किया है जो अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ हरा, स्मार्ट और विश्व स्तरीय होगा। 12,000 से अधिक छात्रों के लिए डिजाइन की गई कैंपस मास्टर योजना को तीन चरणों में विकसित करने की कल्पना की गई है। चरण ए और चरण बी के लिए, 2500 छात्रों के लिए इंजीनियरिंग डिजाइन की योजना है। उससे आगे के विस्तार के लिए उपयुक्त क्षेत्र भी निर्धारित किया गया है। परिसर में 100% आवासीय होने की योजना है, जो छात्रों और कर्मचारियों दोनों की सेवा करता है।

योजना की प्रमुख विशेषताएं

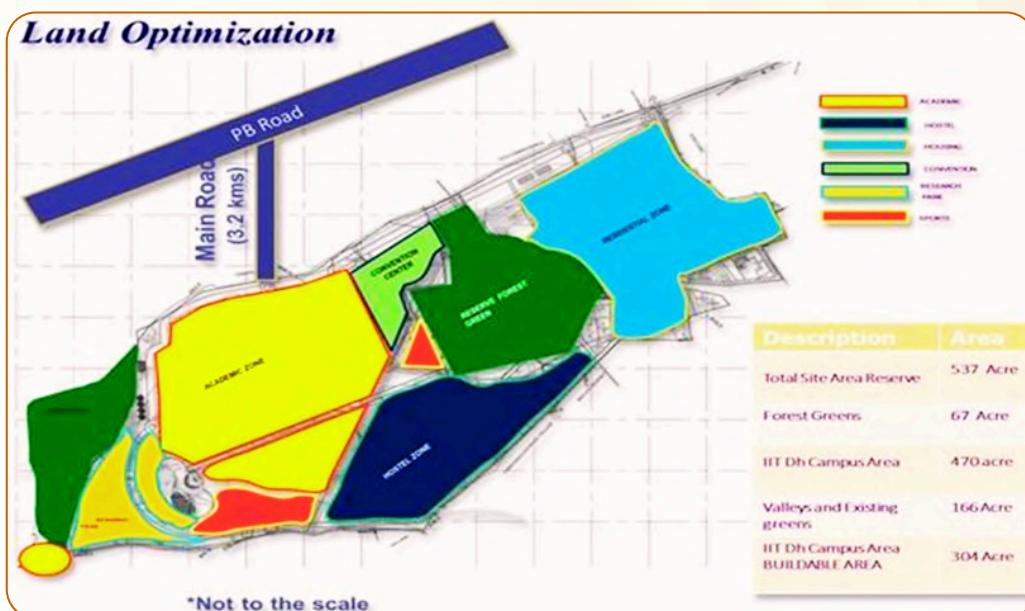
- मौजूद जल निकायों (झीलों) का उपयोग मुख्य छात्र केंद्रों के रूप में किया जाता है।
- शैक्षणिक क्षेत्र छात्र छात्रावासों और अनुसंधान पार्क से सटे प्रवेश द्वार के पास स्थित है।
- या संकाय आवास और/या छात्रों के छात्रावास और उनके आस-पास की सुविधाओं को प्रवेश बिंदुओं तक आसान पहुंच के लिए समर्योजित किया जाता है।
- सामुदायिक मनोरंजन क्षेत्रों के लिए
- छात्र आयोजन के लिए अलग क्षेत्र (तकनीकी, सांस्कृतिक, आदि)
- सक्रिय एकीकृत निष्क्रिय और स्थापत्य डिजाइन विशेषताएं
- जीआरआईएचए 4 एलडी ऊर्जा बैंचमार्क पर न्यूनतम 50% से अधिक
- नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के माध्यम से "शुद्ध शून्य ऊर्जा के पास" भवन
- बीएमएस द्वारा उन्नत ऊर्जा मीटिंग और निगरानी
- स्मार्ट मिनी-ग्रिड प्रणाली और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के साथ एकीकरण
- ताजे पानी की मांग को 50% से अधिक कम करें
- 100% अपशिष्ट जल उपचार और प्लाशिंग, एचवीएसी और लैंडस्केप में पुनः उपयोग
- 100% वर्षा जल संचयन और स्वैल के माध्यम से
- 100% ताजा पानी की मांग पूरी हुई
- 100% ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- केंद्रीय जल निगरानी और SCADA द्वारा नियंत्रण
- भिन्न रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए डिजाइन की गई साइट अवसंरचना
- आरसीसी में फ्लाई ऐश/इंजीनियरिंग अपशिष्ट सामग्री
- कम वीओसी पेंट, फिनिश और सीलेंट

अवसंरचना विकास

पर्यावरण, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, मानव आराम, टिकाऊ सामग्री और संसाधनों आदि के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए, आईआईटीडीएच को प्राप्त हुआ

- i) दिसंबर 2021 में गृह परिषद द्वारा पहला रनर-अप अनुकरणीय निष्क्रिय डिजाइन पुरस्कार, और
- ii) दिसंबर 2022 में एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग के लिए पांच सितारा गृह एलडी मास्टरप्लान रेटिंग

मास्टर प्लान का विषय "स्टेनेबल ग्रीन कैंपस, हुबली धारवाड़ की ऐतिहासिक उत्पत्ति से प्रेरित होकर पश्चिमी घाट और उससे परे विशाल समुद्र में 'द्वार' शहर (गेटवे) के रूप में है। डिजाइन परिसर को ज्ञान के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है, जो प्राकृतिक विशेषताओं और घाटियों को एकीकृत करता है।



अवसंरचना विकास

सभी अनुमोदन / एनओसी जगह में

इस बीच, आईआईटीडीएच ने सभी आवश्यक अनुमोदन (पर्यावरण, मास्टर प्लान और भवन योजना, गृह 4 [एलडी] पूर्व-प्रमाणन, आदि) प्राप्त कर लिए हैं। और एनओसी (अग्निशमन, एआईएए, आदि) निर्माण कार्य शुरू करने के लिए।

| | |
|--|---|
| HUDA Approval | Approval from the Hubli-Dharwad Urban Development Authority for the Master Plan Layout. |
| State Pollution Control Board (PCB) | "Consent to Establish" from the State Pollution Control Board (SPEB) obtained (20 November 2020). |
| Environmental Clearance | Environment Clearance obtained on 28th February 2020. |
| Fire Clearance | NoC report received from DG, Police, 27th November 2019. |
| Airport Authority of India | NoC received it on 28th August 2019. |
| Local Body Approval of Plans | Approval for building plan & the master plan obtained from KIADB on 29 th August 2019. |

परियोजना निष्पादन

शुरू किए गए चरण (चरण 1ए) में, लगभग 1,70,000 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र को शामिल करते हुए सुविधाओं का निर्माण करने का प्रस्ताव किया गया था।

सीपीडब्ल्यूडी ने जमा आधार पर पीएमसी की भूमिका निभाई है। आईआईटीडीएच की ओर से, सीपीडब्ल्यूडी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़ (चरण-1ए) के लिए एक स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 5 अक्टूबर 2019 को एनआईटी प्रक्रिया शुरू की, जिसमें शामिल हैं:

| Sl. No. | Name of Buildings/ Facilities | Sl. No. | Name of Buildings/ Facilities |
|---------|----------------------------------|---------|------------------------------------|
| 1. | Academic Block-I | 2. | Academic Block-II |
| 3. | Knowledge Resource & Data Centre | 4. | Central Lecture Theatre |
| 5. | Administration Block | 6. | Central Instrumentation Facilities |
| 7. | Central Workshop | 8. | Indoor Common Facilities |
| 9. | Dormitory/Security Barrack | 10. | Director's Residence |
| 11. | Mess Block | 12. | Site Office/ Engineering Block |
| 13. | Wellness Centre | 14. | Transit Facility |
| 15. | Common Amenities Building | 16. | Hostel Block I and II |
| 17. | Housing | 18. | External Development |

चरण 1 ए के तहत एक स्थायी परिसर के विकास के लिए 8 जनवरी 2020 को तकनीकी बोलियां खोली गईं। तकनीकी जांच के बाद, सीपीडब्ल्यूडी ने 22 फरवरी 2020 को वित्तीय बोलियां खोलीं। मेसर्स बीजी की वित्तीय बोलीश्रीके तीन योग्य बोलीदाताओं में सबसे कम थे। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा बाहरी विकास सहित निविदा (ईसीपीटी) पर लगाई गई अनुमानित लागत रु। 726.88 करोड़, जबकि सबसे कम बोली रुपये के लिए थी। 643.33 करोड़। 21 मई 2020 से कोविड-19 के कारण लॉकडाउन में छूट के बाद काम शुरू हुआ।

अवसंरचना विकास

निर्माण ठेके दिए गए

| Name of the Contractor | Scope of Work | Contract Award Value in Crores (₹) | Date of Commencement of Work | Date of Completion |
|--|--|------------------------------------|------------------------------|--------------------|
| M/s B G Shirke Construction Technology Pvt. Ltd., Pune | Development & Construction of Permanent Campus of IIT DHARWAD under Phase-1A | 643.86 | 21st May 2020 | 16th October 2023 |

आईआईटी धारवाड के विकास के लिए परियोजना को 24 अक्टूबर, 2017 को 1,062.83 करोड़ रुपये की प्रारंभिक परियोजना लागत के साथ मंजूरी दी गई थी, जिसमें सिविल कार्यों के लिए 851.88 करोड़ रुपये और उपकरण और फर्नीचर के लिए 210.95 करोड़ रुपये शामिल थे। संशोधन के बाद, सिविल कार्यों के लिए 930.36 करोड़ रुपये और उपकरण और फर्नीचर के लिए 231.11 करोड़ रुपये के साथ कुल लागत बढ़कर 1,161.47 करोड़ रुपये हो गई। 20 मई, 2022 की निर्धारित पूर्णता तिथि के साथ 21 मई, 2020 को निर्माण शुरू हुआ। यह परियोजना निम्नलिखित पूरी तरह से परिचालन सुविधाओं के साथ 16-10-2023 को पूरी हो गई है।

| Sl. No. | Name of Buildings/ Facilities | Features |
|---------|------------------------------------|---|
| 1 | Administration Block | Director's office, Registrar's office and administrative staff office space |
| 2 | Academic Block-1 | Faculty office and research labs |
| 3 | Academic Block-2 | Faculty office and research labs |
| 4 | Knowledge Resource and Data Centre | Library and data centre |
| 5 | Central Learning Theatre | Lecture halls and auditoriums |
| 6 | Central Instructional Lab | Teaching labs |
| 7 | Central Instrumentation Facility | Central special equipment facility |
| 8 | Hostel Block-1 | Students hostel |
| 9 | Hostel Block -2 | Students hostel |
| 10 | Directors Residence | The Director's home |
| 11 | Housing Block | Faculty housing |
| 12 | Wellness Centre | Occupational health centre |
| 13 | Common Amenities Centre | - |
| 14 | Indoor Common Facility | Sports complex |
| 15 | Mess Block | Dining facility |
| 16 | Transit Facility | Guest rooms |
| 17 | Engineering Site Office | PMC office |
| 18 | Main Gate Complex | - |
| 19 | Housing Gate Complex | - |

अवसंरचना विकास

परियोजना 16-10-2023 को पूरी हो गई थी, और पारगमन परिसर से स्थानांतरण दिसंबर 2023 के मध्य तक पूरा हो गया था। आईआईटी धारवाड़ दिसंबर 2023 से स्थायी परिसर से पूरी तरह से चालू है।

द्वारा दी गई सहायता का संक्षिप्त विवरण -

- आने वाले पानी की आपूर्ति: 2.6 किमी आने वाले पानी की आपूर्ति का चरण 1 पूरा हो गया है, और आपूर्ति शुरू हो गई है।
- 33 केवी आने वाली बिजली आपूर्ति: आने वाली बिजली आपूर्ति बिछाने के लिए समर्पित केबल पूरी हो गई है, और लाइन का चार्जिंग पूरा हो गया है।
- एनकेएन कनेक्टिविटी: सेवा प्रदाता, बीएसएनएल और पावर ग्रिड द्वारा केबल बिछाना पूरा हो गया है।
- परिसर से गुजरने वाली 220 केवी एचटी लाइनों का स्थानांतरण: कार्य दिसंबर 2023 तक पूरा हो गया है।



Academic Block I



Academic Block II

अवसंरचना विकास



Administration Block



Knowledge Resource And Data Centre

अवसंरचना विकास



Central Learning Theatre



Central Instrumentation Facility



Central Instructional Laboratories



Transit Facility

अवसंरचना विकास



Hostel Block I



Hostel Block II

अवसंरचना विकास



Mess



Indoor Sports Complex

अवसंरचना विकास



Wellness Center



Director's Residence

अवसंरचना विकास



Housing Block I



Swimming Pool

अवसंरचना विकास



Pond



Housing Gate

अवसंरचना विकास



Main Gate Complex



Engineering Site Office Block

अवसंरचना विकास



Electric Sub Station II



Electric Sub Station III

अवसंरचना विकास



Electric Sub Station IV



Security Barrack



Sewage Treatment Plant

SUMMARY OF THE ACCOUNTS

BALANCE SHEET AS ON 31/03/2025

(Amount in ₹)

| PARTICULARS | Schedule | Current Year 2024-2025 | Previous Year 2023-2024 |
|---|----------|--------------------------|--------------------------|
| SOURCES OF FUNDS | | | |
| CAPITAL FUND | 1 | 11,689,528,115.00 | 10,855,067,366.00 |
| DESIGNATED / EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS | 2 | 104,147,237.00 | 95,199,610.00 |
| LOANS | 2A | - | - |
| CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS | 3 | 345,749,243.09 | 297,497,491.50 |
| TOTAL (A) | | 12,139,424,595.00 | 11,247,764,468.00 |
| APPLICATION OF FUNDS | | | |
| FIXED ASSETS | | | |
| TANGIBLE ASSETS | 4 | 10,114,519,198.00 | 9,144,171,110.00 |
| CAPITAL WORKS-IN-PROGRESS | 4 | 91,135,636.00 | 339,119,144.00 |
| INTANGIBLE ASSETS | 4 | 51,229,129.01 | 44,756,168.00 |
| INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS/CORPUS FUND/RESERVE FUND | 5 | 676,375,813.00 | 391,633,965.00 |
| INVESTMENTS OTHERS | 6 | - | - |
| CURRENT ASSETS | 7 | 718,879,727.00 | 743,708,032.00 |
| LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS | 8 | 487,285,092.00 | 584,376,049.00 |
| TOTAL (B) | | 12,139,424,595.00 | 11,247,764,468.00 |

SUMMARY OF THE ACCOUNTS

INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED ON 31/03/2025

(Amount in ₹)

| PARTICULARS | Schedule | Current Year 2024-2025 | Previous Year 2023-2024 |
|--|----------|-------------------------|-------------------------|
| INCOME | | | |
| ACADEMIC RECEIPTS | 9 | 155,446,895.00 | 128,744,907.00 |
| GRANTS / SUBSIDIES | 10 | 623,701,355.00 | 622,034,043.00 |
| INCOME FROM INVESTMENTS | 11 | 44,422,451.00 | 39,573,683.00 |
| INTEREST EARNED | 12 | 617,112.00 | 183,380.00 |
| OTHER INCOME | 13 | 12,310,337.00 | 6,742,326.00 |
| PRIOR PERIOD INCOME | 14 | 13,686,695.00 | 137,850.00 |
| TOTAL (A) | | 850,184,845.00 | 797,416,189.00 |
| EXPENDITURE | | | |
| STAFF PAYMENTS AND BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES) | 15 | 356,901,414.00 | 356,859,562.00 |
| ACADEMIC EXPENSES | 16 | 146,956,665.31 | 104,316,779.00 |
| ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES | 17 | 131,253,641.00 | 146,725,936.00 |
| TRANSPORTATION EXPENSES | 18 | 10,137,961.00 | 12,289,674.00 |
| REPAIRS & MAINTENANCE | 19 | 41,152,479.81 | 27,170,271.00 |
| FINANCE COSTS | 20 | 11,050.41 | 34,638.00 |
| DEPRECIATION | | 417,721,143.00 | 309,455,918.00 |
| OTHER EXPENSES | 21 | - | - |
| PRIOR PERIOD EXPENSES | 22 | - | - |
| TOTAL (B) | | 1,104,134,354.53 | 956,852,778.00 |
| Balance being excess of Income over Expenditure (A-B) | | -253,949,509.53 | -159,436,589.00 |
| Adjusted from Capital Fund (Depreciation) | | 0.00 | 0.00 |
| Transfer to Capital Fund | | -253,949,509.53 | -159,436,589.00 |
| Transfer to/from Designated fund | | 0.00 | 0.00 |
| Building Fund | | 0.00 | 0.00 |
| Others (specify) | | 0.00 | 0.00 |
| BALANCE BEING SHOWN AS CAPITAL FUND | | -253,949,509.53 | -159,436,589.00 |

SUMMARY OF THE ACCOUNTS

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD FROM 01/04/2024 TO 31/03/2025

| Receipts | | Amount In ₹ | Payments | | Amount In ₹ |
|--|------------------|------------------|---|----------------|------------------|
| I Opening Balances | | | I Expenses | | |
| a) Cash in hand | | | a) Establishment Expenses | 248,176,055 | |
| b) Bank Balances | | | b) Academic Expenses | 146,629,550 | |
| I. In Current Account | - | 125,674.32 | c) Administrative Expenses | 121,385,305 | |
| II. In Current Account - R&D | | 178,372,781.08 | d) Administrative Expenses - SW | 200 | |
| III. In Deposit Account | - | 955,911,921.00 | e) Transportation Expenses | 9,905,234 | |
| IV. Earmarked/Endowment fund | 391,633,964.70 | | f) Repairs and Maintenance | 40,639,032 | |
| V. Institute Fund | 564,277,956.30 | | g) Prior Period Expenses | - | 566,735,376.42 |
| VI. Deposits - R and D | | | | | |
| VII. In Saving Account | - | 76,015 | II Payment against Earmarked / Endowment Funds | | 1,160,589 |
| | | | III Payment against Sponsored Projects / Schemes - R&D | | |
| II Grant Received | | | a) PMRF Fellowship | | 5,571,465 |
| a) From Government of India | 1,701,500,000.00 | | | | |
| b) From State Government | | | IV Payment against Sponsored Fellowships and Scholarship | | |
| c) PMRF Grant | 6,054,513.00 | | | | |
| d) From other sources | 689,874.00 | 1,708,244,387.00 | | | |
| | | | V Investments and deposits made | | |
| III Academic Receipts | | | a) Out of Earmarked / Endowment Fund | - | |
| a) Fees from Students | 249,223,572.00 | | b) Out of Own Funds | - | |
| b) Other Receipts from Students | 563,140 | | | | |
| b) Other Receipts from Students - SW | 352,241 | | VI Term deposits with Schedule Banks for earmarked funds | - | |
| c) All India Entrance Examination Receipts | | | | | |
| c) Other Course fees | 1,140,605 | | | | |
| d) From other sources | 0.00 | 251,279,558.00 | VII Expenditure on Fixed Assets, deferred revenue expenditure and Capital Work in Progress | | |
| | | | a) Fixed Assets and deferred revenue expenditure | 842,761,146.00 | |
| IV Receipts against Earmarked / Endowment Fund | - | 1,669,982 | b) Work-in-progress | 205,256,728.00 | 1,048,017,874.00 |
| V Receipts against Sponsored Projects /Schemes - SW | - | 694,728 | VIII Other Payment including Statutory Payments | | |
| V Receipts against Sponsored Projects /Schemes - R&D | | 122,650,399.68 | a) Other Adjustable Account | - | |
| | | | b) Bank charges | 131,164 | |
| VI Receipts against Sponsored Fellowships and Scholarship | - | 3,870,409.00 | b) Bank charges - SW | 654 | |
| | | | b) Bank charges - R&D | 7158.76 | |

SUMMARY OF THE ACCOUNTS

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD FROM 01/04/2024 TO 31/03/2025

| Receipts | | Amount In ₹ | Payments | | Amount In ₹ |
|--|---------------|----------------------|--|----------------|-----------------------|
| VII Income on Investment from | | | d) Statutory Payments | 100,067,418.00 | |
| a) Earmarked / Endowment Fund | - | 22,634,312.00 | d) Statutory Payments - SW | 32,079 | 100,238,473.76 |
| b) Other Investment | - | | | | |
| | | | IX Refund of Grants | | 3,332,875.00 |
| VIII Interest Received on | | | | | |
| a) On Bank Deposits | 30,677,229.00 | | X Deposits and Advances | | |
| b) On Bank Deposits - R&D | 11,131,988.05 | | a) Advances Account | 20,986,404 | |
| c) Loans, Advances etc. | 0.00 | | a) Advances Account - SW | 1,548,031.00 | |
| d) Saving Bank accounts | 1,604.00 | | b) Refundable Deposits | 9,657,660.00 | |
| e) TDS refund | 617,112.00 | 42,427,933.05 | c) Recoverable Deposits | - | |
| | | | d) Fees from students for specified purposes | 47,703,934.00 | 79,896,029.00 |
| IX Investment Encashed | - | 0.00 | | | |
| X Term Deposits with Schedule Bank | | 0.00 | XI Other Payment | | |
| Encashed | | | a) Grant from other organizations | 3,835.00 | |
| | | | b) Sundry Creditors | 3,209,442 | |
| XI Other Income (Including Prior Period Income) | | | b) Sundry Creditors - SW | 2,620,625.00 | |
| a) Continuing Education Programme | 0.00 | | b) Sundry Creditors - R&D | 76448937.5 | |
| b) Miscellaneous Receipts | | | c) O/S Exp | | |
| c) Workshop / Courses | | | d) Mess Expenses | 39,877,959 | |
| d) Other Income | 7,007,100 | | e) R and D | 15,874,073.00 | |
| e) Other Income - SW | 526,621 | | f) Grant OH-31 - Asean scholarship | - | |
| f) Guest House Receipts | 1,342,372.72 | 8,876,093.72 | g) Professional Development Fund -R&D | 2093785 | |
| | | | h) Bank chargeS | | |
| XII Deposits and Advances | | | i) Project Payment | 43835593.33 | |
| a) Advances Account | 8,181,611 | | j) JRF SRF Stipend - R&D | 20462427 | |
| b) Advances Account - SW | 2,138,865 | | k) Workshop and courses - R&D | 2747984.85 | |
| c) Refundable Deposits | 16,518,568 | | l) Institute Development Fund - R&D | -37303.72 | |
| d) Recoverable Deposits | | | m) CSR | - | |
| e) Fees from students | 5,061,923 | | n) Department Devlopment Fund - R&D | 43274.5 | |
| f) Fees from students - SW | 34,404,694 | | o) Cash Award to Students - R&D | 130000 | |
| g) Other Receipts | 22,781,182 | | p) SCIF Development Fund - R&D | 1410 | |
| h) Other Receipts - SW | 52,092 | 89,138,935.00 | s) IEEE-Student Branch - R&D | 22587 | |
| | | | t) KREDL-RENEWABLE ENERGY | 122947 | |

SUMMARY OF THE ACCOUNTS

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD FROM 01/04/2024 TO 31/03/2025

| Receipts | | Amount In ₹ | Payments | | Amount In ₹ |
|--|---------------|-------------------------|--------------------------------|----------------|-------------------------|
| XIII Miscellaneous Receipts Including Statutory Receipts -R&D | | 3,632,801.00 | u) Other Payments | 12,031,823 | |
| a) Other Adjustable Accounts | | | v) Student Welfare | 76,101 | 219,565,500.46 |
| | | | | | |
| XIV Any Other Receipts | | | V Closing Balances | | |
| a) Grants from other Organisations | 12,500.00 | | a) Cash in hand | - | |
| b) Sundry Debtors | - | | b) Bank Balances | - | |
| c) Income Tax Refund | 11,770,385.00 | | I. In Current Account - Main | - | 155,627.00 |
| d) R & D | 10,638,706.00 | | II. In Current Account - SW | | 18,967,652.00 |
| e) Project Receipts -SW | - | | III. In Current Account - R&D | | 61,528,175.48 |
| f) Summer Courses/ Fellowship - R&D | 707,566.00 | | IV. In Deposit Account | - | 1,179,592,814.02 |
| g) Performance Bank Guarantee -R&D | -21822 | | V. Earmarked/Endowment fund | 676,272,045.70 | |
| h) Unclaimed amount | - | | VI. Institute Fund | 503,320,768.32 | - |
| i) Duties and Taxes collected -R&D | 766,527.89 | | VII. In Deposit Account - SW | | 15,000,000.00 |
| j) Professional Development Fund -R&D | 283,825.00 | | VIII. In Deposit Account - R&D | | 115,000,000.00 |
| k) SCIF Development Fund | | | IX. In Saving Account | - | 28,747.00 |
| l) Student Welfare | 15,079.00 | | | | |
| m)GTRE MMAE KMC - R&D | 16,885.00 | | | | |
| n)KREDL-RENEWABLE ENERGY - R&D | 981,591.00 | | | | |
| o) IEEE-Student Branch Fund - R&D | 14025 | 25,185,267.89 | | | |
| Total | | 3,414,791,198.00 | | Total | 3,414,791,198.00 |



॥ सा विद्या या विमुक्तये ॥

भारतीय डॉक्टरेन्टल नॉनस्ट्रॉ धारवाड़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड
Indian Institute of Technology Dharwad

2024-25

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़

स्थायी परिसर, चिक्कमलिगावाड़ धारवाड़

कर्नाटक - 580 011

भारत

